

A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF THE SANSKRIT MANUSCRIPTS

Volume IX

PART II



SAMPURNANAND SANSKRIT VIŚVAVIDYĀLAYA LIBRARY

(SARASVATĪ BHAVANA) VARANASI, INDIA

A Descriptive Catalogue *of* **The Sanskrit Manuscripts**

*Acquired for and Deposited in the Sampurnanand
Sanskrit University (Sarasvati-Bhavana) Library
Varanasi during the years 1951-1981*

Volume IX

PART II

JYAUTIṢA MANUSCRIPTS



Compiled by

*The Staff of the Manuscripts Section of the Sampurnanand
Sanskrit University (Sarasvati Bhavana) Library,
Varanasi*

1992

Supervisor—
Prof. Lakshmi Narayan Tiwari
Ex. Librarian,
Sarasvati Bhavana Library,
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi.



[Published under the Rare Texts Publication Scheme of Sarasvati Bhavanā Library
with the financial assistance provided by University Grants Commission, New Delhi]



Published by—
Dr. Harish Chandra Mani Tripathi
Publication Officer,
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi-221 002.



Available at—
Sales Department,
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi-221 002.



First Edition, 500 Copies
Price Rs. 66.00



Printed by—
Tara Printing Works
Kamaccha, Varanasi.

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्थ-

सरस्वतीभवनपुस्तकालये

ख्रीस्तोय १९५१ तमवर्षात् १९८१ तमवर्षपर्यन्तं सङ्गृहीतानां
हस्तलिखितसंस्कृतग्रन्थानां

विवरणपञ्जिका

तस्या अयं

ज्यौतिषग्रन्थसङ्ग्रहात्मकः

नवमो भागः

(द्वितीयः खण्डः)



सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्थ-

सरस्वतीभवनाख्यपुस्तकालयहस्तलिखितग्रन्थविभागसम्बद्धविद्वद्भिः

सम्पादितः

२०४९ तमे वैक्रमान्दे

१९१४ तमे शकान्दे

१९९२ तमे ख्रैस्तान्दे

पर्यवेक्षकः—

प्रो० लक्ष्मीनारायणतिवारी
तदानोन्तनपुस्तकालयाध्यक्षः,
सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य
सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये
वाराणसी ।

□

[सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य प्रकाशनसम्बन्धिविशेषयोजनान्तर्गतं
विश्वविद्यालयानुदानायोगतः प्राप्तवित्तीयसाहाय्येन प्रकाशितम्]

□

प्रकाशकः—

डॉ० हरिश्चन्द्रमणित्रिपाठी
प्रकाशनाधिकारी,
सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य
वाराणसी-२२१ ००२.

□

प्रासिस्थानम्—

विक्रय-विभागः,
सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य
वाराणसी-२२१ ००२.

□

प्रथमं संस्करणम्, ५०० प्रतिरूपाणि
मूल्यम्—६६-०० रूप्यकाणि

□

मुद्रकः—

तारा प्रिंटिंग वर्क्स
कमच्छा, वाराणसी

प्ररोचना

‘विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगः’ इत्याख्यया संस्थया सानुग्रहं सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य सरस्वतीभवनग्रन्थालयनिधिभूतानां संस्कृत-पालि-प्राकृतमातृकाणां विवरणात्मिकायाः सूच्या निर्माणार्थं प्रकाशनार्थं च पञ्चमपञ्चवार्षिकावधौ विश्वविद्यालयाय साहाय्यानुदानं स्वीकृतम् । तस्य बलेन हस्तलिखित-विवरणपञ्जिका षोडशखण्डात्मिका तदानीन्तनेः पुस्तकाध्यक्षेः श्रीलक्ष्मीनारायणतिवारिसुधीभिः सरस्वती-भवनपुस्तकालयपण्डितान् संयोज्य निर्मिता, मुद्रणार्थं सज्जीकृता महता परिश्रमेण मनोयोगेन च । एतदर्थं ते, तेषां सहभागिनश्च भूरिशः साधुवादाहर्हाः । तेषां श्रमोऽघुना प्रकाश्यमानः सन् फलं लभमान इति महतः परितोषस्य विषयः ।

एषा हस्तलिखितविवरणपञ्जिका अनुविषयं खण्डनिबद्धा । अत्र विवरणे पाण्डुलिपिप्राप्तिक्रमसंख्या, ग्रन्थनाम, ग्रन्थकारनाम, यत्र कुत्रापि पत्रसंख्याविवरणम्, आकारः, पङ्क्तिसंख्या, अक्षरसंख्या, लिपिः, आधारः, लिपिकालः, पूर्णापूर्णाविवेकः, विशेषविवरणम्—इत्येतत् तालिकाबद्धरूपेण प्रपञ्चितम्, विवरणं तु प्राप्तिसंख्याक्रमानुसारम् ।

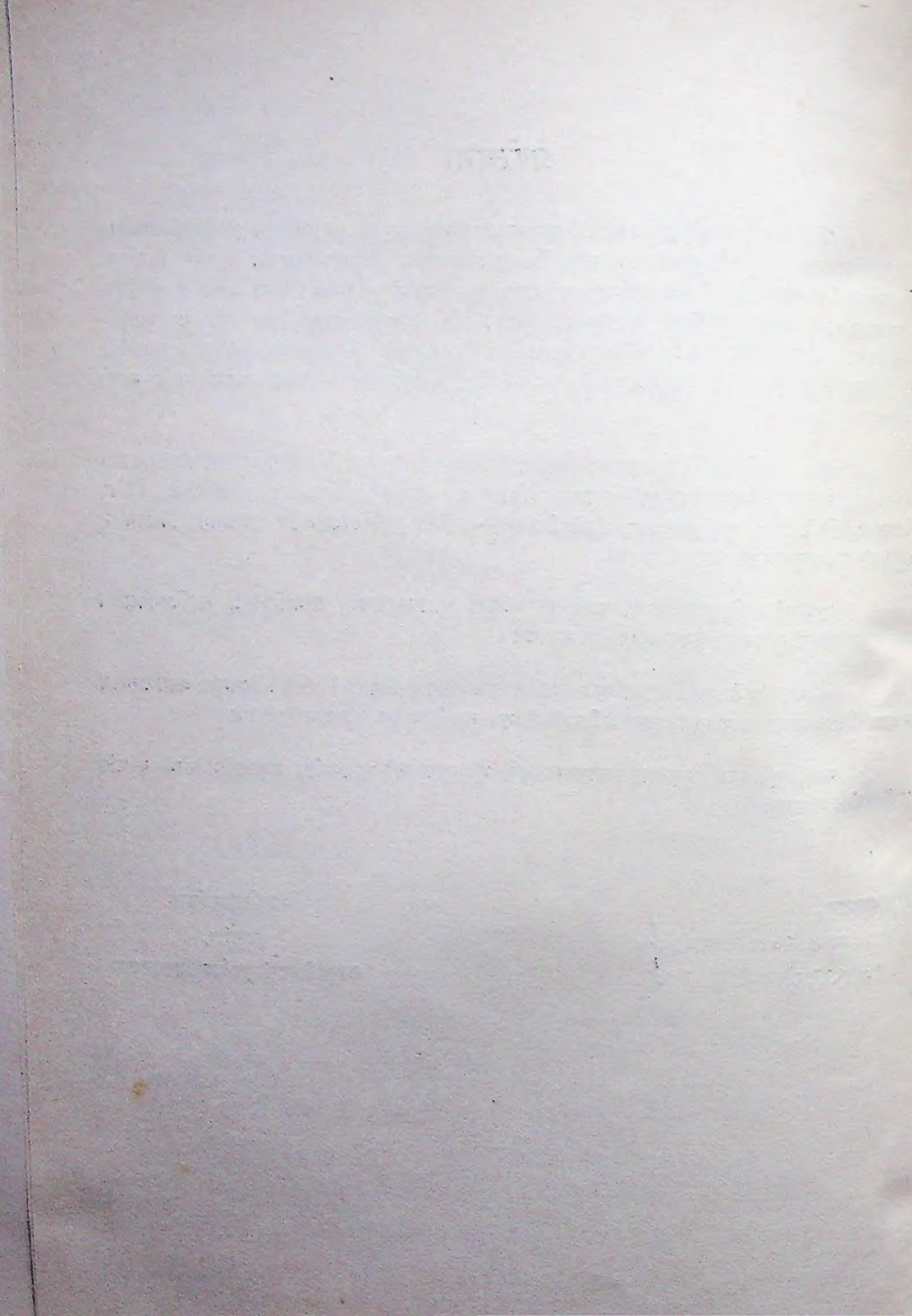
एतत्सर्वं कार्यं सूक्ष्मेक्षिकाम्, प्राचीनानां लिपीनां वाचनकोशलम्, ग्रन्थान्वितिश्च समुदितमपेक्षते । अत एव नितान्तं दुष्करम् । केवलं श्रद्धया एव सम्पद्यते ।

अस्मिन् खण्डे ज्योतिषग्रन्थविषयकाणां हस्तलिखितपाण्डुलिपीनां विवरणं प्रस्तुतम् । अस्य ग्रन्थस्य मुद्रकाणां तारायन्त्रालयस्य सञ्चालकानां धैर्यं प्रशंसनीयम् । तदर्थं तेभ्यो धन्यवादान् वितरामि ।

मन्ये, एष प्रयत्नोऽनुसन्धातृसाधारणस्य कृते भूयानुपकारको भविष्यति, सरस्वतीभवनस्य कृतेऽपि कीर्तिवर्धनो भविष्यतीति ।

वाराणस्याम्,
विजयदशम्याम्, २०४९ वैक्रमाब्दे
(६।१०।१९९२ ख्रैस्ताब्दे)

विद्यानिवासमिश्रः
कुलपतिः,
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य



हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकायाः

नवमो भागः

द्वितीयः खण्डः

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|---|----------------------|
| ९७९८३ | भास्वतोविवरणम् | माधवमिश्रः | १-८१, ८१-९८, १०० । |
| ९७९८४ | करणप्रकाशः सटीकः | ब्रह्मदेवः | १-१३ । |
| ९७९८५ | तिथिनक्षत्रयोगसारणी | | १-१२ । |
| ९७९८६ | वेदाङ्गज्योतिषम् | लगधः | १-३ । |
| ९७९८७ | सुधीरञ्जनी | केशवः | १-१३ । |
| ९७९८८ | भुवनकोशविरोधसमाधानम् | | १-२६ । |
| ९७९८९ | खण्डखाद्यकं सटीकम् | ब्रह्मगुप्तः टी०का०-उत्पलः | १-३० । |
| ९७९९० | ग्रहणदर्पणम् | | १-५ । |
| ९७९९१ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-३४ । |
| ९७९९२ | लग्नसारिणी | | १ । |
| ९७९९३ | " | | १ । |
| ९७९९४ | मकरन्दोदाहृतिः | विश्वनाथः | १-११ । |
| ९७९९५ | लग्नसारिणी | | १-२ । |
| ९७९९६ | लीलावती | | २ गणनया । |
| ९७९९७ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी० का०- गङ्गाधरः | १-१२, १८-२०, २२-४२ । |
| ९७९९८ | कालज्ञानम् | | १-५ । |
| ९७९९९ | ग्रहणद्वयसाधनम् | विश्वनाथदेवज्ञः | १-३ । |
| ९८००० | ग्रहणमाला | | १-३ । |
| ९८००१ | यन्त्रराजः | महेन्द्रसूरिः टी० का०- मलयेन्द्रसूरिः | १-२४, २६-४६ । |
| ९८००२ | स्वाङ्गमपदार्थः | | १-४ । |
| ९८००३ | वेदाङ्गज्योतिषम् | | १-५ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|----------------------|
| १'१×४'२ | ९ | २७ | दि. ना. | का. | १६३० | अपूर्णः | |
| १'२×४ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १'२×४'२ | १२ | ४९ | " | " | श० १७७३ | पू० | |
| १'५×४'४ | ९ | ३१ | " | " | | " | कालज्ञानं वा । |
| १०'६×४'५ | ६ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| ८'×४'९ | ८ | २१ | " | " | श० १७५९ | पू० | |
| ८'२×६'७ | ३६ | १३ | " | " | | " | |
| ११'५×४'२ | १२ | ६२ | " | " | | " | |
| १०'२×४'४ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| १२'५×६'४ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १२'९×९'३ | × | × | " | " | | " | |
| ९'७×५ | १८ | ३५ | " | " | | पू० | |
| ८'९×५'१ | १३ | १७ | " | " | | अपू० | अयोध्यायाम् । |
| ८'८×४'८ | १४ | ३० | " | " | | " | |
| ८'८×४'९ | १४ | ३२ | " | " | | " | टी०-गणितामृतसागरी । |
| ५'५×२'५ | १० | २१ | " | " | | पू० | वेदाङ्गज्योतिषं वा । |
| ८'६×३'५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १'२×३'८ | १२ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'१×३'९ | ११ | ४१ | " | " | | " | |
| १४'५×५'७ | ११ | ४७ | " | " | | पू० | |
| ८'४×४'६ | ८ | २२ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|----------------|--|
| ९८००४ | रामविनोदसारिणी | | १-४ + १ । |
| ९८००५ | पञ्चाङ्गोपयोगिग्रहसारणी | | ९ गणनया । |
| ९८००६ | रेखागणितम् | जगन्नाथः | १-३५ । |
| ९८००७ | बीजगणितव्याख्या | सूर्यः | १-१८३ । |
| ९८००८ | रेखागणितसारः | | १-१६ + १६ गणनया । |
| ९८००९ | अनन्तसुधारससारणी | | १-१४ । |
| ९८०१० | कामधेनुः | | १-४ । |
| ९८०११ | ग्रहकल्पवल्ली | गोपालदासः | १-१८ । |
| ९८०१२ | धीकोटिः | श्रीपतिः | १-७ । |
| ९८०१३ | सूर्यसिद्धान्तसारिणी | सुधाकरद्विवेदी | २५८ गणनया । |
| ९८०१४ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-३८ । |
| ९८०१५ | बीजगणितटीका | कृष्णः | २-४१, ४३-५३, ५८ + २, ६३, ६८, ७०, ७२-७५, ७७-८९, ९१, ९१-९७, ९९-१०४, १०७, ११०-११२, ११५, १२७, १३५, १३७ + १ । |
| ९८०१६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-२४, २६-५५, ५७-६१, ६३-६६ । |
| ९८०१७ | कालज्ञानम् | | १-७ । |
| ९८०१८ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-६ । |
| ९८०१९ | ग्रहलाघवसारिणी | | १-१४ । |
| ९८०२० | सूर्यग्रहणपरिलेखः | | १ । |
| ९८०२१ | पर्वप्रकाशः | दुर्गाप्रसादः | १-६ । |
| ९८०२२ | तुल्ययन्त्रोपपत्तिः | | १-२ । |
| ९८०२३ | अङ्कयन्त्रम् | | १ । |
| ९८०२४ | यन्त्ररत्नावलिः सविवृतिः | पद्मनाभः | १-११ । |
| ९८०२५ | लीलावतीटीका | गणेशः | १-३३ । |

| आकारः | रक्ति- संख्या | रक्षर- संख्या | लेपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---------------------------------|
| १०'४ × ४'५ | ९ | ४१ | दे. ना. | का. | | पू० | द्विघटिकामुहूर्तचक्रश्च । |
| ९'७ × ४'७ | × | × | " | " | | " | |
| ८'५ × ६'३ | २५ | २१ | " | " | | " | आदितः द्वितीयाध्यायांशं यावत् । |
| ८'५ × ७ | १६ | २० | " | " | | " | |
| ९'७ × ६'६ | १९ | १८ | " | " | | अपू० | |
| ७'५ × ३'६ | १५ | ४४ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'१ | ११ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ४'१ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| ९ × ४'१ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| १६'१ × १० | ६२ | × | " | " | | अपू० | |
| ११'७ × ४'२ | ७ | ३५ | मै० | " | | " | |
| १०'९ × ४'२ | ११ | ५९ | दे. ना. | " | | " | टी०-कल्पलताविवृतिः । |
| १३ × ५ | १० | ४७ | " | " | | " | गोलाध्यायः । |
| ८'७ × ३'७ | ६ | १९ | " | " | | पू० | वेदाङ्गज्यौतिषं वा । |
| १०'७ × ४'६ | ७ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'७ | १२ | ४१ | " | " | १८४७ | पू० | |
| ८'१ × ९'७ | २१ | २१ | " | " | | " | |
| ८ × ६ | १६ | ३१ | " | " | १९३४ | " | |
| १०'१ × ४'४ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ६'४ × ८'८ | × | × | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ११ | ३५ | " | " | | " | घुवभ्रमणाधिकारान्ता । |
| ९'४ × ३'७ | १३ | ४२ | " | " | | अपू० | टी०-बुद्धिविलासिनी । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|---------------------|-------------------|
| ९८०२६ | लीलावती | | १-८ । |
| ९८०२७ | खेटपञ्चाङ्गयुक्तिः | | १-६ । |
| ९८०२८ | बीजगणितम् | | १-१२ । |
| ९८०२९ | अब्दानयनम् | | १-३ । |
| ९८०३० | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-८२ । |
| ९८०३१ | वेदाङ्गज्योतिषम् | | १ । |
| ९८०३२ | ग्रहलाघवोदाहृतिः | विश्वनाथः | २-८ + १ । |
| ९८०३३ | ग्रहसारिणी | | १-२१ । |
| ९८०३४ | बीजगणितभाष्यम् | सूर्यः | १-८९ ८९-१६२ । |
| ९८०३५ | ध्रुवपञ्चाङ्गसारिणी | कीर्तिक्षपाकरः | १-८ । |
| ९८०३६ | ग्रहसारिणी | | ११-२१ । |
| ९८०३७ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-५० । |
| ९८०३८ | सूर्यसिद्धान्तभाष्यम् | नरसिंहदैवज्ञः | १-१५२ । |
| ९८०३९ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०- रङ्गनाथः | १-१५, १५-५४ । |
| ९८०४० | ग्रहलाघवसारिणी | नोलकण्ठः | ४-४४ । |
| ९८०४१ | खेटसिद्धिः | दिनकरः | १६४ गणनया । |
| ९८०४२ | ग्रहलाघवसारिणी | | १-१५ । |
| ९८०४३ | मकरन्दपद्धतिमणिः | हरिकर्णः | १-४ । |
| ९८०४४ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०- रंगनाथः | १-४९ । |
| ९८०४५ | सूर्यसिद्धान्तसारिणी | | १-६ । |
| ९८०४६ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०- रङ्गनाथः | १-१५९ । |
| ९८०४७ | ग्रहकौतुकोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-१९, १-७५ |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|----------------------|-------------------------------------|
| ९'९×६ | १० | २९ | दे. ना | का. | | अपू० | |
| ८'९×४'८ | १२ | ३० | " | " | | पू० | |
| ९'२×५ | १७ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ७'७×४'१ | ११ | २० | " | " | | " | |
| १४'४×५ | ७ | ८८ | " | " | १८६३ | पू० | गणिताध्यायः । |
| १०'८×४'५ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९×४ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| ९'३×४'४ | ६ | २२ | " | " | | पू० | |
| ९'८×५ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | सूर्यप्रकाशकम् । |
| १३×४'९ | ३३ | २० | " | " | | पू० | |
| १०'६×४ | ७ | ७ | " | " | | अपू० | |
| ६'१×४ | ८ | २५ | " | " | १८९९ | पू० | बीजसाधनाव्यायान्तः । |
| ९'९×४'३ | १० | ४१ | " | " | १८३४ | " | वासनाभाष्यं वा । |
| ९'९×४'३ | ९ | ४४ | " | " | | अपू० | उत्तरार्द्धः टी०—गूढार्थप्रकाशिका । |
| ५'५×५ | १७ | २० | " | " | १७७८ | " | केशवीयजातकपद्धतिः । |
| ८'७×५ | १२ | ३३ | " | " | | पू० | |
| १०×४ | १५ | ५८ | " | " | १८३८ | " | |
| ९'२×३'३ | १० | ३८ | " | " | | " | उदयास्ताधिकारं यावत् । |
| १०×४ | १० | ३३ | " | " | | अपू० | उत्तरार्द्धः टी०—गूढार्थप्रकाशिका । |
| १०×४ | ११ | ४० | " | " | | " | |
| १०×४ | ११ | ३४ | " | " | १७९२ | पू० | टी०—गूढार्थप्रकाशिका । |
| १०'४×४'६ | ८ | ४४ | " | " | १९०३ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|-------------------------------------|---|
| १८०४८ | सूर्यसिद्धान्तः | उ० का०- विश्वनाथः | १-२१८ । |
| १८०४९ | तुरीययन्त्रव्याख्या | | १-७ । |
| १८०५० | सूर्यकोष्ठकम् | | १-१८ । |
| १८०५१ | आर्यभट्टीयसिद्धान्तः सटीकः | आर्यभट्टः टी०का०- परमादीश्वरः | १-६७ । |
| १८०५२ | तिथिसागरः | | १-५ । |
| १८०५३ | राहुसारिणी | | ७ गणनया । |
| १८०५४ | ग्रहनक्षत्रसारिणी | | १-६ । |
| १८०५५ | राजमृगाङ्कसारिणी | भोजदेवः | ५-३९ । |
| १८०५६ | क्षेत्रतत्त्वदीपिका | | १-५० । |
| १८०५७ | बीजगणितं सटीकम् | भास्करः टी०का०- कृष्णदेवज्ञः | १-२८ । |
| १८०५८ | लीलावती टीका | सूर्यदेवज्ञः | १-१२९ । |
| १८०५९ | सूर्यग्रहणोदाहरणम् | | १-३ । |
| १८०६० | मकरन्दोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-४५ । |
| १८०६१ | मकरन्दसारिणी | | १-३६ । |
| १८०६२ | शनिसारिणी | | १-६० । |
| १८०६३ | रामविनोदसारिणी | | १-५, ७-१०, १२-१५, १७-२०, २२-२५, २७-३०, ३२-३५, ३७-४०, ४२-४५, ४७-५०, ५२-५५, ५७-६० । |
| १८०६४ | " | | १-१३, १३-६० । |
| १८०६५ | " | | १-६० । |
| १८०६६ | " | | १-६० । |
| १८०६७ | " | | १-१७ । |

| आकारः | इति- संख्या | सर- संख्या | लिपिः | का- वारः | लिपिकातः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|---------------|---------|-------------|----------|------------------------|--|
| १४'४ × ५'२ | ८ | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | सोदाहरणः । |
| १२'२ × ६'४ | १५ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| ८'४ × ४'६ | × | × | " | " | १७९५ | पू० | |
| १०'६ × ६'९ | १३ | ३० | " | " | १९५० | " | टी०—भट्टदीपिका । |
| ८'९ × ४'२ | × | × | " | " | | अपू० | सारणीरूपः । |
| ९'८ × ४'४ | × | × | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'५ × ४'५ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १० × ६ | २२ | १६ | " | " | | " | |
| ११'१ × ५'५ | १२ | ३४ | " | " | | " | टी०—बीजवृत्तिकल्पलतावतारः पल्लवमितिनामान्तरम् । |
| १०'४ × ४'९ | १३ | ३६ | " | " | | पू० | टी०—गणितामृतकूपिका रचना- कालः श० १४६३ । |
| ९'८ × ५'९ | १८ | ३५ | " | " | | " | |
| १०'२ × ५ | × | × | " | " | १८८१ | " | |
| १०'३ × ५'५ | १२ | ३८ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | × | × | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | १४ | ५२ | " | " | | अपू० | |
| १३'२ × ५'२ | × | × | " | " | | पू० | |
| १३'२ × ५'५ | × | × | " | " | | " | |
| १३'२ × ५'४ | × | × | " | " | | " | |
| १३'२ × ५'३ | × | × | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------------|---------------------------------|-------------------------------------|
| ९८०६८ | रामविनोदसारिणी | | १-६० । |
| ९८०६९ | प्रतोदयन्त्रम् | गणेशदैवज्ञः | १-२, १ । |
| ९८०७० | भास्वत्युदाहरणम् | रामकृष्णः | १-१७ । |
| ९८०७१ | यन्त्रराजः | | १-२० । |
| ९८ ७२ | गोलदर्पणम् | | १-३० । |
| ९८०७३ | यन्त्रराजः | | १-३३, ३३-५० । |
| ९८०७४ | तिथिचिन्तामणिसारिणी | | १-८ । |
| ९८०७५ | शङ्खुच्छायातःकालज्ञान- सारिणी | | १-२ । |
| ९८०७६ | लग्नपत्रम् | | १ । |
| ९८०७७ | गुरुसारिणी | | १-६० । |
| ९८०७८ | ग्रहणसारिणी | | १-२० । |
| ९८०७९ | रामविनोदसारिणी | | १-६० । |
| ९८०८० | " | | १-६१ । |
| ९८०८१ | यन्त्रराजः | हरिदेवः | १-९, १-२२, १-२६ (= २१-२४, २९-५०) |
| ९८०८२ | बीजगणितविवृतिः | श्रीकृष्णः | १-५१ । |
| ९८०८३ | शीघ्रसिद्धिसारिणी | | १-२ । |
| ९८०८४ | यन्त्रराजरचनाप्रकारः | | १-१७ । |
| ९८०८५ | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९८०८६ | ग्रहलाघवोदाहरणम् | | २-११ । |
| ९८०८७ | क्षेत्रतत्त्वदीपिका | | १-१० । |
| ९८०८८ | मकरन्दप्रकाशः | | १-६ । |
| ९८०८९ | ब्रह्मतुल्यगणितोदाहृतिः | भास्करः टी०का०— विश्वनाथः | १-४, ९-११, १४-१५, १७-२८, ३६-३७ । |

| आकारः | सङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|---------------------------------|
| १३'२ × ५'२ | | | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'२ × ४'२ | ९ | ४५ | " | " | | " | |
| १० × ५ | १२ | ३१ | " | " | | " | |
| ८'४ × ४'६ | १५ | ४० | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'६ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'३ | ७ | ३५ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | १७ | ३० | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | × | × | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'३ | × | × | " | " | | " | |
| ९'१ × ४ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ४'२ | × | × | " | " | | पू० | |
| ९'४ × ४ | × | × | " | " | | " | भौमस्य । |
| ९'५ × ४ | × | × | " | " | | " | बुधस्य । |
| ८'९ × ५'८ | १३ | ३२ | " | " | | अपू० | अन्तिमांशो व्याख्योदाहृतियुतः । |
| ८'९ × ४'३ | ९ | २५ | " | " | | " | |
| ८'८ × ४'१ | १३ | ३५ | " | " | | पू० | ग्रहलाघवस्य । |
| ८'१ × ४'२ | ७ | २२ | " | " | | अपू० | |
| १० × ५ | १२ | ३१ | " | " | | पू० | |
| ८'८ × ५'३ | ९ | १८ | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × ५'५ | २६ | २१ | " | " | | " | |
| ८'६ × ५'५ | १६ | ३७ | " | " | | " | |
| ९ × ४'२ | ८ | ३८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------------|--|---------------------------|
| ९८०९० | भास्वतीकरणम् | शतानन्दः | १-८ । |
| ९८०९१ | पञ्चाङ्गानि | | १५९ गणनया । |
| ९८०९२ | भास्वतीकरणं सटीकम् | शतानन्दः | १-२० । |
| ९८०९३ | प्रतोदयन्त्रकम् | दयाशङ्करः | १-२ । |
| ९८०९४ | ग्रहलाघवम् | गणेशदेवज्ञः | १-२३ । |
| ९८०९५ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१३ । |
| ९८०९६ | ग्रहलाघवं सविवरणम् | गणेशः टी०का०- विश्वनाथः | २-४८ । |
| ९८०९७ | लक्ष्मणपुरलग्नसारिणी | | १ । |
| ९८०९८ | ग्रहसारिणी | | ३१ गणनया । |
| ९८०९९ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी० का०- रामकृष्णः | १-५५ । |
| ९८१०० | मकरन्दसारिणी | | १-७ । |
| ९८१०१ | गोचरदर्पणम् | | १-९ । |
| ९८१०२ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | टी०का०- मुनीश्वरः | १-१११, ११३-१२९, १३१-१३६ । |
| ९८१०३ | यन्त्रराजरचनोपपत्तिप्रक्रिया | जयसिंहः | १-१७ । |
| ९८१०४ | यन्त्रचिन्तामणिटीका | टी०का०- रामदेवज्ञः | १, १-३५ । |
| ९८१०५ | भुवनकोशः | | १-२ । |
| ९८१०६ | लीलावतीटीका | | १-५ । |

| आकारः | इत्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपिण्ड- विवेकः | विशेषाधिकारम् |
|-----------|------------------|------------------|--------|-------|--|-----------------------|--|
| १२×४ | ७ | ४० | दे.ना. | का. | १९०९ | पू० | ध्रुवाधिकारमारभ्य परिलेखाधि- कारपर्यन्तम् । |
| १'९×६'४ | २४ | ४२ | " | " | १८८५ १८८६ १८९३ १८९८ १९०० १९१२ | " | सं० १९०० प्रतिद्वयम् । |
| ९×५ | १३ | ३६ | " | " | १८५७ | " | |
| १'४×४'२ | ८ | ३७ | " | " | | " | क्रियात्मकम् । |
| १०'८×४'५ | ९ | ४१ | " | " | १९३० | " | |
| ७+४ | १० | २० | " | " | | अपू० | |
| १३×६'५ | १६ | ४९ | " | " | १८५० | पू० | |
| १३'९×१२'७ | २९ | × | " | " | | " | |
| १२×८'३ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १४'८×८'२ | १६ | ५७ | " | " | १८६१ | पू० | टी०-गणितामृतलहरी । |
| ११'४×६'५ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १०'८×६'५ | × | × | " | " | | " | सारिणीरूपम् । |
| १२'३×६'३ | १२ | ४२ | " | " | | " | टी०-मरीचिः । |
| ११×५ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| १०'३×४'२ | ८ | २९ | " | " | १९०० | " | टी०-मन्त्रदीपिका । |
| १०×५'३ | ८ | २७ | " | " | | पू० | |
| १०×४'२ | ९ | २७ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------------------|---------------------|
| ९८१०७ | सूर्यसिद्धान्तः सविवरणः | टी०का०-भूधरः | १-१८९ । |
| ९८१०८ | ब्रह्मसिद्धान्तः | | १-८, १-३७, ४२ + २ । |
| ९८१०९ | चरप्रकारः | | १-१६ । |
| ९८११० | शिष्यधीवृद्धिदतन्त्रम् | लल्लाचार्यः | १-५३ । |
| ९८१११ | पातसारिणी विवरणम् | दिवाकरः | १-३ । |
| ९८११२ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | टी०का०- मुनीश्वरः | १-१२० । |
| ९८११३ | सिद्धान्तशिरोमणिटीका | टी०का०-नृसिंहः | १-५१ । |
| ९८११४ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | टी०का०- मुनीश्वरः | १-३४१ । |
| ९८११५ | सिद्धान्तशिरोमणिटीका | " | १-१५३ । |
| ९८११६ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | टी०का०-नृसिंहः | १-११८ । |
| ९८११७ | शेषवासना | कमलाकरः | १-३८ । |
| ९८११८ | रामविनोदोदाहरणम् | | १-४ । |
| ९८११९ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१६ । |
| ९८१२० | ग्रहणादर्शः सटीकः | टी०का०- बुधसिंह शर्मा | १-३७ । |
| ९८१२१ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-३४ । |
| ९८१२२ | करणचक्रम् | | १ । |
| ९८१२३ | भूगोलखगोलमतेक्यम् | नीलकण्ठः | १-७ + १ । |
| ९८१२४ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | २-१३, १३-१६ । |
| ९८१२५ | ग्रहलाघवम् | | १ । |
| ९८१२६ | ग्रहसारणी | | १ । |
| ९८१२७ | " | | १ । |
| ९८१२८ | नतांशसारिणी | | १ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|--|
| २'४×४'२ | ११ | ४३ | दे. ना. | का. | १८४० | पू० | |
| ८'४×४'४ | ९ | २९ | " | " | १८९५ | अपू० | |
| ५'८×३ | ८ | १६ | " | " | | पू० | अङ्गस्फुरणादिकलञ्च । |
| ९'४×४ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| ८'२×४'२ | १३ | ३३ | " | " | श० १५६४ | " | |
| १२'४×६ | १२ | ४४ | " | " | | अपू० | टी०—मरीचिः पर्वसम्भवाधिकारात् । सूर्यग्रहणाधिकारान्तः । |
| ११'२×५'३ | १२ | ४१ | " | " | | " | टी०—वासनावार्तिकम् । |
| १२'७×६ | १३ | ४९ | " | " | | पू० | टी०—मरीचिः, गोलाध्यायः । |
| ११'६×५'८ | ११ | ४५ | " | " | | " | टी०—मरीचिः, मध्यमाधिकारः । |
| ११'३×५ | १२ | ४७ | " | " | | " | टी०—वासनावार्तिकम्, गणिताध्यायः । |
| १२×४'६ | ८ | ३६ | " | " | | " | सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्य । |
| १०×५'६ | १६ | ५० | " | " | | " | पञ्चाङ्गकरणविधिः । |
| १०'८×५ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १०'७×४'४ | १३ | ३९ | " | " | १९०५ | " | टी०—प्रबोधिनी । |
| ९'८×४'२ | ७ | ३९ | " | " | श० १७५८ | " | |
| ८'२×३'८ | ८ | ४५ | " | " | | " | |
| ७×४'३ | १६ | २८ | " | " | | " | |
| ८'२×३'४ | ९ | ३८ | " | " | १९५७ | अपू० | |
| ८'२×४ | १४ | ४४ | " | " | | " | |
| ९'९×४'३ | २२ | ३० | " | " | | पू० | |
| ९'९×४'३ | १६ | २४ | " | " | | " | |
| ९'९×४'३ | १५ | २१ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------------|-------------------------------|---|
| ९८१२९ | लग्नसारिणी | | १ । |
| ९८१३० | अब्दप्रवेशसारिणी | | १ । |
| ९८१३१ | उपकरणानि | | १-३ + २ । |
| ९८१३२ | ग्रहलाघवम् | | २ गणनया । |
| ९८१३३ | संख्यासंज्ञा | | १-२ । |
| ९८१३४ | ग्रहलाघवम् | | १ । |
| ९८१३५ | ब्रह्मतुल्योदाहरणम् | | १-५, ७-१६, १६-२५, १-१५, ४१, १-१४, १-६, १-२, १-४ । |
| ९८१३६ | ग्रहलाघवं सविवरणम् | गणेशः वि०का०- विश्वनाथः | १-१८१ । |
| ९८१३७ | पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी | | १ । |
| ९८१३८ | रामविनोदः | रामः | १-४, ५-१५, १५-१८ । |
| ९८१३९ | मकरन्दसूक्तिसरोजम् | | १-१२ । |
| ९८१४० | धनुःफलकरणसूत्रं सोदाहरणम् | | १ । |
| ९८१४१ | वेदाङ्गज्योतिषं सभाष्यम् | भा०का०- शोभाकरः | १-१७ । |
| ९८१४२ | ग्रहमान्दकलसारिणी | | १-८ । |
| ९८१४३ | लग्नसारिणी | | २ गणनया । |
| ९८१४४ | मध्यमग्रहसारिणी | | १-११ । |
| ९८१४५ | उपकरणानि | | १ । |
| ९८१४६ | " | | १ । |
| ९८१४७ | नतभागसारिणी | | १-५ । |
| ९८१४८ | उन्नतभागसारिणी | | १ । |
| ९८१४९ | ग्रहलाघवविवरणम् | वि० क०- विश्वनाथः | १-६७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|-----------------------------------|
| ९'९ × ४'३ | १३ | ३२ | दे. ना. | का. | | पू० | लघुचिन्तामणेः बृहच्चिन्तामणेश्च । |
| ९'९ × ४'३ | १५ | ३३ | " | " | | " | |
| १० × ४'३ | २० | ३७ | " | " | | अपू० | |
| २०'५ × ४'३ | १२ | ५२ | " | " | | पू० | |
| ७ × ४'२ | ११ | ३० | " | " | | " | |
| ९ × ४'८ | १४ | ५७ | " | " | | अपू० | तिथिचिन्तामणिसारणी च । |
| ९ × ४ | ११ | ३८ | " | " | | " | |
| ९ × ३'८ | ८ | २८ | " | " | | पू० | |
| २२'५ × १३'४ | ४५ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'६ × ३'५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'३ | ९ | ३३ | " | " | | " | पाताधिकारान्तः । |
| ७ × ४ | १४ | २७ | " | " | | " | |
| १२ × ५'२ | १३ | ३७ | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'३ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'२ | × | × | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'२ | ६ | ३६ | " | " | | " | बृहच्चिन्तामणेः । |
| ९'९ × ४'३ | २२ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| १९'७ × ८'६ | ८३ | ३१ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'१ | ११ | १९ | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'३ | २० | २१ | " | " | | अपू० | |
| ७'७ × ५'३ | ११ | ३९ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|----------------------|-------------------|
| ९८१४० | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १-२० । |
| ९८१४१ | तुरीययन्त्रविचारः सटीकः | | १-१४ । |
| ९८१४२ | गोलदर्पणम् | नन्दरामः | १-२५ । |
| ९८१४३ | मकरन्दकारिका | | १-१० । |
| ९८१४४ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | ११-३८ । |
| ९८१४५ | ग्रहणपरिलेखः | | १ । |
| ९८१४६ | बीजगणितम् | | १-३७ । |
| ९८१४७ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-२ । |
| ९८१४८ | तुरीययन्त्रावलोकनप्रकारः | | १ । |
| ९८१४९ | करणकुतूहलम् | भास्कराचार्यः | १-१६, १६-३८ । |
| ९८१५० | ग्रहलाघवं सविवरणम् | वि० का० विश्वनाथः | १-५, ७-१ । |
| ९८१५१ | चतुश्श्लोकी | माधवः | १ । |
| ९८१५२ | ग्रहलाघवम् | गणेशदैवज्ञः | १-१४ । |
| ९८१५३ | क्षेत्रव्यवहारः | | १ । |
| ९८१५४ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-७२ । |
| ९८१५५ | पातसाधनम् | गणेशः | १ । |
| ९८१५६ | महापातसारणी | दिनकरः | १-९ । |
| ९८१५७ | चन्द्रार्कपञ्चाङ्गकरणम् | " | १-२ । |
| ९८१५८ | लीलावती | | १-२२ । |
| ९८१५९ | रामविनोदः | आत्मारामः | १-३ । |
| ९८१६० | सूर्यसिद्धान्तः | | १८-१९ । |
| ९८१६१ | भुवनकोशविरोधसमाधानम् | नीलकण्ठः | १-१२ । |
| ९८१६२ | युगकालादिनिर्णयः | | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | सं- ख्या | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------------|----------|-------------------------|---------------------------------|
| ९'९×४'३ | १० | ३३ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'९×४'३ | ११ | ४३ | " | " | श० १७६५ | " | सिद्धान्तसार्वभौमस्थः । |
| ९×४'४ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ९'४×४ | १० | २२ | " | " | | अपू० | |
| १०×४'४ | १० | ४३ | " | " | | " | |
| १७×७ | × | × | " | " | | " | |
| ९×४ | १० | ३० | " | " | | " | |
| ९'४×४ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ८×३'७ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'२×४ | ६ | २२ | " | " | | पू० | |
| ८'२×५'२ | १८ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| १०'२×४'४ | २९ | १८ | " | " | | पू० | कुण्डनिर्माणविधौ । |
| १०×५'४ | १० | ३४ | " | " | | " | आदितः सूर्यग्रहणाधिकारं यावत् । |
| ९'४×४ | १४ | ३८ | " | " | | " | |
| ९'८×४'१ | १० | ३६ | " | " | | " | गोलाध्यायः । |
| ९'७×४'१ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| ९'८×४'२ | ९ | ४५ | " | " | | " | |
| १०'७×७ | १९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०'६×६'५ | १३ | २५ | " | " | | " | |
| ९'५×६ | १५ | ३९ | " | " | | पू० | |
| १०×५'१ | ७ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ९×४'५ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ७'२×४'७ | ११ | ३७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---|----------------------|---|
| ९८१७३ | रेखागणितम् | कृष्णदीक्षितः | १-३, १-२, १-३, १-२ । |
| ९८१७४ | वृत्तव्यासपरिधिज्ञानैः धनुः प्रमाणानयनम् | | १ । |
| ९८१७५ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-५ । |
| ९८१७६ | लीलावती सटीका | टी०का०- गणेशदेवजः | १-९० । |
| ९८१७७ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-४ । |
| ९८१७८ | बीजगणितम् | | १ । |
| ९८१७९ | लीलावती | | १-२८ । |
| ९८१८० | ग्रहलाघवटीका | टी०का०- विश्वनाथः | १-३८ । |
| ९८१८१ | बीजगणितम् | | १-१४ । |
| ९८१८२ | ग्रहलग्नसारिणी | | १० गणनया । |
| ९८१८३ | लीलावती | भास्करः | ३-५ । |
| ९८१८४ | क्षेत्रव्यवहारः | | १ । |
| ९८१८५ | ग्रहगणितम् | | १ । |
| ९८१८६ | लीलावती सटीका | टी०का०- रामकृष्णः | १-३०, ६८-८६, ८८ । |
| ९८१८७ | लीलावतीविवरणम् | परशुरामः | १-४४ । |
| ९८१८८ | रामविनोदसारिणी | | १-५, १-४, ४-१५, १-१५, १-१५, १-१५, १-१५ । |
| ९८१८९ | मकरन्दसारिणी | मकरन्दः | १-११ । |
| ९८१९० | नक्षत्रसाधनम् | | १ । |
| ९८१९१ | पञ्चाङ्गानि | | २२७ गणनया । |
| ९८१९२ | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | कमलाकरः | ६१-७०, ७२-९६, ९९-१९३ (= ४४४) । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|-------------|-----|---------------|------------------------|--|
| ११×४'८ | ११ | ४० | दे. ना. का. | | | पू० | |
| ८'१×४'७ | २१ | ४१ | " " | | | " | |
| ११×४'७ | १० | ३५ | " " | | १९१६ | " | ज्योत्पत्तिप्रकरणमात्रम् । |
| ११'२×५'१ | १३ | ३८ | " " | | | " | टी०-बुद्धिविलासिनी । |
| १२'५×४'८ | १४ | ४९ | " " | | | " | परिकर्मप्रकरणान्ता आदौ-होडा- चक्रम्, करणानयनञ्च । |
| ८×३'८ | ९ | २९ | " " | | | " | चक्रवालप्रकरणमात्रम् । |
| १०'१×४'२ | ९ | ३५ | " " | | | अपू० | |
| ८'४×४'२ | १० | ४२ | " " | | | " | |
| ८'६×४'२ | ९ | ३८ | " " | | | पू० | |
| १'७×४'८ | ७ | ३० | " " | | | " | |
| ९'६×४'२ | ९ | ३० | " " | | | पू० | |
| १०×४'३ | १३ | ४५ | " " | | | अपू० | |
| ९'५×४'२ | १७ | ३२ | " " | | | " | |
| १३×५'५ | १२ | ३० | " " | | श० १६०९ | " | |
| १३×६'५ | १३ | ४४ | " " | | १९०६ | पू० | |
| ९'९×५'५ | १५ | ४३ | " " | | | " | |
| ११×४'९ | १२ | ३१ | " " | | | " | |
| १२'२×४'८ | ४ | ४६ | " " | | | " | |
| ९'९×६'१ | १७ | ३७ | " " | | १८९७- १९१८ | " | |
| १०'७×४'५ | १३ | ४६ | " " | | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रमंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|----------------------|-------------------|
| ९८१९३ | ग्रहलाघवोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-७२ । |
| ९८१९४ | मणिप्रदीपः | रघुनाथः | २-६, ८-१३ । |
| ९८१९५ | चन्द्रार्किगणितम् | दिनकरः | १-३ । |
| ९८१९६ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-१५ । |
| ९८१९७ | सिद्धान्तशिरोमणिः | " | १-४५ । |
| ९८१९८ | भास्वतीकरणम् | शतानन्दः | १-७ । |
| ९८१९९ | बीजगणितटीका | कृष्णः | १-२६, १-१६९ । |
| ९८२०० | यन्त्रविचारणावली संवृत्तिका | पद्मनाभः | १-१४ । |
| ९८२०१ | ग्रहलाघवम् | गणेशदैवज्ञः | १-२४ । |
| ९८२०२ | यन्त्रविचारणावली संवृत्तिका | पद्मनाभः | १-१९ + १ । |
| ९८२०३ | " | " | १-२० । |
| ९८२०४ | करणकुतूहलम् | | १-१५ । |
| ९८२०५ | महादेवीसारिणी | | १-७७ । |
| ९८२०६ | मन्दादिग्रहफलसारिणी | | १७ गणनया । |
| ९८२०७ | करणकुतूहलटीका | | १-२० । |
| ९८२०८ | ग्रहलाघवं संटीकम् | टी० का०- मल्लारिः | १-१६९ । |
| ९८२०९ | भास्वती | शतानन्दः | १-१८ । |
| ९८२१० | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | कमलाकरः | १-१३२, ३४-१३४ । |
| ९८२११ | ग्रहलाघवम् | | १-१८ । |
| ९८२१२ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-२, ४-२१ । |
| ९८२१३ | गुरुवत्सरानयनम् | | १-२ । |

| आकारः | गङ्गा- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | सिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|----------|-------|----------|------------------------|--|
| १०'६ × ५ | ११ | ३६ | त्रि.ना. | का. | | पू० | |
| १०'१ × ४'२ | ९ | ३१ | " | " | १९८९ | अपू० | मध्यमसूर्यग्रहणाधिकारौ । |
| ६'२ × ३'५ | ९ | २७ | " | " | १८८१ | " | चन्द्राकिमरिणी साधनाधिकार- प्रकरणं वा । |
| ११ × ५-१ | १० | ३२ | " | " | | पू० | |
| ११ × ४'६ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'७ × ५ | १० | ४४ | " | " | १८५४ | " | परिलेखाधिकारः । |
| १०'६ × ५'२ | ९ | २३ | " | " | १८९८ | " | टी० कल्पलताख्या । |
| ९'५ × ४'२ | ९ | ३४ | " | " | | " | ध्रुवभ्रमणयन्त्राधिकारः । |
| १०'१ × ४'४ | ९ | ३८ | " | " | १९१४ | " | |
| ९'८ × ४'४ | ८ | २६ | " | " | | " | ध्रुवभ्रमणयन्त्राधिकारः । |
| ९'६ × ५'५ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ९ × ४'२ | ८ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'३ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ४'४ | × | × | " | " | | अपू० | लग्नसारिणी च । |
| ९'७ × ४'१ | ११ | ५२ | " | " | | पू० | |
| ११'५ × ५'६ | १० | २८ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'७ | ९ | ५५ | " | " | १८९८ | " | |
| ९'५ × ४'९ | १० | २७ | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × ४ | १० | ३१ | " | " | श० १७२० | पू० | |
| ९'६ × ४'३ | १० | ४१ | " | " | श० १७३९ | अपू० | |
| ९'५ × ४'३ | १२ | ५० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|---------------------------------|--|
| ९८२१४ | बीजगणितम् | | १-२ । |
| ९८२१५ | भास्वती टीका | | ३-६ । |
| ९८२१६ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०- विश्वनाथः | १८ गणनया । |
| ९८२१७ | ग्रहसारिणी | | १५ गणनया । |
| ९८२१८ | " | | १४४ गणनया । |
| ९८२१९ | ब्रह्मतुल्योदाहरणम् | विश्वनाथः | १-२९, ३१-३३, ३५, ४३-६९ । |
| ९८२२० | अभिनवार्णताम्ररसः | पुरुषोत्तमभट्टः | १-१२ । |
| ९८२२१ | करणप्रकाशः | ब्रह्मदेवः | १-५ । |
| ९८२२२ | भास्वतीटीका | माधवः | १-२१ । |
| ९८२२३ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-२७, १-६, ३५-५० । |
| ९८२२४ | लीलावती | | १-२, ४-७, १-३, ३-१९ । |
| ९८२२५ | " | | १-९, ११-२५ । |
| ९८२२६ | ग्रहलाघवविवरणम् | विश्वनाथः | १-१३ । |
| ९८२२७ | " | " | १-१० । |
| ९८२२८ | ब्रह्मसिद्धान्तः | ब्रह्मगुप्तः | १, ४, ६-२३, २८-४३, ४६-५२ । |
| ९८२२९ | बीजगणितटीका | कृष्णः | १-१०, १२-१३९, २, ४, ९, १२, १४-१८, २०-२२, २४-२८, ३०-३२, ३४ । |
| ९८२३० | बीजगणितं सटीकम् | भास्कराचार्यः टी० का०-कृष्णः | १-३६ । |
| ९८२३१ | लीलावती | भास्कराचार्यः | ११, ३६-३७, ३९-५६, ८६-९० । |
| ९८२३२ | बीजगणितं सटीकम् | टी० का०- कृष्णगणकः | १-१४५, २५ गणनया । |
| ९८२३३ | बीजगणितम् | भास्करः | १-४४ । |
| ९८२३४ | रेखागणितम् | | १-२२, १-१८, १-२६, १-१० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|------------------------|
| ८'५ × ३'६ | ९ | ३२ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ६'३ × ५'७ | १६ | २३ | " | " | | " | |
| १४'२ × ५'६ | १२ | ५० | " | " | | " | |
| १३ × ५'८ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'८ × ४'८ | × | × | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'४ × ४'४ | १० | ३१ | " | " | | " | मकरन्दटिप्पणी । |
| ९'३ × ४'१ | १० | २४ | " | " | | " | |
| ९'५ × ५'२ | १४ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ११'१ × ३'६ | ९ | ४३ | " | " | १७९२ श० १६५९ | पू० | |
| ८'१ × ३'८ | २२ | १५ | " | " | | अपू० | |
| ८'८ × ३'८ | ७ | २४ | " | " | | " | |
| १२'९ × ५'७ | १२ | ४१ | " | " | | " | |
| ११'८ × ४ | १२ | ५९ | " | " | | " | |
| ११'५ × ५'५ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| १३ × ४'५ | ६ | ५९ | " | " | | " | |
| ११'३ × ४'५ | १० | ३७ | " | " | १८४८ | " | |
| १०'३ × ४'४ | ५ | १९ | " | " | | " | |
| १३'२ × ४'१ | १२ | ४५ | " | " | १९२८ | पू० | टी०-बीजविवृतिकल्पलता । |
| १२'५ × ४'७ | १० | ४८ | " | " | १८७५ | " | |
| १२'५ × ४'५ | ८ | ३४ | " | " | | अपू० | १-४ अध्यायाः । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------------|-----------------------------------|--|
| ९८२३५ | सूर्यसारिणी | | १-११ । |
| ९८२३६ | चन्द्रसारिणी | | १-८ । |
| ९८२३७ | लग्नसारिणी | | १-१ । |
| ९८२३८ | " | | १-१ । |
| ९८२३९ | ग्रहोदयास्तवक्रमार्ग- विचारः | | १ । |
| ९८२४० | रेखागणितम् | | १-४ । |
| ९८२४१ | दिक्साधनम् | | ५-७ । |
| ९८२४२ | " | | १-४ । |
| ९८२४३ | ग्रहगतिसाधनसारिणी | | १-१४ । |
| ९८२४४ | ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०-चतुर्वेद- पृथूदकाचार्यः | २-५४ । |
| ९८२४५ | सिद्धान्तचूडामणिः | रङ्गनाथः | १-१९ । |
| ९८२४६ | लीलावती सटीका | | १-२६, २८-४५ । |
| ९८२४७ | गणितकौमुदी | नारायणः | १, ३-३, ९-१०, ४-२०, २७-२९ । |
| ९८२४८ | लीलावत्युदाहरणम् | | २२४-२३२ । |
| ९८२४९ | लीलावती | | १४-३५ । |
| ९८२५० | बीजगणितं सटीकम् | | ६६-६७ । |
| ९८२५१ | तारकचन्द्रिका | जटमिश्रः | १८ । |
| ९८२५२ | बीजगणितम् | | २-९८, । |
| ९८२५३ | लीलावतीव्याख्यानम् | लक्ष्मीदासः | १०६-१४१, १४२-१७५, १७७-२०५, २०७-२२२, २३३-२४७ । |
| ९८२५४ | धोवृद्धिदिविवरणम् | | १-६७, १-६० + १-९, १-१५ + १ (=९) |
| ९८२५५ | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | कमलाकरः | १-२५, २७-६९, ७१-१०५, ११६-२१२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूणपूण- विधेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-------------------|-------------------|
| १२×४'१ | १० | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | सूर्यप्रज्ञप्तौ । |
| १२×४'३ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ८'५×४'६ | × | × | " | " | | " | |
| ९'२×४ | × | × | " | " | | " | |
| ९'६×५ | १० | १७ | " | " | | " | |
| १०'७×४'४ | २० | १९ | " | " | | अपू० | |
| ८×४'२ | १३ | ३८ | " | " | श० १८०७ | पू० | |
| ८'२×५'१ | ३० | २२ | " | " | | " | |
| ९'४×४'३ | × | × | " | " | | " | |
| ११'८×५'८ | ७ | ४५ | " | " | | अपू० | |
| १२'४×५'१ | ८ | ५६ | " | " | | पू० | १-५ अध्यायाः । |
| १३'८×५'२ | ९ | ५२ | " | " | | अपू० | |
| ११'८×४'८ | १० | ४७ | " | " | | " | |
| ९'६×३'६ | ११ | ४८ | " | " | | " | |
| १०×४'४ | ५ | २६ | " | " | | " | |
| ९'८×४'३ | ९ | ४५ | " | " | | " | |
| १०'४×५'४ | १० | ३५ | " | " | | " | |
| १०'५×४'३ | ७ | ३८ | " | " | | " | |
| ९'६×३'७ | १२ | ५४ | " | " | | " | |
| १३'८×५ | ९ | ४४ | " | " | | " | |
| १४×५'५ | ७ | ३८ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------------|---------------------------------------|-------------------|
| ९८२५६ | ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०-पृथूदकः | २८६ गणनया । |
| ९८२५७ | त्रिशक्तिका | श्रीधराचार्यः | १-१९ । |
| ९८२५८ | गणितकोमुदी | नारायणः टी०का०- चतुराननः | १, ३-३२ । |
| ९८२५९ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | टी०का०-नृसिंहः | १-१०३ । |
| ९८२६० | ग्रहलाघवम् | | १-३ । |
| ९८२६१ | भास्वती सटीका | शतानन्दः टी०का०-बलभद्रः | १७-२५ । |
| ९८२६२ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी०का०- रामेश्वरः | १-५७ । |
| ९८२६३ | बीजगणितं सटीकम् | भास्कराचार्यः कृष्णदेवज्ञः | १-११० । |
| ९८२६४ | ब्रह्मसूत्रसिद्धान्तः | भास्करः | १-१७ । |
| ९८२६५ | बीजगणितावतंसः | नारायणः | ९ गणनया । |
| ९८२६६ | दशकुण्डगणितप्रकारः | कमलाकरः | १-१० । |
| ९८२६७ | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९८२६८ | लीलावती | भास्कराचार्यः | ३, ६, ९-५२ । |
| ९८२६९ | भास्वत्युदाहरणम् | | १-१६ । |
| ९८२७० | लीलावती | | ९-१२ । |
| ९८२७१ | मकरन्दसारिणी | मकरन्दः | ४८ गणनया । |
| ९८२७२ | भास्वती | शतानन्दः | २ गणनया । |
| ९८२७३ | " | " | १-८ । |
| ९८२७४ | " | " | १-१६ । |
| ९८२७५ | ग्रहलाघवोदाहरणम् | | ३४-३५ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपि | संज्ञाः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|---------|----------|---------------------|--------------------------------|
| १४'५ × ५'७ | ९ | ४५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९ × ४ | १० | ४१ | " | " | | पू० | |
| ११ × ४'५ | १३ | ५१ | " | " | श० १७७८ | अपू० | |
| ११'६ × ४'९ | ९ | ४८ | " | " | | पू० | टी०-वासनावातिकम् । |
| १०'८ × ४'५ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ९'९ × ४'५ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'७ | १२ | ४२ | " | " | | " | कुट्टकान्ता । |
| १०'६ × ४'८ | ११ | ४१ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ९ | २८ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ३'७ | ११ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'५ | ७ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ६'५ × ३ | ६ | २४ | " | " | | अपू० | वेदाङ्गज्योतिषमितिनामान्तरम् । |
| ८'४ × ३'६ | ७ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'४ | ११ | ४५ | " | " | | " | |
| ८'१ × ४'१ | ८ | २९ | " | " | | " | |
| १०'४ × ४'६ | × | × | " | " | | " | |
| ९'८ × ३'८ | ६ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'६ × ४'३ | ८ | ३० | " | " | | " | सूर्यसिद्धान्तानुसारो । |
| ८'६ × ४'३ | ८ | ३० | " | " | | " | सूर्यसिद्धान्तानुसारी । |
| १० × ४'३ | १४ | ४३ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|------------------------------|---------------------------|
| ९८२६ | मकरन्दटिप्पणी सव्याख्या | पुरुषोत्तमभट्टः | ४-९ । |
| ९८२७७ | ब्रह्म तुल्योदाहरण | भास्कराचार्यः | १-४७ । |
| ९८२७८ | स्वाङ्गभ्रमी | | १-५ । |
| ९८२७९ | भास्वत्युदाहरणम् | प्रभाकरभट्टः | १-२३ १३ । |
| ९८२८० | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १- । |
| ९८२८१ | पातसाधनविवृतिः | विश्वनाथः | १-२, ६-१० । |
| ९८२८२ | रेखागणितम् | जगन्नाथः | १४४ । |
| ९८२८३ | भूगोलाविरोधः सटीकः | चातुर्धरः | १-१५ । |
| ९८२८४ | यन्त्ररत्नावली | पद्मनाभः | १-१० । |
| ९८२८५ | ग्रहलाघवविवरणम् | टी० का०- विश्वनाथः | १-८, १०-७५ । |
| ९८२८६ | वेदाङ्गज्योतिषभाष्यम् | | १-९ । |
| ९८२८७ | ध्रुवभ्रमणयन्त्रम् | पद्मनाभः | २ गणनया । |
| ९८२८८ | रामविनोदसारिणी | रामविनोदः | २४८ गणनया । |
| ९८२८९ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १, ५-६१ । |
| ९८२९० | लीलावती सटीका | टी० का०- कृपारामः | १-२८ । |
| ९८२९१ | करणप्रकाशः | ब्रह्मदेवः | १-१४ । |
| ९८२९२ | लीलावती सटीका | भास्करः, टी०का०-सूर्यदासः | १-१३७ (= १३८) १३९-१५९ । |
| ९८२९३ | सूर्यस्पष्टसारिणी | | १ । |
| ९८२९४ | हुङ्कृतिः | विश्वरूपगणकः | ५ गणनया । |
| ९८२९५ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-४ । |
| ९८२९६ | आर्यभट्टीयम् | आर्यभट्टः | १-७ । |
| ९८२९७ | अङ्कचालनम् | | १-१७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--------------------------------|
| ६'३ × ४'३ | १३ | ३० | दे. ना. | का. | | अपू० | अभिनवतामरमाख्या टिप्पणी । |
| ९'९ × ४'३ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ११'७ × ५ | ११ | ४४ | " | " | | पू० | |
| ९ × ४'९ | १४ | ३० | " | " | १८७४ | " | १-८ अधिकाराः । |
| ९'२ × ४ | १७ | ५८ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ३'५ | ९ | ५१ | " | " | श० १७२० | " | पातसारिणी च । |
| ९ × ६'४ | २३ | १६ | " | " | | पू० | उलूकवेगमतेनग्रहानयनम् । |
| ८'७ × ४'६ | ५ | १६ | " | " | १८९५ | " | |
| १० × ४'५ | १२ | ३४ | " | " | | " | ध्रुवभ्रमणयन्त्रमात्रात्मिका । |
| ११ × ५ | १० | ४० | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'४ | ८ | ५२ | " | " | | " | |
| ८'७ × ४ | १२ | ३८ | " | " | | " | |
| १० × ४'४ | ७ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ८ × ४ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| १३ × ४'४ | ९ | ४२ | " | " | | " | टी०—उदाहरणरूपा । |
| ७'१ × ४'१ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| १२'३ × ४'७ | १२ | ४२ | " | " | | पू० | टी०—गणितामृतकूपिकाख्या । |
| ९'५ × ४'४ | × | × | " | " | | " | |
| ११'१३ × ५'१ | ११ | ४४ | " | " | १९२० | " | |
| ११'५ × ५ | ११ | ४१ | " | " | | अपू० | क्षेत्रव्यवहारः । |
| १३ × ५'१ | ११ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ८ × ३'९ | १२ | × | " | " | | " | सारणीरूपम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------------------|---------------------|--------------------|
| ९८२९८ | करणप्रकाशः | ब्रह्मादेवः | १-५ । |
| ९८२९९ | पातसारिणीविवृतिः | विश्वनाथः | १-९ । |
| ९८३०० | भास्वत्युदाहरणम् | | १-५ । |
| ९८३०१ | करणप्रकाशः | ब्रह्मादेवः | १-३ । |
| ९८३०२ | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९८३०३ | " | | १-४ । |
| ९८३०४ | सौरपौराणमतैक्यम् | नीलकण्ठः | १-६ । |
| ९८३०५ | तिथिचिन्तामणिः | | १-५ । |
| ९८३०६ | युगादिप्रमाणम् | | १-५ + (१ = ३) । |
| ९८३०७ | जगदुत्पत्तिवर्णनम् | | १-२ । |
| ९८३०८ | वेदाङ्गज्योतिषम् | | १-२ । |
| ९८३०९ | नक्षत्रछायाधिकारोदाहरणम् | | १-१४ । |
| ९८३१० | ग्रहलाघवम् | केशवः | १-५ । |
| ९८३११ | रामविनोदः | रामः | १-९ । |
| ९८३१२ | ग्रहलाघवसारिणीनिर्माणः प्रकारः | श्रीकृष्णः | १-३ । |
| ९८३१३ | मानप्रमाणपरिभाषा | | १-४ । |
| ९८३१४ | अहर्गणप्रकारः | | २ गणनया । |
| ९८३१५ | महादेवीज्योतिषम् | महादेवः | १-५ । |
| ९८३१६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-७ । |
| ९८३१७ | अक्षभासारिणी | | १ । |
| ९८३१८ | तिथिचिन्तामणिः सोदाहरणः | उ० का० विश्वनाथः | १-१५ । |
| ९८३१९ | पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी | | १-१८, १-११, १-२२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | श्लोक- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|--------------------------|
| ९'८'×४'३ | ९ | ३० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'×४ | ९ | ३२ | " | " | १६८८ | " | |
| ७'×४'१ | १० | ५२ | " | " | १७७७ | " | |
| ६'८'×४'३ | ११ | २८ | " | " | | " | |
| ६'५'×३'४ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ८'२'×३'४ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| ११'३'×५'१ | १२ | ४७ | " | " | | " | भुवनकोशे । |
| १०'×४ | ७ | २४ | " | " | १९०९ श० १७७३ | " | |
| ९'२'×४'१ | ७ | २६ | " | " | | अपू० | तद्वर्माश्च । |
| ९'१'×४ | ७ | ३१ | " | " | | " | सूर्यसिद्धान्तानुसारम् । |
| १०'४'×४'५ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'६'×४'१ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ९'५'×४'२ | ७ | २३ | " | " | | " | |
| ६'×३'३ | ७ | १८ | " | " | | पू० | |
| ९'५'×४'३ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| ६'४'×४'८ | ११ | १७ | " | " | | " | |
| ९'५'×४'१ | ८ | २६ | " | " | | " | |
| ८'१'×३'९ | ११ | ३० | " | " | | " | |
| ६'२'×४'२ | १० | १७ | " | " | १८०९ | " | ज्योतिषप्रकरणमात्रम् । |
| ९'४'×४ | ४ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ८'×३'८ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ७'९'×३'८ | ८ | २० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|--------------------------|-----------------------------|
| ९८३२० | तिथिचिन्तामणिः | | १-२ । |
| ९८३२१ | उकरा | नयनमुखोपाध्यायः | १-६३ । |
| ९८३२२ | अष्टादशभागज्योपपत्तिः | | १ । |
| ९८३२३ | उदयान्तरविप्रतिपत्ति- समुद्धरणम् | | १-५ । |
| ९८३२४ | कालज्ञानम् | | १-५ + १ । |
| ९८३२५ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-८३ । |
| ९८३२६ | लीलावतीव्याख्या | गणेशः | १-१४, २०-२२, २२-२७, २४-६४ । |
| ९८३२७ | लीलावतीटीका | " | ७-४६ । |
| ९८३२८ | क्षेत्रमितिः | | १-४ । |
| ९८३२९ | बृहच्चिन्तामणिसारिणी | गणेशः | १-६, १-१७९ । |
| ९८३३० | ग्रहानयनसारिणी | | २७ गणनया । |
| ९८३३१ | क्षेत्रव्यवहारः | केशवः | १ । |
| ९८३३२ | ज्योत्पत्तिः | | १-३ । |
| ९८३३३ | ग्रहणादर्शोदाहरणम् | बलदेव प्र० गुप्तः | १-७ । |
| ९८३३४ | रामविनोदोदाहरणम् | टी० का०- विश्वनाथरामः | १-१५ । |
| ९८३३५ | अङ्कसंज्ञाश्लोकाः | | १ । |
| ९८३३६ | अनन्तसुधारसोदाहरणम् | | १-५ । |
| ९८३३७ | लीलावतीटीका | टी०का०-सूर्यः | १-२८ । |
| ९८३३८ | सिद्धान्तचूडामणिः | रङ्गनाथः | ८-९ । |
| ९८३३९ | लीलावती | | १२ । |
| ९८३४० | " | | १६-२१ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|--|
| ९'४×४'३ | ११ | ३८ | दे. ना. | का. | | पू० | अरबीभाषाग्रन्थः संस्कृतानुवादरूपः । |
| १२'३×४'६ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'१×७'१ | १९ | ५२ | " | " | | " | |
| ८'६×४'८ | १० | २८ | " | " | | " | |
| ६'३×३'२ | ७ | ३२ | " | " | | " | कालज्ञानविषयकं एकं यत्त्रं ग्रन्थाद्भि- न्नम् । |
| ९'२×४'४ | ७ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १२'८×४'६ | १० | ४८ | " | " | | " | |
| १२'८×४'९ | ९ | ४८ | " | " | | " | |
| १०×४'७ | १० | ३८ | " | " | | " | टी०—बुद्धिविलासिनी । |
| १०'५×३'९ | ११ | ४० | " | " | | पू० | |
| १०×४'३ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १२'५×४'१ | ११ | ६० | " | " | | " | |
| ८×३'७ | १० | २९ | " | " | | पू० | भास्करीया । |
| ११'४×५ | ११ | ४७ | " | " | श० १७६८ | " | |
| ११'६×५ | १० | ३९ | " | " | | " | |
| ९'६×४'१ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'१×३'९ | ११ | ३५ | " | " | १७१४ | " | क्षेत्रव्यवहाराध्यायः, टी०—गणितामृतकूपिका । |
| १२×५'६ | १० | ६४ | " | " | | " | |
| १०'१×४'५ | ११ | ५० | " | " | | अपू० | |
| ९'५×४'३ | ५ | २८ | " | " | | " | |
| १०'१×३'५ | ८ | ३४ | " | " | | " | स्पष्टग्रहसाधनाधिकाराद्वितीयांश- मात्रम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--|--|
| ९८३४१ | क्षयमासनिर्णयः | | १-२ । |
| ९८३४२ | क्षणिकग्रहानयनम् | | १-४ । |
| ९८३४३ | भास्वतीकरणम् | | १-७ । |
| ९८३४४ | सिद्धान्तसार्वभौमः | | ६, ८, १०-१५ । |
| ९८३४५ | " | | १-१० । |
| ९८३४६ | आर्यभटीयम् | आर्यभट्टः | १-३४, १-९ । |
| ९८३४७ | " | " | १-३३, १-९, ३७ । |
| ९८३४८ | धीकोटिः | श्रीपतिः | १-६ । |
| ९८३४९ | लीलावती | भास्कराचार्यः | ५९-७३, ७८-८४ । |
| ९८३५० | मकरन्दकारिका | मकरन्दः | ६ गणनया । |
| ९८३५१ | लीलावती | | १ । |
| ९८३५२ | " | | १ । |
| ९८३५३ | गणितकौमुदी | | १ । |
| ९८३५४ | कम्पाशकल्पद्रुमः | | १-१५, ६-१३ । |
| ९८३५५ | तिथिसिद्धिः | | १-१३ । |
| ९८३५६ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | टी०का०-दादाभाई | २-१३२ । |
| ९८३५७ | बीजगणितं सटीकम् | भास्कराचार्यः टी०का०- कृष्णदेवज्ञः | १-६५, ६८-७३, ७६-८२, ८४-१४२.१-३८ (= १४३-१८०) । |
| ९८३५८ | भास्वती सव्याख्या | | १-५. ६. १०-११, १३-३१ । |
| ९८३५९ | ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः | ब्रह्मगुप्तः | १-२९, २८-५२, ५२, ५४-७२ । |
| ९८३६० | सिद्धान्तचूडामणिः | रङ्गनाथः | १, १६-१७ । |
| ९८३६१ | लीलावती | | १०२-१०४ । |
| ९८३६२ | सिद्धान्तचूडामणिः | | २, ५, ६, १०, १२-१५ । |
| ९८३६३ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी०का०-सूर्यकविः | १-२६. २९-४०. ४९-७४, ७४-७५ ७५-१०९ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|-------------|-------|----------|-----------------------|----------------------|
| ९'७×४'१ | १० | ३८ | दे. ना. का. | | | पू० | |
| ९'६×४'१ | ११ | ३५ | " " | | | " | |
| ११'६×५'५ | १० | ३३ | " " | | | " | |
| १३'८×५'३ | ९ | ४४ | " " | | | अपू० | |
| १३'८×५'३ | ९ | ४२ | " " | | | " | |
| ८'६×४'२ | ९ | ३४ | " " | | | " | |
| ८'२×४'४ | ८ | २९ | " " | | | " | |
| १०'७×४'७ | १० | २७ | " " | | | पू० | |
| १०'३×४'३ | ६ | ४२ | " " | | | अपू० | |
| १०×६'२ | १७ | १३ | " " | | | " | मकरन्दविवरणम् । |
| १०'२×४'४ | ६ | ३४ | " " | | | " | |
| ९'३×३'६ | १० | ५० | " " | | | " | |
| ११×४'५ | १३ | ५६ | " " | | | " | |
| १०'८×५ | १० | ५५ | " " | | | " | |
| ९'२×४'३ | १२ | ३१ | " " | | | " | |
| १४×४'३ | ८ | ४७ | " " | | १९३० | " | टी०—किरणावली । |
| १०×४'३ | ९ | ४२ | " " | | | " | |
| १०'३×४'५ | ९ | ३७ | " " | | | " | |
| १०'७×३'९ | ८ | ३० | " " | | | पू० | |
| १०'२×४'४ | १० | ४५ | " " | | | अपू० | |
| ९'२×३'५ | ९ | ४२ | " " | | | " | |
| १०'२×४'६ | १२ | ४५ | " " | | | " | |
| ९'८×४'३ | १० | ४७ | " " | | | " | टी०—गणितामृतकूपिका । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--|-----------------------|
| ९८३६४ | लीलावतीटीका | | १ । |
| ९८३६५ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-३४ । |
| ९८३६६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | " | १-५८ । |
| ९८३६७ | करणकुतूहलम् | " | १-१३ । |
| ९८३६८ | गणिताङ्कुरः | गङ्गासहायः | १, ४-१५ । |
| ९८३६९ | अरबीयज्योत्पत्त्यादिकम् | | ४४ गणनया । |
| ९८३७० | ग्रहणकर्तव्यतानिर्णयः | | ३ गणनया । |
| ९८३७१ | ज्योत्पत्तिः | | १-३ । |
| ९८३७२ | पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी | | १-४६, १-२, १-२, १-२ । |
| ९८३७३ | " | | १-४१ । |
| ९८३७४ | बीजगणितं सटीकम् | टी०का०-कृष्णः | १-४८ । |
| ९८३७५ | " | भास्कराचार्यः टी० का०- कृष्णगणकः | २-१४५, १४७-१५६ । |
| ९८३७६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-१४९ । |
| ९८३७७ | " | | १-१० । |
| ९८३७८ | " | भास्कराचार्यः | १-२१ । |
| ९८३७९ | दिक्शोधनसारिणी | शशिपालः | १-१० । |
| ९८३८० | लीलावती | भास्कराचार्यः | ४, ६, ४४-४९ । |
| ९८३८१ | रामप्रकाशोदाहृतिः | | १-१० । |
| ९८३८२ | ग्रहानयनोपपत्तिः | | १-३ । |
| ९८३८३ | बीजगणितोदाहरणम् | भास्कराचार्यः | १-१३० । |
| ९८३८४ | पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी | मकरन्दः | ८७ गणनया । |

| आकारः | मङ्गल- संख्या | नक्षत्र- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|--------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ९'५ × ३'६ | ७ | ४१ | दे. ना. | का. | | अपू० | टी०—गणिततत्त्वचिन्तामणिः । |
| १३ × ४'७ | १३ | ५८ | " | " | | " | |
| १३ × ५ | १२ | ४१ | " | " | १९१८ | " | |
| १०'५ × ५'४ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| १'८ × ५'१ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १० × ७'१ | १६ | ३८ | " | " | | " | |
| १३'३ × ९'५ | ३० | २९ | " | " | | पू० | सम्मिलनोन्मीलनमोक्षादिविचार- नहितः । |
| ९'५ × ९'८ | ३१ | २६ | " | " | | " | |
| १०'३ × ६'७ | ३२ | ३० | " | " | | " | |
| १०'३ × ७'५ | ३४ | ३७ | " | " | | " | |
| १२ × ५'५ | १० | २२ | " | " | | अपू० | टी०—कल्पलतावृत्तिः । |
| १२'२ × ५'६ | ९ | ३५ | " | " | | " | टी०—बीजविवृतिकल्पलता । |
| १०'४ × ५ | ८ | ३१ | " | " | | " | वासनाभाष्यसहितः । |
| १० × ५ | १० | २० | " | " | | " | |
| १०'४ × ५'१ | १० | ४३ | " | " | | " | आदितः पर्वसम्भवाधिकारपर्यन्तः । |
| ७'८ × ६'१ | २६ | १४ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'२ | १० | ४४ | " | " | | अपू० | |
| १०'६ × ४'५ | १२ | ४३ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'२ | १४ | ४६ | " | " | | " | |
| ९'८ × ३'७ | १० | ३० | " | " | १८६८ श० १७३३ | " | |
| × | × | × | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|---------------|-------------------|
| ९८३८५ | पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी | मकरन्दः | १९ गणनया । |
| ९८३८६ | " | " | १५ गणनया । |
| ९८३८७ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-६ । |
| ९८३८८ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः | १-८४ । |
| ९८३८९ | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १९० गणनया । |
| ९८३९० | भास्वतीकरणम् | शतानन्दः | १-१० । |
| ९८३९१ | खेचरशीघ्रसिद्धिः | गङ्गाधरः | १-५ । |
| ९८३९२ | करणकुतूहलम् | | ६-८ । |
| ९८३९३ | ग्रहस्पष्टसारिणी | | १-५ । |
| ९८३९४ | ज्योतिषसिद्धान्तसारः | | १-१३ । |
| ९८३९५ | पर्वप्रबोधः | | १-२ । |
| ९८३९६ | भास्वत्युदाहृतिः | | १-१७ । |
| ९८३९७ | भास्वती | शतानन्दः | १-१० । |
| ९८३९८ | मकरन्दोदाहृतिः | विश्वनाथः | १-३९ । |
| ९८३९९ | लीलावती | | १-६ । |
| ९८४०० | मकरन्दोदाहृतिः | विश्वनाथः | १-२० । |
| ९८४०१ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-७ । |
| ९८४०२ | मकरन्दटिप्पणम् | पुरुषोत्तमः | १-८ । |
| ९८४०३ | हुङ्कृतिः | मुनीश्वरः | १-७ । |
| ९८४०४ | ग्रहणविचारः | | १-८ । |
| ९८४०५ | ग्रहलाघवम् | | १-२६ । |
| ९८४०६ | पातसाधनविवृतिः | विश्वनाथः | १-१३ |
| ९८४०७ | पञ्चाङ्गम् | | १५ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | क्रमांकः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|----------|-----------------|------------------------|----------------------|
| × | × | × | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| × | × | × | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | ५ | २६ | " | " | | " | |
| १२'८ × ४'८ | १२ | ५९ | " | " | | पू० | |
| ६'५ × ५ | १५ | १५ | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'८ | ८ | २९ | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'२ | ९ | ३३ | " | " | १८९० श० १७५५ | " | |
| १० × ४'३ | १२ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'१ | × | × | " | " | १८५४ | पू० | |
| ८'७ × ७'२ | २० | २५ | " | " | | अपू० | १-५ प्रकरणानि । |
| १२'९ × ५ | १२ | ४८ | " | " | | पू० | |
| १०'८ × ४ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'७ | ७ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'७ | ९ | ३४ | " | " | १९१२ | " | |
| १०'२ × ४'५ | १० | ४५ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | १० | ३३ | " | " | १९१६ | " | |
| १०'६ × ४'६ | १४ | ४० | " | " | १९१८ | " | |
| १०'६ × ५'४ | १५ | ३३ | " | " | श० १७७७ | " | |
| ९'७ × ४'२ | ९ | ४४ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | १३ | ३६ | " | " | १८५८ | " | |
| ११'७ × ६'३ | १० | ३० | " | " | १९३८ | " | सिद्धान्तरहस्यं वा । |
| ९'९ × ४'३ | १० | ४२ | " | " | श० १७२७ १८६२ | " | |
| ९'७ × ६'६ | २४ | ४२ | " | " | | " | १८५० वर्षीयम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|----------------|-------------------|
| ९८४०८ | ग्रहसारिणी | | १-५७ । |
| ९८४०९ | सुधीरञ्जनी | केशवदेवः | १-१५ । |
| ९८४१० | भास्वतीकरणम् | शतानन्दः | १-१२ । |
| ९८४११ | रामविनोदसारिणी | | १-२०, १९-६० । |
| ९८४१२ | " | | १-६० । |
| ९८४१३ | " | | १-६० । |
| ९८४१४ | " | | १-६० । |
| ९८४१५ | सूर्यसिद्धान्तटीका | विश्वनाथः | १-५२ । |
| ९८४१६ | छादकनिर्णयः | दैवज्ञकृष्णः | १-७ । |
| ९८४१७ | दिनगणवासना | गिरिधारीमिश्रः | १-७ । |
| ९८४१८ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-२५ । |
| ९८४१९ | मकरन्दसारिणी | | १-२, १-९, ९-३३ । |
| ९८४२० | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १-१६ । |
| ९८४२१ | लीलावती | भास्करः | १-३० । |
| ९८४२२ | पञ्चाङ्गम् | | १६ गणनया । |
| ९८४२३ | धीकोटिदं करणम् | श्रीपतिः | १-२ । |
| ९८४२४ | राश्वयुदयवासना | | १-२ । |
| ९८४२५ | पञ्चाङ्गसिद्धिः | गुरनाथः | १-३ । |
| ९८४२६ | छायासारिणी | | ३ गणनया । |
| ९८४२७ | ग्रहलाघवस्थूलतत्त्वम् | | १-४ । |
| ९८४२८ | खण्डखाद्यकम् | ब्रह्मगुप्तः | १-११ । |
| ९८४२९ | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १-१८ । |

| आकारः | रङ्ग-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-------------|--------------|---------|-------|-----------------|-------------------|---|
| ८'७ × ४'६ | २४ | ३६ | दे. ना. | का. | श० १७४६ | पू० | अन्ते ग्रहलाघवाहर्गणमध्यान्मध्य-ग्रहानयनञ्च । |
| १०'९ × ४'६ | ९ | ६३ | " | " | १९३१ | " | |
| ९'१ × ३'७ | ७ | २० | " | " | | " | परिलेखाधिकारान्तम् । |
| १०'८ × ४'८ | × | × | " | " | | " | भौमग्रहस्य । |
| १०'८ × ४'८ | × | × | " | " | | " | बुधग्रहस्य ! |
| ११ × ४'८ | × | × | " | " | | " | गुरुग्रहस्य । |
| ११ × ५ | × | × | " | " | | " | शनिग्रहस्य । |
| १३'८ × ७'३ | १५ | ५३ | " | " | | अपू० | सोदाहरणा । |
| ८'६ × ४'१ | १० | ३५ | " | " | | पू० | |
| १०'६ × ४'३ | ११ | ४६ | " | " | | " | |
| १२'३ × ४'६ | १३ | ४१ | " | " | श० १७१३ | " | |
| १२'६ × ६'५ | १४ | २८ | " | " | | " | |
| १२'६ × ४'६ | १२ | ३९ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'४ | ११ | ४० | " | " | १८९९ | " | |
| ६'५ × ४'८ | ११ | ३० | " | " | १८८४ श० १७४९ | " | |
| ८'८ × ३'७ | ८ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ८'३ × ३'९ | १२ | ४७ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ३'८ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| ६'३ × ४'७ | २१ | २२ | " | " | | "* | |
| १०'६ × ४'४ | ७ | ३२ | " | " | | " | |
| ११'१ × ५'६ | १४ | ३७ | " | " | | " | |
| ७ × ४'२ | ९ | २९ | " | " | | " | पाताधिकारान्तम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------------------|-----------------------|---|
| ९८४३० | सूक्ष्मनक्षत्रसाधनम् | | १-२ । |
| ९८४३१ | सिद्धान्तसारकौस्तुभः | जगन्नाथः | १-२४५ । |
| ९८४३२ | " | " | २४६-४३२ |
| ९८४३३ | सिद्धान्तसम्राट् | " | १-१६ । |
| ९८४३४ | सिद्धान्तसारः | मथुरानाथशुक्लः | १-८ । |
| ९८४३५ | ग्रहणादर्शः सटीकः | बुधसिंह शर्मा | २-१६ । |
| ९८४३६ | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १-४, ६-२२ । |
| ९८४३७ | ग्रहसाधनसारिणी | | १-१४ । |
| ९८४३८ | ग्रहगतिसारिणी | | १-६२ । |
| ९८४३९ | भूकम्पलक्षणव्याख्या | | १-१५ । |
| ९८४४० | चन्द्रग्रहणपरिलेखः | | १ । |
| ९८४४१ | मलमासनिर्णयः | | १-२ । |
| ९८४४२ | वसिष्ठसिद्धान्तः | वसिष्ठः | १-४ + १ । |
| ९८४४३ | मकरन्दविवरणम् | | १-८ । |
| ९८४४४ | उदयान्तरविचारः | | १-७ । |
| ९८४४५ | मकरन्दसारणी | मकरन्दः | १-२३, १-२१ । |
| ९८४४६ | अरबीज्यौतिषस्यप्रकीर्ण- पत्राणि | | ८२ गणनया । |
| ९८४४७ | सूर्यसिद्धान्तोदाहरणम् | | १-७१ । |
| ९८४४८ | लीलावतीटीका | टी० का०- रामकृष्णः | १-४, ७-४३, ४३-४४, ४४-६४, ६४, ६६-७३ । |
| ९८४४९ | खचरागमः | विष्णुः | १-१०, १३-१६ । |
| ९८४५० | मकरन्दविवरणम् | | १-१२ । |
| ९८४५१ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | २४-६४ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|-----------------------|--|
| ८'५ × ४'१ | १० | ३४ | दे. ना | का. | | पू० | सिद्धान्तशिरोमणी । |
| १३'२ × ८'२ | २८ | २७ | " | " | | " | १-५ अध्यायाः । |
| १३'६ × ८'२ | २९ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १३'२ × ८'१ | २८ | १६ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ६'७ | २५ | २१ | " | " | | " | |
| ९'५ × ७ | ३३ | २८ | " | " | | " | |
| ९'६ × ५'६ | २३ | २१ | " | " | | अपू० | सिद्धान्तशिरोमणेः गोलाध्यायः पर्वकौमुदी च । |
| ७'२ × ५'४ | ३१ | २० | शारदा | " | | पू० | |
| ५'७ × ५'५ | १७ | १४ | " | " | | " | |
| ८ × ४'५ | ९ | २५ | " | " | | अपू० | |
| १०'७ × ४'५ | १० | १३ | दे. ना | " | | पू० | शङ्कराचार्यस्य महादेवावतारत्व- वर्णनञ्च । |
| १० × ६'६ | २६ | ३३ | " | " | | | |
| १०'५ × ४'४ | १४ | ५१ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'२ | १३ | ३८ | " | " | | पू० | |
| १०'४ × ४'७ | ७ | ३६ | " | " | | " | |
| १२ × ५ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ७ | २७ | ३८ | " | " | | " | |
| १० × ५'३ | १० | ३० | " | " | | पू० | |
| १०'७ × ४'७ | ८ | २९ | " | " | | अपू० | उदाहरणानि च । |
| ९'३ × ३'६ | ९ | ३८ | " | " | १७५१ | " | विष्णुकरणमितिनामान्तरम् । |
| १०'२ × ३'७ | ७ | ३१ | " | " | १९०१ | पू० | |
| १० × ४'४ | ९ | ३१ | " | " | | अपू० | वासनाभाष्यटीकासहितः । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|--------------------------------------|-------------------|
| ९८४५२ | भास्वती सटीका | शतानन्दः | १-३३, ३५-७५ । |
| ९८४५३ | लीलावतीविवृतिः | रङ्गनाथः | १-३३, ३७-६९ । |
| ९८४५४ | तिथिसारणी | | १-९ । |
| ९८४५५ | लीलावतीटीका | गणेशः | १-१२ । |
| ९८४५६ | ग्रहलाघवम् | | १-५ । |
| ९८४५७ | रोमशसिद्धान्तः | | १-२३ । |
| ९८४५८ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | | १-१९ । |
| ९८४५९ | शिष्यधीवृद्धिः | लल्लाचार्यः | १-२१, १-२३ । |
| ९८४६० | लीलावती | | १ । |
| ९८४६१ | कामधेनुः | | १-२ । |
| ९८४६२ | विश्वप्रकाशः | वसिष्ठः | १-९, १४-३४ । |
| ९८४६३ | ग्रहलाघवम् | | १-४ (= ५) - ३३ । |
| ९८४६४ | सूर्यसिद्धान्तरहस्यम् सव्याख्यम् | राघवशर्मा | १-५ १-५ । |
| ९८४६५ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्करः | १-६९ । |
| ९८४६६ | यन्त्रराजः | महेन्द्रसूरिः | १-१७ । |
| ९८४६७ | करणकुतूहलं सोपपत्तिकम् | भास्करकविः टी०का०-पद्मनाभः | ५७ गणनया । |
| ९८४६८ | करणकुतूहलम् | भास्कराचार्यः | १-१६ । |
| ९८४६९ | सिद्धान्तशिरोमणिः | " | १-१० । |
| ९८४७० | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९८४७१ | लीलावतीविवृतिः | रङ्गनाथः | १-६९, ७१-८८ । |
| ९८४७२ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी०का०- गङ्गाधरः | १-५९ । |
| ९८४७३ | ग्रहलाघवम् | गणेशः | १-९, २०, २२-२३ । |

| आकारः | रङ्ग-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|-------------|--------------|---------|-------|----------|-------------------|---------------------------------------|
| ९'४×४'२ | ९ | ३४ | दे. ना. | का. | १८८४ | अपू० | |
| ९'८×४'९ | १२ | ३७ | " | " | | " | |
| १०'५×५ | १३ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| १०'७×४'९ | १० | ३९ | " | " | | " | बुद्धिविलासिनी । |
| ६'३×३'५ | १० | २५ | " | " | | " | |
| ८'५×४'८ | ११ | २७ | " | " | | पू० | |
| ८'२×५'८ | १६ | १९ | " | " | | अपू० | टी०-हिन्दीभाषायाम् । |
| ८'५×४'८ | ११ | २७ | " | " | | " | |
| ८×३'३ | ११ | ५२ | " | " | | " | |
| ९'८×४'५ | १४ | ४६ | " | " | | पू० | तिथ्यादिसिद्धिमात्रम् । |
| ८'८×४'८ | १२ | २८ | " | " | | अपू० | गणितस्कन्धे ग्रहकक्षाध्यायपर्यन्तम् । |
| ८'४×४'४ | ८ | २८ | " | " | १८५१ | पू० | |
| १३'३×४'३ | ६ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ११'९×४'३ | १० | ४८ | " | " | १८५७ | " | गोलाध्यायमात्रम् । |
| १०×४'४ | १० | २८ | " | " | | " | |
| ९×४'२ | १२ | ३६ | " | " | | पू० | ब्रह्मतुल्यटीका । |
| १०×४'३ | ७ | ३५ | " | " | १८५३ | " | |
| १०'२×४'७ | ८ | ३२ | " | " | | अपू० | गोलाध्याये भुवनकोशपर्यन्तम् । |
| ७'५×३ | ७ | २९ | " | " | | पू० | |
| १०×४'४ | ८ | ३३ | " | " | १८५९ | अपू० | अङ्कपाशाध्यायान्ता । |
| १२'५×६'५ | १५ | ४७ | " | " | १९०७ | पू० | गणितामृतसागरी । |
| ९'६×४'३ | १३ | ४६ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|-------------------------------------|---------------------|
| ९८४७४ | ग्रहलाघवोदाहरणं सटीकम् | गणेशदेवज्ञः टी०का०- विश्वनाथः | १-६५, ६७-८४ । |
| ९८४७५ | भास्वती | शतानन्दः | १-२२ । |
| ९८४७६ | भूगोलग्रहगोचरम् | गोविन्दः | १, ३-६ + १ । |
| ९८४७७ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १-६७ । |
| ९८४७८ | तिथ्यान्वयनप्रकारः | | १ । |
| ९८४७९ | सृष्टिकरणम् | देवदत्तः | १-१७ । |
| ९८४८० | लीलावतीटीका | भास्कराचार्यः | १-१३ । |
| ९८४८१ | बीजगणितटीका | सूर्यदासः | १-६० । |
| ९८४८२ | ग्रहलाघवम् | | १-९ । |
| ९८४८३ | ब्रह्माण्डमानम् | | १-६ । |
| ९८४८४ | बीजगणितम् | | १-३६ + २-३ + २ । |
| ९८४८५ | भास्वती | शतानन्दः | १-६ । |
| ९८४८६ | पञ्चाङ्गम् | | १ । |
| ९८४८७ | पितामहसिद्धान्तः | | १-८ । |
| ९८४८८ | भूमण्डलप्रमाणम् | | १ । |
| ९८४८९ | ग्रहलाघवम् | | १-१० । |
| ९८४९० | तिथिचिन्तामणिः | श्रीगणेशः | १ । |
| ९८४९१ | सिद्धान्तसम्माद | जगन्नाथसम्माद | १३-१६, ३०-३१, ३४ । |
| ९८४९२ | सिद्धान्तसारकौस्तुभः | " | २-६४, ९-१५, ३९-७८ । |
| ९८४९३ | भास्वतीकरणम् | | १-४, ६-८, १०-१२ । |
| ९८४९४ | खेटकर्म | शङ्करः | १-१८ । |
| ९८४९५ | सारणी | | २५ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|-------------|-------|----------|-----------------------|---|
| ९'५ × ४'२ | ०१ | ३४ | दे. ना. का. | | | पू० | |
| ९'९ × ४'१ | ८ | ३६ | " | " | १८८४ | " | रवीन्द्रोः पटिलेखाधिकारः । |
| ९'७ × ५'१ | १० | ३५ | " | " | १८९५ | " | |
| ९'८ × ४'५ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | १३ | ३९ | " | " | | " | अनन्तमुधारसोक्तः । |
| १० × ४'५ | ११ | ३३ | " | " | १६१८ | " | |
| १०'५ × ४'५ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| १२ × ५'५ | १७ | ४६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ५ | १२ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ४'२ | ९ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ५ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | दशान्तरसारिणी च । |
| ७'३ × ४'५ | १२ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ५५'२ × ६'३ | × | × | " | " | | " | |
| १३'२ × ८'१ | ३० | २५ | " | " | | " | ब्रह्मसिद्धान्तो वा । |
| ८'९ × ४'५ | ३० | २९ | " | " | | " | |
| ६'४ × ४ | ९ | ३२ | " | " | | अपू० | मध्यमाधिकारान्नलिकाबन्धनाधिकार पर्यन्तम् । |
| ८'९ × ३'८ | १४ | ४२ | " | " | | पू० | |
| १२'४ × ४'६ | ९ | ४३ | " | " | | अपू० | सिद्धान्तसारकौस्तुभश्च । |
| १२ × ४'६ | ९ | ४६ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'४ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| ७'८ × ४'५ | १३ | ३४ | " | " | | " | |
| १२'६ × ६'४ | × | × | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|----------------|---|
| १८४९६ | पृथुयशकरणम् | पृथुयशः | १-२९, ३४-६५ । |
| १८४९७ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-२० । |
| १८४९८ | भास्वतिसारणी | | १-२ ; |
| १८४९९ | ग्रहलाघवम् | गणेशदैवज्ञः | १-५ । |
| १८५०० | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-७ + १३ गणनया । |
| १८५०१ | " | " | १-१३, ४३-५३, ५५-५६ । |
| १८५०२ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-३ । |
| १८५०३ | तिथिचिन्तामणिः | गणेशः | १-३ । |
| १८५०४ | चन्द्रार्कगतिसारणी | | २८ गणनया । |
| १८५०५ | ग्रहलाघवम् | | १-२८ । |
| १८५०६ | पञ्चाङ्गम् | | ५१ गणनया । |
| १८५०७ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | १६-६९ । |
| १८५०८ | तिथिचिन्तामणिसारणी | | १-११ । |
| १८५०९ | लीलावती | भास्कराचार्यः | २-४१ । |
| १८५१० | रोमशसिद्धान्तः | | १-३२ । |
| १८५११ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १, ४-१७ । |
| १८५१२ | कल्पतरुः | गोपीराजः | १-१२ । |
| १८५१३ | रामविनोदः | | १-५ । |
| १८५१४ | ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तटीका | पृथूदकस्वामी | ७-१२, ५३-७४, ८०, ११५-१४८, १६७-१७१, २०७-२४२, २८०-४६० + ६ । |
| १८५१५ | सिद्धान्तसम्राट् | जगन्नाथसम्राट् | २३-२६ । |
| १८५१६ | सिद्धान्तसारकौस्तुभः | " | १-१९ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | भाषाः | लिपिकालः | गुणपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|---------------------|--|
| ४'८ × ११ | १० | ४२ | दे. ना. | का. | | अपू० | सिद्धान्तचूडामणिः (कुट्टकाध्यायः), खेचरचिन्तामणिः, शिष्यधीवृद्धिद- तन्त्रश्च । |
| १०'४ × ४'५ | १३ | ४० | " | " | | पू० | गोलाध्यायान्तः। |
| ९'९ × ४'१ | ९ | २९ | " | " | १९५१ | " | |
| ८'२ × ३'७ | १२ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ५'१ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'५ | ७ | १८ | " | " | १८०७ | " | |
| ७'६ × ४'३ | १३ | २९ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'१ | ९ | ३१ | " | " | १९४६ | पू० | |
| ८'४ × ५'३ | × | × | " | " | | " | |
| ७'९ × ४' | ९ | ३० | " | " | | " | |
| २०'५ × ७'७ | ५ | ७७ | ग्र० | ता० | | अपू० | राक्षसनाम सम्बत्सरस्य । |
| १२'९ × ४'८ | १० | ५० | दे. ना. | का. | १८८० | " | वासनाभाष्यसहितः गोलाध्यायः । |
| १० × ४ | × | × | " | " | | पू० | |
| ९'१ × ४'५ | १० | २७ | " | " | १८९८ | अपू० | |
| ९'५ × ४ | ७ | २८ | " | " | | पू० | |
| ९'४ × ३'९ | ८ | २७ | " | " | १७५१ | अपू० | |
| ९'३ × ४'२ | ९ | ३३ | " | " | | " | ग्रहगणिते । |
| ९'६ × ४'२ | १२ | ३५ | " | " | | पू० | ग्रहानयनान्तः । |
| ११ × ४'७ | ९ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| १३'६ × ५'२ | ९ | ४९ | " | " | | " | |
| १३'६ × १०'२ | ९ | ४६ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------------|---------------|---|
| १८५१७ | सिद्धान्तशिरोमणिव्याख्या | | १-४, २-७, ७-९, ६-८, १०-२३, २३, २५, २७-३८, ४०-४३, ९७-१२०, १२९-१३९, १५२-१५८, १७०-१८१, १८३-१८४, २-१२, १४-७९, १२३-१४९, १-१४, १-१७+७, १-३, ५-८, १-२+२४, १-३०८+१४, १-६। |
| १८५१८ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१७ × २ । |
| १८५१९ | क्षेत्रमितिः | | १-४ । |
| १८५२० | द्विनिघ्नवालोच्छ्रित्युत्पत्तिः | | १ । |
| १८५२१ | सूर्यसिद्धान्तरहस्यम् | राघवशर्मा | १-५ । |
| १८५२२ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-३० । |
| १८५२३ | मकरन्दविवरणम् | | १-४ । |
| १८५२४ | सिद्धान्तसङ्ग्रहः | परमानन्दः | १-१०, । |
| १८५२५ | दशमभावसारणी | | १-२, । |
| १८५२६ | सूर्यसिद्धान्तः | | ११५ । |
| १८५२७ | सूर्यसिद्धान्तटीका | नृसिंहः | १-८४ । |
| १८५२८ | लीलावत्युत्पत्तिः | | ४६-५५, ५८-६३, ६६-६७, ८५-८८, ९७-११०, १३९-१४०, १४३-१४६ । |
| १८५२९ | ग्रहलाघवम् | गणेशः | ६-१३ । |
| १८५३० | पञ्चाङ्गोपपत्तयः | गोकुलनाथः | ११-३१, ३३, ३५-४९ । |
| १८५३१ | सिद्धान्तसार्वभौमः | मुनीश्वरः | ९-३२, ३४-३७ । |
| १८५३२ | | भास्कराचार्यः | १-९४ । |
| १८५३३ | पञ्चाङ्गसारणी | | १-६, ८ गणनया । |
| १८५३४ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१६ । |
| १८५३५ | पञ्चाङ्गम् | | १२ गणनया । |
| १८५३६ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-८० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|-----------------------|--|
| १५ × ५ | १० | ३४ | मै० | का. | | अपू० | सानुक्रमिका । |
| १३ × ४'५ | ११ | ५५ | " | " | | " | |
| १३'५ × ६'३ | ११ | ४२ | दे.ना. | " | | " | |
| ६'५ × ४'५ | १६ | ३७ | " | " | | " | |
| १५'५ × ३'४ | ६ | ४६ | वज्र | " | | " | |
| १७'४ × ३'१ | ६ | ७१ | " | " | श० १६८७ | पू० | छायाव्यवहारान्ता । |
| १०'४ × ४'३ | ९ | ३९ | मै० | " | | अपू० | सूर्यसिद्धान्तमतेन । |
| ११'२ × ४'४ | १० | ५६ | " | " | | पू० | |
| १०'६ × ४'६ | १९ | ४९ | दे.ना. | " | | " | |
| ९० × ५'१ | ९ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ३'९ | १० | ५३ | " | " | | " | |
| ९ × ४'२ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'६ | ८ | २३ | " | " | | " | १-६ अधिकारौ पञ्चमाधिकार- स्याद्यंशः । |
| १३'७ × ४'३ | १० | ६५ | " | " | | " | श्रुवभ्रमणालययन्त्रश्च । |
| १४ × ४'३ | ९ | ४९ | " | " | | " | अन्तिसाम्याधिकारपर्यन्तम् । |
| १०'८ × ४'३ | ७ | ४४ | मै० | " | | " | |
| १३'२ × ४'१० | १७ | ६४ | दे.ना. | " | | " | |
| १० × ४'५ | ८ | ३१ | " | " | १८९० | " | |
| ७'५ × २ | ७ | × | वज्र | " | | " | |
| १०'६ × ५'४ | ९ | दे. ना. | " | " | | पूर्ण | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|---------------|-------------------|
| ९८५३७ | ग्रहलाघवोदाहरणम् | | ७-१२, १४-३२ । |
| ९८५३८ | सिद्धान्तशिरोमणीवासत- भाष्यसहितः | भास्कराचार्यः | ५-१०१ । |
| ९८५३९ | अमृतज्योतिः सारः | अमृतलालः | १-१९, २१ । |
| ९८५४० | युगधर्मः | | १-८ । |
| ९८५४१ | ग्रहफलसारणी | | १-१६, १-२ । |
| ९८५४२ | ग्रहाणां शीघ्रमन्दफल- सारिणी | | ३-१७ । |
| ९८५४३ | तिथिचिन्तामणिः | गणेशः | १-६ । |
| ९८५४४ | तिथिचिन्तामणिसारिणी | | १-१७ । |
| ९८५४५ | तिथिचिन्तामणिः | गणेशः | १-२ । |
| ९८५४६ | " | " | १-२ । |
| ९८५४७ | चन्द्रार्क | | १ । |
| ९८५४८ | लग्नसारिणी | | १ । |
| ९५५४९ | लघुतिथिचिन्तामण्यु- दाहरणम् | | १ + ५-१० । |
| ९८५५० | यन्त्रचिन्तामणिः सटीकः | चक्रधरः | १-१५ । |
| ९८५५१ | तिथ्युदाहरणम् | | १-४ । |
| ९८५५२ | कामधेनुपद्धतिः | | १-५ । |
| ९८५५३ | तिथिपारिजातम् | | १-४ । |
| ९८५५४ | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | | १-१९० । |
| ९८५५५ | तिथिचिन्तामण्युदाहरणम् | | ३-६ । |
| ९८५५६ | लघुतिथिचिन्तामणिः | | १-२ । |
| ९८५५७ | तिथिचिन्तामणिः | गणेशः | १-२ । |
| ९८५५८ | लघुतिथिचिन्तामणिः | | १-३ । |

| आकारः | रङ्ग- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|-----------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--------------|
| १४'८'×४'१ | ९ | ३२ | दि. ना. | ना. | | अपू० | |
| १०'१'×४'७ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| ११'×४'६ | ६ | ३१ | " | " | | " | |
| ६'×४' | १२ | २७ | " | " | | पू० | |
| ९'८'×४'३ | × | × | " | " | | " | |
| ९'९'×४'२ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ८'×५' | १२ | २१ | " | " | | पू० | |
| ९'८'×४'२ | × | × | " | " | | " | |
| ९'८'×४'२ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'२'×४'४ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| ९'८'×६'२ | १६ | ३२ | " | " | १८२७ | अपू० | |
| ९'३'×४' | × | × | " | " | | पू० | |
| १२'२'×४'८ | ९ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| १०'६'×५'६ | ११ | ३७ | " | " | | पू० | |
| ९'×५'८ | ११ | १९ | " | " | | " | |
| १०'९'×४'५ | ८ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १२'×४'१ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ९'५'×६'५ | १५ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'३'×५'१ | १६ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ८'८'×४' | ९ | ३७ | " | " | | पू० | |
| ९'६'×४'५ | ९ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ८'×३'९ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|------------------------|-------------------|
| ९८५५९ | कौतुकलीलावती | | २ गणनया । |
| ९८५६० | " | | १-४ । |
| ९८५६१ | मणिप्रदीपकः | रघुनाथः | १-९ । |
| ९८५६२ | यन्त्रचिन्तामणिटीका | टी०का०-रामदेवः | १-१६ । |
| ९८५६३ | अनन्तसुधारसशोधपत्रम् | | १ गणनया । |
| ९८५६४ | रामविनोदसारणी | | १-४ । |
| ९८५६५ | यन्त्रराजविचारः | | १-२७ । |
| ९८५६६ | कालज्ञानम् | | १-३ । |
| ९८५६७ | प्रतोदयन्त्रनिर्माणविधिः | | १-२ । |
| ९८५६८ | यन्त्रचिन्तामणिः सटीकः | टी०का०-रामदेवः | १-२२ । |
| ९८५६९ | कौतुकलीलावती | रामचन्द्रः | १-५ । |
| ९८५७० | ताराविलासः | वैद्यनाथः | १-७ । |
| ९८५७१ | प्रतोदयन्त्रं सटीकम् | गणेशः | १-३ । |
| ९८५७२ | लघुतिथिचिन्तामणिः | " | १-६ । |
| ९८५७३ | तिथितरङ्गिणी | गोपीराजः | १-२ । |
| ९८५७४ | यन्त्रचिन्तामणिः सटीकः | चक्रधरः टी०का०-रामः | १-२० । |
| ९८५७५ | तिथिचिन्तामणिः सोदाहरणः | उ० का०- विश्वनाथः | १-५ । |
| ९८५७६ | लघुतिथिचिन्तामण्यु- दाहरणम् | विश्वनाथः | १-२५ । |
| ९८५७७ | यन्त्रचिन्तामणिटीका | | १-६ । |
| ९८५७८ | यन्त्रागमव्याख्यानम् | | १-१३ । |
| ९८५७९ | वार्षिकतन्त्रोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-१७, १-३४ । |
| ९८५८० | मणिप्रदीपः | | १-११ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|----------------------------|
| १०×५२ | १६ | ४५ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'९×४'२ | १३ | ४० | " | " | १८७१ | " | |
| ११'४×४'२ | ८ | ३६ | " | " | | " | त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तः । |
| ११'४×५'४ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| ९×४ | ८ | ४८ | " | " | | अपू० | |
| ११'२×४'६ | | | " | " | | " | |
| ८'९×६'६ | १५ | १८ | | | | पू० | १-२० अध्यायाः । |
| ७'७×३'६ | ९ | १५ | " | " | | " | |
| ९'८×४'३ | १४ | ४५ | " | " | १८६५ | " | |
| १०'८×४'६ | ९ | ५० | " | " | १९१४ | " | टी०—यन्त्रदीपिका । |
| ९'१×३'९ | ९ | ३२ | " | " | १८५७ | " | |
| ८'६×४'४ | ७ | २६ | " | " | | " | |
| १०'१×४'५ | ९ | ५० | " | " | १८९५ | " | |
| ८'९×४'२ | ११ | ३८ | " | " | १८७७ | " | |
| ९'३×३'८ | ११ | ३५ | " | " | | " | |
| १०×४'२ | ११ | ४५ | " | " | श० १६५९ | " | |
| ८'६×३'८ | १२ | ३२ | " | " | | " | |
| ७'५×३'४ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ९'५×६'५ | ३३ | ३८ | " | " | | " | |
| ६'५×९'५ | १९ | १८ | शारदा | " | | " | |
| १०'७×४'७ | १२ | ३३ | दे. ना. | " | १५६९ | " | |
| ११×४'३ | ८ | ४० | " | " | १७५० | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------------------------|---|
| ९८५८१ | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९८५८२ | कौतुकलीलावती | | १-५ । |
| ९८५८३ | कुण्डचतुः श्लोकी | | १-२ । |
| ९८५८४ | शीघ्रकर्णसारणी | | १-२ । |
| ९८५८५ | लग्नसारणी | | १ । |
| ९८५८६ | " | | १-३ । |
| ९८५८७ | कुण्डनिर्माणप्रकारः | | १-३७ । |
| ९८५८८ | यन्त्रराजः | | २ गणनया । |
| ९८५८९ | रामविनोदसारणी | | ८ गणनया । |
| ९८५९० | दृक्कर्मोपपत्तिः | | १-९ । |
| ९८५९१ | ग्रहणमाला | | १-६ । |
| ९८५९२ | बालबुद्धिप्रकाशिका | | १-४ । |
| ९८५९३ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | भास्कराचार्यः टी०का०-विश्वरूपः | ६९-८२, ९५-११७, १५८-२०२ । |
| ९८५९४ | " | " | १-१६ । |
| ९८५९५ | भास्वतीकरणम् | शतानन्दः | १-१२ । |
| ९८५९६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-३, ५-२६ । |
| ९८५९७ | मकरन्दसिद्धान्तसारणी | | २-३०, ३२, ३४-३७, ३९-४२, ४४-४७, ४९, ५२, ५४-६१ । |
| ९८५९८ | अक्षक्षेत्रस्थानानि | दिवाकरः | १-२ । |
| ९८५९९ | लीलावती | | १-५ । |
| ९८६०० | " | | १-४२ । |
| ९८६०१ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-१५, १-२३ । |
| ९८६०२ | लीलावती | | १७ गणनया । |
| ९८६०३ | पाटीगणितम् | | ८ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | क्रमां- कः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|-------|---------------|-----------------|------------------------|-----------------------------------|
| ८'३ × ३'१ | ७ | ३३ | दे.न. | का. | १९३४ | पू० | |
| ९'३ × ५ | ९ | २९ | " | " | १८४५ | " | |
| ८ × ३'७ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'३ | २० | ४४ | " | " | | " | |
| ८'६ × ४'६ | २ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'४ | १९ | ५० | " | " | | " | |
| ११ × ४'१ | ९ | ४७ | " | " | | " | |
| ६'९ × ९'५ | २० | २५ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'८ | × | × | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'८ | १० | ५६ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | १२ | ४६ | " | " | श० १७२० १८२१ | " | |
| १० × ४'४ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| ११'५ × ६'५ | १६ | ६० | " | " | | " | टी०-मरीचिः । |
| ११'६ × ६'२ | १५ | ४७ | " | " | | " | गोलाध्याये भुवनकोशपर्यन्तम् । |
| ११ × ४'९ | ८ | ३४ | " | " | १८८६ | पू० | |
| १०'७ × ४'७ | ११ | ४८ | " | " | | अपू० | गोलाध्यायमात्रम् । |
| १०'६ × ५'३ | १४ | ३९ | " | " | | " | |
| ८'२ × ३'८ | ११ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ९'६ × ४'२ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'३ | ९ | ४२ | " | " | | पू० | |
| १२'६ × ५ | १२ | ५१ | " | " | | " | |
| १३ × ४'१ | ११ | ५३ | " | " | | अपू० | अन्ते त्रीणि पत्राणि बीजगणितस्य । |
| १०'१ × ४'४ | ९ | ४० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|---------------|--|
| ९८६०४ | लीलावती | | ८५ । |
| ९८६०५ | " | | १३-१०२ । |
| ९८६०६ | बीजगणितटीका | | ८३ । |
| ९८६०७ | शेषजात्युदाहरणम् | | १ । |
| ९८६०८ | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | कमलाकराचार्यः | १-५७ + १, ५८-११३, १-५५ । |
| ९८६०९ | ग्रहणमाला | | १-३० । |
| ९८६१० | ग्रहणगणितम् | | २ । |
| ९८६११ | मकरन्दविवरणम् | | १-६ । |
| ९८६१२ | ग्रहबोधः | नृसिंहदत्तः | १-४ । |
| ९८६१३ | अश्वारूढी | मल्लारिः | १-६ । |
| ९८६१४ | रेखागणितम् | | १७-२९, ३१-४७, ४१-५६, ६६-८६, १२८-१५८, १६०-२९९, २३१-२३२, २३५-२७३ । |
| ९८६१५ | पञ्चाङ्गम् | | १४ गणनया । |
| ९८६१६ | " | | १५ गणनया । |
| ९८६१७ | बीजव्याख्या | | १-५१ । |
| ९८६१८ | ग्रहणादर्शटीका | बुधसिंहः | १-३० । |
| ९८६१९ | पञ्चाङ्गम् | | १३ गणनया । |
| ९८६२० | " | | १३ गणनया । |
| ९८६२१ | ग्रहलाघवम् | केशवः | १-२२ । |
| ९८६२२ | शङ्खसारिणी | | १-२ । |
| ९८६२३ | ग्रहसारिणी | | १-२६ । |
| ९८६२४ | ग्रहलाघवविवरणम् | | १-६८, ७०-७८ । |
| ९८६२५ | ग्रहलाघवोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-८, १०-१४, १६-३८, ४१-५, ५३-५४, ५६-६१ । |

| आकारः | इङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|--------------------|------------------------|--------------|
| १० × ४ | ६ | २० | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९'९ × ४'२ | ६ | २९ | " | " | | " | |
| ८'३ × ४'१ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १३'७ × ५'१ | ३४ | २२ | " | " | | पू० | |
| ११'१ × ४'४ | ९ | ४४ | मै० | " | | अपू० | |
| १२'६ × १'९ | ६ | ४८ | वङ्ग | ता. | | पू० | |
| १५ × २ | ५ | २६ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४ | ७ | ३३ | दे. ना. | का. | १८५२ | " | |
| १० × ४'२ | ११ | ४३ | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × ३'३ | १० | ३१ | " | " | | पू० | |
| ११'४ × ५'७ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १२'५ × ५'८ | × | × | मै० | " | श. व. १७८८ | पू० | |
| १३'५ × ५'८ | × | × | " | " | श० १७८७ १२७३ | " | |
| १३ × ४'८ | ११ | ६३ | " | " | | अपू० | |
| १२'३ × ४'८ | ११ | ४५ | दे. ना. | " | १९०६ | पू० | |
| १२ × ५'१ | × | × | मै० | " | श. व. १७७७ १२६३ | " | |
| १२ × ४'६ | × | × | " | " | श. व. १७६५ | अपू० | |
| १२'२ × ५'२ | ९ | ५५ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ११'५ × ५'१ | १५ | १७ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | २० | २१ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'४ | ११ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ११'७ × ५'३ | १२ | ४० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------------|-------------------------------|---|
| ९८६२६ | ग्रहणमाला | | १-१५ । |
| ९८६२७ | यन्त्रराजः | | १-१२ । |
| ९८६२८ | बीजवासना | मुनीश्वरः विश्वरूपः | १-१३ । |
| ९८६२९ | ग्रहणमाला | | १-१० । |
| ९८६३० | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१३ । |
| ९८६३१ | लग्नसारिणी | | १ । |
| ९८६३२ | पञ्चाङ्गम् | | ८ गणनया । |
| ९८६३३ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-८ । |
| ९८६३४ | भास्वतिः | | १ । |
| ९८६३५ | सूर्यसिद्धान्तोदाहरणव्याख्या | | १-४७, २-६४, ६५ (= ६५, ६६) । |
| ९८६३६ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१० । |
| ९८६३७ | मकरन्दप्रकाशः | | १-३ । |
| ९८६३८ | ग्रहलाघवम् | | १-३३ । |
| ९८६३९ | करणकुतूहलम् | भास्करः | १-२० । |
| ९८६४० | सारणी | | २४० गणनया । |
| ९८६४१ | रामविनोदोदाहृतिः | विश्वनाथः | १-११ । |
| ९८६४२ | लीलावतीटीका | गणेशः | १-९३ । |
| ९८६४३ | विष्णुकरणोदाहृतिः | | १-३६ । |
| ९८६४४ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | भास्करः टी०का०- विनायकः | १-८१ । |
| ९८६४५ | पञ्चाङ्गम् | | ४५ गणनया । |
| ९८६४६ | सिद्धान्ततत्त्वकरणवैष्णवः | शङ्करभट्टः | १-१० । |
| ९८६४७ | बीजगणितभाष्यम् | भा०का०-सूर्यः | १-३०, ३३-४१, ४४-५०, ४४-१०२, गणनया ९५ । |

| आकारः | इत्ति- संख्या | क्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|-----------------|---------|--------|-----------------|-----------------------|--|
| १० × ४'४ | ७ | ३२ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'६ × ४'६ | १५ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ११'२ × ४'६ | ७ | ३५ | " | " | | पू० | |
| १० × ४'२ | १३ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ८'३ × ३'६ | १० | ३१ | " | " | | पू० | |
| १२ × ९ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ८'१ × ६'१ | ३० | ३६ | " | " | १८५६ | पू० | |
| ११'२ × ३'८ | ६ | ३९ | मै० | " | | अपू० | वासनाभाष्यसहितः ग्रहगणिता- व्यायः । |
| ६'९ × ३'७ | ६ | २४ | दे. ना. | " | | " | |
| १०'९ × ४'९ | ११ | ४० | " | " | १८२४ | " | |
| ९'६ × ४'८ | १४ | ३४ | " | " | १८४७ | पू० | |
| १२'५ × ४'४ | ८ | २७ | वज्र | " | | अपू० | |
| ११'२ × ५'४ | ८ | २९ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ८'५ × ४'५ | ८ | २६ | " | " | १८५९ | " | |
| १२'८ × ९'७ | ५१ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ४'८ | १७ | ४० | " | " | | पू० | |
| १२'१ × ७'३ | ११ | ५० | " | " | १८३९ | " | टी०-बुद्धिविलासिनी । |
| ११ × ३'८ | ११ | ४२ | " | " | १६९९ | " | |
| ९'७ × ५'२ | १३ | ५० | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × १'२ | ४ | २५ | वज्र | ना० | श० १७६१ १७६२ | " | |
| ९'५ × ३'५ | ९ | ४० | दे ना | का. | | पू० | |
| ८'५ × ४'२ | ९ | ३५ | " | " | १९९५ श० १७६० | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|---------------|---------------------------|
| ९८६४८ | सोमसिद्धान्तः | | १-८ । |
| ९८६४९ | महादेवीसारणी | | १, २, १-९१ । |
| ९८६५० | ग्रहणावलिः | | १-३ । |
| ९८६५१ | सूर्यपक्षशरणकरणम् | विष्णुदेवज्ञः | १-२० । |
| ९८६५२ | पञ्चाङ्गानि | | १६५ गणतया । |
| ९८६५३ | सूर्यसिद्धान्तः सटीकः | भूधरः | १-१०४, १०४-१०८, १०८-१४८ । |
| ९८६५४ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-१८ । |
| ९८६५५ | यन्त्रराजकल्पः | मथुरानाथः | १-४, ४-११, ११, ११-२० । |
| ९८६५६ | करणकुतूहलम् | | १-१६ । |
| ९८६५७ | सिद्धान्ततत्त्वविवेकः | कमलाकरः | २-२६, २-७ । |
| ९८६५८ | रोमशसिद्धान्तः | | १-५, ७, ८ । |
| ९८६५९ | लीलावतीटीका | | ३-१५ । |
| ९८६६० | सुबोधा सारिणी | | १-२२ । |
| ९८६६१ | यन्त्रचिन्तामणिः सविवरणः | | १-२२ । |
| ९८६६२ | तिथिपत्रम् | | १-४ । |
| ९८६६३ | धोकोटिः | श्रीपतिः | १-६ । |
| ९८६६४ | ज्यासारणी | | १-४५ । |
| ९८६६५ | ग्रहलाघवम् | | १-९ । |
| ९८६६६ | दिननिश्चयप्रकारः | | १ । |
| ९८६६७ | कालज्ञानम् | लगधः | १-५ । |
| ९८६६८ | चन्द्रोन्मीलनम् | | ८, ११-६५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकारः | पूर्णापूर्ण- त्रिवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|--------------------------|---|
| १०'४×४'५ | १७ | ४८ | दे.ना. | का. | श० १८८५ | पू० | शौनकचतुः प्रश्ने गोलाध्याय- दशमाध्यायं यावत् । |
| १०'३×५'१ | २१ | ५० | " | " | १८७८ | " | |
| १४'६×५'२ | ४४ | २३ | " | " | | " | |
| ८'२×४'३ | ८ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ९'४×६'३ | १७ | ३३ | " | " | | पू० | १८९८, १८९९, १९०१, १९०२, १९०४, १९०७, १९०८, १९१०, १९११, १९१२, १९१७, संख्यक- सम्बत्सराणां । |
| ११'५×५'५ | १२ | ४३ | " | " | १८९८ | अपू० | टी० मूर्ध्याख्या । |
| ९'६×४'६ | ९ | ३२ | " | " | | " | गणिताध्यायमात्रम् । |
| १०'७×४'५ | १० | ४५ | " | " | | पू० | |
| ८'३×४ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १२×५'४ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| १०'६×४'७ | १६ | ४२ | " | " | | " | |
| १०'६×४'५ | १२ | ४१ | " | " | | " | |
| ८'२×३'४ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'७×४'३ | १५ | ५२ | " | " | | " | |
| ११×४'१ | ८ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ७'४×३'४ | ११ | २३ | " | " | १८५४ | " | मकरन्दीयम् । |
| १४'२×५ | १८ | ३५ | " | " | | " | |
| ९×४'२ | १५ | ३५ | " | " | | " | |
| १०×६'५ | १९ | ५१ | " | " | श० १७३९ | " | |
| ७'२×४'६ | १० | २२ | " | " | | " | रमलपातस्थानं षोडशशकलो- त्पादनञ्च । |
| ८'६×३'९ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|----------------------------------|-------------------|
| ९८६६९ | बीजगणितं सटीकम् | टी० का०- कृष्णगणकः | १-१११ । |
| ९८६७० | मकरन्दविवरणम् | हरदत्तः | २-८ । |
| ९८६७१ | लीलावतीविवरणम् | रामकृष्णदेवः | १-८४ । |
| ९८६७२ | सिद्धखेतिः | | १-३ । |
| ९८६७३ | ग्रहणविचारः | | १ । |
| ९८६७४ | सिद्धान्तसुन्दरम् | | १-२ । |
| ९८६७५ | ग्रहलाघवं सटीकम् | गणेशदेवज्ञः टी० का०-विश्वनाथः | १-५७ + १ । |
| ९८६७६ | ग्रहलाघवम् | | १-५ । |
| ९८६७७ | लीलावतीटीका | टी० का०— गणेशदेवज्ञः | १-१०० । |
| ९८६७८ | ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तटीका | पृथूदकः | १-७३६ । |
| ९८६७९ | चन्द्रोन्मीलनदीपिका | | १-६७ । |
| ९८६८० | परिकर्माष्टिकम् | | १-६ । |
| ९८६८१ | " | भास्कराचार्यः | २-६ । |
| ९८६८२ | सर्गातिकग्रहस्पष्टीकरणम् | | १-१३ । |
| ९८६८३ | पञ्चसिद्धान्तः | शतानन्दः | १-११ । |
| ९८६८४ | ग्रहसारिणी | | १-५ । |
| ९८६८५ | मणिप्रदीपः | रघुनाथभट्टः | ४४ गणनया । |
| ९८६८६ | बीजगणितभाष्यम् | सूर्यः | १-२८, २८-७२ । |
| ९८६८७ | सूर्यसिद्धान्तटीका | चौलसूरिः | १०-९६ । |
| ९८६८८ | यन्त्रराजटीका | मलयेन्द्रसूरिः | १-१७ । |
| ९८६८९ | लघ्वहर्गणोपपत्तिः | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपि | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---------------------------|
| ११'२ × ५ | १३ | ४३ | दे. ना. | का. | १९१९ | पू० | टी०-कल्पलता । |
| १० × ४'३ | ११ | ३९ | " | " | १८४१ श० १७०६ | " | |
| १०'८ × ४'५ | ८ | ३६ | " | " | १९३० | " | |
| ९'९ × ५'२ | ६ | २२ | " | " | १९४४ | " | |
| १०'१ × ६ | १८ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ४'२ | ९ | ३७ | " | " | | पू० | |
| १३ × ४ | ८ | ७३ | " | " | १९३१ | " | |
| ९'५ × ४'२ | १० | ३० | " | " | | " | स्पष्टाधिकारमात्रम् । |
| ११'२ × ४'५ | १० | ४५ | " | " | श० १४६७ | " | टी०-बुद्धिविलासिनी । |
| १३'२ × ७'५ | १७ | १४ | " | " | | अपू० | टी०-वासनाभाष्यम् । |
| ८'६ × ३'९ | ९ | ३४ | " | " | | पू० | १-३३ पटलाः । |
| ९'५ × ४'२ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'५ | ८ | ३३ | " | " | | अपू० | लीलावत्युक्तम् । |
| ९ × ४'७ | × | × | " | " | | पू० | ग्रहलाघवसरण्याम् । |
| १२ × ४ | ८ | ३४ | वज्र | " | | " | |
| ९ × ४'८ | × | × | दे. ना. | " | | " | |
| ८'३ × ५'७ | १९ | २३ | " | " | १९४२ | " | काशीनाथकृतः शीघ्रबोधश्च । |
| १२ × ४'६ | १० | ४९ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'७ | १० | ५८ | " | " | | " | ५-१२ अध्यायाः । |
| ११'२ × ४'६ | १३ | ४६ | " | " | | पू० | |
| १०'८ × ४'७ | २० | ६४ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्यादिवरणम् |
|------------|-----------------------------------|--------------|-------------------|
| ९८६९० | सर्वदेशीयशरक्रान्तिसाधन- विधिः | | १-९ । |
| ९८६९१ | यन्त्राकरयन्त्रम् | | १-२१ । |
| ९८६९२ | गणितामृतं सटीकम् | | १-३६ । |
| ९८६९३ | सूर्यसिद्धान्तः | | १-४३ । |
| ९८६९४ | करणवैष्णवः | शङ्करः | १-३०, ३२-३८ । |
| ९८६९५ | ग्रहणविचारः | | ६ गणनया । |
| ९८६९६ | गणितकौमुदी | शैवनन्दरामः | १-२ । |
| ९८६९७ | घटिकायन्त्रम् | | १ । |
| ९८६९८ | खगोलचक्रम् | | २ । |
| ९८६९९ | बीजगणितावतंसः | नारायणः | १-४२ । |
| ९८७०० | गणितसारः सटीकः | जीवराजः | १-२३ । |
| ९८७०१ | रेखागणितम् | | १६ गणनया । |
| ९८७०२ | लीलावती टीका | | १-८ । |
| ९८७०३ | गणितकौमुदी | नारायणः | २-१३६ । |
| ९८७०४ | बीजगणितम् | | १-७ । |
| ९८७०५ | जीजप्रकाशः | दयारामः | १-३२ । |
| ९८७०६ | गणितसारः | श्रीधरः | १-२० । |
| ९८७०७ | ग्रहणमाला | | १ । |
| ९८७०८ | पाटीसारः | रङ्गनाथः | १-२० । |
| ९८७०९ | जहाँगीरविनोदरत्नाकरः | परमानन्दरायः | १-१३ । |
| ९८७१० | तिथिसारणी | | १-७ । |
| ९८७११ | वर्षसारणी | चिन्तामणिः | १-३ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| १२'४ × ४'६ | ९ | ४१ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८'२ × ४'६ | १२ | २९ | " | " | | पू० | |
| १० × ४'४ | ११ | ३६ | " | " | | " | प्रथमाधिकारतः पञ्चमपर्यन्तम् । |
| ८'७ × ४'७ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'८ × ३'९ | ८ | ३० | " | " | १८४४ | अपू० | सिद्धान्ततत्त्वे । |
| १०'७ × ४'१ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | ११ | ४ | " | " | | पू० | श्रेणीगणितमात्रम् । |
| ६'३ × ६'३ | × | × | " | " | | " | |
| १२'२ × ६'२ | × | × | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'५ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'५ | ११ | ४३ | " | " | १८९१ | पू० | |
| १७'२ × ६'५ | १७ | २२ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ४ | ९ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'४ | ९ | ३७ | " | " | | पू० | |
| १०'७ × ४'१ | ७ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| ११'७ × ६'२ | २५ | २७ | " | " | | " | जोजमुहम्मदशाही ग्रन्थस्य छापा- ग्रन्थः । |
| ९'५ × ४'४ | १० | ४३ | " | " | | पू० | |
| ९'२ × ४'५ | ३० | २० | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'४ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| ११'२ × ४'५ | ८ | ३५ | " | " | १८५३ श० १७१८ | " | जैहागीररत्नाकरो वा । |
| ९'४ × ४ | १० | २९ | " | " | | " | मकरन्दीयः । |
| ९'४ × ४'२ | ५ | २८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|----------------|--|
| ९८७१२ | वृत्तशतकम् | महेश्वरः | १-१५ । |
| ९८७१३ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-८ । |
| ९८७१४ | सिद्धान्तशिरोमणिः सवासना भाष्याः | भास्करः | १-५, १७-१९, २१-३३, १-४, ६-३४, ३६-५७ । |
| ९८७१५ | सावनाहर्गणा नयनम् | | १-२ । |
| ९८७१६ | वर्षसारणिः | | १-७ । |
| ९८७१७ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-२८ । |
| ९८७१८ | यन्त्रचिन्तामण्युपपत्तिः | दादाभाई | १-४ । |
| ९८७१९ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-१८ । |
| ९८७२० | भास्वती | शतानन्दः | १३-३१ + १ । |
| ९८७२१ | वासनावार्तिकम् | नृसिंहः | १-६३, ६५-११७ । |
| ९८७२२ | चन्द्रोन्मीलनदीपिका | | १-३६ । |
| ९८७२३ | ग्रहलाघवटीका | मल्लारिदैवज्ञः | ७-५९, ६१-७१ । |
| ९८७२४ | सङ्क्रानयनम् | केशवादित्यः | १-२८ । |
| ९८७२५ | सिद्धान्तशिरोमणिटीका | | ३७-२६२, १-३०८, १-१५५, १-८५ । |
| ९८७२६ | ग्रहसारिणी | | १-३० । |
| ९८७२७ | लीलावतीसविवरणा | | १-२६ । |
| ९८७२८ | लीलावत्युदाहरणम् | | १-१६ । |
| ९८७२९ | बीजगणितम् | | १-५६ । |
| ९८७३० | ज्योतिषसिद्धान्तसारः | | १, ४-२८ । |
| ९८७३१ | कौतुकलीलावती | | १-७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|------------------------|--|
| ९'६ × ५'१ | १० | ३३ | दे.ना. | का. | १९४० | पू० | मध्यगतिवासनाधिकारपर्यन्ताः । |
| १० × ४'३ | १३ | ३१ | " | " | | " | |
| ९'४ × ४'१ | ८ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ८'३ × ४'१ | १३ | ३३ | " | " | | पू० | |
| ५'४ × ४ | ९ | १७ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | ७ | ४० | " | " | | अपू० | पाटीगणितं वा । |
| ९'७ × ४'३ | ११ | २७ | " | " | | " | यन्त्रोपपत्तिरिति वा । |
| ९'८ × ४'३ | ७ | ३४ | " | " | १८७० | पू० | सिद्धान्तशिरोमणेः । |
| ८'६ × ३'३ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| १०'८ × ५'६ | १२ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| १०'६ × ४'७ | १२ | ६० | " | " | | " | |
| १२ × ४'५ | ९ | १० | मे० | " | | अपू० | |
| ११'१ × ४'६ | ७ | ३७ | दे. ना | " | १६८८ | पू० | मध्यमग्रहसाधनाधिकारात् ग्रहणद्वयसाधनाधिकारान्ता । |
| १० × ८'५ | १२ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ११'३ × ५'१ | १६ | १६ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'५ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'३ | ९ | ४२ | " | " | १८४६ | पू० | मरीचिवासनावार्तिकाख्यः स्पष्ट- त्रिप्रश्न पूर्वसम्भवा, चन्द्रग्रहण- सूर्यग्रहणाधिकाराः । |
| ८'४ × ६'९ | २२ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ४'१ | १० | ४० | " | " | १८७८ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------------------|--------------------------------|-------------------|
| ९८७३२ | रामविनोदसारिणी | | ८-५६ । |
| ९८७३३ | पारसीकप्रकाशः | वेदाङ्गरायः | १-१० + २ गणनया । |
| ९८७३४ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | | २४ गणनया । |
| ९८७३५ | लीलावत्युदाहरणम् | कृपारामः | १-१५ । |
| ९८७३६ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-९ । |
| ९८७३७ | पातसारिणीसटीका | गणेश्वरः | १-१२ । |
| ९८७३८ | पञ्चाङ्गम् | | १६ गणनया । |
| ९८७३९ | ग्रहकौतुकम् | केशवः | १-१९ । |
| ९८७४० | बालावबोधः | हरिकर्णः | १-५ । |
| ९८७४१ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | भास्कराचार्यः | १-२१ । |
| ९८७४२ | मकरन्दोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-१२ । |
| ९८७४३ | ज्योतिषगणकम् | | १-१८ । |
| ९८७४४ | लीलावती सटीका | भास्कराचार्यः टी० का०-केशवः | १-५० । |
| ९८७४५ | लीलावतीविवरणम् | महीधरदत्तः | १-३० । |
| ९८७४६ | गणितदण्डः | | १-१३ । |
| ९८७४७ | पञ्चाङ्गम् | | ९ गणनया । |
| ९८७४८ | युगवस्था | | १-९ । |
| ९८७४९ | चावुक (प्रतोद) यन्त्रम् सटीकम् | | १-२ । |
| ९८७५० | सर्वदेशीयजरकालीयन्त्रम् | | १-५ । |
| ९८७५१ | वेदाङ्गज्योतिषम् | शेषनागः | १-२० । |
| ९८७५२ | भास्वती टीका | बलभद्रः | १-५४ । |
| ९८७५३ | सुधीरञ्जनी | | १-१० । |

| भाकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | कारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेक | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|------|-----------------|----------------------|---------------------------------|
| ११'८ × ५'३ | १२ | २६ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८'९ × ३'९ | १२ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'९ | ८ | ४९ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'१ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| ८'३ × ४'५ | ८ | १९ | " | " | | पू० | परिकमीष्टकमात्रम् । |
| ७'६ × ३'४ | ७ | ३२ | " | " | १९२७ श० १७८८ | " | |
| ९'७ × ६'७ | १८ | ४१ | " | " | १९१२ | " | |
| ११'१ × ४'७ | ९ | ४१ | " | " | १७०१ | " | लघुवाताधिकारपर्यन्तम् । |
| ९'८ × ४'३ | १० | ३३ | " | " | | " | मकरन्दटीका । |
| ९'३ × ४'१ | १२ | ४५ | " | " | | " | गोलाध्यायः टी०-मिताक्षराः । |
| १० × ४'३ | १९ | ४८ | " | " | | " | मकरन्दोदाहृतिः इति नामान्तरम् । |
| ९ × ४ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| ९ × ४'१ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'३ × ३'८ | १४ | ४८ | " | " | | " | अङ्कपाशः । |
| ११ × ३'४ | ७ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'५ × ६'२ | २५ | २८ | " | " | १८९५ | अपू० | |
| ७'६ × ३'७ | ८ | २३ | " | " | १८९१ | पू० | |
| ९'५ × ४'२ | ९ | ६७ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'३ | १५ | ५९ | " | " | | " | |
| ८'७ × ३'७ | १० | ३६ | " | " | १८२७ | " | |
| ९'७ × ४'५ | १३ | ३५ | " | " | १७७४ | " | |
| १०'८ × ४'७ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---|--|-------------------------------|
| ९८७५४ | ज्योतिषग्रन्थविशेषः | | २१ । |
| ९८७५५ | करणप्रकाशः | ब्रह्मदेवगणकः | १-२ । |
| ९८७५६ | यन्त्रचिन्तामणिविवरणम् | चक्रधरः | १-७ । |
| ९८७५७ | जगद्भूषणम् | | १-३४, ३९-५५, ७७-८७ । |
| ९८७५८ | रामप्रकाशः | रामः | १ । |
| ९८७५९ | तिथिचिन्तामणिसारणी | | १-१४ । |
| ९८७६० | तिथिचिन्तामणिः | | १-७ । |
| ९८७६१ | मकरन्दसारणी | मकरन्दः | १-५१ । |
| ९८७६२ | ग्रहशीघ्रसिद्धिः | हरिभट्टः | १-८ । |
| ९८७६३ | गोलोपपत्तिगणितम् | | १ । |
| ९८७६४ | सिद्धान्तज्योतिषविषयक- ग्रहचारक्षेत्राणि | | ६ गणनया । |
| ९८७६५ | हयतम् | | १-६४ + ५ । |
| ९८७६६ | सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः | भास्कराचार्यः टी० का०- मुनीश्वरः | १-६८, ८४-८५, ९१-९३, ११८-१५७ । |
| ९८७६७ | पञ्चाङ्गम् | | ९७ गणनया । |
| ९८७६८ | ग्रहलाघवविवरणम् | विश्वनाथदेवज्ञः | १-११५, ११९-१२१ । |
| ९८७६९ | लीलावती टीका | सूर्यदासः | १-८३, ८६-९३ । |
| ९८७७० | मकरन्दकाशिका | मकरन्दः | १-५ । |
| ९८७७१ | मकरन्दविवरणम् | दिवाकरः | १-९ । |
| ९८७७२ | लीलावती | भास्कराचार्यः | १-३ । |
| ९८७७३ | ज्ञानचिन्तामणिः | कृष्णगणकः भानुसुनुः | १-४ । |
| ९८७७४ | सौर पौराणिकमतसमर्थनम् | नीलकण्ठः | १-११ । |

| आकारः | सङ्कति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | रूपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- त्रिवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|-------------------|--------------------|---------|-------|-----------------|--------------------------|-----------------------|
| ८'२×४ | ७ | २३ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ७×४'२ | १३ | ३१ | " | " | | पू० | |
| ९'२×४'१ | ७ | २२ | " | " | | " | |
| १०'५×४'५ | १४ | ५२ | " | " | १८६८ श० १७३३ | अपू० | |
| १२×५'१ | १० | ४५ | " | " | | " | |
| १२'३×५'५ | १४ | ३० | " | " | | पू० | |
| ११'३×४'५ | १० | ४३ | " | " | | " | |
| ६'२×४'८ | × | × | " | " | | " | |
| ८'५×३'७ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| १४'५×११'८ | २७ | ४२ | " | " | | " | |
| १९×८'७ | × | × | " | " | | " | |
| ९'२×५'८ | १७ | १६ | " | " | १८'६ श० १६८१ | अपू० | |
| १२'५×६'३ | १५ | ६६ | " | " | | " | टी०-मरिचि । |
| ११×७ | × | × | " | " | | " | १४ पञ्चाङ्गम् । |
| ७'५×४'१ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| १०'६×५ | ११ | ५० | " | " | १७८८ | " | टी०-गणितामृतकूपिका । |
| ९'५×४ | ८ | ४२ | मै० | " | श० १७५८ | पू० | |
| १०'१×४'२ | १२ | ४५ | दे. ना. | " | श० १७११ | " | |
| ९'४×४'१ | १० | ३३ | " | " | | " | परिकर्माष्टकमात्रम् । |
| १०'८×४'७ | १३ | ५१ | " | " | | अपू० | |
| ८'८×४'४ | ११ | ३७ | " | " | १७६१ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------|---------------|----------------------|
| ९८७७५ | यन्त्रराजविवेचनम् | | १-८ । |
| ९८७७६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्कराचार्यः | २८-३४ । |
| ९८७७७ | सिद्धान्तशिरोमणिः | " | १-५६ । |
| ९८७७८ | गणकभूषणम् | | १-१५ । |
| ९८७७९ | तिथिपत्रम् | | १४ गणनया । |
| ९८७८० | विष्णुकरणम् | विष्णुदैवज्ञः | १-१२ । |
| ९८७८१ | लीलावतीविरणम् लीलावती टीका | रङ्गनाथः | १-२०, २२-५०, ५३-९२ । |
| ९८७८२ | लीलावती | | १-३१, ३३-५१ । |
| ९८७८३ | वशिष्टसिद्धान्तः | | १-१४ । |
| ९८७८४ | चन्द्रोन्मीलनम् | | १-५४ । |
| ९८७८५ | मकरन्दोदाहरणम् | विश्वनाथः | १-२७ । |
| ९८७८६ | सिद्धान्तशिरोमणिः | भास्करः | १-३७ । |
| ९८७८७ | हयतम् | | १-१४ । |
| ९८७८८ | सिद्धान्तकोस्तुभः | गोपीराजः | १-२ । |
| ९८७८९ | श्रीपत्युदाहरणम् | | ५२-७४ । |
| ९८७९० | पञ्चाङ्गानि | | ८० गणनया । |
| ९८७९१ | पञ्चाङ्गसाधनसारिणी | | २-२०, २४-२६ । |
| ९८७९२ | सिद्धान्तगणितम् | | ३-५ । |
| ९८७९३ | सूर्यसिद्धान्तटीका | चोलः | १-३९ । |
| ९८७९४ | चन्द्रोदयानयनम् | | १-२, २-३ । |
| ९८७९५ | भास्वतीसव्याख्योदाहरणा | शतानन्दः | १-४७ । |
| ९८७९६ | सिद्धान्तशिरोमणिः मरीचिः | विश्वरूपः | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|--|
| १०'३×४'४ | १३ | ५५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'७×४ | १२ | ६१ | " | " | १६५३ | पू० | पाताध्यायमात्रम् । |
| ९'९×४'१ | ८ | ३९ | " | " | १८४९ | " | |
| १०'३×४'५ | १५ | ४८ | " | " | १८१२ श० १६७७ | " | चिन्तापृच्छेतितन्त्रद्वयात्मकम् । |
| १०×६'४ | १८ | ४९ | " | " | १९०६ | " | १९०६ सम्बत्सरस्य । |
| ११'१×४'९ | ९ | ३८ | " | " | १६९८ | " | |
| ९×३'८ | ८ | ४० | " | " | | " | टी०-मितभाषिणी । |
| १०'४×४'४ | ७ | ४१ | " | " | | अपू० | गणिताध्यायः आदितः करणसूत्रान्तं, क्षेत्रव्यवहारतः कुट्टकपर्यन्तम् । |
| ६'५×३'५ | ७ | २१ | " | " | १९१८ | पू० | |
| ८'५×५'५ | १९ | १५ | " | " | | अपू० | |
| १२'४×६'५ | ११ | ३९ | " | " | १९२३ | पू० | |
| ९'७×४'४ | ९ | ३५ | " | " | | अपू० | वासनाभाष्यसहितः । |
| ९'७×४'४ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| ६'२×४'२ | १४ | २६ | " | " | १८२९ | पू० | भूगोलस्वनाध्यायमात्रम् । |
| १३'४×५ | १० | ६३ | " | " | | अपू० | |
| १०'१×६'७ | १७ | ४५ | " | " | | " | |
| १०×४'७ | ८ | १२ | " | " | | " | |
| १०'३×४'५ | ११ | ३२ | " | " | | " | |
| १०'३×४'५ | ११ | ४३ | " | " | | " | |
| ८'१२×५'१ | ६७ | १९ | " | " | श० १७६४ | " | |
| १०'२×४'५ | ११ | ३९ | " | " | श० १६६१ | पू० | |
| ११'३×४'३ | १५ | ४२ | " | " | | " | शृङ्गोन्नत्यधिकारमात्रम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------------|----------------|-------------------|
| ९८७९७ | सारणी | | १४९ गणनया । |
| ९८७९८ | बीजगणितम् | भास्कराचार्यः | १-५९ । |
| ९८७९९ | प्रतोदयन्त्रं सटीकम् | | १-३ । |
| ९८८०० | चतुर्युगी | | १-८ । |
| ९८८०१ | सिद्धान्तरहस्योदाहरणम् | विश्वनाथः | १-३८ । |
| ९८८०२ | पातसारणी | | १-५ । |
| ९८८०३ | ग्रहलाघवम् | गणेशदेवज्ञः | १-१६ । |
| ९८८०४ | रेखागणितभाषा | | १-२ । |
| ९८८०५ | भास्वती | शतानन्दः | १-२ । |
| ९८८०६ | प्राचीनज्यौतिषाचार्याशिय- वर्णनम् | वापूदेवः | १-१० । |
| ९८८०७ | भाम्रमरेखानिरूपणम् | सुधाकरद्विवेदी | १-६ । |
| ९८८०८ | चन्द्रोन्मीलनम् | | १-२६ । |
| ९८८०९ | दिनकौमुदी सारिणी | रामचन्द्रः | १-१२ । |
| ९८८१० | सारिणी | विश्रामशर्मा | १-१९ + १ । |
| ९८८११ | सिद्धान्तशिरोमणिः | | १-४, ५१ गणनया । |
| ९८८१२ | " | | २५५ गणनया । |
| ९८८१३ | समरसारः सटीकः | टी० का०-भरतः | १-९ । |
| ९८८१४ | वर्षतन्त्रम् | नीलकण्ठः | १-२ । |
| ९८८१५ | जातकसङ्ग्रहः | | १-७ । |
| ९८८१६ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १-९ + १, १-२६ । |
| ९८८१७ | ज्यौतिषवृत्तशतम् | महेश्वरः | २-१९ । |
| ९८८१८ | स्वप्नाध्यायः | वृहस्पतिः | १-३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-------------------------|---|
| ११×५५ | × | × | दे. ना. | का. | १८० | अपू० | |
| १०'८×४१ | ८ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'५×४ | ९ | ६१ | " | " | श० १७७४ | " | |
| ९'३×४ | ९ | २२ | " | " | १९०३ | पू० | |
| ९'८×४'१ | १७ | ४४ | " | " | १८८१ | अपू० | |
| १०×४'३ | × | × | " | " | | पू० | |
| १३'५×५'१ | ११ | ६५ | मै० | " | | अपू० | |
| १३'५×३'५ | ८ | ५७ | " | " | | पू० | |
| १३'५×४'३ | १० | ७० | " | " | | " | |
| १२'६×५'१ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| ८'१×४'५ | १२ | ४५ | " | " | | | |
| ९'५×४'१ | १४ | ४३ | दे. ना. | " | १८०२ श० १६६७ | " | |
| १४'८×३'५ | × | × | वज्र | " | | " | |
| ९'९×४'४ | १४ | ३६ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १४'१×४'३ | १२ | ७८ | मै० | " | | | त्रिप्रस्त. चन्द्रग्रहण, यन्त्राध्यायाः ऋतुवर्णनटीका च । |
| १२'८×४'८ | ११ | ६० | " | " | | " | गोलाध्यायः । |
| ११'८×४'१ | १७ | ५८ | दे. ना. | " | | " | चन्द्रनाडीविचारपर्यन्तः । |
| ११'५×५'१ | १४ | ४२ | " | " | श० १५०९ | पू० | |
| १५×४'१ | ९ | ४४ | " | " | | अपू० | प्रश्नसङ्ग्रहश्च । |
| ९'८×४ | ११ | ३६ | " | " | | " | टी०-मार्तण्डवल्लभा जातकप्रकरणांशं यावत् । |
| ८'६×२'८ | ६ | ३२ | " | " | | " | |
| ७'९×२'८ | ११ | ३८ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|--------------|-------------------|
| ९८८१९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-१६ । |
| ९८८२० | फलितज्योतिषसङ्ग्रहः | | ६६ गणनया । |
| ९८८२१ | होडाचक्रम् | | १-२ । |
| ९८८२२ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १-१३ । |
| ९८८२३ | ग्रहशुद्धाशुद्धिकथनम् | | १ । |
| ९८८२४ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-७ । |
| ९८८२५ | बालबोधः | मुक्तादित्यः | १-२४ । |
| ९८८२६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-१६ । |
| ९८८२७ | ज्योतिर्निबन्धः | | १-२ । |
| ९८८२८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | २-४ । |
| ९८८२९ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | | २७-३१, ३१-२४ । |
| ९८८३० | मुहूर्तमार्तण्डः | | १ । |
| ९८८३१ | हायनरत्नम् | | १-१२ । |
| ९८८३२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-३६ । |
| ९८८३३ | जातकाभरणम् | दुण्डिराजः | ३५-५२ । |
| ९८८३४ | अवकहडाचक्रम् | | ३ गणनया । |
| ९८८३५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-५ + १० । |
| ९८८३६ | शुद्धिदीपिका | श्रीनिवासः | १-३३ । |
| ९८८३७ | समयप्रदीपः | हरिहराचार्यः | १-३१ + १ । |
| ९८८३८ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-१२ । |
| ९८८३९ | जातकपद्धतिः | केशवः | १-१० । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | श्लोक-संख्या | लिपिः | लघु-लिपिः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|-----------|----------|---------------------|--|
| ८'५ × ४'३ | १४ | ४६ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९ × ४ | २८ | १९ | " | " | | " | |
| ७ × ४ | ८ | १८ | " | " | | पू० | |
| ८'८ × ३'८ | १३ | ४७ | " | " | | अपू० | |
| १४'२ × ३'४ | ७ | ४० | वज्र | " | | " | जातकस्य शिरोज्ञानम् प्रसवगृहद्वार- ज्ञानम्, जन्मकालीनकोष्ठीरफल- गणना च । |
| ९'५ × ४'२ | ५ | २७ | दे. ना. | " | | " | |
| ८'९ × ३'८ | ८ | २३ | " | " | १७५४ | पू० | |
| ७'८ × ४ | १० | २७ | " | " | | अपू० | |
| ८'९ × ४'१ | ११ | २८ | " | " | | पू० | पल्लीसरटयोः स्पर्शफलमात्रं तच्छान्तिश्च । |
| १०'४ × ३'८ | १० | ४५ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ३'९ | ९ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'६ × ३'८ | १० | ३५ | " | " | | " | |
| १० × ४'२ | १० | ३६ | " | " | | पू० | |
| १०'९ × ४'१ | ८ | ३५ | " | " | १७६५ | " | |
| १०'५ × ४'४ | ९ | ४४ | " | " | | अपू० | |
| ९ × ३'७ | ९ | २१ | " | " | | " | |
| १३'२ × ३'१ | ७ | ५७ | वज्र | " | | " | नामकरणादारभ्यान् प्राशनांशं यावत् । |
| १५'२ × २'९ | ६ | ६६ | " | " | श० १६०४ | पू० | |
| १२'५ × ३'३ | ७ | ४१ | " | " | श० १७३३ | " | विषयानुक्रमणिका च । |
| ७ × ४'९ | १७ | २६ | दे. ना. | " | श० १५४७ | " | |
| ८'२ × ५'६ | ९ | १८ | " | " | श० १७३१ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|------------------------|-------------------|
| १८८४० | लघुजातकः सटीकः | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-२७ । |
| १८८४१ | शोघ्नबोधः | काशीनाथः | १-३२ । |
| १८८४२ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | टी० का०- नारायणः | १-५९ । |
| १८८४३ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-१२ । |
| १८८४४ | " | | १-१०५ । |
| १८८४५ | सम्बत्सरफलम् | | १ । |
| १८८४६ | जैमिनीसूत्रं सटीकम् | टी० का०- नीलकण्ठः | ३०-४१ । |
| १८८४७ | सर्वार्थचिन्तामणिः | वेंकटेशः | १-७७ । |
| १८८४८ | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १-१८ । |
| १८८४९ | रत्नदीपम् | गणपतिः | १-११ । |
| १८८५० | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणभट्टः | ३-१० । |
| १८८५१ | रामविनोदः | रामः | १-१२ । |
| १८८५२ | शोघ्नबोधः | काशीनाथः | १०-२० । |
| १८८५३ | मुहूर्तमुक्तावली | | २-६ । |
| १८८५४ | जातकाभरणम् | हुण्डिराजः | १-२८. ५५-१४४ । |
| १८८५५ | रत्नमाला | श्रीपतिः | १-८, १०-३७ । |
| १८८५६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-७३ । |
| १८८५७ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | लीलकण्ठः | १-६६ । |
| १८८५८ | ताजकोक्तफलम् | | १-३ । |
| १८८५९ | पद्यपञ्चाशिका | | १-५ । |
| १८८६० | शोघ्नबोधः | | १-२८ । |
| १८८६१ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | अक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|------------------------|--|
| १३.२ × ५.३ | ९ | ५४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०.५ × ४ | ८ | ३३ | " | " | १८९९ | " | |
| १०.९ × ४.३ | ९ | ३४ | " | " | श० १७७५ | " | सानुक्रमः, मार्तण्डवल्गुभाष्या टीका । |
| १२ × ४ | १३ | ५२ | " | " | श० १७३३ | " | |
| ११ × ४ | १० | ४० | " | " | | अपू० | |
| १५ × ५ | ७ | ४९ | " | " | १८४६ | " | १८४६ सम्बतीमम् । |
| ९.५ × ५ | १४ | ३५ | " | " | | " | |
| १९.९ × ५.३ | १० | ४२ | " | " | | पू० | |
| १०.४ × ५.५ | ११ | ३६ | " | " | १९०६ | " | |
| १० × ४.४ | ८ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४.४ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १० × ३.६ | १० | ३५ | " | " | १८४० | पू० | |
| १०.३ × ४.५ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०.४ × ५.३ | ११ | ३५ | " | " | | " | |
| १२ × ४.५ | ११ | ३९ | " | " | | " | |
| १०.७ × ५.५ | ११ | ३५ | " | " | १९०६ | " | |
| ९.२ × ४.२ | ७ | ३० | " | " | | " | प्रारम्भतः गृहारम्भप्रकरणांशं यावत् । |
| ११ × ४.४ | ७ | ३९ | " | " | | " | षोडशोऽध्यायमात्रम् । |
| १३ × ६ | १७ | ५६ | " | " | | पू० | मासमुत्थादिफलविचारः । |
| ८.८ × ५.५ | १६ | ३७ | " | " | | " | |
| १० × ५.९ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १०.८ × ५.३ | १० | ३४ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|--------------|---------------------|
| ९८८६२ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-२९ । |
| ९८८६३ | जातकपद्धतिः सटीका | नारायणः | १-२ । |
| ९८८६४ | समरसारः सटीकः | रामचन्द्रः | १-२३ । |
| ९८८६५ | ग्रहस्वभावादिविचारः | | १-८ । |
| ९८८६६ | ताजिकनीलकण्ठीटीका | विश्वनाथः | १-५१ । |
| ९८८६७ | ग्रहदशाफलम् | | १ । |
| ९८८६८ | चमत्कारचिन्तामणिः | नारायणभट्टः | १-९ । |
| ९८८६९ | मुहूर्तदीपिका | | २-२८, ३३-३८ । |
| ९८८७० | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-४४, १-१२ । |
| ९८८७१ | होरामकरन्दः | गुणाकरः | १-३१ । |
| ९८८७२ | द्वारवेधविचारः | | १-२ । |
| ९८८७३ | सुधीरञ्जनी | केशवः | १-६ । |
| ९८८७४ | जन्मलग्ननिषेकाङ्कशुद्धिः | सदाशिवः | १-८ । |
| ९८८७५ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-१९, १-६८ । |
| ९८८७६ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-१२, १५-४१ १७-२४ । |
| ९८८७७ | नीलकण्ठीटीका | गोविन्दः | १-३८ । |
| ९८८७८ | " | " | १-२ । |
| ९८८७९ | ज्यौतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | ६-३१, ३३-३५ । |
| ९८८८० | मनुष्यजातकटीका | नारायणः | ३०-४६ । |
| ९८८८१ | शम्भुहोराप्रकाशः | पुञ्जराजः | १-५० । |
| ९८८८२ | जैमिनीयसूत्रकारिका | | १-६ । |
| ९८८८३ | " | | १-७ । |
| ९८८८४ | ताजिकनीलकण्ठी टीका | गोविन्दः | २-३७ । |
| ९८८८५ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १०-३४ । |

| आकारः | वङ्क्ति- संख्या | वक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--------------------------------|
| १० × ६ | १० | ३३ | दे. ना. | का. | | अ० | यवनमतानुसारम् । |
| ८'७ × ४'६ | ११ | २७ | " | " | | " | |
| ९ × ४'८ | १३ | २८ | " | " | | " | आदितः कोटिचक्रान्तः । |
| ९' × ४'७ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ९ × ४'७ | १३ | ३० | " | " | | पू० | वर्षतन्त्रविचारप्रकरणमात्रम् । |
| २३ × ७ | ४४ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ८'३ × ३'९ | ११ | ३२ | " | " | | पू० | |
| १२ × ५'४ | २० | ५५ | " | " | | अपू० | |
| १२'७ × ४ | १० | ४४ | " | " | | " | टी०-४६ प्रमिताक्षरा । |
| १५ × ३'२ | ११ | ५४ | " | " | | पू० | नष्टजातकाध्यायान्तः । |
| १०'६ × ५'५ | १० | ३५ | " | " | | " | फलसहितः । |
| ९'९ × ४'६ | ९ | ४१ | " | " | | अपू० | मन्दफलपर्यन्ता । |
| १०'५ × ४'४ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'६ | ११ | ५४ | " | " | १९०६ | " | पूर्वाद्धोत्तराद्धे । |
| १०'६ × ४'५ | ७ | २५ | " | " | श० १५०९ | " | संज्ञावर्षतन्त्रे । |
| ११ × ४'६ | ११ | ५१ | " | " | | " | भावाध्यायांशस्य । |
| ११ × ४'३ | ११ | ४३ | " | " | | पू० | भावाध्यायः । |
| ९ × ४ | ९ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| १४'२ × ५'२ | ११ | ४५ | " | " | | " | कर्मप्रकाशिकाख्या टीका । |
| १३'६ × ५'१ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १४ × ५'४ | ११ | ४७ | " | " | | पू० | १-२ अध्यायी । |
| १४ × ४'५ | ११ | ४२ | " | " | | " | १-२ अध्यायी । |
| १२ × ४'६ | ११ | ४७ | " | " | | अपू० | रसालाख्या टीका । |
| १०'७ × ५'१ | १० | ३९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|-----------------------------|--|
| ९८८८६ | वास्तुसाधनम् | | १-५ । |
| ९८८८७ | सारावली | | १३-११८ । |
| ९८८८८ | सत्कृत्यमुक्तावली | | १-४९ । |
| ९८८८९ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी० का०-हर्षधरः | १-८३ । |
| ९८८९० | विवाहवृन्दावनं सटीकम् | केशवार्कः | ५५-६२ । |
| ९८८९१ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-६० । |
| ९८८९२ | नरपतिजयचर्या | नरपतिः | १-५, १७-२०, २३-३३, ३७-४०, ४२-४६ ५०-५५ । |
| ९८८९३ | होरास्तम् | बलभद्रः | ५९-८८, १०८-१३१, १३४-१३५, २७०-२७६ । |
| ९८८९४ | ज्योतिषचन्द्रिका | | ६-८ । |
| ९८८९५ | " | हरिकृष्णः | १-२८ । |
| ९८८९६ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १५-१७, १९-२६ । |
| ९८८९७ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ५-२६ । |
| ९८८९८ | बालज्योतिषं सटीकम् | | १-५ । |
| ९८८९९ | नक्षत्रचूडामणिः | | १-४ । |
| ९८९०० | जातकाभरणम् | दुण्डिराजः | ३१(=३२) - ६०, ६२-७० । |
| ९८९०१ | प्रश्नावलिः | | १-५ । |
| ९८९०२ | जातकाभरणम् | | ८, १२-१३, १९-२०, २२, २९, ३० । |
| ९८९०३ | मुकुन्दविजयः | परममिश्रः | १-५२ । |
| ९८९०४ | भुवनदीपकम् | | १-१४ । |
| ९८९०५ | विश्वप्रकाशचिन्तामणिः | | १-१८ । |
| ९८९०६ | अभ्रच्छायाविचारः | | १-२ । |

| आकारः | इति- संख्या | क्षर- संख्या | लिपिः | काष्ठः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|-----------------|---------|--------|-------------|------------------------|--|
| १० × ४'४ | ९ | ३५ | दे. ना. | का. | | अपू० | ज्योतिषवचनसङ्ग्रहः इति नामान्तरम् । |
| १२ × ५'८ | १० | ३९ | " | " | १८८२ | " | |
| १५'४ × २'६ | ५ | ६६ | वज्र | " | वज्रा. १३६९ | पू० | |
| १४'५ × ५'५ | ११ | ५१ | दे. ना. | " | | " | सज्ञात्पत्रमात्रम् फलवर्द्धिव्याख्या टीका । |
| १३'८ × ४'३ | ५ | ५६ | " | " | | अपू० | |
| १३'९ × ५'६ | ९ | ५३ | " | " | १९१४ | पू० | १-२० अध्यायाः । |
| १२'३ × ४'५ | १० | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'८ | ११ | ४३ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'५ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'५ | ७ | ३० | " | " | श० १७७४ | पू० | |
| ८'३ × ३'८ | ९ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ३'९ | १० | ४५ | " | " | १८४८ | " | विवाहप्रकरणाद्धूलिवर्षादिफलं यावत् । |
| १०'४ × ४'४ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | १० | ३३ | " | " | १९१८ | पू० | |
| ९'२ × ४'१ | १० | ३३ | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'५ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| १२'७ × ४'९ | ८ | ४१ | " | " | १८७८ | " | |
| १०'६ × ४ | ८ | ३७ | " | " | श० १७२८ | पू० | |
| ९'३ × ६ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| ११'१ × ४ | ९ | ३८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|------------------------------|---|
| ९८९०७ | ग्रहोद्भवस्थानानि | | १ । |
| ९८९०८ | सप्तवर्गसारणी | | १-५, ७ । |
| ९८९०९ | वाणिज्यसिद्धियोगः | | २ गणनया । |
| ९८९१० | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१४ । |
| ९८९११ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-२२ । |
| ९८९१२ | लोमससंहिता | | १-४ । |
| ९८९१३ | बृहत्संहिता सटीका | वराहमिहिरः टी० का०-उत्पलः | १-२५३ । |
| ९८९१४ | वास्तुराजवल्लभः | | १-२६ । |
| ९८९१५ | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | १-२४० । |
| ९८९१६ | खेटकौतुकम् | अब्दुलरहीम- खानखाना | २ गणनया । |
| ९८९१७ | जातकपद्धतिः | शुक्राचार्यः | १-१२ । |
| ९८९१८ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१८७ । |
| ९८९१९ | जातककर्मपद्धतिः | श्रीपतिः | १-३३ । |
| ९८९२० | जातकपद्धतिः | दिवाकरः | १-१५ । |
| ९८९२१ | विंशोत्तरीदशाफलम् | | १-१२ । |
| ९८९२२ | मुहूर्तमार्तण्डः | | २-२९ । |
| ९८९२३ | लघुचिन्तामणिटीका | | १-८ । |
| ९८९२४ | वृद्धयवनजातकम् | | २६ गणनया । |
| ९८९२५ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१५, १-२७ । |
| ९८९२६ | मुहूर्तनिर्णयः | | १-७, ९-१४९, १५१-१५७ । |
| ९८९२७ | गोचरदर्पणम् | सुखदेवपुरोहितः | १-१५, १-१४, १-१२, १-१४, १-३८, १-१०, १-१६, १-१६ । |
| ९८९२८ | लग्नचन्द्रिका | | १-१६, १८, २४ । |

| आकारः | गङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--|
| १०'१×४'९ | ८ | ४७ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'६×४ | ९ | २९ | " | " | शा० १७२९ | " | राश्यंशोपरि । |
| १३'४×६'७ | ३५ | १८ | " | " | | " | |
| ८'९×४'६ | ७ | २१ | " | " | | " | |
| ९'४×८ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ९'५×४ | ९ | ४४ | " | " | | " | नवमाध्यायमात्रम् । |
| १७×८'४ | १२ | ६२ | " | " | | " | |
| १२'४×४'६ | ९ | ४८ | " | " | | पू० | |
| ८'३×४'३ | ७ | २४ | " | " | १८५१ | " | |
| १०×४'५ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | खानखानाकृत १६ पद्यानि उडुदायप्रदीपश्च । |
| १०×३'३ | ८ | ३६ | " | " | १६७० | पू० | |
| ६×३ | १० | १८ | " | " | | अपू० | |
| १०'८×४'७ | ५ | २१ | " | " | १६६२ | पू० | श्रीपतिपद्धतिर्वा । |
| ८'६×२'६ | ७ | २७ | " | " | शा० १५४७ | " | |
| १२'५×४'८ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ९'६×४'५ | ७ | ३५ | " | " | १९०३ | अपू० | |
| ९'७×४'३ | ८ | ३७ | " | " | १९०१ | पू० | |
| ९'६×४'४ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ९×३'८ | ९ | ३१ | " | " | १७१४ | " | संज्ञातन्त्रं वर्षतन्त्रञ्च । |
| १०'८×६'९ | ११ | १५ | " | " | | अपू० | आदितः शस्त्रधारणमुहूर्तपर्यन्तम् । |
| १०'८×६'३ | १४ | ३३ | " | " | १८२६ | पू० | |
| ११'४×५'९ | १५ | ४० | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------------------------|--------------------------------|
| ९८९२९ | जैमिनीसूत्रं सटीकम् | टी० का०- नीलकण्ठः | १-५० । |
| ९८९३० | नरपतिजयचर्या | | २-१४० । |
| ९८९३१ | ताजिकनीलकण्ठीटीका | विश्वनाथः | १-३५, ३७-४२ । |
| ९८९३२ | युद्धजयोत्सवः | गङ्गारामः | १-५० । |
| ९८९३३ | नवग्रहदशाफलानि | | १-१३ । |
| ९८९३४ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी०का०-गोविन्दः | १-९५, १०४-२५३ । |
| ९८९३५ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी० का०- महीधरः | १-६० । |
| ९८९३६ | उडुदायप्रदीपः | | १-११ । |
| ९८९३७ | जातकमुक्तामाला | | १-१० । |
| ९८९३८ | षड्वर्गफलम् | | १-१० । |
| ९८९३९ | जीवायुर्विचारप्रकरणम् | | १-२ । |
| ९८९४० | वर्षेशफलम् | | १-७ । |
| ९८९४१ | पद्मकोशः | | १-११ । |
| ९८९४२ | भावचिन्तामणिः | | १-६ । |
| ९८९४३ | मुन्थाफलम् | | १ । |
| ९८९४४ | बृहत्संहिता | | १-४ । |
| ९८९४५ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदैवज्ञः टी०का०- गोविन्दः | १-९१, १-५८, १-१४, १-२६, १-८८ । |
| ९८९४६ | बृहत्संहिता | | १-१४ । |
| ९८९४७ | होरास्तम् | बालभद्रः | १-३०४, ३०६-३५१, ३५३-५७२ । |

| भाकारः | पङ्क्ति- संख्या | श्लोक- संख्या | लिपिः | कात्रः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विलेखः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------|-----------------|------------------------|---|
| ९'५ × ४'२ | ८ | ३३ | दे. ना. | का. | | पू० | द्वितीयाध्यायान्तम् । |
| १२ × ५ | १४ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ८'२ × ४ | ९ | २८ | " | " | १८५३ | पू०* | संज्ञातन्त्रमान्त्रम् । |
| ८'६ × ३'८ | ६ | २६ | " | " | १८८७ श० १७५२ | " | |
| ६'३ × ३'५ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| १२'२ × ६'३ | १४ | ६६ | " | " | | अपू० | टी०—रसालाख्या । |
| १२'१ × ६'४ | १२ | ४६ | " | " | १८४७ | पू० | १-२६ अध्यायाः । |
| ८'९ × ५'६ | १० | २० | " | " | | " | |
| ८'७ × ५'६ | १४ | ३० | " | " | १८९५ | " | भावाध्यायमात्रम् । |
| ९'४ × ५ | ९ | ३२ | " | " | १९०२ | " | |
| ९ × ५'२ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ८'७ × ५'३ | ९ | २४ | " | " | | " | मुन्यानिर्णयश्च । ताजिकनीलकण्ठी- ग्रन्थस्य । |
| १० × ६ | १२ | २४ | " | " | १९२० | " | मेघताजीकम् इति नामान्तरम् । भावाध्यायमात्रम् । |
| १० × ६ | ११ | ४१ | " | " | १९१७ | अपू० | |
| १० × ६ | १२ | ३५ | " | " | | पू० | |
| १० × ६'६ | १४ | ३९ | " | " | १९१४ | अपू० | |
| १० × ६ | १४ | ३२ | " | " | १८७९ | " | टी०-पीयूषधारा । |
| ९'१ × ५'८ | ८ | २१ | | " | | " | |
| १० × ५'१ | ११ | २६ | " | " | | " | १-१० अध्यायाः । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|--------------------|-------------------|
| ९८९४८ | दशाफलम् | | १-१९ । |
| ९८९४९ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथः | १-३२ । |
| ९८९५० | अर्घचक्रम् | | १-२ । |
| ९८९५१ | मुहूर्तनिर्णयः | मिश्रचतुर्भुजशर्मा | ३-१०८ । |
| ९८९५२ | द्वादशचन्द्रफलविचारः | | १-२ । |
| ९८९५३ | मुहूर्तमुक्तावलिः | | १-१० । |
| ९८९५४ | शीघ्रबोधः | | १-६ ९-३२ । |
| ९८९५५ | ज्योतिषकेदारः | कृपाशङ्करः | १-२५ । |
| ९८९५६ | पाराशरीयकेरलसारः | | १, ३-१५ । |
| ९८९५७ | रत्नदीपकम् | | १-११ । |
| ९८९५८ | ताजकसारः | हरिभद्रः | १-३० । |
| ९८९५९ | षोडशयोगरत्नटीका | | १-९ । |
| ९८९६० | नष्टजातकम् | | १-११ । |
| ९८९६१ | सङ्केतकौमुदी | | १-८ । |
| ९८९६२ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | १-१९ । |
| ९८९६३ | मयूराचित्रकम् | नारदः | १-४५ । |
| ९८९६४ | उडुदायप्रदीपः सटीकः | | १-११ । |
| ९८९६५ | ग्रहगोचरफलम् | | १-३ । |
| ९८९६६ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-३१ । |
| ९८९६७ | मुहूर्तमालिका | | १-६ । |
| ९८९६८ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | ७-४० । |
| ९८९६९ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-५० । |
| ९८९७० | केशवीयपद्धत्युदाहरणम् | | १-७८ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आवाः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|------|----------|-----------------------|--------------------|
| ८×५ | ११ | २५ | दे. ना. | का. | १८९० | पू० | पञ्चमाध्यायान्ता । |
| ५×८ | ९ | १६ | " | " | १९४४ | " | |
| ९×५ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'७×३'८ | ९ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ६×४ | १० | १९ | " | " | | पू० | |
| ९'७×४'३ | ७ | ३५ | " | " | १९०३ | " | |
| ९'८×४'४ | १० | ३३ | " | " | १८८५ | अपू० | |
| ९'५×४'२ | ९ | ३५ | " | " | १८८६ | पू० | |
| ९'१×४'१ | ७ | २८ | " | " | १८९१ | " | |
| १०×६ | ९ | २८ | " | " | १९३२ | " | |
| १२×५'५ | ११ | ३४ | " | " | १८९६ | " | भावाध्यायमात्रम् । |
| १२×५'६ | १३ | ४६ | " | " | | अपू० | |
| १३'८×५'२ | ९ | ३७ | " | " | | पू० | |
| १२'५×६'२ | १५ | ४४ | " | " | | " | |
| १२×५'५ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| १२'३×४'९ | ५ | ३३ | " | " | १८६९ | " | |
| ११'४×४'५ | १० | ४१ | " | " | | " | |
| ८'८×४'१ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ७'१×४'४ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ६'७×४ | ८ | १९ | " | " | | " | |
| १०'७×३'५ | ८ | ३८ | " | " | | अपू० | केरलजातकञ्च । |
| ११'५×४ | ७ | ३४ | " | " | | पू० | |
| १०'४×४'७ | ९ | ३४ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------------------|-------------------------------------|-------------------|
| ९८९७१ | ज्योतिषरत्नसारः | श्रीपतिः | १-२, २-१७ । |
| ९८९७२ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२५ । |
| ९८९७३ | समरसारः सटीकः | | २-२४ । |
| ९८९७४ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-८ + १ । |
| ९८९७५ | भुवनदीपकः सटीकः | पद्मप्रभुसूरिः | १-४४ । |
| ९८९७६ | केशवीयपद्धतिः | | ७-१० । |
| ९८९७७ | षट्पञ्चाशिका सटीका | | १-३८ + १ । |
| ९८९७८ | उडुदायप्रदीपः सटीकः | | १-२३ । |
| ९८९७९ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०- भट्टोत्पलः | १-४, ६-१२२ । |
| ९८९८० | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-११ । |
| ९८९८१ | लघुजातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०- भट्टोत्पलः | १-२३, २५-४४ |
| ९८९८२ | राशिज्ञानम् | | १-३ । |
| ९८९८३ | चतुषष्टिचक्रम् | | १-३ । |
| ९८९८४ | गुरोः सम्बत्सरफलम् | | १-६ । |
| ९८९८५ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | १-२६ । |
| ९८९८६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-४६ । |
| ९८९८७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४० । |
| ९८९८८ | ताजिकनीलकण्ठी- सव्याख्योदाहृतः | नीलकण्ठः व्या० का०- विश्वनाथः | ११-६९ + २ । |
| ९८९८९ | सम्बत्सरफलम् | | १-६ । |
| ९८९९० | जैमिनिसूत्रम् | | १-९ । |
| ९८९९१ | ऋहाष्टकवर्गः | | १-३ । |

| आकारः | गङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|-----------------------------|
| १०'५ × ४ | ६ | २८ | दे. ना. | का. | १९१७ | पू० | आदितः यात्राप्रकरणं यावत् । |
| १०'७ × ४'५ | ८ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ९'९ × ४'२ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| ८'६ × ४ | ११ | ३७ | " | " | १९३४ | पू० | |
| ११ × ४'६ | ९ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ९'१ × ५'६ | ५ | ४० | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ५'३ | ९ | ४२ | " | " | १९१८ | " | |
| १३ × ६ | १६ | ६० | " | " | १८५२ श० १७१७ | अपू० | |
| १३'७ × ६ | २१ | ७० | " | " | | " | चन्द्रताराफलञ्च । |
| १०'७ × ६ | १३ | ३२ | " | " | १८८० | पू० | |
| ६'५ × ४'२ | ६ | १९ | " | " | | अपू० | |
| ८'७ × ३'८ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ८'६ × ४'६ | १० | ५७ | " | " | | " | |
| ४'७ × ३ | ७ | १३ | " | " | | " | |
| ७'७ × ४ | ९ | २५ | " | " | | पू० | |
| ८'१ × ४'४ | ९ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ९'१ × ५'१ | १५ | ३५ | " | " | १८५७ | " | |
| १२ × ४'५ | ९ | ३८ | " | " | १७८० | पू० | बृहस्पतिकाण्डं वा । |
| ११'७ × ५ | ९ | ३८ | " | " | | " | आदितः द्वितीयाध्यायान्तम् । |
| १०'८ × ४'५ | १० | २७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| १८९९२ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | ३-२९ । |
| १८९९३ | हस्तरेखाविवरणम् | | १ । |
| १८९९४ | बृहजातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी० का०- भट्टोत्पलः | ११२-१२० । |
| १८९९५ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १, ३-४० । |
| १८९९६ | मुहूर्तकल्पद्रुमः | विट्ठलदीक्षितः | १-४८ । |
| १८९९७ | पद्मकोशः | | १-११ । |
| १८९९८ | युद्धजयोत्सवः | गङ्गारामः | १-३५ । |
| १८९९९ | बालबोधज्योतिषम् | मुञ्जादित्यः | १-२७ । |
| १९००० | वर्षतन्त्रम् | नीलकण्ठः | १-१२, १४-२९, ३२, ३४-४० । |
| १९००१ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-६६ । |
| १९००२ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १, ३-५३, ५५-५९ । |
| १९००३ | दोषकेवली | | १-५ । |
| १९००४ | पल्लीसरटपतनफलम् | | १-२ । |
| १९००५ | उत्पाताध्यायः | | १-१२ । |
| १९००६ | बालविवेकः | | १-१२ । |
| १९००७ | दिनचर्याफलम् | | २ गणनया । |
| १९००८ | पञ्चपक्षी | | १-१३ । |
| १९००९ | पद्मकोशः | | १-५ । |
| १९०१० | कालचक्रजातकम् | | १-२४ । |
| १९०११ | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः | १-१६ । |
| १९०१२ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-१९६ । |
| १९०१३ | संस्कारमुहूर्तविचारः | | १-१७ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|----------------|--------------|---------|-------|----------|--------------------|--|
| १०'७ × ५'४ | ७ | २५ | दे. ना. | का. | १९२१ | अपूर्० | नक्षत्रप्रकरणात् संक्रान्तिप्रकरणं यावत् । |
| १२'४ × १०'३ | ७ | ३० | " | " | | पूर्० | |
| १४'२ × ५'१ | १३ | ५९ | " | " | | अपूर्० | |
| १३ × ४'९ | ७ | ४७ | " | " | | " | |
| १४'१ × ४'९ | ८ | ४४ | " | " | १७७३ | पूर्० | प्रथमाध्यातः विशोऽध्यायं यावत् । |
| १०'८ × ४'५ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| १३ × ५ | ७ | ४२ | " | " | १९०९ | " | |
| ९ × ४ | ९ | २८ | " | " | १९९४ | " | |
| ९ × ५ | ९ | २९ | " | " | १८६० | " | |
| ९'७ × ४'३ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'७ | ११ | ३३ | " | " | | अपूर्० | |
| ११'५ × ५'२ | ११ | ३६ | " | " | १८०९ | पूर्० | |
| १०'४ × ४'७ | १६ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'५ × ५ | १४ | ३४ | " | " | | अपूर्० | |
| १० × ५'५ | १६ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| १० × ५ | १० | २७ | " | " | | पूर्० | |
| ११ × ५'२ | १३ | ३५ | " | " | | " | |
| १० × ४'४ | × | × | " | " | १९२० | " | |
| ९'६ × ४ | ४ | ३० | " | " | | " | |
| ९'४ × ४ | ६ | २८ | " | " | | " | |
| ९'३ × ४'४ | १० | २२ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|----------------|-------------------|
| १९०१४ | राशिचक्रादिकम् | | १-३ । |
| १९०१५ | चक्ररत्नावली | वल्लभद्रः | १-१० । |
| १९०१६ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | १-५८, ६५-१४९ । |
| १९०१७ | जातककर्मपद्धतिः | | १-१२ । |
| १९०१८ | वसिष्ठसंहिता | | १-२० । |
| १९०१९ | जातकशिरोमणिः | महादेवपाठकः | १-६४ । |
| १९०२० | ताजिककौस्तुभः | बालकृष्णः | १, ४-३८ । |
| १९०२१ | नरपतिजयचर्या | | १-१२, १२-१७ । |
| १९०२२ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-१६ । |
| १९०२३ | भृगुसंहिता | | १-२४ । |
| १९०२४ | केशवीयजातकपद्धतिः सव्याख्या | नारायणः | १-१३५ । |
| १९०२५ | जातककर्मपद्धतिः सव्याख्या | कृष्णदेवज्ञः | १-१३६ । |
| १९०२६ | मुहूर्ततत्त्वम् | केशवः | १-२१ । |
| १९०२७ | सज्जनवल्लभः | भानुपण्डितः | १-४८ । |
| १९०२८ | वृत्तशतम् | महेश्वराचार्यः | १-१३ । |
| १९०२९ | मुहूर्तमुक्तावली | | १-५ । |
| १९०३० | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः | १-१० । |
| १९०३१ | वर्षफलविचारः | | १ । |
| १९०३२ | ज्योतिषचक्रम् | | २ गणनया । |
| १९०३३ | मुहूर्तविचारः | | ३-१७ । |
| १९०३४ | अङ्कचक्रम् | | १ । |
| १९०३५ | पञ्चपक्षी | | १-७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|--------|-------|-----------------|-----------------------|-----------------------|
| ८'४ × ३'७ | ९ | २८ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ११ × ५'१ | १४ | ४७ | " | " | १८२१ श० १६८६ | पू० | |
| ९'२ × ४'२ | ७ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ८ × ५ | ९ | २९ | " | " | १८१३ | पू० | |
| १०'७ × ५'३ | ७ | ३२ | " | " | १८७७ | " | उत्पाताध्यायमात्रम् । |
| ९'५ × ४ | १२ | ३४ | " | " | १६८७ | " | |
| ८'५ × ५ | ९ | २९ | " | " | | अपू० | |
| ७ × ४'७ | ११ | १६ | " | " | १९३२ | पू० | सर्वतोभद्रचक्रञ्च । |
| १४'८ × ८ | १८ | ५० | " | " | १८६१ | " | |
| १०'१ × ४'१ | ७ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ८'३ × ४ | ९ | २४ | " | " | श० १६७४ | पू० | |
| ८'१ × ४ | ८ | २१ | " | " | श० १६७२ | " | |
| ७'९ × ३'८ | १२ | ३६ | " | " | श० १६७६ | " | |
| ८ × ३'७ | ७ | २२ | " | " | १७२९ | " | |
| ८'१ × ३'७ | ११ | ३१ | " | " | १६७२ | " | |
| ७'९ × ३'८ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| ७'९ × ३'९ | ९ | २५ | " | " | | अपू० | |
| १२'५ × ३'९ | ९ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ८'१ × ३'७ | ७ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ७ × ३'५ | ९ | २५ | " | " | | " | |
| २८ × ३'१ | × | × | " | " | | पू० | |
| ६'४ × ४ | १३ | ३५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|-----------------------------------|--------------------|
| ९९०३६ | षोडशमुहूर्तविचारः | | १ । |
| ९९०३७ | आयुष्यमर्यादा | | १ । |
| ९९०३८ | मुहूर्ततत्त्वं सटीकम् | केशवः टी० का०-गणेशः | १-११२ । |
| ९९०३९ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-१६ + २ । |
| ९९०४० | " | | १-६ । |
| ९९०४१ | आयुर्द्वयाध्यायः सटीकः | हिल्लाजः टी० का०- रामेश्वरः | १-१७ । |
| ९९०४२ | हिल्लाजदीपिका | नृसिंहः | १-१० । |
| ९९०४३ | हिल्लाजताजिकम् | | १-१६ । |
| ९९०४४ | विशोत्तरीदशाचक्रम् | | १ । |
| ९९०४५ | वर्षफलपद्धतिः सटीका | | १-१६ । |
| ९९०४६ | मुहूर्ततत्त्वं सटीकम् | केशवः टी० का०-गणेशः | १-२४ । |
| ९९०४७ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-४२ । |
| ९९०४८ | पल्लीपत्तनकारिका | | १-१० । |
| ९९०४९ | पल्लीपत्तनफलम् | | १-६ । |
| ९९०५० | पाशककेवली | | १-१८ । |
| ९९०५१ | बृहज्जातकं सटीकम् | | १-४८ । |
| ९९०५२ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१३, १-१५, १-२५ । |
| ९९०५३ | ताजिकभूषणम् | गणेशः | १-३२ । |
| ९९०५४ | कल्पितचक्रम् | | १ । |
| ९९०५५ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १-२ । |
| ९९०५६ | माहेन्द्रादियोगचक्रम् | | १ । |

| आकारः | इत्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | कारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|--------|------|-------------------|-----------------------|---|
| ७'२ × ३'७ | ९ | ३० | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ९'१ × ४'३ | १० | १५ | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'३ | १० | ३६ | " | " | | " | टी०-तत्त्वदीपिका, पूर्वाद्धमात्रम् । |
| ९'८ × २ | ९ | ३६ | " | " | | " | १-१२ प्रकरणानि । |
| ९'९ × ४'३ | ९ | ४० | " | " | | " | विवाहप्रकरणमात्रम् । |
| ९'९ × ४'३ | १० | ४० | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'३ | १० | ३६ | " | " | श० १७८२ | " | |
| ९'९ × ४'३ | ९ | ३५ | " | " | श० १७८० | " | हिल्लाजमतेन वर्षभावफलानि । |
| ९'९ × ४'३ | ४० | १७ | " | " | | अपू० | |
| ९'९ × ४'३ | ११ | ३४ | " | " | | पू० | ताजिककेशवी वा । |
| ९'९ × ४'३ | ११ | ४१ | " | " | २० का० श० १७६४ | " | टी०-दीपिका । |
| ८ × ३'८ | ७ | २३ | " | " | श० १६६५ | " | |
| ७'८ × ३'२ | १० | ३६ | " | " | श० १७३८ | " | |
| ८'१ × ३'७ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ६'५ × ३'१ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'२ | १२ | ५० | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | ११ | ४० | " | " | | " | १-३ तन्त्राणि । |
| ९'८ × ४'२ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'३ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'४ | १२ | ४८ | " | " | | " | पल्लीपतनशरट्प्ररोहणप्रकरण- मात्रम् । |
| १३ × ४ | × | × | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------------|------------------------|--------------------|
| ९९०५७ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १-७६ । |
| ९९०५८ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथाचार्यः | १-१९ । |
| ९९०५९ | मयूरचित्रकम् | वराहमिहिरः | १-२५ । |
| ९९०६० | जन्माङ्गचक्रसङ्ग्रहः | | ४ गणनया । |
| ९९०६१ | वारनक्षत्रविषयटीनिर्णयः | | २ गणनया । |
| ९९०६२ | माहेन्द्रादियोगफलम् | | १ । |
| ९९०६३ | तिथिवारादिशुभाशुभ- निर्णयः | | १ । |
| ९९०६४ | सुखबोधः | नागेशपुत्रो रघुनाथः | १-३३ । |
| ९९०६५ | मुहूर्ततत्त्वं सटीकम् | गणेशदेवज्ञः | १-४२७ । |
| ९९०६६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | १-४१ । |
| ९९०६७ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-४२ । |
| ९९०६८ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १ । |
| ९९०६९ | " | " | २-१६ । |
| ९९०७० | जातकसारः | | १-७ । |
| ९९०७१ | पञ्चाङ्ग सम्बन्धविश्वा- नयनम् | | १ । |
| ९९०७२ | गर्गसंहिता | | १-४ । |
| ९९०७३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १ । |
| ९९०७४ | पञ्चपक्षी | | १-४ । |
| ९९०७५ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १-१४५, १-१०, १-३ । |
| ९९०७६ | अश्वचक्रम् | | १ । |
| ९९०७७ | अहिबलचक्रम् | | १-९ । |
| ९९०७८ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-३७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | ऋषिः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---------|--------------------|------------------|---------|------|-----------------|-----------------------|--|
| ८ × ३८ | ८ | २० | दे. ना. | का. | १७२७ | पू० | |
| ९७ × ४२ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| ७८ × ३९ | ९ | २८ | " | " | १६९१ | " | |
| ९३ × ४२ | × | × | " | " | | अपू० | |
| ८८ × ४४ | १२ | ३४ | " | " | | " | |
| ६२ × ३८ | ७ | २९ | " | " | | पू० | |
| ५८ × ३५ | ११ | २४ | " | " | | " | |
| ८१ × ३९ | १३ | २५ | " | " | | " | वसिष्ठोक्तः । |
| ९ × ४ | ८ | २४ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | १० | ३१ | " | " | | " | गृहप्रवेशप्रकरणान्तः । |
| ८ × ३ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ७७ × ४ | ११ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ७९ × ४ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| ७५ × ४३ | १४ | २३ | " | " | | पू० | |
| ८ × ४ | १० | २७ | " | " | | " | आयव्ययानयनञ्च । |
| ७७ × २९ | १० | २९ | " | " | | " | यात्राप्रकरणम् । |
| १६ × ४ | १० | १९ | " | " | | अपू० | नक्षत्रप्रकरणम् । |
| ८४ × ४ | १९ | ४७ | " | " | | पू० | |
| ८४ × ४१ | ९ | २७ | " | " | १८६२ श० १७२७ | " | वराहमिहिरकृतजलार्गलो जातकग्रह- लग्नफलञ्च, टी०-मार्तण्डवल्लीभा । |
| ९२ × ४१ | ५ | ३३ | " | " | | " | |
| ९१ × ४२ | ९ | २९ | " | " | | अपू० | |
| ९१ × ४१ | ८ | ३३ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------------|--------------|------------------------------|
| ९९०७९ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-१९ । |
| ९९०८० | नक्षत्रराशिनिघण्टुः | | १ । |
| ९९०८१ | योगिनीदशाप्रकरणम् | | १-९ । |
| ९९०८२ | मुहुर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदेवज्ञः | १ + १-३६० । |
| ९९०८३ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-७१, ४२-६२, ६५-९३, ९५-१०० । |
| ९९०८४ | कालचक्रजातकम् | | १-३ । |
| ९९०८५ | पञ्चपक्षी | | १-५ । |
| ९९०८६ | कुण्डलीविचारः | | १ । |
| ९९०८७ | पञ्चाङ्गफलम् | | १-१३ । |
| ९९०८८ | नीलकण्ठच्युदाहरणम् | | १ । |
| ९९०८९ | समरसारः | रामवाजपेयी | १-५ । |
| ९९०९० | अश्विन्यादिनक्षत्र- पादनामानि | | १ । |
| ९९०९१ | गौरीजातकम् | | २-११ । |
| ९९०९२ | नक्षत्रबेधचक्रम् | | १ । |
| ९९०९३ | त्रिपताकिचक्रम् | | १-२ । |
| ९९०९४ | ग्रहदानम् | | १ । |
| ९९०९५ | शिवालिखितम् | | १-२ । |
| ९९०९६ | ज्ञानमञ्जरी | सोमनाथभट्टः | १-८ । |
| ९९०९७ | योगिनीजातकम् | | १-१२ । |
| ९९०९८ | नक्षत्रचुड़ामणिः सटीकः | | १-३१ । |
| ९९०९९ | सम्बत्सरफलम् | | १-१२ + २ । |
| ९९१०० | पथदीपकम् | | १-३१ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-------------------|-----------------------|--------------------|
| ९'१×४'१ | ८ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८×४ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ९'८×४'२ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'७×४'२ | ९ | ३३ | " | " | २० का० श० १७५९ | " | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| १०'६×४'५ | ६ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ९'३×४ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ९×३'४ | १० | २६ | " | " | | " | |
| १९×९ | × | × | " | " | | " | |
| ८'४×३'५ | ११ | ३९ | " | " | | " | सम्बत्सरादिनाम् । |
| १०'५×६'६ | २४ | २६ | " | " | | पू० | |
| १०'४×५ | १५ | ४१ | " | " | | " | |
| २८×५ | ७८ | १७ | " | " | | " | |
| १०×४'४ | १३ | ४६ | " | " | | अपू० | नवनीतजातकान्तम् । |
| ९'६×४'२ | × | × | " | " | | पू० | लग्नसारिणी च । |
| ९'७×४ | १० | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ९'७×४ | ९ | ३७ | " | " | | " | |
| ८'७×३'४ | १३ | ४५ | " | " | १८०७ | पू० | |
| १०'१×४'४ | १४ | ४६ | " | " | १८८५ | " | |
| ८×५ | ६ | १९ | " | " | | अपू० | |
| ८×५ | ७ | २४ | " | " | श० १६६७ | पू० | |
| ८×४ | १३ | २७ | " | " | श० १६१३ | " | |
| ६×५ | ८ | १५ | " | " | | " | दीपचकं वा । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------|-------------------|
| ९९१०१ | जातकभरणम् | दुण्डिराजः | १-१८९ । |
| ९९१०२ | ग्रहसञ्चारफलम् | | १-२ । |
| ९९१०३ | गृहागमः | | १ । |
| ९९१०४ | ताजकभूषणम् | | १-३ । |
| ९९१०५ | गोरीजातकम् | | १-२२ । |
| ९९१०६ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-७१ । |
| ९९१०७ | सुदर्शनचक्रम् | | १-५ । |
| ९९१०८ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | १-९ । |
| ९९१०९ | वर्षार्धफलम् | | १-२ । |
| ९९११० | सारावली | कल्याणवर्मा | १-३९ । |
| ९९१११ | भृगुसंहिता | | १-९ । |
| ९९११२ | जातकसारोद्धारः | | १-५ । |
| ९९११३ | योगाध्यायः | | १-४ । |
| ९९११४ | शुकचन्द्रिका | सेवारामः | १-१८ । |
| ९९११५ | मुहूर्तमाला | रघुनाथः | १-५६ । |
| ९९११६ | ज्योतिषकल्पः | चूडामणिः | १-७० । |
| ९९११७ | निषेकाध्यायविवृतिः | | १-९ । |
| ९९११८ | ग्रहभावफलम् | | १ । |
| ९९११९ | अर्घदीपकम् | | १-१२ । |
| ९९१२० | मुहूर्तार्णवः | | १-५८ । |
| ९९१२१ | ज्योतिषार्णवपीयूषः | | १-२, ४ + १३ । |
| ९९१२२ | चमत्कारचूडामणिः | | १-१५ । |
| ९९१२३ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-५, ५-४९ । |

| आकारः | इत्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | कारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|------------------|------------------|---------|------|-----------------|-----------------------|-----------------------|
| ८×५ | १२ | १७ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'७×४'१ | १० | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ३'५×२'६ | ९ | २० | " | " | | " | |
| ९'८×४'२ | १५ | ५४ | " | " | | पू० | भावस्थग्रहफलानि । |
| ८×५ | ५ | १८ | " | " | | " | नवग्रहदशाफलम् । |
| १०×४ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| १०'७×६'६ | १७ | ३२ | " | " | | " | |
| ११×७ | २० | ४० | " | " | | " | |
| १०'४×६'६ | १५ | २२ | " | " | | " | |
| १०'२×६'४ | ११ | २६ | " | " | | अपू० | |
| १०×६'६ | १८ | २६ | " | " | | " | अरिष्टाध्यायमात्रम् । |
| १०×६'३ | १३ | ३२ | " | " | | पू० | |
| १०×६'३ | १८ | ३८ | " | " | | " | |
| १०'५×६'५ | ११ | २९ | " | " | | " | |
| १०'५×६'५ | १२ | २२ | " | " | १८९३ | " | |
| १०×६ | १२ | ३२ | " | " | १९०५ | " | लौकिकस्कन्धः । |
| ९'८×६'२ | १७ | ४३ | " | " | | " | |
| ९'८×६'२ | १६ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ८'९×६'२ | १३ | २३ | " | " | | " | |
| ८'१×६'५ | १२ | २१ | " | " | | " | |
| ८'२×३'८ | ७ | २३ | " | " | १९१७ श० १७८२ | पू० | पाराशरी वा । |
| ६×३'५ | ७ | १८ | " | " | | " | |
| १०'५×४'४६ | ७ | ३७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------------|------------------|-----------------------|
| ९९१२४ | ताजिकसिद्धान्तः | समरसिंहः | १-२५ । |
| ९९१२५ | जातकाभरणम् | दुण्डिराजदेवज्ञः | १-१९० । |
| ९९१२६ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | १-३१८ । |
| ९९१२७ | अवकहडाचक्रम् । | | १ । |
| ९९१२८ | सम्बत्सरमासतिथ्यादि- परिगणनम् | | १-२ । |
| ९९१२९ | भावस्थग्रहफलम् | | १-४ । |
| ९९१३० | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-७ । |
| ९९१३१ | जातकपद्धतिः | केशवदेवज्ञः | १, ११-२६, ३५-४३, ५४ । |
| ९९१३२ | षट्पञ्चाशिका | भट्टोत्पलः | १-८ । |
| ९९१३३ | पञ्चस्वरटिप्पणम् | | १-६ । |
| ९९१३४ | मनुष्यजातकम् | | २०-४० । |
| ९९१३५ | योगिनीदशाविचारः | | १-२, २-३ । |
| ९९१३६ | निषेकाध्यायः | | १ । |
| ९९१३७ | महादशाफलं सटीकम् | | १ । |
| ९९१३८ | आनन्दादियोगचक्रम् | | १-२ । |
| ९९१३९ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२, ३५-४० । |
| ९९१४० | कुण्डलीमेलापकम् | | १-३ । |
| ९९१४१ | अर्कसङ्क्रान्तिफलम् | | १-५ । |
| ९९१४२ | षट्पञ्चाशिका | पृथिवीश्वरः | १-३, ५ । |
| ९९१४३ | गुणगणनैक्यविचारः | | २ गणनया । |
| ९९१४४ | मेलापकविचारः | | १-२ । |
| ९९१४५ | ग्रहफलम् | | १ । |
| ९९१४६ | योगिनीदशाफलम् | | ४ गणनया । |

| आकारः | रक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|-------------------------|
| १०'४ × ६'४ | ७ | ३४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ८'५ × ४'२ | ८ | ३७ | " | " | १९२४ | " | |
| ९ × ४'२ | ६ | २५ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | २१ | १२ | " | " | | अपू० | |
| ६'३ × ३'७ | ११ | २१ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | ६ | २३ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'१ | ८ | १५ | " | " | | " | |
| ११'२ × ४'५ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| १० × ५ | ७ | १९ | " | " | | पू० | |
| १०'६ × ४'६ | १० | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'४ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| ८'६ × ४ | १७ | ४५ | " | " | | " | पद्मकोशे ग्रहभावफलञ्च । |
| ८ × ४'३ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| ९'३ × ४ | १२ | ४३ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| ९ × ४'२ | १३ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'२ × ५ | १४ | २५ | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'६ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'८ × ३'५ | ११ | ३९ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | २७ | २० | " | " | | पू० | |
| ७'७ × ५'८ | १३ | १३ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | १२ | ३९ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|------------------------------|-------------------|
| ९९१४७ | षट्पञ्चाशिका सटीका | टी०का०- उत्पलः | १-१२ । |
| ९९१४८ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-६ । |
| ९९१४९ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-१४ । |
| ९९१५० | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-८, १० । |
| ९९१५१ | चन्द्रअवस्थाफलम् | | १-२ । |
| ९९१५२ | ग्रहयोगफलम् | | १-२ । |
| ९९१५३ | वर्षपद्धतिः | केशवः | १-५ । |
| ९९१५४ | मुहूर्तमार्तण्डः सव्याख्यः | | १-१०१ । |
| ९९१५५ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-८ । |
| ९९१५६ | जातकसारः | | १-५ । |
| ९९१५७ | नष्टजातकम् | सहदेवः | १-२ । |
| ९९१५८ | नष्टजन्मपत्रविधिः | | १-२ । |
| ९९१५९ | बृहज्जातकं सविवरणम् | टी० का०- महीधरः | २-६६ । |
| ९९१६० | " | | १-१९ । |
| ९९१६१ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः टी०का०- गोविन्दः | १-७० । |
| ९९१६२ | " | | १-२२ । |
| ९९१६३ | " | रामः टी० का०- गोविन्दः | १-५० । |
| ९९१६४ | " | " | १-६६ । |
| ९९१६५ | " | " | १-२२ । |
| ९९१६६ | " | " | १-१६ । |

| आकारः | लङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|--------------------|---------|-------|-------------------|-----------------------|---|
| १२'४×४'८ | १२ | ४९ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'७×४'५ | ११ | २७ | " | " | १९०८ | " | |
| १२'५×४'८ | १७ | ६७ | " | " | १८५७ | " | |
| १२×४'८ | १३ | ४६ | " | " | १८५७ | अपू० | |
| ११×४'८ | १२ | ३९ | " | " | | पू० | सूर्यादिग्रहेः सह । |
| १०'९×४'६ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ९'२×५ | ११ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ११'३×५'४ | १२ | ४० | " | " | २० का० श० १४९३ | " | |
| ९'५×४'४ | १६ | ५१ | " | " | श० १७०३ | " | यवनजातकोक्तारिष्टाध्यायश्च । |
| ९'५×४'३ | १६ | ५१ | " | " | | " | यवनजातकोक्तारिष्टाध्यायश्च । |
| १०'२×४'४ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १०×४'४ | १० | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ९'६×४'३ | १२ | ४८ | " | " | | " | |
| ८'६×४'२ | १४ | ३८ | " | " | | " | |
| ११×४'७ | ९ | ५० | " | " | १८३७ | पू० | संस्कारप्रकरणम् । टी०-पीयूषधारा । |
| १०'६×४'६ | ८ | ३७ | " | " | | " | गोचरप्रकरणं पीयूषधारा । |
| ११×४'८ | ११ | ४३ | " | " | १७७८ | " | शुभाशुभप्रकरणं पीयूषधारा । |
| ११×४'८ | ११ | ४० | " | " | १७७९ | " | तिथिवारनक्षत्रप्रकरणम् पीयूषधारा । |
| १०'७×४'७ | ९ | ४५ | " | " | | " | सङ्क्रान्तिप्रकरणम् । |
| १०'५×४'५ | ९ | ४८ | " | " | | अपू० | वधूप्रवेशप्रकरणादारभ्यराज्याभिषेक- प्रकरणं यावत् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------|--------------------------------|--|
| ९९१६७ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः टी० का०- गोविन्दः | १-१७, १७-१८, १८-६९, ६९, ६९, ६९, ७१-९६ । |
| ९९१६८ | " | " | १-२३ । |
| ९९१६९ | " | " | १-१९ । |
| ९९१७० | " | " | १-६२ (= ६३-७५) ७५-८७ । |
| ९९१७१ | शिवामुहूर्तम् | " | १-९ । |
| ९९१७२ | भृगुसंहिता | | ४-४४ । |
| ९९१७३ | छायापुरुषलक्षणम् | | १-२ । |
| ९९१७४ | वास्तुविचारः | | ११ गणनया । |
| ९९१७५ | भावदशाफलम् | | १-५ । |
| ९९१७६ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-२४३ । |
| ९९१७७ | बाणताराविचारः | | १ । |
| ९९१७८ | जैमिनीसूत्रं सटीकम् | नीलकण्ठः | १-४० । |
| ९९१७९ | कारकादिग्रहविचारः | | १-५ । |
| ९९१८० | अरिष्टभङ्गाध्यायः | | १ । |
| ९९१८१ | कल्पलता | सोमदेवज्ञः | १-२० । |
| ९९१८२ | पञ्चधामेत्रीचक्रम् | | १ । |
| ९९१८३ | चन्द्रभावाध्यायः | | १-५ । |
| ९९१८४ | केशवीयजातकपद्धतिः सीदाहरणा | केशवः टी० का०- विश्वनाथः | १-५६ । |
| ९९१८५ | योगसागरः | | १-२१ । |
| ९९१८६ | योगसारः | | १-१७ । |
| ९९१८७ | लग्नवाराही | | १-४ । |
| ९९१८८ | द्वादशभावविचारः | | १-४० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | मात्राः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|---------|----------|------------------------|-------------------------------|
| १०'६ × ४'६ | १० | ३५ | दे. ना. | का. | | पू०० | यात्राप्रकरणं पीयूषधारा । |
| १०'७ × ४'६ | ११ | ४१ | " | " | | " | वास्तुप्रकरणं पीयूषधारा । |
| १०'९ × ४'६ | ११ | ३७ | " | " | १९७९ | " | गृहप्रवेशप्रकरणम् । |
| १०'६ × ४'५ | १० | ४५ | " | " | | " | विवाहप्रकरणं टी०-पीयूषधारा । |
| १४'२ × ६'२ | ११ | ४४ | " | " | | " | |
| १३'९ × ५'३ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ८ × ३'६ | ७ | २८ | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'२ | १० | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ४'३ | १४ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'४ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ७'५ × ५'८ | ६ | २६ | " | " | | अपू० | |
| १३ × ५ | १३ | ३० | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'७ | ११ | २८ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'६ | ११ | २८ | " | " | | " | |
| ९ × ३'४ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| १०'४ × ५'८ | २७ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'५ | १० | ३१ | " | " | | पू० | |
| १०'३ × ५'६ | १० | ३६ | " | " | १८५३ | " | |
| १०'७ × ५'६ | १२ | २४ | " | " | १८८८ | " | मनोज्ञयोगः । भृगुसंहितायाम् । |
| १०'७ × ५'६ | १२ | ३३ | " | " | १८८८ | " | भृगुसंहितायाम् । |
| ९ × ५'७ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ८'७ × ५'४ | १० | २२ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|--------------------------------------|---------------------------|
| १११८९ | जैमिनीसूत्रं सटीकम् | टी० का०- कृष्णानन्दः | १-८४ । |
| १११९० | अष्टोत्तरीदशाफलम् | | १-५ । |
| १११९१ | षड्वर्गविचारः | | १-९ । |
| १११९२ | योगार्णवः | | १-२५ । |
| १११९३ | षट्पञ्चाशिका सटीका | वाराहः, टी० का०- भट्टोत्पलः | १-२८ । |
| १११९४ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १-१३३ । |
| १११९५ | आषाढीयवायुधारणनिर्णयः | | १-३ । |
| १११९६ | जातकाभरणम् | ढुण्ढिराजः | १-३९, ४६-४८, ५० । |
| १११९७ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२९ । |
| १११९८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-३६ । |
| १११९९ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | २-३६ । |
| ११२०० | होरामकरन्दजातकम् | गुणाकरः | १-२, ४-२७, २७-५४, ५४-७० । |
| ११२०१ | अष्टोत्तरीदशाक्रमः | | १-२ । |
| ११२०२ | नीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-४०, ४३-५१ । |
| ११२०३ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-१७ । |
| ११२०४ | मनुष्यजातकं सटीकम् | गर्गादिमुनिः | १-५६ । |
| ११२०५ | बृहज्जातकम् सटीकम् | वराहमिहिरः टी० का०- भट्टोत्पलः | १-४२, ४५-२५० । |
| ११२०६ | चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः | नारायणः टी० का०- धर्मेश्वरः | १-३४ । |
| ११२०७ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदेवशः टी० का०-गणेशः | १-१३९ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|--------|-------|----------|------------------------|--|
| ९×५'८ | १३ | ३७ | दे.ना. | का. | १८४३ | अपू० | |
| ११×४'५ | १० | ३३ | " | " | | पू० | |
| ११×४'५ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| ८'२×३'८ | ८ | २६ | " | " | १९२२ | " | |
| १०'६×४'५ | ८ | ३५ | " | " | | " | १—७ अध्यायाः । |
| १०'३×४'२ | १० | ४९ | " | " | | " | टी०-मार्तण्डवल्लभा । |
| ८'१×४ | ७ | २६ | " | " | | " | |
| १२'३×५'४ | १६ | ५१ | " | " | | अपू० | निर्याणाध्यायान्तम् । |
| १३'३×५'२ | ६ | ३८ | " | " | १९०५ | पू० | |
| ८'१×५'५ | १० | २० | " | " | | " | शुभाशुभप्रकरणादारभ्याधान- प्रकरणान्तः । |
| १०'३×४'२ | ७ | ३४ | " | " | १८८२ | अपू० | |
| १०'४×४'३ | ७ | ३३ | " | " | १८८६ | पू०* | |
| ८'५×५'५ | १२ | ३० | " | " | | " | |
| ७'५×४'३ | ९ | २७ | " | " | श० १८४३ | अपू० | सङ्ग्रहः । |
| १०'४×५ | १० | ३४ | " | " | | " | |
| १०'५×५'७ | १४ | ३६ | " | " | | पू० | |
| १०'७×५'६ | १५ | ४८ | " | " | १८५३ | अपू० | |
| १०'७×५'४ | १० | ३२ | " | " | | पू० | |
| १०'७×५'५ | ९ | ३२ | " | " | श० १५२२ | " | टी०-प्रमिताक्षरा । विवाह- प्रकरणाद्गृहप्रवेशप्रकरणान्तः । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|--|---|
| ९९२०८ | जातकाभरणम् | दुण्डिराजः | १-१२६ । |
| ९९२०९ | मुहूर्तगणपतिः | रावलः | १-९४, १-३ । |
| ९९२१० | बृहत्संहिता | वराहमिहिरः | १-९४, ९६-१०४, १०४-१६७, १६९-२१४ । |
| ९९२११ | मुहूर्ततत्त्वम् | केशवः | १-४७ । |
| ९९२१२ | ताजिकभूषणम् | गणेशः | १-१७ । |
| ९९२१३ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १-६, ९-१५, १७-१८, २०-२१, २३-२४, २९, ३२-४०, ४२-६१, ६३-६६ । |
| ९९२१४ | चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः | नारायणाचार्यः, टी०का०-धर्मेश्वर- मालवीयः | १-१५ । |
| ९९२१५ | रत्नप्रदीपिका | | १-९ । |
| ९९२१६ | समरसारः सटीकः | शङ्करभट्टः | १-१७ । |
| ९९२१७ | सन्तानदीपिका | | १-१० । |
| ९९२१८ | नरपतिजयचर्या | | १-१७ । |
| ९९२१९ | तिथिनिर्णयः | | १ । |
| ९९२२० | ज्योतिर्निबन्धः | शिवराजः | १-५३, ५९-३८५ + १-४ । |
| ९९२२१ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथाचार्याः | ५-१० । |
| ९९२२२ | बालबोधकम् | | ४ गणनया । |
| ९९२२३ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १७-२४ । |
| ९९२२४ | सङ्केतकौमुदी | | १-८ । |
| ९९२२५ | बृहत्संहिता | भट्टोत्पलः | २५३ गणनया । |
| ९९२२६ | नष्टजन्मानयानम् | | १-५ । |
| ९९२२७ | नक्षत्रजननफलम् | | २-४ । |
| ९९२२८ | फलितज्योतिषसङ्ग्रहः | | ७ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|---------|-------|----------|--------------------|---|
| १०'८×५'६ | १२ | २७ | दे. ना. | का. | १८५३ | पू० | मिश्रप्रकरणान्तः । ग्रहगोचराध्यायं यावत् । |
| ११'२×४'४ | ९ | ४२ | " | " | १८५२ | " | |
| १०'६×५'४ | १२ | ३५ | " | " | १८१९ | अपू० | |
| १०'२×५'१ | ७ | २९ | " | " | | पू० | |
| १२×५'४ | १४ | ४२ | " | " | | " | टी०-तिलकाख्या । |
| ११×५ | ११ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| १०×४'५ | १३ | ४८ | " | " | १९०६ | पू० | |
| ८'६×४'५ | १३ | ३० | " | " | १८४४ | " | |
| ८'४×४'१ | ८ | ३४ | " | " | १७०२ | " | फणीश्वरचक्रपर्यन्ता । |
| ७'८×४ | ७ | ३० | " | " | १९१० | " | |
| १२'३×५'७ | १३ | ४७ | " | " | | अपू० | |
| २७'२×५ | ६३ | २० | " | " | | पू० | |
| ११×५'२ | १० | ३२ | " | " | | " | भावफलमात्रम् । |
| ११×५'४ | १४ | ३६ | " | " | १९३७ | अपू० | |
| ९'५×५ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'८×४'४ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'६×४'६ | ८ | ३५ | " | " | | " | विशोत्तरीमतेन नवग्रहदशाफलम् । |
| ११'१×४'८ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| १३'९×५'६ | १४ | ५८ | " | " | | " | |
| ९'४×३'५ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| १०'५×४'४ | १५ | ५५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------------------------|---|
| ९९२२९ | कुण्डलीप्रकाशः | वराहमिहिरः | १-१० । |
| ९९२३० | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१८ । |
| ९९२३१ | बृहज्जातकम् | | १-२ + १ । |
| ९९२३२ | लग्नजातकम् | | १-२ । |
| ९९२३३ | नष्टजातकम् | | १-३ । |
| ९९२३४ | ग्रहभावप्रकाशः | | १-१० । |
| ९९२३५ | पञ्चाङ्गम् | | १४ गणनया । |
| ९९२३६ | " | | १-१४ । |
| ९९२३७ | " | | १-१४ । |
| ९९२३८ | " | | १-१८ । |
| ९९२३९ | " | | १-१५ । |
| ९९२४० | " | | १-१६ । |
| ९९२४१ | " | | १६ गणनया । |
| ९९२४२ | मुहूर्तदीपकः | रामसेवकशर्मा | १, ११-२० । |
| ९९२४३ | ग्रहभावप्रकाशः | पद्मप्रभुः | १-१३ । |
| ९९२४४ | पञ्चाङ्गम् | | १-१४ । |
| ९९२४५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदैवज्ञः | १-१९, २१-२८, २८-५५ । |
| ९९२४६ | योगार्णवः | | १-७ । |
| ९९२४७ | ज्ञानमञ्जरी | सोमनाथः | १-६, ६-७, ७-३२, ३९-४९, ५१-६१, ६४-६६, ७-१३ । |
| ९९२४८ | पञ्चशरा | प्रजापतिदासः | १-३ । |
| ९९२४९ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी०का०- विश्वनाथः | १-३८, ४०-५९, ६३-६४ । |
| ९९२५० | पारसीकप्रकाशः | वेदाङ्गरायः | १-१६ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|--------|-------|----------|------------------------|------------------------|
| ९'६ × ४'२ | ११ | ३२ | दे. ना | का. | | अपू० | |
| १०'५ × ४'५ | ८ | ३९ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ९ | ३६ | " | " | | पू० | |
| १३'४ × ५'५ | १० | ४८ | " | " | | " | |
| १३' × ५'३ | १२ | ५० | " | " | | " | |
| १०'७ × ६ | १२ | ३० | " | " | | " | |
| ९'७ × ६'४ | × | × | " | " | १९१९ | अपू० | |
| ९'५ × ६'८ | × | × | " | " | १९१० | पू० | |
| ९'५ × ६'८ | × | × | " | " | १९११ | " | |
| ९'५ × ६'७ | × | × | " | " | १९१२ | " | |
| ९'९ × ६'९ | × | × | " | " | १९१३ | " | |
| १०'२ × ७'३ | × | × | " | " | १९१४ | " | |
| १०'३ × ७'१ | × | × | " | " | | " | |
| ९'४ × ४ | ८ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ७'९ × ३'५ | ८ | ३० | " | " | १७२२ | पू० | |
| १०'८ × ८'२ | | | " | " | १८१८ | " | |
| ८'८ × ४ | १० | ३३ | " | " | | अपू० | गृहप्रवेशप्रकरणान्तः । |
| ९'४ × ४'२ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४ | ९ | २९ | " | " | | " | होमविधिश्च । |
| १०'७ × ४'५ | १३ | ३८ | " | " | | " | |
| ११ × ४'५ | ९ | ४१ | | " | | " | |
| १० × ४'३ | १० | ३७ | " | " | १८५६ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------|--------------|--|
| ९९२५१ | दशाचिन्तामणिः | | १-८ । |
| ९९२५२ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | ६-७९, ११-१४ । |
| ९९२५३ | मुहूर्तभूषणम् | रामसेवकः | १-२४ । |
| ९९२५४ | नरपतिजयचर्या | | १-२ । |
| ९९२५५ | अष्टवर्गविचारः | | १-३ । |
| ९९२५६ | लग्नचन्द्रिका | | ५, ९-२७, २९-३३, ४०-५४, ५८-८२, ८४-९४, ९७, १०२-१०५, १०७-११४, ११६ । |
| ९९२५७ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १ । |
| ९९२५८ | " | | १६४ गणनया । |
| ९९२५९ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-३ । |
| ९९२६० | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-६, ८ । |
| ९९२६१ | गौरीजातकम् | | १-७ । |
| ९९२६२ | ज्योतिषचन्द्रिका | | १-१२ । |
| ९९२६३ | लघुजातकम् | | १-३१ । |
| ९९२६४ | सर्वसङ्ग्रहः | | १-८ । |
| ९९२६५ | अद्भुतसागरः | वल्लभसेनदेवः | १-८ । |
| ९९२६६ | पञ्चाङ्गम् | | १९ गणनया । |
| ९९२६७ | अर्घकाण्डम् | बृहस्पतिः | १-३१ । |
| ९९२६८ | रत्नसङ्ग्रहः | | ३-२० । |
| ९९२६९ | शुभसङ्ग्रहः | राधाकृष्णः | १-१६ । |
| ९९२७० | स्मृतिसङ्ग्रहः | " | १-५१ । |
| ९९२७१ | बृहत्संहिता | | १११-१४३, १४५-२२० । |
| ९९२७२ | बालभूषासारः | गोपीनाथः | १-२९ । |

| आकारः | संख्या | संख्या | लिपिः | आवाः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------|--------|---------|------|-----------------|-----------------------|-------------------------|
| ८'६ × ४ | ९ | ४२ | दे. ना. | का. | १८७८ | पू० | |
| १०'८ × ४'६ | ८ | २४ | " | " | १९४० | अपू० | |
| ९'५ × ४'३ | ८ | २९ | " | " | १८८९ श० १७५४ | पू० | |
| ९'४ × ४'१ | १० | ३२ | " | " | १८५४ | " | छायापुरुषलक्षणमात्रम् । |
| ८'७ × ३'८ | ८ | २२ | " | " | | अपू० | |
| ६'४ × ४'३ | ७ | १५ | " | " | | " | |
| ६'५ × ३'४ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ६ × ३'६ | ८ | १८ | " | " | | " | |
| १०'९ × ४'७ | १० | ४५ | " | " | | " | |
| ११'२ × ५'१ | ११ | ४७ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'५ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| १०'३ × ४'५ | ९ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'३ | १३ | ३० | " | " | | " | |
| ११'२ × ४'८ | ११ | ४१ | " | " | | " | |
| ९ × ३'९ | १० | ३६ | " | " | | " | |
| २'५ × ४'१ | १२ | २२ | " | " | १८१० श० १६७५ | "* | |
| ६ × ४ | ११ | २० | " | " | | अपू० | |
| ११'६ × ४'८ | ८ | ३७ | " | " | | " | |
| ९'१ × ३'७ | ७ | ३३ | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ४'५ | १२ | ३० | " | " | | " | |
| १० × ४'२ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ९'४ × ३'१ | ७ | २३ | " | " | १८५१ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------------------------|-------------------|
| ९९२७३ | मुहूर्तमुक्तावली | | १-५ । |
| ९९२७४ | जातककल्लोलम् | रघुनाथः | १-१८ । |
| ९९२७५ | ज्योतिर्भूषणम् । | | १-१५ । |
| ९९२७६ | स्त्रीजातकम् | | १-११ । |
| ९९२७७ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-२३ । |
| ९९२७८ | शोघ्नबोधः | काशीनाथः | १ । |
| ९९२७९ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदेवज्ञः | १-१३५ । |
| ९९२८० | अहिबलशल्योद्धारचक्रम् | विट्टलाचार्यशर्मा | १-४ । |
| ९९२८१ | मुहूर्तदीपकम् | रामसेवकः | १-१६, १८-२२ । |
| ९९२८२ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | | १-१० । |
| ९९२८३ | सम्बत्सरादिफलम् | रामः | १-१६ । |
| ९९२८४ | सम्बत्सरफलम् | | १-२१ । |
| ९९२८५ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशाः टी०का०- भट्टोत्पलः | १-७, ७-२० । |
| ९९२८६ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-४ । |
| ९९२८७ | ज्योतिषमञ्जरी | | १-१९ । |
| ९९२८८ | नवग्रहभावफलम् | | २-९ । |
| ९९२८९ | विशेषभावफलम् | | १-९ । |
| ९९२९० | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | २-१६ । |
| ९९२९१ | नवग्रहयन्त्रम् | | १ । |
| ९९२९२ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१६ । |
| ९९२९३ | वृत्तशतं सटीकम् | महेश्वराचार्यः | ३५ गणनया । |
| ९९२९४ | पल्लीपतनविचारसङ्ग्रहः | | १-२, २५-२७ + १ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | विचारः | लिपिकालः | पुनःपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|--------|----------|----------------------|---|
| १० × ४'४ | ९ | ३८ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'६ × ५ | १३ | २८ | " | " | | " | |
| ९'५ × ५ | २३ | १५ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'५ | १२ | ३३ | " | " | १७४८ | " | |
| ९'१ × ४'२ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | २ | २९ | " | " | | अपू० | |
| १०'७ × ४'६ | ११ | ३८ | " | " | श० १६१९ | पू० | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| १०'३ × ४'७ | ९ | ३६ | " | " | १८९६ | " | |
| १०'२ × ४'५ | ७ | ३० | " | " | १८८७ | अपू० | |
| १०'१ × ४'४ | ११ | ४९ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'३ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |
| १२'७ × ४'४ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| १२ × २'८ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'२ | १० | २५ | " | " | | " | |
| १३'६ × ६'६ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'६ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'६ | ९ | २६ | " | " | | पू० | |
| ८'९ × ३'७ | १५ | ४१ | " | " | १८०७ | अपू० | |
| १०'४ × ९'३ | | | " | " | | पू० | अङ्कात्मकम् । |
| ८ × ३'२ | ४० | २६ | " | " | | " | |
| ५'८ × ३'९ | १९ | २८ | " | " | | " | शतचण्डीपाठविधिः कुण्डप्रदीपकः मुहूर्तमार्त्तण्डि, भार्गवमुहूर्त विचारश्च । |
| १० × ४'१ | ११ | ४० | " | " | | अपू० | अयनशूलादिसङ्ग्रहश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|-----------------------|--|
| ९९२९५ | अद्भुतरङ्गिणी | बलभद्रः | ३-७ । |
| ९९२९६ | मेघमाला | | १-६ । |
| ९९२९७ | योगिनीदशाफलम् | | १-९ । |
| ९९२९८ | गर्गमनोरमा सटीका | | १-१५ । |
| ९९२९९ | मुहूर्तचिन्तामणिकोष्ठक- सङ्ग्रहः | | १-६ । |
| ९९३०० | राशिचन्द्रविचारः | | १ । |
| ९९३०१ | समरसारः | रामचन्द्रसोम- याजी | १-८, १० । |
| ९९३०२ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | ८-२४, २५, ३०, ३१, ३०-३२, ३२-३३, ३३-३४, ३४-३५, ३५-४२, २९ । |
| ९९३०३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | " | १-२, २-४, ६-३३, ३५-४२, ४४, ४४-६२, ६५-६७, ६९-७० । |
| ९९३०४ | पुरुषस्त्रीलक्षणम् | | १-१९ । |
| ९९३०५ | जातकालङ्कारः | | १-१५ । |
| ९९३०६ | अष्टकवर्गविचारः | | १-३१ । |
| ९९३०७ | ताजिकनीलकण्ठ्युदाहृति | विश्वनाथः | १-२८ । |
| ९९३०८ | नक्षत्रनामनिर्देशप्रकारः | | १-२ । |
| ९९३०९ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-६ । |
| ९९३१० | भार्गवभाषितम् | | १ । |
| ९९३११ | गोचरप्रकरणम् | | ८ गणनया । |
| ९९३१२ | राशिगुणकालज्ञानम् | | १-४ । |
| ९९३१३ | दशाविचारः | | १ । |
| ९९३१४ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२१ । |
| ९९३१५ | " | " | १-१६, २२-५३ । |
| ९९३१६ | सारावली | | १३९ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|-----------------------|-----------------------|
| १२'५ × ४'९ | १२ | ६७ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १२'५ × ४'९ | ११ | ५२ | " | " | | अपू० | |
| १२'५ × ५ | ९ | ४२ | " | " | श० १७०२ | पू० | |
| १२'५ × ५ | ११ | ५२ | " | " | १८९३ | " | |
| १३'७ × ५ ८ | | | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | ११ | ४६ | " | " | | " | |
| १२'९ × ४'९ | ९ | ४७ | " | " | १८७८ | अपू० | |
| १३ × ५ | १२ | ४५ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | ८ | २७ | " | " | शा० १७२६ | " | |
| १२'३ × ४'२ | ११ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'४ × ४'४ | ९ | ३६ | " | " | १९०७ | पू० | |
| ९'३ × ४'१ | १० | २९ | " | " | | " | |
| ८'८ × ३'८ | २२ | ५८ | " | " | | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| ९ × ३'७ | १० | २६ | " | " | | " | |
| ८'१ × ४ | ८ | ३२ | " | " | | " | १-९ अध्यायाः । |
| ५'७ × ३'८ | १३ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ५'८ × ३'४ | २१ | १२ | " | " | | " | |
| ८ × ४ | ९ | २७ | " | " | | पू० | |
| ९'२ × ४'४ | ९ | ४५ | " | " | | अपू० | |
| १०'५ × ४'५ | ६ | ३४ | " | " | | पू० | |
| १०'६ × ४'९ | ७ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ६'४ | ९ | २२ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|------------------------|-------------------------------|
| ९९३१७ | सारावली | कल्याणवर्मा | १-२४, १९०-२६६ । |
| ९९३१८ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-५५ । |
| ९९३१९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | ४-६, ८-१२, १५-१८, २०-२१ + १ । |
| ९९३२० | " | रामः | ९-४४ । |
| ९९३२१ | जातकाभरणम् | दुण्ढिराजः | १६-१०५ । |
| ९९३२२ | पञ्चाङ्गम् | | १५ गणनया । |
| ९९३२३ | रत्नोदयोतः | | १-२ । |
| ९९३२४ | पञ्चाङ्गम् | | १६ गणनया । |
| ९९३२५ | तत्त्वप्रदीपाख्यजातकम् | श्रीपतिः | १-५ । |
| ९९३२६ | लग्नचन्द्रिका | | २-४, ६-१५, १७-४७, ४९, ५१-५५ । |
| ९९३२७ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | गोविन्दः | १-९ । |
| ९९३२८ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-९ । |
| ९९३२९ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-४ + १, ७ । |
| ९९३३० | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १, ३-४, १२-१३ । |
| ९९३३१ | षट्पञ्चाशिका सटीका | टी० का०- उत्पलभट्टः | ७-२१ । |
| ९९३३२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-४ । |
| ९९३३३ | बृहज्जातकं सटीकम् | टी० का०- उत्पलः | १-४८ । |
| ९९३३४ | पञ्चाङ्गम् | | १५ गणनया । |
| ९९३३५ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | | ५-२७, २९-३२ । |
| ९९३३६ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२५ । |
| ९९३३७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | ७-४९ + १ (= १ ७) + (= १, २) । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ९'७ × ३'४ | ९ | २२ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'५ × ६ | ९ | २७ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ४'३ | ९ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'४ | १३ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'३ | ७ | ३७ | " | " | १८६३ | " | |
| १३'५ × ६'६ | २२ | ७१ | " | " | १८९१ | पू० | |
| ११'८ × ५'२ | १४ | ५३ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ५'२ | १६ | ४३ | " | " | १८८६ श० १७५१ | पू० | |
| ११'७ × ५'८ | १६ | ४२ | " | " | | " | पद्यपञ्चाशिका वा। |
| १०'५ × ४'६ | ९ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ११'२ × ४'७ | १३ | ५५ | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'५ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'३ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ९ | ३९ | " | " | १८९९ | " | |
| १० × ४'४ | १३ | ३९ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'५ | ६ | २४ | " | " | | " | |
| ११'३ × ४'६ | १३ | ५२ | " | " | | पू० | अरिष्टाध्यायपर्यन्ता । |
| १२'६ × ४'८ | १५ | ७० | " | " | १८२१ | " | |
| १० × ४ | ११ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ७'३ × ५ | ११ | २४ | " | " | | " | |
| १० × ४'२ | ९ | ४५ | " | " | | " | नक्षत्रप्रकरणांशमारभ्यवास्तु प्रकरणान्तः । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|------------------|---------------------|
| ९९३३८ | जातकाभरणम् | ढुण्ढिराजः | ७६-९७, ९९ । |
| ९९३३९ | समरसारः | | २-२६ । |
| ९९३४० | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | ५१-६१ । |
| ९९३४१ | मेघमाला | | १-१२, २६-३४ । |
| ९९३४२ | गगान्वयभूषणम् | | २०-२२, २४-५९ । |
| ९९३४३ | वर्षकुण्डलीनिर्माणविधिः | | २-८, १३-२४ । |
| ९९३४४ | बृहज्जातकविधिः | | १-९ । |
| ९९३४५ | बृहज्जातकविवरणम् | महीधरः | २४-३९ । |
| ९९३४६ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | ११७-१६७ । |
| ९९३४७ | लघुजातकम् | | १-११, २३-३१ । |
| ९९३४८ | लघुसङ्ग्रहः | | १-४, ७-८ । |
| ९९३४९ | नरपतिजयाचर्याटीका | हरिवंशः महादेवः | १-४, ६-१८, २५, ५५ । |
| ९९३५० | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | २८-३३ । |
| ९९३५१ | बृहत्संहिता | " | १-२ । |
| ९९३५२ | ताजिकसारः | | १-२२, २४-३२ । |
| ९९३५३ | वर्षादिदशाफलम् | | ४५ । |
| ९९३५४ | द्वादशराशिफलम् | | २-८ । |
| ९९३५५ | पञ्चाङ्गम् | | १४ गणनयया । |
| ९९३५६ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | | १-१८, २३ । |
| ९९३५७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४९ । |
| ९९३५८ | ज्योतिषरत्नमाला | | १९-४६ । |
| ९९३५९ | मुहूर्तभूषणम् | रामसेवक-त्रिपाठी | १-२८ । |

| आकारः | सङ्कित- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | माघारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|-------------------|------------------|---------|--------|----------|-----------------------|---|
| ९ × ३'८ | १० | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | अष्टवर्गशिमारभ्यारिष्टाध्यायांशं यावत् । |
| ९'४ × ३'६ | १० | ३४ | " | " | | " | |
| ८.८ × ३'६ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| ८'२ × ४'४ | ८ | २४ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ३'९ | ८ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ६'६ × ३'५ | ११ | २६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'४ | १२ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'५ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ८'८ × ३'६ | ८ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | १० | २८ | " | " | | " | |
| १०'११ × ४'८ | १५ | ४६ | " | " | | " | टी०-जयलक्ष्म्यभिधा । |
| ९'५ × ३'७ | ११ | ३० | " | " | | " | |
| १० × ३'७ | १२ | ७० | " | " | | " | |
| ११ × ४ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ९ × ३'४ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ६'७ × ३'६ | ७ | १८ | " | " | १८४९ | " | |
| ९'५ × ६'३ | १९ | ३५ | " | " | १८४६ | " | |
| ९'६ × ४'२ | ८ | २६ | " | " | | " | |
| १२'७ × ४'३ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| ५ × ४ | १६ | १८ | " | " | | " | |
| ८ × ४'९ | ८ | २४ | " | " | १८८६ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|------------------------|------------------------------|
| ९९३६० | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४७ । |
| ९९३६१ | लघुपाराशरी सटीका | टी० का०-भैरव- दत्तः | १-३०, + १ । |
| ९९३६२ | बालबोधः | मुञ्जादित्य | १-२५ । |
| ९९३६३ | अर्घकाण्डम् | | १-३ । |
| ९९३६४ | जातकाभरणम् | | ६-२६, ९३, ९७-९८ । |
| ९९३६५ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-२९ । |
| ९९३६६ | रत्नोदयोतः | गङ्गारामः | ३-४५ । |
| ९९३६७ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १५, १७-२७ । |
| ९९३६८ | लग्नचन्द्रिका | | २-१८ । |
| ९९३६९ | जातकाभरणम् | | १-६, ८-१५ । |
| ९९३७० | शिङ्घिकारिका | | १ । |
| ९९३७१ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-११ । |
| ९९३७२ | मुहूर्तदीपिका | रामसेवकः | १-३ । |
| ९९३७३ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | ३, ५-१०, १२-१६, १८, २०-३९ । |
| ९९३७४ | पञ्चशरानिर्णयः | प्रजापतिदासः | २-१६ । |
| ९९३७५ | जगन्मोहनम् | लक्ष्मणः | १-२८८ । |
| ९९३७६ | दशाचिन्तामणिः | | १-१० । |
| ९९३७७ | जातकाभरणम् | दुण्ढिराजः | १-११७ । |
| ९९३७८ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-६३, ६३-८६, ७३-८४, ८४-१६१ । |
| ९९३७९ | शिवालिखितम् | | १-१४ + १० । |
| ९९३८० | उडुदायप्रदीपः | | २ गणनया । |
| ९९३८१ | नामारम्भवर्णनिर्णयः | | ३ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|-------|-----------------|---------------------|------------------------------|
| १०'७ X ४'७ | ८ | ३४ | दे. ना. | का. | १९१६ श० १७८४ | पू० | उडुदायप्रदीपेति नामान्तरम् । |
| १०'५ X ३'५ | ७ | ४४ | " | " | | " | |
| ८'२ X ४'२ | ७ | ३७ | " | " | १८९४ | " | |
| ७'७ X ४'२ | १० | २१ | " | " | १७२८ | " | |
| १३ X ४'६ | ८ | ४३ | " | " | | अपू० | |
| १२'८ X ४'४ | ८ | ४० | " | " | १६६३ | पू० | |
| १०'५ X ३'४ | ९ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ X ३'७ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| ९'६ X ४'२ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १०'७ X ४'२ | ८ | ३७ | " | " | | " | |
| ८'६ X ३'६ | ११ | ३७ | " | " | | पू० | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| ४'४ X ३'३ | ८ | १३ | " | " | | अपू० | |
| ९'१ X ४'४ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ९'५ X ४'९ | ११ | ३७ | " | " | | | |
| ८'३ X ३'२ | ९ | २९ | " | " | | | |
| १४'५ X ५'१ | ९ | ५३ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ X ४'८ | १४ | ३५ | " | " | | पू० | |
| १०'२ X ५'५ | ११ | २७ | " | " | १९१९ | " | |
| १२'९ X ४'९ | १० | ५८ | " | " | श० १५२२ १८७७ | " | |
| ६'१ X ३'५ | १० | ३१ | " | " | १८३३ | " | १-१६ अध्यायांशं यावत् । |
| ९'४ X ४'१ | ९ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ८'४ X ४'५ | ६ | १६ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|-------------------------------|-----------------------------|
| ९९३८२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ५-१० । |
| ९९३८३ | लग्नचन्द्रिका | " | १-५५ । |
| ९९३८४ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-५८ । |
| ९९३८५ | योगमालिका | | १-५ । |
| ९९३८६ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२३ । |
| ९९३८७ | योगिनीदशाफलम् | | १-६ । |
| ९९३८८ | अष्टोत्तरीदशाबोधः | | १-४ । |
| ९९३८९ | मेघचक्रम् | | १ । |
| ९९३९० | मुहूर्तमार्तण्डः | | १ । |
| ९९३९१ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथः | १-१७ । |
| ९९३९२ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशाः टी०का०-भट्टोत्पलः | १-३५ । |
| ९९३९३ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटिप्पम् | रामः | १-३५, १-२२, १-२६, १-९ + ८ । |
| ९९३९४ | पञ्चाङ्गसङ्ग्रहः | | १-३२ गणनया + १४ । |
| ९९३९५ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-१७८ । |
| ९९३९६ | लघुजातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०-ईश्वरः | १-४० । |
| ९९३९७ | इत्थशालयोगफलम् | | ४-५ । |
| ९९३९८ | सम्बत्सरसमुच्चयः | | १-७ । |
| ९९३९९ | नरपतिजयचर्या | | ११-१२, १५, १०७ । |
| ९९४०० | ग्रहदशाफलम् | | १-८ । |
| ९९४०१ | लघुपाराशरी | | १-७ + २ । |
| ९९४०२ | भृगुसिद्धान्तः | | १-३६ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|-------|---|------------------------|--|
| १० × ४'४ | ११ | ३६ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९'५ × ६'६ | ११ | ३२ | " | " | १८८९ | पू० | |
| ९'१ × ५'६ | ९ | २६ | " | " | | " | प्रश्नतन्त्र मात्रम् |
| ९'६ × ६'६ | १५ | ३२ | " | " | | " | ग्रहयोगफलमात्रम् । |
| ९'४ × ६'६ | १५ | २९ | " | " | | " | प्रश्नतन्त्रमात्रम् । |
| ९'४ × ६'७ | १९ | ३३ | " | " | | " | |
| ८'७ × ४'५ | ७ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ३'९ | १० | ४२ | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'४ | १० | २६ | " | " | | " | अनध्यायप्रकरणमात्रम् । |
| ८'४ × ४'४ | ९ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'५ | ८ | ३३ | " | " | १८९४ | " | |
| १२ × ४'३ | ५ | ४७ | " | " | टी० का० श० १७५१ र० का० श० १५२२ | " | |
| विभिन्न | × | × | " | " | | अपू० | १९०६, १८९२, १९०२, १९०३, १८८६, १८९०, १९०८, १९५१, १८५२, १९०४, १९०७ । |
| ९'६ × ६'६ | १५ | ३० | " | " | श० १७६४ | पू० | |
| ६'९ × ६'३ | ११ | २४ | " | " | १८९० | " | टी० दीपिकाख्या । |
| ६'१ × ५'५ | १२ | २७ | " | " | | अपू० | ताजिकोक्तम् । |
| १०'३ × ४'५ | १२ | ३९ | " | " | १७५९ | पू० | |
| ११'४ × ४'६ | १० | ४६ | " | " | | अपू० | |
| ६'६ × ४'८ | १३ | १६ | " | " | | " | दशाविचारश्च । |
| ६'९ × ४'८ | ९ | १७ | " | " | | पू० | देवानां कलशसंख्या च । |
| १०'३ × ४ | ७ | २९ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविषरणम् |
|------------|-------------------------|----------------|-------------------|
| ९९४०३ | ज्यौतिषसङ्ग्रहः | | १-३ । |
| ९९४०४ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२४ । |
| ९९४०५ | " | | १ । |
| ९९४०६ | भुवनदीपिकः सटीकः | पद्यप्रभुसूरिः | १-२, ४-२४ । |
| ९९४०७ | लम्पाकः सटीकः | पद्यनाभः | १-३९ । |
| ९९४०८ | षट्पञ्चाशिका टीका | भट्टोत्पलः | १-९ । |
| ९९४०९ | नष्टजातकाध्यायः | | १ । |
| ९९४१० | मुहूर्तगणपतिः | रावलगणपतिः | १-४८ । |
| ९९४११ | ग्रहचक्रम् | | १ । |
| ९९४१२ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-२२० । |
| ९९४१३ | गुरुविचारः | | १ । |
| ९९४१४ | वर्षतन्त्रम् | नीलकण्ठः | १-५, ५-१३ । |
| ९९४१५ | पल्लीपतनकारिका | शौनकः | १-४ । |
| ९९४१६ | अन्तर्दशाविदिशाफलम् | | १-४ । |
| ९९४१७ | सप्तनाडीचक्रम् | | १ । |
| ९९४१८ | महानक्षत्रास्सवाहनाः | | १ । |
| ९९४१९ | अधिसासपत्रम् | | १ । |
| ९९४२० | लग्नभङ्गविचारः | | १-९ । |
| ९९४२१ | संस्कारमुहूर्तविचारः | | १ । |
| ९९४२२ | लग्नादिकथनम् | | १ । |
| ९९४२३ | मुहूर्तगणपत्यनुक्रमणिः | | १ । |
| ९९४२४ | नरपतिजयचर्या | | १-१०५ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|------------------|------------------|---------|-------|---------------------------|------------------------|--|
| ९'२ × ४'९ | १२ | ३० | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८'३ × ४'७ | १४ | ३८ | " | " | | पू० | १-४ प्रकरणपर्यन्तम् । |
| ९'२ × ५'२ | १३ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ५'१ | १६ | ३५ | " | " | १८६० | " | ग्रहभावप्रकाशो टी०-विश्व- प्रदीपाख्या वा । |
| ९ × ४'३ | ८ | ३१ | " | " | | पू० | १-७ अध्यायः । |
| ९'६ × ४'२ | १४ | ५८ | " | " | १८४१ | " | |
| ९'९ × ४'२ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| ९ × ५ | १४ | ३३ | " | " | १८३७ | " | |
| ९'३ × ४'४ | × | × | " | " | | " | ग्रहाणां पूर्वादिदिशायां ग्रहक्रमेण स्थितिः । |
| ९'१ × ४'८ | ११ | ३६ | " | " | १८४० | " | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| ८'४ × ४ | १४ | ४३ | " | " | | " | आचारप्रकाशे । |
| ८'९ × ५ | १९ | ५१ | " | " | २० का० श० १५०९ १९३७ | " | |
| ८'३ × ३'८ | १३ | ३० | " | " | | " | |
| ८'२ × ४ | ११ | ३३ | " | " | | " | कालचक्रे । |
| ८'३ × ३'८ | ७ | | " | " | | " | |
| ८'१ × ३'८ | ६ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| ८ × ३'९ | × | × | " | " | | पू० | |
| ८'१ × ३'९ | १६ | ३० | " | " | | अपू० | विवाहे । |
| ८ × ३'६ | १८ | २३ | " | " | | " | |
| १९ × ५ | ३५ | १२ | " | " | | पू० | कालादिः । |
| ७'९ × ४'९ | १४ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ५'३ | १० | ३० | " | " | | पू० | तात्कालचन्द्रस्य शुभाशुभभावस्था पर्यन्ता । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|----------------|---|
| ९९४२५ | भुवनदीपकः | पद्मप्रभुसूरिः | ५-६, ८-१० । |
| ९९४२६ | आयुर्दायविचारः | | २१ गणनया । |
| ९९४२७ | रत्नसङ्ग्रहः | | १-६ । |
| ९९४२८ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-२, ४-१६ । |
| ९९४२९ | नाह्लिदत्तपञ्चाशिका | नाह्लिदत्तः | १-३ । |
| ९९४३० | पल्लीपतनशुभाशुभविचारः | | १-३ । |
| ९९४३१ | पल्लीपतनकारिका | | १-४ । |
| ९९४३२ | समरसारः | रामवाजपेयः | १-१३ । |
| ९९४३३ | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-३ । |
| ९९४३४ | ताजिकपद्मकोशः | | १-१० । |
| ९९४३५ | युद्धचिन्तामणिः | रामसेवकः | १-७, ७-१० । |
| ९९४३६ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-७ । |
| ९९४३७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४५ । |
| ९९४३८ | भुवनदीपकः सटीकः | | २-२५, ४१-४९, ५३-५४ । |
| ९९४३९ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२१ । |
| ९९४४० | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-४ । |
| ९९४४१ | नारदसंहिता | | १-५५ । |
| ९९४४२ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-१२ । |
| ९९४४३ | शिवालिखितम् | | १-३ । |
| ९९४४४ | बृहत्संहिता | | १-५ । |
| ९९४४५ | ताजिकमुक्तावली | तुक्कः | १-१३ । |
| ९९४४६ | विवाहवृन्दावनं सटीकम् | गणेशदेवज्ञः | १-१८५ । |
| ९९४४७ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः | १-२८, ३१-१२०, १३१-१८०, १८०-२७०, २९०-३३३, ३३३-३५० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|------------------------------|-------------------------|--------------------------------|
| ८'४ × ४'४ | ११ | ३३ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ११'५ × ५'१ | २९ | १८ | " | " | | " | |
| ९१'२ × ५'१ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ११ × ४'६ | ९ | ४३ | " | " | | अपू० | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| १०'९ × ४'६ | ९ | ४७ | " | " | १९२१ | पू० | |
| ८'९ × ५'४ | १२ | २९ | " | " | | " | |
| ८'९ × ५'४ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| ८'७ × ३'९ | ९ | ३५ | " | " | १८३८ | " | |
| ८'३ × ३'४ | १० | ३५ | " | " | १९४३ | " | |
| ९'३ × ४ | १० | ३० | " | " | १८३३ | " | |
| १०'३ × ४'४ | ९ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १०'९ × ४'५ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| १० × ४'१ | १० | ३९ | " | " | | " | एकादशप्रकरणांशपर्यन्तः । |
| ९'३ × ५'७ | ७ | ३१ | " | " | १६५६ | " | |
| ९'४ × ५'३ | १२ | २७ | " | " | १८५७ | पू० | वर्षतन्त्रमात्रम् । |
| १२'४ × ४'७ | ९ | ४० | " | " | १८७० | " | दीपविध्यादयश्च । |
| १०'४ × ४'५ | १० | ३७ | " | " | १६८९ | " | श्राद्धलक्षणाध्यायान्ता । |
| १०'५ × ४ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| ६'७ × ३'२ | १२ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'१ | ७ | २९ | " | " | | " | गन्धयुक्तिलक्षणाध्यायमात्रम् । |
| १२'९ × ४ | ७ | ८५ | " | " | | " | |
| ७'८ × ४'९ | १० | २५ | " | " | श० १६६३ र० का० श० १४७६ | " | टी०-दीपिकाख्या । |
| १०'८ × ४'७ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | टी०-सुबोधिन्याख्या । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|--------------|-------------------|
| ९९४४८ | रोगावली चक्रम् | | १ । |
| ९९४४९ | पञ्चाङ्गफलम् | | १-७ । |
| ९९४५० | पञ्चसरः | प्रजापतिदासः | १-७ । |
| ९९४५१ | पञ्चविंशतिका | | १-८ । |
| ९९४५२ | नामबन्धव्याख्या | | १-२ । |
| ९९४५३ | वर्गवर्णविचारः | | १-६ । |
| ९९४५४ | भृगुसूत्रम् | | १-९ । |
| ९९४५५ | ज्योतिषनिघण्टुः | हरिभट्टः | १-७ । |
| ९९४५६ | सङ्क्रान्ति फलक्रमः | | १-२४ । |
| ९९४५७ | ताजिकभूषणम् | गणेशदेवज्ञः | १-६१ । |
| ९९४५८ | विवाहवृन्दावनम् | | १-२३ । |
| ९९४५९ | रत्नदीपिका | | १-९ । |
| ९९४६० | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-८७ । |
| ९९४६१ | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः | १-९ । |
| ९९४६२ | पाराशरी होरा सटीका | | १-९ । |
| ९९४६३ | षट्पञ्चशिका सटीका | भट्टोत्तलः | १-१९ । |
| ९९४६४ | कालचक्रजातकम् | | १-२७ + १ । |
| ९९४६५ | कालजातकम् | | १-४ । |
| ९९४६६ | कोटादिचक्रम् । | | १-५ । |
| ९९४६७ | सुल्तानसप्ताङ्गम् | | १-२ । |
| ९९४६८ | वर्षयोगावली | | १-१२ । |
| ९९४६९ | जन्मपत्रलिखनप्रकारः | | १-१६ । |

| आकारः | लङ्क्ति- संख्या | क्षर- संख्या | लिपिः | का वारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|-----------------|---------|------------|---|-----------------------|--------------------------|
| १०'२ × ४'३ | ११ | २३ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'५ × ४'६ | १४ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ९ × ४'१ | १० | ३३ | " | " | | " | पञ्चस्वराः वा । |
| ७'५ × ४'३ | ६ | ५३ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'५ | ११ | ३१ | " | " | | " | |
| ७'७ × ३'८ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ६'३ × ४'३ | १५ | २५ | " | " | | " | हिल्लाजजातकश्च । |
| ८'१ × ३'९ | १० | ३२ | " | " | | पू० | |
| ८'२ × ४ | १४ | २९ | " | " | | अपू० | |
| ७'९ × ४'८ | ११ | २० | " | " | | पू० | |
| ७'८ × ३'९ | ११ | २३ | " | " | श० १६५९ | " | |
| ८'४ × ४'२ | १० | २३ | " | " | | " | |
| ७'३ × ३'५ | ८ | २७ | " | " | २० का० श० १५२२ टी० का० १७८२ श० १६४७ | " | |
| ८ × ३'८ | ८ | ३३ | " | " | श० १८३४ | अपू० | |
| ५'९ × ४'५ | १४ | २५ | " | " | | पू० | |
| ६'८ × ४'३ | १३ | २७ | " | " | श० १७६८ | " | |
| ९'८ × ४'१ | ८ | २४ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'५ | १२ | २५ | " | " | १८४७ | " | |
| ९'८ × ५'३ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| ८'३ × ४ | ९ | २७ | " | " | श० १७११ | " | फारसीभाषायामादिलिखितम् । |
| ११'६ × ६ | १४ | ४४ | " | " | | अपू० | जातककल्लोलमतेन |
| १३'९ × ४'४ | १० | ५८ | मै० | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|-------------------|
| ९९४७० | दैवज्ञचिन्तामणिः | | १ । |
| ९९४७१ | " | यशोधरः | ७-३६ । |
| ९९४७२ | शतश्लोकव्यवहारग्रन्थः | त्रिविक्रमः | १-४ । |
| ९९४७३ | होमार्थसफलवह्न्यादिवासः | | १-२ । |
| ९९४७४ | पारसीकप्रकाशः | वेदाङ्गरायः | १-१९, २१-२७ । |
| ९९४७५ | " | " | १-४ । |
| ९९४७६ | भाग्योदयविचारः | | १ । |
| ९९४७७ | कल्पलता | सोमदैवज्ञः | १-२१ । |
| ९९४७८ | केरलरहस्यम् | शुक्राचार्यः | १-८ । |
| ९९४७९ | ज्यौतिष्केदारटीका | कृपाशङ्करः | १-८४, ८६-१०६ । |
| ९९४८० | जन्मदीपकम् | कृष्णभट्टः | १-३१ । |
| ९९४८१ | शिवालितम् | | ३-१२ । |
| ९९४८२ | भावग्रहफलम् | | १-३ । |
| ९९४८३ | सङ्क्रान्तिविचारः | | १ । |
| ९९४८४ | पल्लीपतनविचारः | | १-२ । |
| ९९४८५ | योगिन्यन्तर्दशाफलम् | | १-१४ । |
| ९९४८६ | लग्नचान्द्रिका | | १०-११, ४४+१२ । |
| ९९४८७ | मुहूर्तगणपत्यनुक्रमणिका | | १-१४ । |
| ९९४८८ | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | १-२२, ८०-८४ । |
| ९९४८९ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-८ । |
| ९९४९० | ज्यौतिषसङ्ग्रहः | | १९ गणनया । |
| ९९४९१ | अष्टोत्तरीदशाक्रमः | | १-३ । |
| ९९४९२ | ग्रहणफलम् | | १-३३ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---------|------------------|--------------------|---------|-------|----------|-----------------------|---|
| ७'८×४'५ | ९ | २१ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८×४'६ | ९ | २५ | " | " | | " | चैत्रमासफलमारभ्यभौमोत्पात- प्रकरणान्तः । |
| ९'८×४'४ | १३ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ९'४×४'२ | ५ | ४१ | " | " | | अपू० | वास्तुपुरुषचित्रञ्च । |
| ९'९×४'२ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'७×५ | १३ | ३३ | " | " | | " | |
| ५'१×४'४ | ११ | १२ | " | " | | पू० | जातकसारावल्याम् । |
| ९'६×४'३ | ९ | ३३ | " | " | १८७९ | " | |
| ६×४'३ | १३ | २० | " | " | | " | द्वादशभावविचारमात्रम् । |
| १०'५×५ | ११ | ३५ | " | " | | "* | टी०-पीयूषवल्ली । |
| ९'५×४'१ | ७ | २७ | " | " | | " | भावाध्यायमात्रम् । |
| ७×४ | ७ | १८ | " | " | | अपू० | |
| ९×४'५ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| ८'२×४'१ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| ९×४ | ९ | २३ | " | " | १८७३ | पू० | |
| ९'४×४ | ७ | २७ | " | " | | " | आयुर्दायविचारश्च । |
| ९'५×४'१ | ८ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ९'७×४'१ | ११ | २७ | " | " | | " | |
| ९'७×४'२ | १० | ३९ | " | " | | " | |
| ९'३×४ | ७ | २९ | " | " | १९०८ | पू० | मिश्रकाध्यायः । |
| ७'८×४ | १५ | १२ | " | " | | अपू० | |
| ८×४'५ | १० | ३६ | " | " | | पू० | |
| ८×३'८ | १२ | ३० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------------------------|-------------------|
| ९९४९३ | समरसारः सटीकः | रामचन्द्रः टी०का०-सूर्यदासः | १-५५ । |
| ९९४९४ | मुहूर्तगणपत्यनुक्रमणिका | | १-१३ । |
| ९९४९५ | षट्पञ्चाशिका | वराहमिहिरः | १-५ । |
| ९९४९६ | पल्लीपतनसरटारोहणफलम् | | १-६ । |
| ९९४९७ | वर्षपद्धतिः | केशवः | १-७ । |
| ९९४९८ | पञ्चाङ्गम् | | १ । |
| ९९४९९ | पल्लीसरटकारिका | | १-२ । |
| ९९५०० | शिवाज्ञा | मिहिराचार्यः | १-४ । |
| ९९५०१ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२५ । |
| ९९५०२ | सारावली | | १-३ । |
| ९९५०३ | होडाचक्रम् | | १-७ । |
| ९९५०४ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशाः टी०का०-भट्टोत्पलः | १-१२ । |
| ९९५०५ | भूकम्पफलम् | | १-३ । |
| ९९५०६ | पल्लीपतनकारिका | | १-५ । |
| ९९५०७ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-२ । |
| ९९५०८ | प्रश्नफलम् | शिवराजः पृथुयाशाः | १-२३ । |
| ९९५०९ | षट्पञ्चाशिका सटीका | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-२, ४-२५ । |
| ९९५१० | लघुजातकं सटीकम् | " | १-३८ । |
| ९९५११ | सङ्क्रान्तिप्रकरणम् | | १-१७ । |
| ९९५१२ | पञ्चाङ्गम् | | ३० गणनया । |
| ९९५१३ | लग्नचन्द्रिका | | १-४ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--|
| ८'३×८ | ९ | १९ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ७'८×४'८ | १५ | २४ | " | " | | अपू० | मङ्गलाचरणमारभ्यस्त्रीपुरुष नपुंसकनक्षत्राणि । |
| ९'४×४'२ | ९ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ९'८×४'२ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| ८'१×३'९ | १२ | २५ | " | " | श० १६६९ | " | |
| १६×६'१ | ५१ | २६ | " | " | श० १७८३ | अपू० | षट्पदी स्तोत्रंल वचनञ्च । |
| ९×३'७ | १० | ४३ | " | " | | पू० | |
| ९'१×३'३ | ११ | ४३ | " | " | | " | यात्रोत्सवादिमङ्गलञ्च । |
| ७'३×४'४ | ९ | २९ | " | " | श० १७५२ | " | |
| १०'६×५'५ | ११ | ४४ | " | " | | " | प्रव्रज्याध्यायमात्रम् । |
| १०'५×४'५ | ७ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १०'५×४'५ | १२ | ५६ | " | " | १९२१ | पू० | |
| ९'५×४'८ | ९ | ३१ | " | " | | " | तच्छान्तिर्होमञ्च । |
| ९×४'४ | ११ | ३० | " | " | १८५५ | " | |
| ९'७×५ | ११ | २९ | " | " | | अपू० | |
| ६×४'७ | १२ | २२ | " | " | | पू० | नानाप्रश्नाध्याय रूपः ज्योति निबन्धो वा । |
| ८×४ | ११ | २८ | " | " | श० १७०२ | अपू० | |
| ८'३×३'८ | १० | २८ | " | " | श० १७३९ | पू० | |
| ८×४ | ११ | २८ | " | " | | " | |
| ८'५×४'५ | १६ | ५० | " | " | | अपू० | वर्षकुण्डली जन्मपत्रिका॥ |
| १२'५×६'३ | १३ | ३२ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|------------------------------|-------------------|
| ९९५१४ | आयुर्दायदशाचक्रोद्धारः | | १-३ । |
| ९९५१५ | अर्कसङ्क्रान्त्यादिफलादेशः | | १-२२ । |
| ९९५१६ | शुकजातकम् | | १६ । |
| ९९५१७ | योगिनी उपदशाफलम् | | १-२ । |
| ९९५१८ | मुहूर्तगणपतिः | | २ गणनया । |
| ९९५१९ | आनन्दादियोगफलम् | | १ । |
| ९९५२० | होडाचक्रम् | | १ । |
| ९९५२१ | अवस्थाफलम् | | १-४ । |
| ९९५२२ | जैमिनीसूत्रं सटीकम् | | १ । |
| ९९५२३ | उडुदायप्रदीपः सटीकः | टी० का०- भैरवदत्तः | १-१८ । |
| ९९५२४ | उडुदायप्रदीपः | पाराशरः | १-२ । |
| ९९५२५ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | २, १९-२३ । |
| ९९५२६ | सारसङ्ग्रहः | | १-१९ । |
| ९९५२७ | अङ्गस्फुरणफलम् | | १ । |
| ९९५२८ | आश्लेषादिफलविचारः | | १ । |
| ९९५२९ | मुहूर्तविचारः | | १ । |
| ९९५३० | विंशोत्तरीदशाक्रमः | | १ । |
| ९९५३१ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी० का० गोविन्दः | १-४० । |
| ९९५३२ | " | " | १-१५ । |
| ९९५३३ | " | " | १-६६ । |
| ९९५३४ | " | " | १-८६ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|-------|-------|----------|-----------------------|---|
| ८'७ × ३'४ | ९ | ३९ | दे.ना | का. | | पू० | आदिशर्मपद्धतिर्वा । |
| ९'१ × ४'५ | ८ | १८ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ४'४ | ७ | २४ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'१ | १३ | ३८ | " | " | | पू० | |
| ७'३ × ३'९ | १४ | १३ | " | " | | अपू० | मिश्रप्रकरणमात्रम् । |
| ८'२ × ६'३ | १५ | २८ | " | " | | " | |
| ६'३ × ४'५ | १० | २३ | " | " | | पू० | अष्टाविंशतिनक्षत्रनामानि । |
| ८'४ × २'३ | ४ | ३१ | " | " | | " | ग्रहाणाम् । |
| ४'२'५ × ६ | १५९ | २६ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'६ | १२ | ५८ | " | " | १९०४ | " | टी०-उद्योताख्या । |
| १०'६ × ४'७ | १० | ३४ | " | " | | " | जातकप्रकरणान्तः । |
| ९'८ × ४'२ | १० | २३ | " | " | | अपू० | |
| ९ × ४ | १० | २९ | " | " | | " | |
| ९ × ४'४ | १२ | ४६ | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'४ | १३ | ४९ | " | " | | " | |
| ९'९ × ४'२ | १५ | ५० | " | " | | अपू० | मौल्लिबन्धनादिनाम् । |
| ९ × ४'२ | १५ | ४२ | " | " | | " | |
| १२'५ × ४'१ | ९ | ५१ | " | " | १९३५ | पू० | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| १३ × ४ | ७ | ५० | " | " | | " | रसालाभिधा टीका मुन्यादिफल विचाराध्यायमात्रम् । |
| १३ × ४ | ७ | ४९ | " | " | १९३५ | " | दशाफलाध्यायमात्रम् । |
| १३ × ४ | ७ | ४८ | " | " | १९३४ | " | षोडशयोगाध्यायमात्रम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---|--------------|-------------------|
| ९९५३५ | लघुपाराशरी सटीका | | १-४ । |
| ९९५३६ | निषेककालनिर्णयार्थफलम् | | १ । |
| ९९५३७ | भावकोशः | | १ । |
| ९९५३८ | ग्रहाणां राशिज्ञातिवर्णादि- व्यवस्था | | १-४ । |
| ९९५३९ | वर्षकुण्डली | | ५ गणनया । |
| ९९५४० | कालज्ञानकारकचक्रम् | | १-२ । |
| ९९५४१ | मुहूर्तदर्शनम् | विद्यामाधवः | १-८ + २ । |
| ९९५४२ | अर्घकाण्डम् | | १-५ । |
| ९९५४३ | सम्बत्सरनाम | | १-४ । |
| ९९५४४ | खड्गनदर्शनफलम् | | १-२ । |
| ९९५४५ | कार्तिकदण्डाविचारः | | २ गणनया । |
| ९९५४६ | पिण्डोत्पत्तिः | | १-४ । |
| ९९५४७ | शनिभावफलम् | | १-३, ५-११ । |
| ९९५४८ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | २-१०, १८-३४ । |
| ९९५४९ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | १ । |
| ९९५५० | वर्षफलपद्धतिटीका | मल्लारिः | १-९, ९-१५ । |
| ९९५५१ | जयपराजयज्ञानम् | | १-९ । |
| ९९५५२ | लघुजातकम् | | १-६ । |
| ९९५५३ | दशान्तर्दशाविचारः | | २२-१९८, २१७-२३० । |
| ९९५५४ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १ । |
| ९९५५५ | सारसङ्ग्रहः | | १ । |
| ९९५५६ | त्रैलोक्यदीपकचक्रम् | | १ । |

| आकारः | इक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आवाः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|------|----------|-----------------------|--|
| १०'२ × ४'५ | १५ | ५४ | दे. ना. | का. | श० १७६७ | पू० | |
| ९'८ × ४'३ | १२ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'३ × ४'५ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | १२ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'४ | २९ | ७ | " | " | | " | |
| ७'५ × ५ | १३ | १८ | " | " | | " | सविवरणम् । |
| ९'८ × ४'२ | १४ | ५५ | " | " | | " | |
| ७ × ३'५ | ५ | २३ | " | " | | पू० | |
| ४'४ × ३'१ | ६ | १३ | " | " | | " | गणेशस्तोत्रञ्च । |
| ६'३ × ४'१ | ८ | १९ | " | " | | " | |
| ७'४ × ४ | ११ | ३९ | " | " | | " | प्राणायामविधिश्च । |
| ९'६ × ३'४ | १४ | ४७ | वज्र | " | | " | लोकमनोरमा प्रश्नमनोरमा खेट- चक्रञ्च । |
| १०'७ × ४'५ | ९ | ३४ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ९'१ × ४'१ | ११ | ४२ | " | " | १८७१ | " | |
| ९ × ४ | १० | ६२ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'४ | ८ | ४७ | " | " | | पू० | टी० बालबोधिनी । |
| १०'४ × ४'२ | ९ | ४५ | " | " | | अपू० | |
| ७'९ × ४'९ | ८ | २६ | " | " | | पू० | राशिफलमात्रम् । |
| ८'३ × ६'४ | १९ | १९ | वज्र | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'६ | ७ | ३० | दे. ना. | " | | " | |
| १०'७ × ४'७ | ८ | ३३ | " | " | | " | हिन्दीभाषायां कानिचित् पद्यानि । |
| ९'७ × ४'३ | ८ | २८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--|-----------------|------------------------|
| ९९५५७ | लघुसङ्ग्रहः | | १-६, ८-१९, २५-२७, २९ । |
| ९९५५८ | " | | ७-२८ । |
| ९९५५९ | लघुजातकम् | | १-८ । |
| ९९५६० | राशीशचक्रम् | | १ । |
| ९९५६१ | लघुसङ्ग्रहः | | १-३ । |
| ९९५६२ | होडाचक्रम् | | १ । |
| ९९५६३ | गृहपिण्डानयनम् | | १ । |
| ९९५६४ | मारकेशविचारः | | १ । |
| ९९५६५ | तन्वादिद्वादशभावफलानि | | १ । |
| ९९५६६ | अष्टकूटविचारः | गोपीनाथः | १-३ । |
| ९९५६७ | योगार्णवः | वेङ्कटेशः | १-२३ । |
| ९९५६८ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-७ । |
| ९९५६९ | राश्यानयनम् | | १ । |
| ९९५७० | सूर्यादिनव हाणां द्वादश- स्थानफलानि | | १-९ । |
| ९९५७१ | विश्वामित्रसंहिता | | १-१० + २ । |
| ९९५७२ | सम्बत्सरानयनम् | | १-२१ । |
| ९९५७३ | नरपतिजयनर्या | | १-१४ । |
| ९९५७४ | जातकालङ्कारटीका | हरिभानुः | ३-४३ । |
| ९९५७५ | जैमिनीसूत्रं सव्याख्यानम् | व्या०का०-नृसिंह | २-३३ । |
| ९९५७६ | सूर्यादिग्रहाणां शुभाशुभ- ज्ञानम् | | १ । |
| ९९५७७ | ग्रहणफलम् | | १-३ । |
| ९९५७८ | सन्तानदीपिका | | १-५ । |

| आकारः | प्रज्ञा- संख्या | प्रकार- संख्या | लिपिः | हस्तः | दिनांकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|-------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|--------------------|
| ९'६ × ४'९ | १० | २९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'९ × ४'५ | ८ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'४ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| ८'६ × ६'६ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'९ × ५ | ७ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| १०'९ × ४'६ | ७ | ४१ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'६ | २४ | १७ | " | " | | पू० | |
| १०'७ × ४'६ | १० | ३४ | " | " | | अपू० | भूमिपविचारश्च । |
| २६'६ × ५'१ | ५५ | १५ | " | " | | " | |
| ८'२ × ३'८ | १२ | ३२ | " | " | | पू० | वटिताध्यायो वा । |
| ८'६ × ४'१ | १२ | ३९ | " | " | | " | |
| ८'१ × ३'८ | १२ | ३१ | " | " | | " | भावाध्यायमात्रम् । |
| ६'४ × ३'२ | ७ | २१ | " | " | १८४९ श० १७१४ | " | |
| ८ × ४ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ८ × ३'४ | ९ | २५ | " | " | श० १७०६ | " | मुहूर्तनिचयश्च । |
| १०'८ × ४'१ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'१ | १० | ४६ | " | " | | " | ४-६ प्रकरणान्तम् । |
| १०'३ × ५'३ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ८ × ३'४ | १५ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ८'२ × ३'७ | × | × | " | " | | " | भावेषु । |
| ८'१ × ४ | १० | २४ | " | " | | " | |
| ८ × ४ | ८ | ३४ | " | " | श० १७२९ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|--------------|----------------------|
| ९९५७९ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | ३ गणनया । |
| ९९५८० | गोचरप्रकरणम् | | १-५ । |
| ९९५८१ | अत्रकहडाचक्रम् | | १ । |
| ९९५८२ | गर्गमनोरमाव्याख्या | भैरवदत्तः | १-४६ । |
| ९९५८३ | बृहज्जातकम् | वरामिहिरः | १-३८ । |
| ९९५८४ | मुकुन्दविजयः | परममिश्रः | १-४४ । |
| ९९५८५ | नक्षत्रदशाग्रहसारिणी | | ११ गणनया । |
| ९९५८६ | उडुदायप्रदीपः | | १-४ । |
| ९९५८७ | कूपादिमुहूर्तविचारः | | १-३ । |
| ९९५८८ | केरलसूत्रम् | | १-२ । |
| ९९५८९ | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः | १-४ । |
| ९९५९० | केशवीयजातकपद्धत्यु- दाहरणम् | विश्वनाथः | १-२३ । |
| ९९५९१ | " | " | १-२४ । |
| ९९५९२ | ज्यौतिषकेदारम् | कृपाशङ्करः | १-३०, ३४-३५, ३८-५९ । |
| ९९५९३ | केरलनिश्चयः | | १-२ । |
| ९९५९४ | कूपचक्रम् | | ४ गणनया । |
| ९९५९५ | लग्नजातकम् | | १-४ । |
| ९९५९६ | षट्पञ्चाशिका | | १-६ । |
| ९९५९७ | मुहूर्तदीपकः | रामसेवकः | १-१७ । |
| ९९५९८ | अष्टैश्वर्यफलम् | | १-१२, १-१९ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|--------|-------|------------------------|------------------------|------------------------|
| ८'२ × ३'६ | ११ | २४ | दे. ना | का. | | अपू० | |
| ८ × ३'७ | ९ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ८ × ४ | ४ | २८ | " | " | | अपू० | ब्रह्मयामलोकम् । |
| १३'५ × ५'३ | १० | ३८ | " | " | १९३७ | " | व्या०-सौभाग्यसूत्रम् । |
| १३ × ५'१ | ८ | ४३ | " | " | १९३२ श० १७९७ | " | १-२८ अध्यायाः । |
| १३'७ × ५'४ | ११ | ४९ | " | " | १९४३ र० का० १८९१ | " | |
| ८'८ × ३'७ | × | × | " | " | | " | |
| ८'६ × ३'३ | ९ | २८ | " | " | | पू० | |
| ८'६ × ४'३ | ११ | २५ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'४ | १३ | ३२ | " | " | १८६४ श० १७२९ | " | |
| १० × ४'५ | १४ | ४७ | " | " | १८१२ श० १६७७ | " | |
| ११'५ × ४'९ | ८ | ३६ | " | " | १८८५ श० १७५० | " | वर्षफलाध्यायमात्रम् । |
| ९'६ × ४'८ | १० | २८ | " | " | श० १७३३ | " | दशाध्यायमात्रम् । |
| १०'२ × ५'२ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'६ | २१ | ४८ | " | " | | पू० | |
| १० × ६'६ | ९ | १९ | " | " | | " | |
| १०'४ × ४'५ | १० | ४१ | " | " | | अपू० | |
| १०'६ × ४'५ | १० | ४३ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'७ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ११'६ × ४'९ | ९ | ३३ | " | " | १९३८ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|----------------|-------------------|
| ९९५९९ | मुहूर्तदीपकः | रामसेवकः | १२ गणनया । |
| ९९६०० | अहिचक्रम् । | | ३ गणनया । |
| ९९६०१ | गूढकालानलचक्रम् | | १ । |
| ९९६०२ | जातकालङ्कारः | | १-२ । |
| ९९६०३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४९ । |
| ९९६०४ | समरसारः | रामचन्द्रसोमः | १-१३ । |
| ९९६०५ | " | रामः | १-१८ । |
| ९९६०६ | लघुपाराशरी सटीका | पराशरः | २-१४ । |
| ९९६०७ | मुहूर्तमार्तण्डः सटिप्पणः | नारायणः | १-४९ । |
| ९९६०८ | वास्तुसौख्यम् | टोडरमलः | १-२९ । |
| ९९६०९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-२३ । |
| ९९६१० | जातकाभरणम् | दुण्डिराजः | १-१६ । |
| ९९६११ | होडाचक्रम् | | १-३ । |
| ९९६१२ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १-३, ५-१३ + १ । |
| ९९६१३ | योगिनीदशाक्रमः | | १-९, ११ । |
| ९९६१४ | लोमशसंहिता | | १-८ । |
| ९९६१५ | शिवालितम् | | १-१३ । |
| ९९६१६ | अवकहडाचक्रम् | | १ । |
| ९९६१७ | मुहूर्तविचारः | | २, ६-७, ९-१० । |
| ९९६१८ | ग्रहरत्नम् | | १ । |
| ९९६१९ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | १-४८ । |

| भाकारः | पङ्क्ति- संख्या | वक्षर- संख्या | लिपिः | काशः | लिपिकालः | पर्यापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|------|------------------------------|-----------------------|---|
| १०'७ × ४'५ | ८ | | दे. ना. | का. | | पू० | कस्यचिद्वास्तुकुण्डली, वास्तु- प्रकरणश्च । |
| १०'४ × ४'५ | ११ | ३६ | " | " | | अपू० | शत्योद्धारणञ्च । |
| १० × ४'२ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'५ | ८ | ३५ | " | " | श० १७८९ २० का० श० १५२२ | " | |
| ९'७ × ४'३ | ७ | २६ | " | " | १९३१ | पू० | |
| ९'७ × ४'३ | ७ | २६ | " | " | १९१७ | " | |
| १०'५ × ४'५ | ६ | ३० | " | " | १९०७ श० १७७२ | अपू० | संज्ञाऽध्यायः । |
| ९'५ × ४'२ | ५ | २४ | " | " | १९०२ श० १७६७ | पू० | |
| १३'८ × ५ | १० | ४२ | " | " | १९२८ | " | |
| १०'९ × ४' ६ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ७'३ × ३'२ | १० | २६ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'५ | ११ | २९ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'६ | ७ | ३६ | " | " | | " | |
| १० × ५ | ९ | ३७ | " | " | १८५२ | " | |
| १०'९ × ४'६ | ९ | ३३ | " | " | १९४२ | पू० | |
| ८'५ × ३'५ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| ८ × ३'७ | ६ | २० | " | " | | अपू० | |
| ९'४ × ४ | १० | २८ | " | " | | " | |
| ८ × ३'८ | × | × | " | " | | पू० | ग्रहदोषशान्त्यर्थम् । |
| ९'५ × ४'५ | ६ | २३ | " | " | १९०५ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|----------------|---|
| १९६२० | पल्लीपतनकारिका | | १-५ । |
| १९६२१ | पल्लीपतनकारिकाविचारः | | १-४ । |
| १९६२२ | पल्लीपतनकारिका | | १-८ । |
| १९६२३ | पल्लीपतनकारिकाविचारः | | ९-१० । |
| १९६२४ | " | वसन्तराजः | १-४ । |
| १९६२५ | " | | १-५ । |
| १९६२६ | पल्लीपतनसरटारोहण- फलम् | | १-३ । |
| १९६२७ | पल्ल्यादिपतनविचारः | | १-३ । |
| १९६२८ | जगन्मोहनम् | लक्ष्मणाचार्यः | १-४, ४-३७, १-३८, १-३४, ३४-६२, ६४-१६४, १६४-१७७, ६९-१०१, १०३-१२८, २७८-३३५ । |
| १९६२९ | ज्योतिर्विदवंशावली | | १ । |
| १९६३० | नष्टपत्रोदाहरणम् | | १-३ । |
| १९६३१ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | | १० गणनया । |
| १९६३२ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | ७ । |
| १९६३३ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-२ । |
| १९६३४ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १०-४१ । |
| १९६३५ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | ३०-३९ । |
| १९६३६ | गौरीजातकम् | | १-७ । |
| १९६३७ | पथदीपकचक्रम् | | १-२ । |
| १९६३८ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-६२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | क्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|-----------------|---------|-------|-----------------------------------|------------------------|----------------------------------|
| ८'२ × ४'१ | ९ | २० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ८'५ × ३'५ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ५'६ × ३'३ | ८ | २० | " | " | | " | शान्तिविधिश्च । |
| ५'८ × ३'८ | ८ | १८ | " | " | | " | शान्तिः, एकनक्षत्रजननशान्तिश्च । |
| ६'७ × ३'३ | ८ | २९ | " | " | १८३९ श० १७०४ २० का० १७४० | " | शान्तिविधिश्च । |
| ९'३ × ४'७ | १२ | ३३ | " | " | | " | " |
| ६'२ × ४'३ | १३ | २० | " | " | | " | " |
| ८'८ × ३'८ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १२ × ६ | १० | ३१ | " | " | १८९७ | "* | |
| १० × ४'२ | ९ | ४६ | " | " | | अपू० | केशवादिपरिचयः। |
| ९'७ × ५'४ | १२ | २८ | " | " | | पू० | |
| १३ × ५ | १४ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ४'७ | ११ | ४३ | " | " | | " | |
| ११ × ४'२ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४ | ८ | ३५ | " | " | १८९० श० १७२५ | " | |
| ९'७ × ४'९ | ९ | ३४ | " | " | १८४५ श० १७१० | " | |
| १०'५ × ४'७ | ८ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ४'३ | १२ | ३२ | " | " | | " | |
| ११'२ × ३'८ | ६ | ४७ | " | " | १८३१ श० १६९६ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|--------------|--|
| १९६३९ | जन्मपत्रनिर्माणपद्धतिः | गङ्गासहायः | १-८ । |
| १९६४० | " | " | १-६ । |
| १९६४१ | वर्षपत्रनिर्माणविधिः | | १-१४ । |
| १९६४२ | वर्षजन्मपत्रनिर्माणपद्धतिः | | १-१४ । |
| १९६४३ | द्वादशलग्नफलम् | | १-८ । |
| १९६४४ | जातकपद्धतिः | | १-६ । |
| १९६४५ | जैमिनिसूत्रं सव्याख्यम् | | ८१ गणनया । |
| १९६४६ | सारावली | | १-२६ । |
| १९६४७ | बृहत्संहिताविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-२०, १०६११४, १६३-१८१, ३५७-३५९, ३६१-३६३, ३६५-३९५, ३९७-४१२, ४१५-४५२ । |
| १९६४८ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १६-२२, २७-३८ । |
| १९६४९ | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १-१२ । |
| १९६५० | ज्योतिः सारसङ्ग्रहः | | १, ३, १० । |
| १९६५१ | ग्रहभावफलम् | | १-६ । |
| १९६५२ | मुहूर्तमार्तण्डटीका | | १-२६, ४२-६३ । |
| १९६५३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | ३-२५, २८ + ३ गणनया । |
| १९६५४ | वर्षप्रवेशध्रुवाङ्कसारणी | | १ । |
| १९६५५ | दिग्वलादिचक्रम् | | १-२ । |
| १९६५६ | योगिनीदज्ञाफलम् | | २-११ । |
| १९६५७ | समसारः | | १-२, ४-७ । |
| १९६५८ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-३० । |
| १९६५९ | देवकलानिधिः | वंशीधरः | ११-४६, ४६-५१, ५३ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपि. | विचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|--------|--------|--------------|--------------------|---|
| ७×५ | २४ | १६ | दे.ना. | का. | २००७ | पू० | ग्रहस्वरूपादिविचारः पङ्क्ती-विचारश्च । |
| ५.१×८ | २१ | १७ | " | " | | अपू० | " |
| ७×५.१ | २४ | १६ | " | " | २००७ | पू० | |
| ७.४×५.४ | १३ | १२ | " | " | | " | |
| १०.१×४.१ | ९ | ४३ | " | " | | " | वृद्धयवने । |
| १०×४ | ९ | ४८ | " | " | | " | दृष्टिफलाध्यायमात्रम् । |
| १२×४.२ | १३ | ४२ | " | " | | " | टी०-मुहूर्त्तमार्तण्डवल्लभा, सटीका लघुपाराशरी च । |
| १०×४.१ | ९ | ४८ | " | " | | " | दृष्टिफलाध्यायमात्रा । |
| ११×४.७ | ८ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १०.५×४.५ | १० | ३५ | " | " | १७८४ १६४९ | " | |
| १०.३×४.५ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| १०.३×४.५ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| ७.९×३.५ | ११ | ३६ | " | " | | पू० | |
| १०.२×४.६ | १३ | ३५ | " | " | | अपू० | टी०-मार्तण्डवल्लभा । |
| ९.५×४.५ | १५ | २७ | " | " | | " | |
| ९.५×७.२ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०.९×४.९ | १४ | ४९ | " | " | | अपू० | |
| ६.३×३.२ | ८ | २३ | " | " | | " | |
| ११×४.८ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| १०.६×४.५ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| ११.१×४.३ | ९ | ३७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|------------------------|----------------------|
| ९९६६० | सारचन्द्रिका | | १३-२३ । |
| ९९६६१ | तत्त्वचन्द्रिका | करकृष्णद्विवेदः | ४ गणनया । |
| ९९६६२ | गुरुराशिविचारः | | १-३ + १ । |
| ९९६६३ | बृहज्जातकं सविवृत्तिकम् | विवृ० भट्टोत्पलः | ९० गणनया । |
| ९९६६४ | भृगुसंहिता | | १-२२ । |
| ९९६६५ | बृहत्संहिता | | १५, १-४४ । |
| ९९६६६ | ज्योतिषरत्नम् | रघुनाथशर्मा | १-२३ । |
| ९९६६७ | बार्हस्पत्यमुहूर्तविधानम् | बृहस्पतिः | २०-२८, २८-३१ + १ । |
| ९९६६८ | कालचक्रजातकम् | | १, ३, ६-९, १२-१३ । |
| ९९६६९ | त्रिपताकीचक्रम् | | १-२ । |
| ९९६७० | पञ्चमभावविचारः | | १-८ । |
| ९९६७१ | त्रिपताकीचक्रम् | | १ । |
| ९९६७२ | " | | १-५ । |
| ९९६७३ | बृहज्जातकं सटीकम् | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-५८ = (५८, ५६) ९१ । |
| ९९६७४ | बृहद्भवनजातकम् | | १-४१ । |
| ९९६७५ | योगादिनिर्णयः | | १-६ । |
| ९९६७६ | नारचन्द्रः सटिप्पणः | | २४ गणनया । |
| ९९६७७ | भद्राविचारः | | १ । |
| ९९६७८ | शुभाशुभफलम् | | १ । |
| ९९६७९ | सन्तानदीपिका | | १-५ । |
| ९९६८० | मुहूर्तचन्द्रिका | | १-४ । |
| ९९६८१ | ज्योतिषसूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-५ + १ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपि | विचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|--------|--------|-----------------|--------------------|---------------------|
| ११×४'७ | १२ | ३९ | दे. ना | का. | | अपू० | |
| १०'४×४'५ | १३ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'८×४'६ | ११ | २९ | " | " | | " | अष्टकवर्गविचारश्च । |
| १२×५ | १७ | ५० | शारदा | " | | " | |
| १२×४'६ | ९ | ४४ | दे. ना | " | | " | योगसागरः । |
| १०'७×४'७ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| ८'८×४'२ | १२ | ३८ | " | " | | " | |
| १०'९×४'९ | ११ | ४१ | " | " | | " | |
| १०×४'४ | १५ | ३० | तेलुगु | " | | अपू० | |
| ४'५×१०'७ | १० | ४० | दे. ना | " | | पू० | |
| ९'५×४'६ | ७ | ४१ | " | " | | " | |
| ८'४×४'४ | १२ | २९ | " | " | १९१७ | " | |
| ९'४×४'३ | ७ | २६ | " | " | | " | समुद्रचक्रश्च । |
| ८'३×४'३ | ६ | २२ | " | " | | " | |
| ६'६×४'२ | ९ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| १५'८×२'८ | ६ | ५७ | वङ्ग | " | | " | |
| ११×८'४ | १५ | ६५ | दे. ना | " | | अपू० | |
| ८'१×४'३ | १० | २९ | " | " | | पू० | |
| १२'७×४'८ | १३ | ५० | " | " | | " | |
| ९'३×४'२ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| ८'२×३'३ | ७ | १९ | " | " | १८९६ श० १७६१ | " | |
| १८'१×४'५ | ७ | ४६ | वङ्ग | " | | अपू० | न्यायग्रन्थश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------------|----------------------|---|
| ९९६८२ | भुवनदीपव्याख्या | | १-१६ । |
| ९९६८३ | सम्बत्सरी | | १-२, ४-६ । |
| ९९६८४ | विवाहादिमुहूर्तविचारः | | १-११ । |
| ९९६८५ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | १-२, ४-६, ९-१५, १४-१५, १८-१९ २२-२३, २६-३१, ३८, ४४-४५ । |
| ९९६८६ | कोष्ठीकरणशास्त्रसङ्ग्रहः | रामकिशोरशर्मा | १-६ । |
| ९९६८७ | अष्टोत्तरीदशाचक्रम् | | १-३ । |
| ९९६८८ | अष्टोत्तरीदशाजन्तर्दशा- फलम् | | ३-२१ । |
| ९९६८९ | मुहूर्तभूषणम् | | १-२, ५-७, ११-१६ । |
| ९९६९० | कालामृतं सटीकम् | टी० का०- व्यङ्कटः | २-१६ । |
| ९९६९१ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-२, ९ । |
| ९९६९२ | दीपकचक्रम् | | १-२, १ । |
| ९९६९३ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-३३ । |
| ९९६९४ | " | नीलकण्ठः | १-२० । |
| ९९६९५ | त्रिविक्रमशतकम् | | १-११ । |
| ९९६९६ | नवग्रहचक्रम् | | १-५ । |
| ९९६९७ | द्वादशभावविचारः | | १-६ । |
| ९९६९८ | तजिकनीलकण्ठी सटीका | | ८-१७ । |
| ९९६९९ | ताजिकभूषणम् | गणेशः | १-२, ७-८, ११, ११ । |
| ९९७०० | नक्षत्रप्रकरणम् | | १-११ । |
| ९९७०१ | जातकाभरणम् | | १-२, ५-८, १२, ३२-३३, ३७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | क्षारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|------------------------------|------------------------|-------------------------|
| ९'१×४'३ | ७ | ३२ | दे. ना. | का. | | अपू० | व्या०-विवृत्याख्या । |
| १२'२×४'५ | १४ | ६० | " | " | | " | |
| १३×४'७ | १५ | ६२ | " | " | | " | सङ्ग्रहग्रन्थः । |
| १३'२×५'२ | १४ | ५३ | " | " | १८६१ | | |
| १६'८×३'४ | ६ | ४४ | वज्र | " | | " | |
| ११'३×३'५ | १४ | ५२ | दे. ना. | " | | " | |
| १३'९×३'१ | ८ | ६० | वज्र | " | | " | |
| १०×४ | १० | ४४ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'५×४'९ | १२ | ३८ | " | " | | " | |
| ९'६×४'४ | ५ | २९ | " | " | | " | अन्याधानप्रकरणमात्रम् । |
| १०×३'१ | ७ | ३९ | " | " | | पू० | |
| १०'६×४'७ | ११ | ३७ | " | " | १८५४ श० १७१९ | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| १०'४×४'७ | ११ | ३९ | " | " | श० १७२० २० का० श० १५०९ | " | वर्षतन्त्रमात्रम् । |
| ७'६×४'२ | ९ | १३ | " | " | १६२५ | " | |
| ९'५×४'३ | ७ | २८ | " | " | १८७७ श० १७४२ | " | |
| ९'६×४'२ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| १०×३'९ | ८ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| १२'५×३'५ | १३ | ५० | " | " | १८६१ | " | |
| १२'५×३'५ | १३ | ५० | " | " | | पू० | |
| १२'७×३'५ | १४ | ५१ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|---|
| ९९७०२ | ज्योतिषरत्नमाला सटीका | | १, ३-१०, ९-११, ११-३७ । |
| ९९७०३ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-६६, ६८, ७०-७३, ७५-१०५ + १८, १२४-३०४ + १०, ११५-३४२ । |
| ९९७०४ | नारचन्द्रज्योतिषम् | नरचन्द्रः | १-१२६ । |
| ९९७०५ | सर्वार्थचिन्तामणिः | व्यङ्कटेशः | १-१७१ । |
| ९९७०६ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-९५ । |
| ९९७०७ | कलामृतटीका | वेंकटयज्वा | २-२२, ३५-७९ । |
| ९९७०८ | सारावली | कल्याणवर्मा | १-३५ । |
| ९९७०९ | ताजिकनीलकण्ठीटीका | माधवः | १-२८ । |
| ९९७१० | ग्रहपीठमाला सटीका | आपादेवः | ५-९ । |
| ९९७११ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-५२, ५४ । |
| ९९७१२ | मातृकाफलविचारः | | ४ गणनया । |
| ९९७१३ | फलचन्द्रिका | | २८-६६ । |
| ९९७१४ | चिन्तनप्रश्नः | | १-६ । |
| ९९७१५ | होरा रत्नम् | बलभद्रः | १-६० । |
| ९९७१६ | शुक्रजातकम् | | १-४ । |
| ९९७१७ | योगार्णवः | व्यङ्कटेशः | १-११ । |
| ९९७१८ | पाराशरहोरा | | १-४० । |
| ९९७१९ | तत्त्वप्रदीपः | श्रीपतिः | १-१३ । |
| ९९७२० | द्विघटिका मुहूर्तविचारः | | १५ गणनया । |
| ९९७२१ | वृद्धयवनजातकम् | | १-२ । |
| ९९७२२ | भृगुसंहिता | | १ । |
| ९९७२३ | " | | ३ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | श्लोक- संख्या | लिपिः | काष्ठः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|-------------------------|---|
| १२'७ × ४'९ | १२ | ५७ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ६'९ × ४ | १० | ११ | " | " | | " | |
| १० × ४'२ | ९ | ३३ | " | " | १९०४ | पू० | |
| ८'५ × ३'९ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ६'५ × ४ | ९ | १६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४ | १३ | ४२ | " | " | १८६४ | अपू० | |
| १० × ४'२ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| ८'९ × ४'४ | ८ | २७ | " | " | १८५५ | पू० | टी०-शिशुबोधिन्याख्या । |
| ८'८ × ३'९ | ११ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| १० × ३'५ | १० | ३४ | " | " | १८४५ | " | |
| ९'७ × ४'३ | ९ | २७ | " | " | १९०७ | पू०० | |
| १०'३ × ४'४ | १० | ४० | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ३'२ | ११ | ४९ | " | " | | " | मुहूर्तादिविचारश्च । |
| ९'७ × ४'३ | ११ | ३६ | " | " | १८५७ | पू० | |
| ९'६ × ४'२ | १० | ३६ | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'३ | ११ | ४५ | " | " | | " | |
| ८'३ × ४'१ | १० | ३६ | " | " | १८५६ | " | उत्तरभागे १-२० अध्यायाः । |
| ९'७ × ५'१ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| ३'६ × २'३ | ७ | १५ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ४'४ | ७ | २७ | " | " | | पू० | विवाहेसप्तमस्थभौमापवादमात्रम् । |
| ९'८ × ४'५ | २५ | ३५ | " | " | | अपू० | सिंहलग्नमधिकृत्य राजखण्डोक्त- फलम् । |
| ९'६ × ४'६ | ११ | २५ | " | " | | " | प्रश्नलग्नसिंहमधिकृत्य फलम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------|-------------------|
| ९९७२४ | भृगुसंहिता | | १ । |
| ९९७२५ | " | | १८९ गणनया । |
| ९९७२६ | " | | १०१ गणनया । |
| ९९७२७ | मुहूर्ततत्त्वम् | | १-३ । |
| ९९७२८ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-६८ । |
| ९९७२९ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-४० । |
| ९९७३० | " | " | १-४ । |
| ९९७३१ | " | " | १-३९ । |
| ९९७३२ | ताजिककौस्तुभः | बालकृष्णः | १-५६ । |
| ९९७३३ | हायनरत्नम् | | १-६ । |
| ९९७३४ | लघुपाराशरी | | १-२० । |
| ९९७३५ | जन्ममरणविचारः | | ८ गणनया । |
| ९९७३६ | बृहज्ज्ञातकम् | | ३० गणनया । |
| ९९७३७ | ज्योतिःसारामृतम् | गोपीमोहन शर्मा | १-१९८, १-४ । |
| ९९७३८ | अक्षराङ्कसंज्ञा | | १ । |
| ९९७३९ | सारावली | | १-१३, १५-१५ + १ । |
| ९९७४० | रत्नावचनम् (?) | | १-४ । |
| ९९७४१ | वर्षात्रिणाडीचक्रम् | | १-२ । |
| ९९७४२ | अष्टोत्तरीदशाक्रमः | | १-६ । |
| ९९७४३ | अष्टोत्तरीदशाफलम् | | १-९ । |
| ९९७४४ | पद्मकोशः | | १-१० । |
| ९९७४५ | अरिष्टनवनीतम् | नवनीतकर्तनः | ३-५, १३ । |
| ९९७४६ | " | | १-२, ६-७ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---|
| १३.३ × ५.५ | १५ | ५१ | दे. ना. | का. | | अपू० | योगाध्याये काव्यकन्दूर नाम योग- फलम् । |
| विभिन्न | २५ | ३७ | " | " | | " | सिंहलग्नमधिकृत्य फलम् । |
| " | १६ | ४३ | " | " | | " | |
| ९.४ × ४.३ | ९ | २६ | " | " | १९०१ | पू० | |
| ५.५ × ५.४ | ११ | १७ | " | " | १७९८ | " | |
| १०.८ × ४.७ | ९ | ३३ | " | " | | अपू० | वर्षेशादिविचाराध्यायः । |
| १०.९ × ४.७ | ९ | ३३ | " | " | | पू० | वर्षप्रवेशलग्नफलम् । |
| १०.८ × ४.७ | ९ | ३४ | " | " | | " | भावविचाराध्यायः । |
| १०.८ × ४.४ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १०.७ × ४.५ | ९ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ९.३ × ४.२ | ८ | ३२ | " | " | १८६८ | पू० | |
| १०.२ × ६.३ | २४ | ३० | शारदा | " | | अपू० | |
| १०.४ × ६.९ | १४ | ४० | " | " | | " | |
| ६.५ × ८ | १८ | १७ | वज्र | " | | " | |
| ९.६ × ४.६ | २३ | २० | दे. ना. | " | | पू० | |
| ७.८ × ४.७ | ११ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ७ × ४.७ | २२ | १९ | वज्र | " | | " | यात्राविषयकम् । |
| ३.९ × ७.२ | १३ | ३२ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ९.८ × ४.८ | ११ | ३७ | " | " | | " | |
| ९.५ × ४.१ | ८ | ४५ | " | " | | " | |
| १०.९ × ४.६ | ७ | ४६ | " | " | १९३९ | " | |
| ५.३ × ४.६ | ९ | २८ | " | " | १६८५ | अपू० | |
| ९.६ × ४.२ | ९ | ३५ | " | " | श० १२१६ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|-----------------------------------|---------------------|
| ९९७४७ | अरिष्टविचारः | | १-६ । |
| ९९७४८ | " | | १-६ । |
| ९९७४९ | " | | १-३ । |
| ९९७५० | योगिनीदशाफलम् | | १-३ । |
| ९९७५१ | अन्तर्दशाफलविचारः | ब्रजभूषणः | १-१० । |
| ९९७५२ | सम्बत्सरनामानि | | १ । |
| ९९७५३ | शुक्रजातकव्याख्या | | १-८ । |
| ९९७५४ | रत्नदियोतः | | १-३० । |
| ९९७५५ | लग्नजातकम् | | २-३ । |
| ९९७५६ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-२, ४-२५, २९, ३१ । |
| ९९७५७ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथाचार्यः | १-२४ । |
| ९९७५८ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी० का०- विश्वनाथः | १५-८९ । |
| ९९७५९ | करपञ्चाङ्गम् | रामः | १ । |
| ९९७६० | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-३ + २ । |
| ९९७६१ | पञ्चाङ्गम् | बलवन्तराव आपाजी | १-१५ । |
| ९९७६२ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथाचार्यः | १-१२ । |
| ९९७६३ | शीघ्रबोधः | काशीनाथ | १-२ । |
| ९९७६४ | योगिनीदशाफलम् | | १-४ । |
| ९९७६५ | कलावल्लीपद्धतिः सटीका | विठ्ठलः टी० का०-रुद्रः | १-१० । |
| ९९७६६ | आर्या | | १९-४६ । |
| ९९७६७ | ताजिकभूषणम् | गणेशः | २, ७-१५, १८ । |
| ९९७६८ | रत्नहारः | जगन्नाथः | २३-२४ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|-------------------------------------|
| ९×४'१ | १० | २९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९'९×४'२ | ११ | ३४ | " | " | | पू० | ताजिकोक्तः । |
| १०×४'५ | १२ | ४० | " | " | | अपू० | |
| १०×४'३ | ७ | ३० | " | " | | पू०* | पञ्चशरा वा । |
| ११'१×४'७ | १० | ३६ | " | " | | " | |
| ५'४×३ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ६'८×३'६ | ६ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ८'६×३'४ | ७ | २२ | " | " | | " | |
| ९'७×४'३ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| १०×५ | १२ | २७ | " | " | | " | |
| ६'२×४'८ | १४ | १३ | " | " | | " | चतुर्थध्यायान्ता । अद्भुतसागरो वा । |
| ९'५×४'४ | १० | ३२ | " | " | | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| ९'८×४'२ | १४ | ४५ | " | " | | पू० | |
| १०'८×३'८ | १४ | ५७ | " | " | | अपू० | |
| ९×४'८ | १३ | ३९ | " | " | १८९४ श० १७५९ | पू० | |
| ९'८×४'२ | १२ | ३८ | " | " | १८५५ | " | |
| ८'९×४'२ | १२ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १०'७×४'५ | ९ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'८×४'२ | ११ | ५१ | " | " | | " | |
| १०×४'४ | ८ | २९ | " | " | १८८४ | "* | |
| १०'५×४'५ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ९'९×४'१ | ८ | ३३ | " | " | श० १८७४ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|--------------|-------------------|
| ९९७६९ | भृगुसंहिता | | २१८ गणनया । |
| ९९७७० | " | | ११५ गणनया । |
| ९९७७१ | " | | १६९ गणनया । |
| ९९७७२ | " | | २७८ गणनया । |
| ९९७७३ | " | | १६० गणनया । |
| ९९७७४ | " | | ४६३ गणनया । |
| ९९७७५ | " | | ४२ गणनया । |
| ९९७७६ | " | | १९२ गणनया । |
| ९९७७७ | विविधजन्माङ्गफलम् | | ३४४६ गणनया । |
| ९९७७८ | फलसङ्ग्रहः | | १००० गणनया । |
| ९९७७९ | " | | १००० गणनया । |
| ९९७८० | " | | ९९३ गणनया । |
| ९९७८१ | " | | ९९३ गणनया । |
| ९९७८२ | " | | ९९३ गणनया । |
| ९९७८३ | " | | ६०० गणनया । |
| ९९७८४ | " | | १००० गणनया । |
| ९९७८५ | " | | १००० गणनया । |
| ९९७८६ | " | | १००० गणनया । |
| ९९७८७ | " | | ६०० गणनया । |
| ९९७८८ | " | | ६०० गणनया । |
| ९९७८९ | " | | ६०० गणनया । |
| ९९७९० | " | | १००२ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|------------------------|--|
| विभिन्नः | २० | ४१ | दे. ना. | का. | | अपू० | कर्कलग्नमधिकृत्यफलम् । |
| " | १५ | ४० | " | " | | " | |
| " | १३ | ४० | " | " | | " | वृश्चिकलग्नमधिकृत्यफलम् । |
| " | १४ | २९ | " | " | | " | अत्रभृगुकंदानखण्डस्य केचन भागाः । |
| " | १३ | ४२ | " | " | | " | वृषलग्नमधिकृत्यफलम् । |
| " | १३ | ४० | " | " | | " | |
| " | १३ | ४० | " | " | | " | |
| " | १३ | ४१ | " | " | | " | धनुर्लग्नमधिकृत्य फलम् । |
| " | ९ | २१ | " | " | | " | अत्राग्नेक जनजन्माङ्गमधिकृत्य भृगुक दिशा फलनिर्देशः । नायंभृगुसंहिता ग्रन्थः । |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |
| " | × | × | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------|--------------|-------------------|
| ९९७९१ | फलसङ्ग्रहः | | १००० गणनया । |
| ९९७९२ | " | | " |
| ९९७९३ | " | | " |
| ९९७९४ | " | | " |
| ९९७९५ | " | | " |
| ९९७९६ | " | | " |
| ९९७९७ | " | | " |
| ९९७९८ | " | | " |
| ९९७९९ | " | | ५१९ गणनया । |
| ९९८०० | कुण्डलीसङ्ग्रहः | | २० कुं० । |
| ९९८०१ | पञ्चाङ्गसङ्ग्रहः | | — |
| ९९८०२ | फलसङ्ग्रहः | | २४६ गणनया । |
| ९९८०३ | भृगुसंहिता | | १०६ गणनया । |
| ९९८०४ | " | | २८२ गणनया । |
| ९९८०५ | " | | १ गणनया । |
| ९९८०६ | " | | २२ गणनया । |
| ९९८०७ | " | | ३९ गणनया । |
| ९९८०८ | " | | ११ गणनया । |
| ९९८०९ | " | | ४८ गणनया । |
| ९९८१० | " | | ४७ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- दिवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|-----------------------|--|
| विभिन्नः | - | - | दे. ना. | का. | | पू० | अनेकजनजन्माङ्गमधिकृत्य भृगूक्तरीत्या फलम् । |
| " | - | - | " | " | | " | " |
| " | - | - | " | " | | " | " |
| १० × ४'५ | - | - | " | " | | " | " |
| विभिन्नः | - | - | " | " | | " | " |
| " | - | - | " | " | | " | " |
| " | - | - | " | " | | " | " |
| " | - | - | " | " | | अपू० | " |
| " | - | - | " | " | | " | मेघलग्नमधिकृत्यफलम् । |
| " | - | - | " | " | | पू० | |
| " | - | - | " | " | | " | १६७५, १६९९, १७०८, १७११, १७१९-१७२२, १७२६, १७२९, १७३४, १७३६-१७३७, १७४०, १७४२, १७४५, १७४९-१७५०, १७५२, १७५४-१७५६, १७५९-१७६२, १७६४-१७६९, १७७२-१७७३, १७७९-१७८१, १७८४, १७९२, शकाब्दीयः । |
| " | - | - | " | " | | अपू० | |
| " | - | - | " | " | | " | कर्मविपाकः । |
| " | - | - | " | " | | " | भृगूक्तरीत्याधिकारः । |
| " | - | - | " | भूर्ज० | | " | योगफलम् । |
| १० × ४'३ | - | - | " | का. | | " | कर्मविपाकः । |
| १२ × ६ | - | - | " | " | | " | ग्रहशान्तिविधिः । |
| ११ × ७ | - | - | " | " | | " | पूर्वजन्माध्यायः । |
| १५ × ८'५ | - | - | " | " | | " | |
| १४ × ८ | १५ | ४७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------|--------------|---|
| ९९८११ | कर्मविपाकः | | १-४ । |
| ९९८१२ | भृगुसंहिता | | १-६६, ६६-१५२, १५४-२३७, २३९-३३२ (३३२ = ३३३) ३३४-५५४, (५५४ = ५५५) ५५६-५६१, ५६३-५९० (५९० = ५९१) ५९२-९८८, ९९०-११२० । |
| ९९८१३ | " | | २३० गणनया । |
| ९९८१४ | " | | १-११४, १-३ = (११२-११४) ११५-१६१, १७३-१८८, (१८८ = १८९) १९०-३३७, (३३७ = ३३८) ३३९-३५८ (३५८ = ३५९) २६०-३९५ । |
| ९९८१५ | " | | १-१८०, १८२-३५३, (३५३ = ३५४) ३५५-३६४ । |
| ९९८१६ | " | | ३७४ गणनया । |
| ९९८१७ | फलसङ्ग्रहः | | २०४ गणनया । |
| ९९८१८ | भृगुसंहिता | | ८ गणनया । |
| ९९८१९ | " | | १-२, ३२-३३ । |
| ९९८२० | " | | २ गणनया । |
| ९९८२१ | " | | ३६ गणनया । |
| ९९८२२ | " | | ५९-७० । |
| ९९८२३ | " | | ३-१२ । |
| ९९८२४ | " | | ३७३ गणनया । |
| ९९८२५ | " | | १-११४, ११४-१५७, १५७-३६२ । |
| ९९८२६ | " | | १-६५ (६५ = ६६) ६७-२५३ (२५३ = २५४) २५५-२७६ । |
| ९९८२७ | " | | ३५ गणनया । |
| ९९८२८ | " | | ३ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | माध्यमः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|---------|----------|------------------------|---|
| १२'१ × ६'२ | १० | ३३ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १४'५ × ७'६ | १४ | ५१ | " | " | | " | |
| १३'५ × ५'३ | १० | ४३ | " | " | | " | |
| १४'४ × ७'९ | ११ | ४५ | " | " | | पू० | कंकलग्नमधिकृत्ययोगफलम् । |
| १४'५ × ८ | १२ | ३६ | " | " | | अपू० | मिथुनलग्नमधि कृत्ययोग- फलम् । |
| १२'२ × ५'५ | १६ | २७ | " | " | | " | कंकलग्नमधिकृत्यग्रहभाववशात् फलम् । |
| विभिन्नः | १५ | ३४ | " | " | | " | |
| ११ × ७'५ | २२ | ४१ | " | " | | " | भुगुप्तोक्तं ग्रहभावफलम् । |
| १३'८ × ४'३ | १२ | ५८ | " | " | | " | |
| १०'४ × ४'९ | ११ | २६ | " | " | | " | |
| १२ × ७ | १२ | १६ | " | " | | " | |
| १३'५ × ६ | १२ | ४९ | " | " | | " | |
| १२'३ × ४'८ | १० | ४९ | " | " | | " | योगफलम् । |
| विभिन्नः | ११ | ४५ | " | " | | " | |
| १४'७ × ८ | ११ | ४८ | " | " | | पू० | वृषलग्नमधिकृत्यग्रहलग्नयोग- जानितकर्मविपाकफलम् । |
| १४'७ × ८ | ११ | ३९ | " | " | | " | मेषलग्नमधिकृत्यग्रहलग्न- योगजनितकर्मविपाकफलम् । |
| विभिन्नः | वि० | वि० | " | " | | अपू० | विविधलग्नमधिकृत्यफलविचारः । |
| १०'४ × ४'७ | ११ | २८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------|-----------------------------|
| ९९८२९ | भृगुसंहिता | | ९९ गणनया । |
| ९९८३० | " | | ५५ गणनया । |
| ९९८३१ | " | | १-४६ । |
| ९९८३२ | " | | ६ गणनया (१-२, १-२, १-२) । |
| ९९८३३ | " | | २३८ गणनया । |
| ९९८३४ | " | | ८० गणनया । |
| ९९८३५ | " | | १७ गणनया । |
| ९९८३६ | " | | ५७ गणनया । |
| ९९८३७ | " | | १-१७, १३७-१८६ । |
| ९९८३८ | योगसागरः | | १-२, १३, १५, १७ । |
| ९९८३९ | कुण्डलीफलम् | | १७० गणनया । |
| ९९८४० | जन्मपत्रफलसङ्ग्रहः | | ५३ गणनया । |
| ९९८४१ | फलसङ्ग्रहः | | १२६ गणनया । |
| ९९८४२ | " | | १२७ गणनया । |
| ९९८४३ | " | | २०४ गणनया । |
| ९९८४४ | " | | १०६ गणनया । |
| ९९८४५ | " | | ३०९ गणनया । |
| ९९८४६ | " | | २५३ गणनया । |
| ९९८४७ | " | | १२० गणनया । |
| ९९८४८ | " | | १३७ गणनया । |
| ९९८४९ | " | | ४५२ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|-------|-------|----------|-----------------------|---|
| १३'८ × ७'२ | १६ | २८ | वि० | वि० | | अपू० | |
| १२'३ × ७'२ | १४ | ३२ | " | " | | " | |
| ११ × ४'५ | ९ | ३९ | " | " | श० १७७४ | पू० | योगसारः, भृगुसिद्धान्तो वा । |
| ११'८ × ७'८ | १३ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १० × ७'५ | - | - | " | " | | " | भृगूक्तरीत्यात्र कर्मविपाकसदृश फलवर्णनम् । |
| १४'५ × ८'२ | १२ | ४७ | " | " | | " | जन्माङ्गचक्रमत्रनेव, किन्तुफलादेशो वर्तते । प्रायः प्रकीर्णपत्राणि । |
| ११ × ७'५ | १२ | ३६ | " | " | | " | ग्रहदशाफलानि । |
| १० × ६'७ | २२ | ३२ | " | " | | " | |
| ११'३ × ४'८ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| १२'५ × ४'६ | १० | ६१ | " | " | | " | |
| १३'७ × ७'५ | १८ | ३८ | " | " | | " | |
| विभिन्नः | - | - | " | " | | " | |
| " | - | - | " | " | | " | |
| " | - | - | " | " | | " | |
| " | २४ | ४४ | " | " | | " | |
| " | - | - | " | " | | " | |
| " | १३ | ५० | " | " | | " | तुलालग्नमधिकृत्यभृगूक्तरीत्या फलम् । |
| " | - | - | " | " | | " | मीनलग्नमधिकृत्यभृगूक्तरीत्या फलम् । |
| " | २१ | ३४ | " | " | | " | कन्यालग्नमधिकृत्यभृगूक्तरीत्याफलम् । |
| " | १९ | २५ | " | " | | " | वृषलग्नमधिकृत्यभृगूक्तरीत्या फलम् । |
| " | - | - | वज्र | " | | " | विविधजनजन्माङ्गमधिकृत्यात्र भृगूक्तदिशाफलम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|-------------------------------|-------------------|
| १९८५० | फलसङ्ग्रहः | | २११ गणनया । |
| १९८५१ | " | | ४०५ गणनया । |
| १९८५२ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | गोविन्दः | १-१५ । |
| १९८५३ | ग्रहतुङ्गफलम् | | २ गणनया । |
| १९८५४ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः, टी० का०- गोविन्दः | १-३९२ । |
| १९८५५ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | गोविन्दः | १-५० । |
| १९८५६ | ज्योतिर्निबन्धानुक्रम- णिका | | १-५ । |
| १९८५७ | दशाफलम् | | १-६० । |
| १९८५८ | प्रकीर्णपत्राणि | | ५४ गणनया । |
| १९८५९ | फलदीपिका | | २० गणनया । |
| १९८६० | सूत्रव्याख्या | | ३४ गणनया । |
| १९८६१ | फलदीपिका | | ७६ गणनया । |
| १९८६२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ७१ गणनया । |
| १९८६३ | समरसारः | रामबाजपेयी | १-१० । |
| १९८६४ | लघुजातकम् | वराहमिहिरः | १-१५ । |
| १९८६५ | जातकदीपिका | | १-१४ । |
| १९८६६ | राशिव्यवस्था | | १-३ । |
| १९८६७ | हायनसुन्दरः | | १-४ । |
| १९८६८ | दशाचिन्तामणिः | | १-५ । |
| १९८६९ | सूक्ष्मजातकम् | | १८ गणनया । |
| १९८७० | बृहज्जातकम् | | ४२ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिमानः | पूर्णापूर्ण- विवकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------------|-----------------------|---|
| विभिन्नः | - | - | दे. ना. | का. | | अपू० | कुम्भलग्नमधिकृत्यभृगूक्तरीत्या फलमत्र । |
| " | | | वङ्ग | " | श० १७५० | " | अनेकविधजन्माङ्गफलम् । |
| १२'५ × ४'८ | १२ | ४१ | दे. ना. | " | | पू० | गृहप्रवेशप्रकरणं टीकापीयूषधारा । |
| १५'५ × ३'२ | ७ | ५६ | वङ्ग | " | | " | राशिफलम् । |
| १३'७ × ५'५ | ११ | ५८ | दे. ना. | " | टी० २० का० श० १५२५ | " | टीकापीयूषधारा । |
| १२'८ × ६'६ | १५ | ५४ | " | " | १८४४ | " | टीकानाम-पीयूषधारा यात्राप्रकरण मात्रम् । |
| १३'९ × ५'६ | १५ | ३३ | " | " | | " | |
| १० × १ | ४ | १८ | ग्र० | ता. | | अपू० | |
| १४ × १'१ | ८ | ४६ | " | " | | " | |
| १३ × १ | १० | ५० | " | " | | " | |
| १० × ३ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १३ × १ | १० | ५० | " | " | | " | |
| ५'५ × ३'५ | ६ | ६१ | शारदा | का. | | पू०* | |
| ८'५ × ४'३ | ८ | २३ | दे. ना. | " | १८७१ | " | |
| ८'२ × ४'७ | ८ | १९ | " | " | १८७९ | " | |
| ९'८ × ४ | ८ | २७ | " | " | १८५७ | " | |
| ६'८ × ३'५ | ७ | १७ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | १६ | ५५ | " | " | १८९० | " | |
| ९'७ × ४'४ | १३ | ४७ | " | " | | " | |
| ७'६ × ५'५ | ११ | ११ | शारदा | " | | अपू० | |
| ७'६ × ५'५ | १८ | १९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------|-------------------|
| ९९८७१ | वर्षफलम् | | १-८ । |
| ९९८७२ | यात्राविचारः | | १-२ । |
| ९९८७३ | जातककर्मपद्धतिः | | १-१४ । |
| ९९८७४ | लघुचिन्तामणिः | श्रीपतिः | १-२ । |
| ९९८७५ | त्रिपुरहरमुहूर्तम् | गणेशः | १-४ । |
| ९९८७६ | ज्योतिषसारः | | १-१८ । |
| ९९८७७ | जातकाभरणम् | महेशपञ्चाननः | ४४ गणनया । |
| ९९८७८ | भुवनदीपिका | दुण्ढिराजः | १-१७ । |
| ९९८७९ | ज्योतिषरत्नमाला | | १-१३ । |
| ९९८८० | नीलकण्ठी | श्रीपतिः | १-१५ । |
| ९९८८१ | नीलकण्ठयुदाहृतिः | नीलकण्ठः | १-६७ । |
| ९९८८२ | नीलकण्ठी | विश्वनाथः | १-२२ । |
| | | नीलकण्ठः | |
| ९९८८३ | पञ्चशरा | | १-१२ । |
| ९९८८४ | लघुपाराशरी सटीका | प्रजापतिदासः | १-४ । |
| ९९८८५ | पद्धतिभूषणम् | पाराशरः | १-१७ । |
| ९९८८६ | ताजिकनीलकण्ठी | सोमदैवज्ञः | १-२३, ४० । |
| ९९८८७ | शीघ्रबोधः | नीलकण्ठः | १-३८, ४०-५५ । |
| ९९८८८ | वर्षप्रवेशः | काशीनाथः | १-२ । |
| ९९८८९ | ज्योतिषसारः | | ९३ गणनया । |
| ९९८९० | गण्डान्तनिर्णयः | | १-११ । |
| ९९८९१ | वाराहसंहिता | | ३७ गणनया । |
| ९९८९२ | दशाविचारः | | १८ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | भाषाः | लिपिकालः | पूणपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|---------------------------|---------------------|-----------------------|
| ७'५ × ६'२ | १६ | २७ | शारदा | का. | | पू० | भृगुसंहितायाम् । |
| ९'७ × ४'१ | १२ | ३६ | " | " | | " | |
| ८'२ × ३'८ | ९ | ३५ | " | " | १७०६ | " | |
| ९'५ × ४'१ | ११ | ३६ | " | " | १८७९ | " | |
| ७'२ × ३'९ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| १२'५ × ३'९ | ९ | ५३ | वज्र | " | १७५१ | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| ९'७ × ६'५ | २७ | ३३ | शारदा | " | | अपू० | |
| ८'४ × ४'९ | ७ | ३० | दे. ना. | " | १८१६ | पू० | |
| ८'७ × ६ | १७ | ३५ | शारदा | " | | " | |
| ८'८ × ५'८ | १३ | ३५ | दे. ना. | " | १८४२ | " | |
| ८'८ × ५'९ | १४ | ३६ | " | " | " | " | " |
| ८'९ × ५'८ | १२ | २९ | " | " | १८४४ २० का० श० १५०९ | " | वर्षतन्त्रमात्रम् । |
| १०'६ × ४'६ | १० | ५० | " | " | | " | वर्षतन्त्रमात्रम् । |
| ११'८ × ४'६ | १२ | ५६ | " | " | १८५९ | " | |
| ९ × ४'२ | ८ | ३२ | " | " | श० १७६१ | " | |
| ९'७ × ५'२ | ९ | ३० | " | " | १८७१ | अपू० | |
| ९'९ × ४'२ | ९ | २५ | " | " | १८८० | " | |
| ८'२ × ४'३ | १० | २४ | " | " | श० १७९१ | पू० | |
| ५'८ × ३'८ | १३ | १० | शारदा | " | | अपू० | |
| ७'२ × ४'५ | १३ | ३१ | " | " | | पू० | |
| ६'७ × ५'१ | ११ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ८'८ × ६'४ | २३ | २५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------------|---|------------------------|
| १९८९३ | ताजिकनीलकण्ठी | | ६३ गणनया । |
| १९८९४ | जन्मप्रदीपः | काशीनाथः | १६ गणनया । |
| १९८९५ | लग्नचन्द्रिका | | १४ गणनया । |
| १९८९६ | वृहत्संहिता | | १-१५४ । |
| १९८९७ | दशाफलविचारः | | १३ गणनया । |
| १९८९८ | भृगुसंहिताफलसङ्ग्रहः | | १९ गणनया । |
| १९८९९ | " | | १५५ गणनया । |
| १९९०० | दैवज्ञदीपकलिका | | १३ गणनया । |
| १९९०१ | वृहत्संहिता | | ५० गणनया । |
| १९९०२ | भृगुतन्त्रम् | | १-७ । |
| १९९०३ | चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः | नारायणाचार्यः टो०का० धर्मेश्वर- मालवीयः | १-१२ । |
| १९९०४ | बृहज्जातकम् | | १२ गणनया । |
| १९९०५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | ३-५० । |
| १९९०६ | समरसारः सटीकः | रामचन्द्रः | १-३६ + ६ । |
| १९९०७ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-८० + १-८३ ८३ गणनया । |
| १९९०८ | ज्योतिषवाक्यसङ्ग्रहः | | ३७ गणनया । |
| १९९०९ | ज्योतिषविषयानु- क्रमणिका | | १-२ । |
| १९९१० | अष्टकवर्गविचारः | | १-१७ । |
| १९९११ | अष्टकवर्गसूत्रम् | | १-२ । |
| १९९१२ | अष्टकवर्गफलम् | | १-१२ । |
| १९९१३ | अष्टैश्वर्यफलम् | | २-१२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ८'५ × ५'७ | १७ | २३ | शारदा | का. | | अपू० | संज्ञातन्त्रम् । |
| ८'७ × ६'३ | २५ | २५ | " | " | | " | |
| ८'२ × ५'८ | २७ | २६ | " | " | | " | |
| ७'२ × ५'३ | २६ | २५ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ६'२ | २५ | २८ | " | " | | अपू० | |
| १३'८ × ५'५ | ११ | ३० | दे. ना. | " | | " | |
| १४'३ × ७'३ | १७ | ४१ | " | " | | " | |
| १० × ४'२ | १९ | ७६ | " | " | १६५९ | " | |
| ९'७ × ६'७ | ३० | २७ | शारदा | " | | " | |
| ९'५ × ६'७ | २२ | ५३ | दे. ना. | " | | पू० | कष्टावली वा । |
| ९'७ × ५'२ | १५ | ५३ | " | " | १९०२ श० १७६७ | " | भावाध्यायमात्रम् । टीका नाम प्रदीपः । |
| ९'७ × ६'८ | १४ | १६ | शारदा | " | | अपू० | |
| ९'४ × ६ | १२ | २३ | दे. ना. | " | १९०७ | " | शुभाशुभप्रकरणात् गृहप्रवेशप्रकरणं यावत् । |
| ९'४ × ६'२ | १२ | २४ | " | " | | पू० | |
| ९'६ × ६'७ | ३८ | ३४ | " | " | | " | अरिष्टभङ्ग-ग्रहयज्ञ, स्वरोदय- सङ्क्रान्तिनिर्णय-यात्रा मुहूर्तादिः । |
| ५'५ × ५'७ | १३ | २३ | शारदा | " | | अपू० | |
| ७'२ × ३'८ | ११ | १५ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'५ × ४'३ | १० | ४४ | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'२ | ८ | ३३ | " | " | १८६१ | " | |
| ९'८ × ४'३ | ११ | ४६ | " | " | श० १६८३ | " | |
| ९'९ × ४'२ | १० | ३० | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|------------------------|---------------------------|
| ११११४ | अष्टैश्वर्यफलम् | | १-६ । |
| ११११५ | अष्टोत्तरीदशाफलम् | | १-७ । |
| ११११६ | अद्भुतसागरः | बल्लालसेनः | १-१४ । |
| ११११७ | अष्टोत्तरीदशाफलम् | | १-६ । |
| ११११८ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | २-५, ७-१९, २४-३८, ४२-४३ । |
| ११११९ | छायापुरुषलक्षणम् | | १ । |
| १११२० | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | | २-५ । |
| १११२१ | चारुग्रन्थः | व्रजभूषणः | २-२५, २७-४१ । |
| १११२२ | व्यञ्जदः टीका | | १७ गणनया । |
| १११२३ | फलसङ्ग्रहः | | ८, १०-११, १४-१७, २३-२८ । |
| १११२४ | राश्यभिधानम् | | १ । |
| १११२५ | अद्भुतसागरः | बल्लालसेनः | १-१५७, १६२-२६८, २७३-३५९ । |
| १११२६ | कृष्णीयम् | | १-२१ । |
| १११२७ | जातकाभरणम् | | १-१८ । |
| १११२८ | लघुजातकं सटीकम् | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-४१ । |
| १११२९ | शल्योद्धारविधिः | | १ । |
| १११३० | सारसङ्ग्रहः | | १-१५ । |
| १११३१ | जातकालङ्कारः | | १, १३-४ । |
| १११३२ | लघुजातकम् | वराहमिहिरः | १-७ । |
| १११३३ | परमायुचक्रम् | | १-३४ । |
| १११३४ | लघुपाराशरी सटीका | | १-८ । |
| १११३५ | योगिनीदशाफलम् | | १-१० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | क्रमांकः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|----------|-----------------|-----------------------|-------------------|
| १०'२ × ४'३ | ८ | २४ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'२ × ४'३ | १२ | ४३ | " | " | श० १७०३ | पू० | |
| ९'३ × ५'३ | १२ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ५'२ | १२ | ३६ | " | " | १६९९ श० १८३४ | पू० | |
| ९'४ × ४ | ९ | ३९ | " | " | १६८१ | अपू० | |
| ९'५ × ४'२ | ८ | ३६ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ४'३ | १३ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| ७'५ × ४'३ | ९ | १६ | " | " | १८६३ | " | सङ्ग्रहात्मकः । |
| १९'४ × २'७ | १० | ५० | वर्मी | ता० | १८७६ | पू० | सृष्टिवर्णनमत्र । |
| ८'२ × ४'१ | ८ | २९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १३'९ × ३'१ | ६ | ५० | वज्र | " | | पू० | |
| १२'९ × ४'४ | ९ | ३९ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ११'७ × ८'१ | २४ | १५ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ४'५ | ९ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ९'४ × ४ | ११ | ४३ | " | " | १७८७ श० १६५२ | पू० | |
| ९'६ × ४'४ | १० | ३६ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'७ | ८ | २३ | " | " | १९२५ | " | |
| १०'६ × ४'६ | १० | ३५ | " | " | १७७८ | अपू० | |
| ९ × ४'५ | १५ | ४२ | " | " | १८४२ श० १७१७ | पू० | |
| ९'८ × ३'८ | १२ | ३६ | " | " | १७९३ | " | |
| ९'८ × ४'२ | ११ | ३६ | " | " | १८५२ | " | |
| ९ × ४'१ | १० | ३१ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|---------------------------------|-------------------|
| १९९३६ | लघुपाराशरी सटीका | | १-१६ । |
| १९९३७ | सप्तनाडीचक्रम् | | १-२ । |
| १९९३८ | वर्षफलपद्धतिः | | १-३ । |
| १९९३९ | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-१८ । |
| १९९४० | बालविवेकिनी | | १-११ । |
| १९९४१ | मुहूर्तमातण्डः | नारायणः | १-२० । |
| १९९४२ | योगमालिका | | १-११ । |
| १९९४३ | साम्बत्सारिका सटीका | | १-५ । |
| १९९४४ | भुवनदीपकं सटीकम् | | १-७, ९-२९ । |
| १९९४५ | गणनागुणैक्यचक्रम् | | १-८ । |
| १९९४६ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१४ । |
| १९९४७ | नक्षत्राभिधानम् | | १-३ । |
| १९९४८ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-२१ । |
| १९९४९ | सर्वार्थचिन्तामणिः | व्यङ्कटेश्वरः | १-४९ । |
| १९९५० | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः | १-१३, १६-१८ । |
| १९९५१ | समरसारटीका | रामचन्द्र- सोमयाजी | १-२८ । |
| १९९५२ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०- महीधरः | १-८ । |
| १९९५३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | १-५० । |
| १९९५४ | लघुपाराशरी सटीका | टी० का०- परमसुखः | १-१८ । |
| १९९५५ | ज्योतिषसारसङ्ग्रहः | | १-२६ । |
| १९९५६ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | २-८, १०-३६ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | भाषाः | लिपिकारः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|-------------------------------|
| ७'८ × ४ | ९ | २६ | दे. ना. | का. | श० १७६० | पू० | वृष्टिज्ञानार्थम् । |
| १०'७ × ३'७ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| ८'४ × ४'४ | ११ | २९ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'१ | ७ | २५ | " | " | १८५२ | " | |
| ९'५ × ४'३ | ७ | ४० | " | " | १८७१ श० १७३६ | " | |
| १२.७ × ५ | ११ | ३८ | " | " | १८५५ | " | |
| ८'५ × ३'९ | ७ | २५ | " | " | १८५८ | " | |
| १०'१ × ३'७ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'३ | ११ | ४१ | " | " | १७२९ | अपू० | |
| ९'७ × ४'४ | १३ | ३९ | " | " | १७२७ | पू० | |
| ९'५ × ४'१ | १० | ३७ | " | " | | " | तृतीयतन्त्रमात्रम् । |
| १३'८ × ३'२ | ६ | ४७ | वज्र | " | | " | सङ्ख्याभिधानं ग्रहाभिधानञ्च । |
| ९ × ३'८ | ९ | ३९ | दे. ना. | " | १८८६ | " | |
| १३'५ × ४'८ | १२ | ५८ | " | " | १८३१ | " | |
| १२'१ × ६'२ | १५ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १२'८ × ४'२ | ७ | ५६ | " | " | १९२७ | पू० | |
| १२'१० × ५'३ | १० | ५७ | " | " | | अपू० | |
| १०'८ × ४'८ | ९ | ४८ | " | " | १८८५ | " | |
| ९'७ × ४'७ | ८ | ३८ | " | " | १९१४ | " | |
| १०'५ × ४'९ | ९ | २९ | " | " | १८१९ | " | |
| ९'५ × ३'८ | ८ | ३५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|-----------------------|--|
| १११५७ | षट्पञ्चाशिका | | १-८ । |
| १११५८ | सङ्क्रान्तिविचारः | शिवः | १-९ । |
| १११५९ | बालबोधसारसङ्ग्रहः | मुञ्जादित्यः | १-३२ । |
| १११६० | ताजिकसारः | समरसिंहः | १-१३ । |
| १११६१ | शिवाल्लिखितम् | | ३१ गणनया । |
| १११६२ | जातकशेखरः | | १-२ । |
| १११६३ | भावादिविचारः | | १९-२४, २६, २९-३०, ३४, ३७-५०, ५३, ५५, ६०, ६१, ६३, ६४, ६७-७२, ७४-७६, ९०-९२ । |
| १११६४ | रत्नजातकम् | | १-१५ । |
| १११६५ | बृहज्जातकम् | | १-३ । |
| १११६६ | मूहूर्तचिन्तामणिः | | १-१० । |
| १११६७ | दशाफलम् | | १-४ । |
| १११६८ | षोडशयोगाध्यायः | | १-२ । |
| १११६९ | जातकाभरणम् | दुष्टिराजः | १-३ । |
| १११७० | ज्योतिषचन्द्रिका | | १-६, १०-१२ । |
| १११७१ | योगसारः | | १-९ । |
| १११७२ | देवज्ञचिन्तामणिः | | २१ गणनया । |
| १११७३ | लघुपाराशरी सटीका | | १-८ । |
| १११७४ | समरसारः | रामचन्द्र- सोमयाजी | १- १३ । |
| १११७५ | पद्मकोशः | | १-१२ । |
| १११७६ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथः | १-१३ । |
| १११७७ | दशाचिन्तामणिः | | १-१६ । |
| १११७८ | योगमालिका | | १-९ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|-------|-----------------|--------------------|---------------------------------|
| १०'२ × ४'६ | १२ | ४८ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १० × ४'२ | १३ | ४२ | " | " | | " | सङ्क्रान्तिफलमिति वा । |
| ९'४ × ४'३ | ८ | २८ | " | " | १९२१ | " | सारसङ्ग्रहो वा । |
| ८'१ × ३'७ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ६'३ × ३'८ | १० | १५ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'७ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'४ | १४ | ४९ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ११ | ३४ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ४'५ | ९ | ३१ | " | " | | " | प्रथमराशिप्रभेदाऽध्यायमात्रम् । |
| ९'३ × ४'६ | ११ | ३२ | " | " | | " | यात्राप्रकरणमात्रम् । |
| ९'६ × ३'९ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | ८ | ३५ | " | " | | " | यवनाचार्यसम्मतः । |
| ९'८ × ४'२ | १० | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'१ × ४'३ | ७ | २५ | " | " | | " | |
| १० × ५'१ | १० | ३१ | " | " | | पू० | राजयोगग्रहयोगयोर्फलम् । |
| १२ × ४'६ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| ७'९ × ४'६ | १२ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'६ | ८ | ३१ | " | " | १९२१ श० १७८६ | " | |
| १०'१ × ३'७ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ४'३ | ७ | २५ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'१ | ७ | २१ | " | " | १८५८ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|-------------------|
| १११७९ | होरामकरन्दः | गुणाकरः | १२ गणनया । |
| १११८० | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | गोविन्दः | १-१४ । |
| १११८१ | षष्ठिसम्बत्सरफलम् | | १-८ । |
| १११८२ | लघुपाराशरी सटीका | | १-१३ । |
| १११८३ | योगिनीदशाक्रमः | | १-९ । |
| १११८४ | खोजातकम् | | १-११ । |
| १११८५ | समुद्रचक्रम् | | १ । |
| १११८६ | शल्योद्धारविधिः | | १-२ । |
| १११८७ | मुहूर्तभञ्जरी | यदुनन्दनः | १-४ । |
| १११८८ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-५९ । |
| १११८९ | योगिनीदशाफलम् | | १-६ । |
| १११९० | बालविवेकिनी | | १-१० । |
| १११९१ | सम्बत्सरनामानि | | १ । |
| १११९२ | बृहज्जातकम् | | १२-२४ । |
| १११९३ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशः | १-७ । |
| १११९४ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४८ । |
| १११९५ | ग्रहणफलम् | | २-६ । |
| १११९६ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-३८ । |
| १११९७ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-१३ । |
| १११९८ | " | " | १-१७ । |
| १११९९ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-२५ । |
| १००००० | भुवनदीपकः | | १-१० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|----------------------|
| ८'७ X ४'३ | १० | ३० | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'१ X ४'५ | १६ | ४८ | " | " | १८२२ श० १५८७ | " | टी०- पीयूषधारा । |
| ९'६ X ४'४ | १७ | ५१ | " | " | | पू० | |
| ९'५ X ४'२ | १० | २४ | " | " | | " | |
| ९'२ X ४'१ | ८ | २१ | " | " | १८८९ | " | |
| १० X ४'४ | ११ | ३७ | " | " | | " | यवनजातकोकम् । |
| ८'२ X ४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| १३'५ X ४ | ८ | ४८ | वज्र | " | | " | |
| १०'५ X ४'८ | ९ | ३५ | दे. ना. | " | | " | |
| १०'५ X ४'६ | ९ | ३३ | " | " | १८९४ | " | |
| १०'३ X ४'७ | १२ | ३९ | " | " | | " | |
| १०'५ X ४'५ | ११ | ३४ | " | " | १९१५ श० १७८० | " | |
| ११'२ X ४'१ | १२ | १५ | " | " | | " | |
| ९'५ X ४'३ | २ | ३० | " | " | | अपू० | ७-८ अध्यायो । |
| ९'४ X ४'५ | १३ | ५० | " | " | १८०७ | पू० | टी०-हिन्दीभाषायाम् । |
| १३'२ X ४'८ | ७ | ४९ | " | " | १९४१ | " | |
| १२'९ X ४'९ | १४ | ४६ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ X ४'४ | ६ | २३ | " | " | १८९५ श० १७६० | पू० | |
| १०'१ X ४'३ | १० | ४५ | " | " | १८४२ श० १७०७ | " | |
| १०'४ X ४'६ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ९'७ X ४'६ | ८ | ३१ | " | " | १७८६ | " | |
| ९'७ X ४'५ | १० | २३ | " | " | १८१० | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|------------------------|--|
| १००००१ | षट्पञ्चाशिकाटीका | टी०का०- भट्टोत्पलः | १-६, ८-३४ । |
| १००००२ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२२ । |
| १००००३ | मुहूर्तमञ्जरी सानुक्रमणिका | यदुनन्दनः | १-१५ । |
| १००००४ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-६ । |
| १००००५ | चन्द्रराशिफलम् | | १-६ । |
| १००००६ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशः | १-१२ । |
| १००००७ | " | " टी०का०-दामोदरः | १-१२ । |
| १००००८ | ज्योतिषसङ्ग्रहः सटीकः | | १-१० । |
| १००००९ | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथः | १-२, ४-१७ । |
| १०००१० | योगिनीदशाफलम् | | १-६ । |
| १०००११ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१९ । |
| १०००१२ | षट्पञ्चाशिका सटीका | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-१६ + २ गणनया । |
| १०००१३ | स्त्रीजातकम् | | १-३ । |
| १०००१४ | मेघमाला | | १-२७ । |
| १०००१५ | मयूरचित्रकम् | | १-१९ । |
| १०००१६ | हायनरत्नम् | | १-३५, ३८-६९, ७१-१०३, १०७-२६३, २६७-२७६ । |
| १०००१७ | बालविवेकिनी सटीका | | १-४ । |
| १०००१८ | ग्रहफलम् | | १-६ । |
| १०००१९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४६ । |
| १०००२० | जातकालङ्कारटीका | | १-१९ । |

| आकारः | प्रकृति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|---------|-------|-------------------|--------------------|-----------------------|
| ९'९×४'२ | ९ | ३० | दे. ना. | का. | | पू०* | |
| १०'२×४'१ | ८ | २७ | " | " | | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| ८'४×४'४ | × | × | " | " | १९४३ | " | |
| ८'६×४'३ | १० | २९ | " | " | | " | |
| ९'५×४'२ | १२ | ४४ | " | " | | " | |
| ९'५×४'२ | १० | ४१ | " | " | | " | |
| ९'२×४'१ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| ९'२×४'२ | ६ | २२ | " | " | | " | |
| ९'८×४'३ | ९ | २९ | " | " | १८५९ | अपू० | |
| १०×३'६ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ११'१×४'९ | १० | ४० | " | " | | " | वर्षतन्त्रमात्रम् । |
| १०×५'२ | १२ | ४१ | " | " | १८३५ | " | |
| ९'९×४'३ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १०'७×३'७ | ६ | ३५ | " | " | श० १५६७ | " | |
| १०'४×४ | ९ | ४६ | " | " | | " | |
| ९'५×४'२ | ९ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ९'६×४'३ | १४ | ५० | " | " | | पू० | |
| ९'३×४'३ | ७ | २५ | " | " | | " | |
| ९'६×४'२ | ९ | ३७ | " | " | २० का० श० १५२२ | " | |
| ९'५×४'२ | ९ | ४६ | " | " | १८५७ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|------------------------------|-------------------|
| १०००२१ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०-महीधरः | १-१४२ । |
| १०००२२ | नरपतिजयचर्या | | २-४१ । |
| १०००२३ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशः टी०का०-भट्टोत्पलः | १-११ । |
| १०००२४ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-१५ । |
| १०००२५ | लघुपाराशरी | | १-५, + १ । |
| १०००२६ | बृहत्संहिता | वराहः | १-११, + १ । |
| १०००२७ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२४ + १ । |
| १०००२८ | षट्पञ्चाशिकाविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-१३ । |
| १०००२९ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-४४, ४६-४८ । |
| १०००३० | मयूरचित्रकम् | नारदः | १-१६ । |
| १०००३१ | मुहूर्तमार्तण्डटीका | | ३८-१३४ । |
| १०००३२ | शीघ्रबोधः | | १-४१ । |
| १०००३३ | सर्वार्थचिन्तामणिः | वेङ्कटेशः | १-६७ । |
| १०००३४ | जगन्मोहकम् | काशीनाथः | १-१६ + १ । |
| १०००३५ | लघुपाराशरी | | १-३ । |
| १०००३६ | योगिनीदशाफलम् | | १-९ । |
| १०००३७ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-११ । |
| १०००३८ | रत्नदीपकम् | | १-८ । |
| १०००३९ | ज्योतिषचन्द्रिका | | ४ गणनया । |
| १०००४० | नष्टजन्मपत्रनिर्माणम् | | १-३ । |
| १०००४१ | बृहत्संहिता | वराहमिहिरः | १-४३, ४५-७४ । |

| आकारः | यङ्क्ति- संख्या | यदर- संख्या | निधिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|----------------|---------|-------|-----------------|------------------------|---|
| १२'६ × ४'८ | ७ | ४१ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १२ × ४'८ | १० | ४९ | मै० | " | | अपू० | |
| १३ × ४'९ | १३ | ५४ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १२'६ × ४'६ | ११ | ५६ | " | " | | " | |
| ७'९ × ४'१ | ७ | २० | " | " | | " | उडुदायप्रदीपो वा । |
| ८'९ × ५'१ | ९ | २४ | " | " | | " | सङ्क्रान्तिप्रकरणम् । |
| ७'७ × ४'१ | १० | २५ | " | " | | " | |
| १० × ३'४ | १२ | ४९ | " | " | १८२१ श० १६८६ | " | |
| ९'५ × ४'१ | ८ | ३१ | " | " | १८५२ | अपू० | |
| ८'६ × ४ | ११ | ४७ | " | " | | पू० | |
| १०'७ × ४'१ | ९ | ४५ | " | " | १८०३ | अपू० | |
| ९'२ × ४'१ | ७ | ३७ | " | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'३ | १३ | ४१ | " | " | १८४४ | " | |
| ८'५ × ४'१ | ८ | ३४ | " | " | | " | सम्बत्सरफलमात्रम् । |
| ९'४ × ४'३ | ९ | ३३ | " | " | १८७६ | " | उडुदायप्रदीपो वा । |
| १०'१ × ४'५ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ११'१ × ४'९ | १० | ४२ | " | " | १७७९ | " | |
| ९ × ५ | ११ | २२ | " | " | १८३३ | " | |
| ९'२ × ४'३ | ११ | २५ | " | " | | अपू० | वास्तुप्रकाशः ज्योतिषचन्द्रिकान्तर्गतः । |
| ९'५ × ४'२ | १० | २९ | " | " | १८५३ श० १७१८ | पू० | |
| १०'१ × ४'५ | १४ | २५ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|--------------|-------------------|
| १०००४२ | ज्योतिषरत्नमाला | | १-३५ । |
| १०००४३ | द्वादशभावविचारः | | १-१६ + ७ । |
| १०००४४ | षट्पञ्चाशिका सटीका | भट्टोत्पलः | १-१५ । |
| १०००४५ | चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः | | १-२३ । |
| १०००४६ | मुहूर्तभूषणम् | रामसेवकः | १-२८ । |
| १०००४७ | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः | १-६ । |
| १०००४८ | सङ्केतकीमुदी | हरिनाथः | १-१७ । |
| १०००४९ | ग्रहराशिफलविचारः | | १-३ । |
| १०००५० | बालविवेकिनी | नाह्निदत्तः | १-१० । |
| १०००५१ | मुहूर्तमार्तण्डः | नासायणः | १-१९ । |
| १०००५२ | पद्धतिभूषणम् | सोमदैवज्ञः | १-२१ । |
| १०००५३ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-४२ । |
| १०००५४ | योगिनी दशाप्रकरणम् | | १-७ । |
| १०००५५ | दशाफलम् | | १-५ । |
| १०००५६ | सङ्क्रान्तिफलम् | रङ्गनाथः | १-७ । |
| १०००५७ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | | १-२०८ । |
| १०००५८ | षट्पञ्चाशिका सटीका | | ४९ गणनया । |
| १०००५९ | बृहज्जातकविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-११५ । |
| १०००६० | ताजिकनीलकण्ठी | | १-२३ । |
| १०००६१ | जन्मलग्नाध्यायः | | १-३० । |
| १०००६२ | पारिजातरत्नाकरः | | १-११ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|---|
| ९'९ × ४'४ | ११ | ३६ | दे. ना. | का. | १८४० | पू० | |
| १५ × १'२ | ७ | ५५ | " | " | | अपू० | |
| ११ × ५'५ | १० | ३४ | " | " | १९२४ | पू० | |
| १०'६ × ४'५ | ११ | ४२ | " | " | १९३९ | " | |
| १०'१ × ४'५ | ८ | २४ | " | " | १८८६ | " | |
| १० × ४'१ | ९ | ३५ | " | " | १८४७ | " | |
| १०'२ × ४'५ | ९ | ३१ | " | " | १९४४ | " | |
| १०'५ × ४'५ | ११ | ३८ | " | " | १९०० | " | |
| १०'९ × ४'७ | ८ | ४४ | " | " | १८८६ | " | |
| ९'८ × ४'३ | १२ | ३२ | " | " | १८७५ श० १७४० | " | |
| ९'२ × ५'२ | ९ | ३१ | " | " | १५५९ | " | |
| ९'२ × ४'५ | १२ | ४० | " | " | १८१९ श० १६८४ | " | |
| ९'५ × ३'६ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ८'८ × ४ | १३ | ४६ | " | " | १७२२ | " | |
| ७'३ × ४'५ | १३ | २७ | " | " | श० १६१८ | " | |
| १३'७ × ५'४ | ८ | ५१ | " | " | १९०७ | " | |
| ७'५ × ५'७ | २० | २१ | शारदा | " | | " | मस्तप्रश्नज्ञानं भुवनदीपकं, डाकिनीकल्पश्च । |
| ९'५ × ६'५ | २७ | २४ | " | " | | " | |
| ९'२ × ६'५ | ३० | २८ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ७'५ × ५'५ | २५ | २७ | शारदा | " | | " | गण्डारम्भशान्तिः, लग्नचन्द्रिका, जन्मलग्नफलानि च । |
| ९'४ × ६'५ | २६ | २४ | दे. ना. | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--------------------------------------|--|
| १०००६३ | पट्टपशाशिका सटीका | वराहमिहिरः टी० का०- भट्टोत्पलः | १-९ । |
| १०००६४ | समरसारः सटीकः | रामचन्द्रः टी०का०-भरतः | १-१२ + १ गणनया । |
| १०००६५ | कोष्ठी प्रदीपः | | ४-१६ । |
| १०००६६ | " | रघुनन्दनः | १-३ । |
| १०००६७ | जातकालङ्कारः सटीकः | गणेशकविः | १-२६ । |
| १०००६८ | नक्षत्रचक्रम् | | १ । |
| १०००६९ | विंशोत्तरीमहादशाफलम् | | १, ९, १८-३२ । |
| १०००७० | ज्योतिषशास्त्रसङ्ग्रहः | | १२५ गणनया । |
| १०००७१ | ज्योतिः सारः | राघवेन्द्रः | १-२७, २५-४४, ४८-४९ + ७, १-५० + १४, १-४ + ३४ गणनया । |
| १०००७२ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-३, १, १-६७, ६९-१२९, १३२-१८१ । |
| १०००७३ | शुद्धिदीपिका | | ६० गणनया । |
| १०००७४ | कालचक्रम् | | १-४६ + ३७ गणनया । |
| १०००७५ | कालविधानपद्धतिः | त्रिविक्रमः | १५० गणनया । |
| १०००७६ | द्वादशभावफलम् | | १-१८५ । |
| १०००७७ | ग्रहविचारः | | १५७ गणनया । |
| १०००७८ | जातकपारिजातः | | १-१३३ । |
| १०००७९ | द्वादशभावफलम् | | १-६५ + ४ गणनया, १-१५, १-१९ । |
| १०००८० | फलदीपिका | | १-७६, + ३ गणनया । |
| १०००८१ | सम्बत्सरादिसङ्ग्रहः | | ६४ गणनया । |
| १०००८२ | ज्योतिषसारसङ्ग्रहः | हृदयानन्दशर्मा | १-५५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-------------------------|---|
| ७'७ × ५'७ | ३१ | ३४ | शारदा | का. | | पू० | |
| ९'४ × ६'५ | ३१ | ३७ | दे. ना. | " | | " | |
| १३'२ × ४'२ | ८ | ४४ | वङ्ग | " | | अपू० | |
| १३ × ४ | ८ | ४३ | " | " | | " | |
| १३'१ × ५'१ | १२ | ७१ | दे. ना. | " | १८९० श० १७५५ | पू० | सोपज्ञा टीका । |
| ५'५ × ५ | १६ | २० | " | " | | " | |
| ९'९ × ४ | २४ | ६७ | " | " | | अपू० | पत्रमेकंदशाफलस्य, अन्यानि पत्राणि रघुवंशमहाकाव्यस्य । |
| १५ × १'५ | ९ | ११२ | ग्र० | ता. | | पू० | |
| १४'३ × १'४ | ४ | ६२ | वङ्ग | " | | अपू० | हृदयानन्दकृतज्योतिः सारसङ्ग्रहश्च । |
| १४'८ × १'४ | ३ | ६५ | " | " | | " | वशीकरणादिशावरमन्त्राश्च । |
| १५ × १'२ | ३ | ५७ | " | " | | " | |
| १६ × १'२ | ६ | ३९ | ग्र० | " | | पू० | अन्ते मीमांसाग्रन्थश्च । |
| १२ × १'४ | ९ | ५३ | " | " | | " | चित्सभेशोत्सवसूत्रं, वृषयागविधिः, शङ्करसंहितान्तर्गतग्रहस्यखण्डश्च । |
| १५'४ × १'५ | ८ | ५५ | " | " | | " | नक्षत्रग्रहणमासादिविचारश्च । |
| १३'३ × १'५ | ७ | ४० | " | " | | अपू० | और्ध्वदेहिकक्रियाविधिः आह्निक- पद्धतिश्च । |
| ८'५ × २'१ | १४ | ३३ | " | " | | पू० | |
| १४ × १ | ८ | ४७ | " | " | | अपू० | षट्पञ्चाशिका सव्याख्या, दशाफलश्च । |
| १३'४ × १'४ | ६ | ४० | " | " | | पू० | |
| १७'६ × १ | ३ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १४ × १'२ | ३ | ५९ | वङ्ग | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|-----------------------|-----------------------|
| १०००८३ | जातकफलादि विचारः | | १४२ गणनया । |
| १०००८४ | ज्योतिः सारसङ्ग्रहः | | १-६५ + ४ गणनया १-३२ । |
| १०००८५ | शुद्धिदीपिका | श्रीनिवासः | १-८१ । |
| १०००८६ | वसुनिर्णयः | | १-२ । |
| १०००८७ | मेघमाला | | २-५० । |
| १०००८८ | भृगुसंहिता | | १ । |
| १०००८९ | तिथिचिन्तामणिः | | १-५ । |
| १०००९० | गृहस्थानिकतरुशुभाशुभ-फलम् | | १ । |
| १०००९१ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२, ४-९, १४-२३ । |
| १०००९२ | चन्द्रेश्वरजातकम् | | १-१६ । |
| १०००९३ | हिल्लाजः सटीकः | टी० का०- रामेश्वरः | १-१८ । |
| १०००९४ | षट्पञ्चाशिका | | १-२ + १ । |
| १०००९५ | सङ्क्षसकोष्ठीफलम् | | १-५ । |
| १०००९६ | हिल्लाजदीपिका | नृसिंहः | १-९ । |
| १०००९७ | " | नृसिंहदेवज्ञः | १-१४ । |
| १०००९८ | पाराशरीहोरासटीका | | १-५, १-५ । |
| १०००९९ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२१ । |
| १००१०० | सामुद्रीकम् | | १-४ । |
| १००१०१ | ग्रहगोचरादिविचारः | | २-९ । |
| १००१०२ | दशाचिन्तामणिः | | १-१४ । |
| १००१०३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-६१ । |

| लाकारः | तद्धित- संख्या | प्रसर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|--|
| १०'५ × १'५ | ९ | ३० | ग्र० | ता० | | अपू० | नन्तानगोपालमन्त्रः, पुरुषसूक्तमन्त्रश्च । |
| १३'५ × १'२ | ३ | ७५ | वज्र | " | २० का० १५५१ | पू० | आनन्दलहरी, आनन्दलहरी टीका, टी०का०-गोपीरमणतर्कपञ्चाननः । |
| १५'५ × १'२ | ३ | ६८ | " | " | श० १७४३ | " | |
| १२'७ × ६'५ | ३२ | २२ | दे. ना. | का. | १९५६ | " | लोमशसंहितान्तर्गतः । |
| १०'६ × ५'६ | ११ | ३५ | " | " | १९०६ | अपू० | रुद्रयामलसारोद्धारे । |
| ५'८ × १२'४ | ३५ | १४ | " | " | | पू० | विरामयोगफलम् । |
| ५'१ × ३'१ | ८ | १५ | " | " | १८८७ श० १७५२ | " | |
| ३'९ × ८'७ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ६ | २० | " | " | | अपू० | |
| १०'८ × ४'५ | ८ | ४२ | " | " | | पू० | अष्टवर्गकलाध्यायः अष्टवर्गरेखाफलश्चमात्र । |
| ९'६ × ४'२ | १० | ४५ | " | " | १८५२ | " | |
| १० × ३'५ | ११ | ५४ | मै० | " | | अपू० | |
| ११'२ × ३'५ | ७ | ४१ | वज्र | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'२ | १० | ४० | दे. ना. | " | १८५२ श० १७१७ | " | |
| ११'१ × ४'६ | ८ | ३२ | " | " | १८१७ | " | |
| १६ × ३'४ | ८ | ६६ | वज्र | " | | " | |
| १०'३ × ६'८ | १५ | ३९ | दे. ना. | " | १९१४ | " | |
| १०'६ × ४'१ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ४'४ | ७ | २९ | " | " | १८९७ | " | |
| १०'२ × ३'६ | ७ | ३९ | " | " | १८९९ | पू० | योगिनीदशाफलानि । |
| ९'८ × ४'३ | ११ | २८ | " | " | १८८४ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|---------------|-------------------|
| १००१०४ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-५, १५-२५ । |
| १००१०५ | वेलाविचारः | | १-४ । |
| १००१०६ | प्रश्नाष्टकम् | | १-६ । |
| १००१०७ | जन्मपत्रिका कारिकात्मिका | | ५ गणनया । |
| १००१०८ | ग्रहभावफलम् | | १ । |
| १००१०९ | गौरीजातकम् | | १-३ । |
| १००११० | वास्तुज्ञानम् | | १-१८ । |
| १००१११ | कूपचक्रम् | | १-३ । |
| १००११२ | मुहूर्तदीपकम् | | १-८ । |
| १००११३ | द्वादशभावफलानि | | ४-१० । |
| १००११४ | लग्नवाराही | | १ । |
| १००११५ | नष्टजातकम् | | १ । |
| १००११६ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | १-२६, १०२ । |
| १००११७ | दशाचिन्तामणिः | चिन्तामणिसुतः | १-१४ । |
| १००११८ | व्यवहारप्रदीपः | पद्मनाभः | ३८८ गणनया । |
| १००११९ | भृगुसंहिता | | १-१२८ । |
| १००१२० | मुहूर्तरत्नं सटीकम् | शीतलप्रसादः | १-६८ । |
| १००१२१ | रत्नद्योतः | गङ्गारामः | १-२७ । |
| १००१२२ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-४४ । |
| १००१२३ | व्यवहारप्रदीपः | पद्मनाभः | १६९-१८६ । |
| १००१२४ | व्यवहारसारः | | १-१२ । |
| १००१२५ | बालविवेकिनी | नाह्निदत्तः | १-९ । |

| आकारः | सङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | सं- ख्या | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------------|-----------------|-----------------------|--|
| १०'१ × ५'८ | ९ | २६ | दे. ना. | का. | श० १५३५ | पू० | नेत्राञ्जनञ्च । केरलोक्तम् । ग्रन्थेकभागे च० चि० इति लिखितं वर्तते । |
| ७'२ × ४'७ | १० | २० | " | " | | " | |
| ७'१ × ४'५ | १२ | २१ | " | " | | " | |
| १३ × ८ | १६ | ३४ | ग्र० | " | | " | |
| १३'४ × ४'७ | १८ | २२ | दे. ना. | " | | " | |
| १२'१ × ५'२ | १४ | ४३ | " | " | १८३७ श० १७०२ | " | |
| ९'८ × ४'३ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| ८ × ४'३ | ९ | २४ | " | " | | " | |
| ९ × ५'२ | १५ | २७ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'२ | ७ | २१ | " | " | | अपू० | |
| ८'४ × ४'६ | १५ | ४५ | " | " | | पू० | अमरकोशञ्च । |
| ९'२ × ३'९ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| १२'२ × ५ | १० | ४६ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ | ९ | २९ | " | " | १८७३ | पू० | |
| ९'५ × ४'७ | ८ | २७ | " | " | श० १४३४ | " | |
| १४'२ × ५'३ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| १४'८ × ६'४ | १२ | ५१ | " | " | १८९७ श० १७६२ | " | |
| ९'४ × ४'५ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| ८'२ × ४'३ | ८ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ९'४ × ४'६ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ५'८ × ४'६ | १० | १३ | " | " | १८३० | पू० | |
| ९ × ४'२ | ८ | ३७ | " | " | १८९६ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|----------------|-------------------|
| १००१२६ | केशवीजातकपद्धतिः | केशवाचार्यः | २-७ । |
| १००१२७ | मेघमाला | | १-३३ । |
| १००१२८ | भृगुसंहिता | | १-३८ । |
| १००१२९ | पञ्चाङ्गश्रवणफलम् | | १-७ । |
| १००१३० | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-३८ । |
| १००१३१ | होरास्तम् | बलभद्रः | १-३० । |
| १००१३२ | लघुजातकं सटीकम् | | १-१२ । |
| १००१३३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-२, ४-४७ । |
| १००१३४ | लग्नचन्द्रिका | | १-१३ । |
| १००१३५ | मुहूर्तकल्पद्रुमः | विट्ठलदीक्षितः | १-३० । |
| १००१३६ | जातकालङ्कारटीका | गणेशकविः | १-३० । |
| १००१३७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-५० । |
| १००१३८ | राहुद्वादशभावफलम् | | १-२, १-७ । |
| १००१३९ | मुहूर्तमुक्तावलिः | हरिः | १-३ । |
| १००१४० | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | २-१८ । |
| १००१४१ | हिल्लाजोक्तभावफलम् | | १-२ । |
| १००१४२ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-४१ । |
| १००१४३ | चमत्कारचिन्तामणिः | | ९७ गणनया । |
| १००१४४ | लघुजातकम् | | २-५७ । |
| १००१४५ | ज्योतिषशास्त्रम् | त्रिविक्रमः | १-६ । |
| १००१४६ | होरास्कन्धः | गोविन्दाचार्यः | १-६ । |
| १००१४७ | पारिजातरत्नाकरः | | १ । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|------------------------|-------------------|
| १००१४८ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | टी० का०- रामदैवज्ञः | १५६ गणनया । |
| १००१४९ | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | २७ गणनया । |
| १००१५० | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १-६ । |
| १००१५१ | द्वादशभावफलानि | | २ गणनया । |
| १००१५२ | लघुजातकं सटीकम् | वराहमिहिरः | १-१८ । |
| १००१५३ | ग्रहराशिफलम् | | १ । |
| १००१५४ | लग्नविचारः | | १-३ । |
| १००१५५ | केशवीयजातकपद्धतिः | | १-३ । |
| १००१५६ | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १-२४ । |
| १००१५७ | लग्नजातकम् | | १-६ । |
| १००१५८ | होडाचक्रम् | | १ । |
| १००१५९ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-७ । |
| १००१६० | सूचीपत्रम् | | १-९ । |
| १००१६१ | षट्पञ्चाशिकाटीका | भट्टोत्पलः | १-१० । |
| १००१६२ | जातकपारिजातः | वैद्यनाथः | १-८ । |
| १००१६३ | योगमालिका | | १-४ । |
| १००१६४ | ज्योतिर्मुंकावली | सङ्कर्षणभट्टः | १-४९ । |
| १००१६५ | नष्टजन्मानयनप्रकारः | | १-२ । |
| १००१६६ | लघुजातकवृत्तिः | वराहमिहिरः | २-६ । |
| १००१६७ | जातकार्णवः | | १-६ । |
| १००१६८ | भयूरचित्रकम् | नारदः | १-२० । |
| १००१६९ | चूडामणिसारः | | १-४ । |
| १००१७० | ग्रहगोचरफलम् | | १-५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णावधि- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|----------------------|-------------------------|
| १० × ४'५ | १७ | ५० | दे. ना. | का. | १८२१ | अपू० | नक्षत्रप्रकरणान्तः । |
| १० × ४'५ | ७ | २८ | " | " | १८८४ | पू० | |
| ९'६ × ४'९ | १५ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'४ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| १०'५ × ५'९ | १४ | ४८ | " | " | | पू० | |
| १०'७ × ४'८ | ११ | ४७ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ७ | ३४ | " | " | | " | |
| ८'८ × ३'८ | ३ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'६ | ८ | २३ | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ४'५ | ८ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'९ × ६'४ | २० | २० | " | " | | " | ब्राह्मणपूजाविधिश्च । |
| ७'१ × ४'५ | १३ | २७ | " | " | | " | मुहूर्तगणपतिग्रन्थस्य । |
| ७'९ × ५'५ | १८ | २४ | " | " | | " | |
| ८'९ × ५'५ | २० | ३६ | " | " | १८१० | " | |
| ८'७ × ६ | १२ | ३३ | " | " | १९०७ | " | १७ अध्यायमात्रम् । |
| १२'५ × ४'८ | १२ | ४५ | " | " | १८६० | " | चतुर्थोऽध्यायः । |
| १४'४ × ३'४ | ५ | ४९ | वज्र | " | | " | |
| ९'९ × ४'४ | १४ | ३७ | " | " | | " | |
| १३'४ × ५ | १४ | ६५ | मै० | " | | " | |
| १३'६ × ३ | ४ | ५६ | वज्र | " | | " | |
| १०'९ × ५'१ | ११ | २२ | दे. ना. | " | १८७७ | " | |
| १०'३ × ४'५ | १५ | ४६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | १० | ३० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|--------------|-------------------|
| १००१७१ | बालविवेकिनी | | १-७ । |
| १००१७२ | योगार्णवः | व्यङ्कटेशः | १-१६ । |
| १००१७३ | जातकसारः | | १-८ । |
| १००१७४ | अष्टाविंशतिनक्षत्राणि | | १ । |
| १००१७५ | वर्षग्रहयोगफलम् | | १-१२ । |
| १००१७६ | ग्रहफलवर्णनम् | | १-९, ९-१४ । |
| १००१७७ | जातकपारिजातः | वैद्यनाथः | १-९ । |
| १००१७८ | जातकसारदीपम् | नूहरिः | १-१५० । |
| १००१७९ | केशवीयजातकपद्धत्युदाहरणम् | विश्वनाथः | ७-६३ । |
| १००१८० | ज्योतिर्निबन्धः | शिवदासः | १-५ । |
| १००१८१ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-९, ११-१५ । |
| १००१८२ | जातकपद्धतिः | श्रीपतिः | १-४ । |
| १००१८३ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-६९ । |
| १००१८४ | सर्वार्थचिन्तामणिः | व्यङ्कटेशः | १-१११ । |
| १००१८५ | तत्त्वप्रदीपः | श्रीपतिः | १-९ । |
| १००१८६ | वर्षाविचारः | | १, १-२ । |
| १००१८७ | नरपतिजयचर्या | | १-६० । |
| १००१८८ | मूहूर्तसङ्ग्रहः | | २६ गणनया । |
| १००१८९ | लग्नचन्द्रिका | | १-१३ । |
| १००१९० | मूहूर्तसङ्ग्रहः | | १-१४ । |
| १००१९१ | मूहूर्तचिन्तामणिः | | १-४ (४=५)-२४ । |
| १००१९२ | निषेकमूहूर्तनिर्णयः | सदाशिवः | १ । |
| १००१९३ | द्वादशराशिविधविचारः | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|---------|-------|----------|--------------------|---|
| १०'४×४'४ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | १९१९ | पू० | |
| १०×४'८ | ९ | ४३ | " | " | | " | |
| १०'२×४'४ | ११ | ३१ | " | " | १८८७ | " | उडुदायप्रदीपश्च । |
| १०'५×४ | ९ | ३० | " | " | | " | व्याकरणसम्बद्धलंकाश्च । |
| ६'१×४'२ | १० | ३६ | " | " | १८२३ | " | |
| ८'५×३'५ | ६ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ८'६×४'३ | ९ | २९ | " | " | १९९० | पू० | दशमाध्यायमात्रम् । |
| ८'८×४'७ | १४ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'३×४'८ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ११'४×४'९ | १४ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'५×४'५ | ९ | ३९ | " | " | १९०५ | " | |
| ९'५×४'३ | १३ | ४३ | " | " | | " | |
| ८'५×४'३ | ९ | २४ | " | " | १७८४ | पू० | |
| १०'३×३'५ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १०'६×४'५ | ९ | २९ | " | " | १९०९ | " | पद्यपञ्चाशिकेतिनामान्तरम् । |
| ११'१×४'७ | ९ | ३६ | " | " | १९१३ | पू० | सप्तनाडीचक्रश्च वृष्टिविचारे । |
| १०'४×७'३ | १३ | २८ | " | " | | " | |
| ५'६×४'३ | १३ | १३ | " | " | | " | |
| ८'८×६'२ | १२ | २३ | " | " | | " | |
| ७'३×४ | २१ | १३ | " | " | | " | |
| ९'५×४'१ | १० | ४५ | " | " | | " | गृहप्रवेशप्रकरणान्तम् । |
| ८'६×४'२ | १२ | ३२ | " | " | | " | |
| ६'२×४'५ | ११ | १५ | " | " | | " | अष्टदिक्षु राशीनां वेधविचारः, ग्रहवेधविचारश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|--------------|-------------------|
| १००१९४ | चौघडियामुहूर्तचक्रम् | | १ । |
| १००१९५ | बालविवेकिनी | | १-४ । |
| १००१९६ | मुहूर्तसर्वस्वम् | रघुवीरः | १-२ + १ । |
| १००१९७ | जातकाभरणम् | | १-३ । |
| १००१९८ | प्रश्नसारप्रकाशकः | | ३-१० । |
| १००१९९ | बृहस्पतिकाण्डम् | | १-९ । |
| १००२०० | दिनसङ्ग्रहः | रघुदेवः | १-५१ । |
| १००२०१ | लघुजातकम् | वराहमिहिरः | १-५, ७-१२ । |
| १००२०२ | उडुप्रदीपः | | १-४ । |
| १००२०३ | सिंहस्थगुरुविमर्शः | | १-१२ । |
| १००२०४ | माहेन्द्रमण्डलफलम् | | १ । |
| १००२०५ | ज्योतिस्सागरसारः | भोजराजः | १-६७ । |
| १००२०६ | शनिविचारः | | १ । |
| १००२०७ | केशवीयजातकपद्धतिः | | १-७ । |
| १००२०८ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-५१ । |
| १००२०९ | चन्द्राभरणहोरा | यवनाचार्यः | १-२६, २८-३२ । |
| १००२१० | समाविवेकटीका | माधवः | १-१६ । |
| १००२११ | अष्टोत्तरीदशाचक्रम् | काशीनाथः | १-५ । |
| १००२१२ | बृहज्जातकं सटीकम् | | ७१-७२, ७५-१२८ । |
| १००२१३ | मुहूर्तदीपकम् | महादेवः | १-१३ । |
| १००२१४ | ताजिकनीलकण्ठीटीका | | १-३२ । |
| १००२१५ | मनुष्यजातकम् | | १-२ । |
| १००२१६ | रोगावली | | १-७ । |

| आकारः | रङ्ग- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकाथः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-----------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|--|
| १३'५ × ९'४ | × | × | दे. ना. | का. | १८४० | पू० | शिवाल्लिखितम् । |
| ४'८ × ३'१ | १७ | ३३ | " | " | | " | |
| ६'४ × ३ | ९ | १६ | " | " | | " | सम्बत्सरानयनमात्रम् । |
| ८'६ × ३'६ | ७ | २८ | " | " | १८५० | " | नष्टजातकाध्यायमात्रम् । |
| ९'६ × ४ | ८ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ९'९ × ४'४ | ९ | २७ | " | " | १८५१ | पू० | |
| १३'५ × ३ | ५ | ५८ | वज्र | " | श० १६३३ | " | |
| ९'२ × ४'२ | ९ | ३३ | दे. ना. | " | १८७५ | अपू० | |
| ९'७ × ३'२ | ७ | ३९ | " | " | | " | सप्तमपरिच्छेदः । |
| ८'३ × ६'५ | १६ | १७ | " | " | | " | |
| २६'४ × ५'९ | २८ | १४ | " | " | | " | वर्षकुण्डली च । |
| १३'८ × २'८ | ४ | ३७ | वज्र | " | श० १७२४ | पू० | अन्तिमपृष्ठे होरानिरूपणञ्च । |
| ८'१ × ६'२ | २१२ | ११ | दे. ना. | " | | " | वर्षकुण्डली च, द्वादशराशिशनि- फलम् । |
| ९'५ × ४'६ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १० × ४'३ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'५ | १० | ३० | " | " | १९१२ | अपू० | विशोत्तरीदशाफलम् । |
| १०'८ × ४'९ | १२ | ५२ | " | " | १९२० | पू० | |
| १० × ४'३ | ९ | २७ | " | " | | " | चन्द्रकुण्डलीविचारश्च । |
| १०'७ × ४'५ | १४ | ४१ | " | " | | अपू० | टी०-विवृतिः । |
| ९'८ × ४'८ | ९ | ३३ | " | " | १८०६ | पू० | |
| १० × ४'३ | ९ | ३२ | " | " | १८९० | " | योगाध्यायस्य । |
| ७'९ × ४'१ | १२ | ३१ | " | " | | " | |
| ८'२ × ३'२ | ७ | ३२ | " | " | | " | नक्षत्रानुसारं रोगिणः नैरुज्यकाल- ज्ञानसाधनम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|----------------|----------------------------------|
| १००२१७ | वर्षपत्रोदाहरणम् | | १९४ गणनया । |
| १००२१८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-२९ । |
| १००२१९ | ताजिकनीलकण्ठीटीका | विश्वनाथः | १-२, ४-३१ । |
| १००२२० | सूक्ष्मजातकं सटीकम् | भट्टोत्पलः | १-४९, ५१-५२, ७०, ७४-८६, ९१-१०५ । |
| १००२२१ | नवग्रहवयोऽवस्थादिः | | १ । |
| १००२२२ | ज्योतिषकल्पतरुः | | १-१० । |
| १००२२३ | जातकचन्द्रिका | | १, ३-४ । |
| १००२२४ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-१२ । |
| १००२२५ | मुहूर्तसारः | | १-८ । |
| १००२२६ | पाराशरसूत्रम् | | १-१३ । |
| १००२२७ | पद्धतिकल्पवल्ली | विट्ठलदीक्षितः | १-४ । |
| १००२२८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | ४१-७२, ७४-७५ । |
| १००२२९ | बृहज्जातकम् | | १-१५ । |
| १००२३० | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १-१०, १२-१८ । |
| १००२३१ | मुहूर्तविचारः | | १२, १६ । |
| १००२३२ | सङ्ग्रहमञ्जरी | विश्वनाथः | १-६० । |
| १००२३३ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | १-४६ । |
| १००२३४ | जैमिनीसूत्रं सव्याख्यम् | | १-५, ७-१९ । |
| १००२३५ | लग्नचन्द्रिका | | १-२५ । |
| १००२३६ | मुहूर्तमार्त्तण्डः सटीकः | नारायणः | १-८२, १०५-१४१ । |
| १००२३७ | स्वरोदयः सटीकः | | १-६२ । |
| १००२३८ | जातकालङ्कारः | गणेशदेवज्ञः | ६-२१ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपिर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|--|
| ७'१ × ५'७ | × | × | दे. ना. | का. | | पू० | करणरोतिमनुसृत्य ग्रहादीनां स्पष्टी- करणमन्यान्यतत्सम्बन्धिगणितश्च । |
| १०'६ × ४ | ११ | ३९ | " | " | १८७५ श० १९४० | अपू० | |
| १०'३ × ४'४ | ९ | ४२ | " | " | | " | |
| ७'८ × ४'७ | ११ | ३० | " | " | १६१९ श० १४८४ | पू० | |
| ११ × ५'२ | ४९ | १४ | " | " | | " | |
| १२'२ × ५'६ | ११ | ३८ | " | " | | " | वर्षेशादिफलम् । |
| ९ × ४'७ | ७ | ३२ | " | " | | अपू० | उडुदायप्रदीपो वा । |
| ९'५ × ४'५ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| १०'८ × ५'१ | १३ | ३५ | " | " | | पू० | |
| १०'६ × ५'३ | ८ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ४ | १४ | ४३ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ३'८ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ४'३ | ६ | २६ | " | " | | पू० | अ० १-४ । |
| ९'२ × ४'५ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ८'२ × ४'२ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ८'८ × ५'३ | ११ | २४ | " | " | | " | |
| ६'२ × ४'८ | १५ | १८ | " | " | | " | |
| १२'३ × ८ | २१ | ६१ | " | " | १९४२ | " | टी०-नाम-सुबोधिनी । |
| ११'६ × ५'२ | १० | ४० | " | " | | " | |
| १०'५ × ५'२ | १२ | ३९ | " | " | १९०५ | " | |
| १०'६ × ४'३ | ७ | २६ | " | " | | पू० | |
| ९'४ × ५ | ७ | २३ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------|------------------------|
| १००२३९ | द्वादशभावफलम् | | १-१०, १२-१९, १ । |
| १००२४० | षट्पञ्चाशिकाविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-४ । |
| १००२४१ | नवरोजविचारः | | १ । |
| १००२४२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-११, १३-१६ । |
| १००२४३ | मुहूर्तसर्वस्वम् | रघुवीरः | १-१९ । |
| १००२४४ | जातकाभरणम् | | १-६, ६-१०, १४-१८, १६ । |
| १००२४५ | मुहूर्तकल्पद्रुमः | विट्ठलदीक्षितः | १-५४ । |
| १००२४६ | नक्षत्रचूडामणिः | | १-१३ । |
| १००२४७ | जैमिनिसूत्रं सटीकम् | | १-३२ । |
| १००२४८ | ताजिकनीलकण्ठी टीका | गोविन्दः | १-११ । |
| १००२४९ | पञ्चस्वरा | | १-१६ । |
| १००२५० | लघुजातकम् | वराहमिहिरः | १-१६ । |
| १००२५१ | सम्बत्सरविधिः | | १-३१ । |
| १००२५२ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | १-३५, ३५-३७ । |
| १००२५३ | लग्नकुण्डलीविचारः | | १-१२ । |
| १००२५४ | लग्नजातकम् | | १-३ । |
| १००२५५ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-३२ । |
| १००२५६ | " | | १-८ । |
| १००२५७ | योगिनीदशाफलम् | राजर्षिः | १-११ । |
| १००२५८ | राशिफलम् | | १-४ । |
| १००२५९ | योगिनीदशा | | १-९ । |
| १००२६० | पद्मकोशः | | १-१४ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रकार- संख्या | निधि. | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|-------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ९×४३ | ८ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९'५×४ | ८ | ३५ | " | " | | पू० | मिश्राध्यायः । |
| ९'८×९ | × | × | " | " | | " | |
| ९×४ | ८ | ३१ | " | " | | अपू० | विवाहप्रकरणं द्विरागमनञ्च । |
| ९'३×४'१ | ९ | ३० | " | " | | पू० | सम्बत्सरप्रकरणान्मिश्रप्रकरण- पर्यन्तम् । |
| ८'३×४ | १० | ३७ | " | " | | अपू० | प्रारम्भाद्द्वादशभावान्तम् । |
| ९'४×४'५ | १० | २९ | " | " | १९०२ | पू० | |
| ९'४×५'५ | १२ | २९ | " | " | | अपू० | |
| ९'६×४ | ९ | ४० | " | " | | " | उपदेशसूत्रं वा । |
| ९'३×४'४ | ११ | ३४ | " | " | | " | टी०-रसालाख्या । संज्ञाविवेकप्रकर- णम्, सत्यनारायणपूजाविधिश्च । |
| १०'८×४'५ | ८ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'३×४'१ | ८ | ३१ | " | " | १८८८ श० १७५३ | पू० | |
| ८'७×३'९ | ९ | २४ | " | " | | " | |
| ९'५×४'६ | ९ | २८ | " | " | १८४४ | अपू० | |
| ५'७×३'२ | ७ | २९ | " | " | १८९० | पू० | यात्रावाराही च । |
| ९'४×४'२ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ६'८×३'२ | ६ | १७ | " | " | १९१९ | " | |
| ८'३×४'५ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| ९×४'१ | ३४ | ८ | " | " | | " | |
| ९'३×४'१ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'३×४'२ | ११ | २७ | " | " | १८८८ | " | |
| ९'३×३'५ | ८ | ३८ | " | " | १९२३ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|--------------|--|
| १००२६१ | राशिफलम् | | १-७ । |
| १००२६२ | सारोद्धारः | | १, १-१२, १-११, २ । |
| १००२६३ | शिवलिखितम् | | १-२ । |
| १००२६४ | जातकालङ्कारः | गणेशः | ४९ गणनया । |
| १००२६५ | अष्टोत्तरीदशा | | १-७ । |
| १००२६६ | चमत्कारचिन्तामणिः | नारायणभट्टः | १-१९ । |
| १००२६७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-१०, १३, १७-२८, ३७-४७; ४९-६०, ६३, ७०-७६ । |
| १००२६८ | स्त्रीलक्षणम् | | १-२ । |
| १००२६९ | मेघमाला | शङ्करः | २-१८ । |
| १००२७० | स्वप्नदर्शनम् | | १-७ । |
| १००२७१ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-८ । |
| १००२७२ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-२३, ३०-५७ + १ । |
| १००२७३ | बृहत्संहिता | वराहमिहिरः | २-२२ (२२ = २३)-२९, ३५-४५, ६२-८८, ९०-९८, १०३-१२५, १३२-१३३, १३८-१४८, १५०-१५२, १५४-१५६, १७५ । |
| १००२७४ | होराप्रदीपः | दामोदरः | १-६५ । |
| १००२७५ | शम्भुहोराप्रकाशः | पुञ्जराजः | १-३८ । |
| १००२७६ | वर्षप्रवेशसारणी | | १ । |
| १००२७७ | लघुपाराशरी | | १-३ । |
| १००२७८ | वर्षप्रवेशसारिणी | | १ । |
| १००२७९ | प्राणपदसाधनम् | | १ । |
| १००२८० | दृष्टसाधनप्रकारः | | १-२ । |
| १००२८१ | मयूरचित्रकम् | | १-१६ । |

| आकारः | गुक्ति- संख्या | अक्षर संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकारः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|-------------------|-----------------|--------|-------|-----------------|------------------------|--|
| १०'७×४'३ | ८ | ३५ | दे.ना. | का. | | पू० | प्रश्नयन्त्रं, ग्रहगोचरदशाफलानि च । |
| ६'६×४'४ | १० | २२ | " | " | १९४६ | " | |
| ६'२×४'६ | ८ | १८ | " | " | श० १७७७ | " | |
| ६'८×३'८ | ८ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ६'२×४'७ | ११ | १७ | " | " | | पू० | |
| ६'६×४'४ | ७ | १९ | " | " | | " | |
| ७'९×४ | ७ | २४ | " | " | १८६८ | अपू० | |
| १२×४'४ | १३ | ५० | " | " | | " | षष्टिमन्वत्सरनामानि च । |
| १०'४×४'३ | १३ | ४० | " | " | | " | |
| ९'३×४'४ | १० | ३६ | " | " | १८६८ | पू० | |
| ९'३×४'३ | ७ | २३ | " | " | | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते भगवन्नन्दनारायण नारदभम्वादे । |
| ९'५×४'२ | ८ | २८ | " | " | १८५१ श० १७१७ | " | |
| ९'९×४'३ | ९ | ३२ | " | " | १५०३ | " | |
| १३'२×५'२ | ७ | ३९ | " | " | | पू० | शुभाशुभप्रकरणम् । |
| १३'२×५'१ | ८ | ३७ | " | " | १८९४ | " | |
| ९'५×४'१ | १२ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ९'४×४'२ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'८×३'९ | १५ | ३३ | " | " | | " | |
| ८'१×५'७ | २१ | २३ | " | " | | " | |
| १०'६×४'६ | १२ | ४१ | " | " | | " | |
| १०'५×५ | ११ | ३० | " | " | १९०३ | " | प्रश्नादिविचारश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|--------------------------|-------------------|
| १००२८२ | प्रस्थानमुकुटः | | १-४ । |
| १००२८३ | गजचक्रम् | | १ । |
| १००२८४ | कोटचक्रम् | | १-६ । |
| १००२८५ | सूर्यकालानलम् | | १ । |
| १००२८६ | अष्टकवर्गः | | १-३ । |
| १००२८७ | त्रिपताकीचक्रम् | | १ । |
| १००२८८ | वर्षगणितम् | | १-१५ । |
| १००२८९ | इष्टदीपिका | भूधरशिष्यः | २-३ । |
| १००२९० | नष्टजातकम् | | १-२ । |
| १००२९१ | खेटकौतुकम् | | १-३ । |
| १००२९२ | वास्तुराजवल्लभमण्डनम् | | १-१३ । |
| १००२९३ | अरिष्टविचारः | | १-४ । |
| १००२९४ | हिल्लाजरत्नम् | | १-२३ । |
| १००२९५ | कोटचक्रम् | | १-५ । |
| १००२९६ | इष्टशोधनविधिः | | १-२ । |
| १००२९७ | राजावली | | १-१२ । |
| १००२९८ | लघुपाराशरी सटीका | पराशरः | १-७ । |
| १००२९९ | ताजिकभूषणम् | गणेशः | १-४१ । |
| १००३०० | हिल्लाजताजिकम् | | १-२६ । |
| १००३०१ | ताजिककौस्तुभः | बालकृष्णभट्टः | १-२८ । |
| १००३०२ | ताजिकरत्नाकरः | चिरञ्जीव- भट्टाचार्यः | १-५८ । |
| १००३०३ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१८ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | का. क्रमांकः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-----------------|------------------------|------------------------|-------------------------|
| ७'३ × ३'८ | १२ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १० × ४ | ८ | ३६ | " | " | | पू० | अश्वचक्रश्च । |
| १०'१ × ४'४ | १० | ३० | " | " | १८५० | " | |
| ९'५ × ५ | १६ | ३३ | " | " | | " | चन्द्रकालानलश्च । |
| ९'९ × ६'३ | १७ | १३ | " | " | | अपू० | |
| १२'५ × ६'३ | १५ | ३५ | " | " | | पू० | देशोदयचक्रश्च । |
| ७'५ × ४'२ | १० | ३२ | " | " | १८५७ श० १७२२ | " | |
| १० × ४'५ | १० | ४० | " | " | १८७२ र० का० १६६२ | अपू० | |
| ८'२ × ३'९ | १० | ३७ | " | " | | पू० | रुद्रयामलतन्त्रोक्तम् । |
| १०'७ × ४'७ | ६ | २५ | " | " | | अपू० | राजयोगाध्यायमात्रम् । |
| ९'८ × ४'४ | ७ | ३४ | " | " | | " | |
| ५'८ × ८'३ | ३५ | ३२ | " | " | | पू० | |
| १० × ४'८ | ७ | २६ | " | " | १८६५ | " | |
| ९'७ × ४'३ | १० | ३२ | " | " | १८५३ | " | |
| ११'३ × ४'८ | ९ | ४५ | " | " | | " | लग्नविचारश्च । |
| ९'८ × ४'२ | १० | ३३ | " | " | श० १७६८ | " | |
| ९'६ × ४'४ | १० | ३९ | " | " | १८६१ | " | |
| ९'५ × ४'१ | १० | ३० | " | " | १८६३ | " | |
| ८'४ × ६'५ | १३ | २१ | " | " | १८६१ | अपू० | |
| ८'९ × ४'४ | १३ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ४ | ९ | २६ | " | " | १७६१ श० १६२६ | " | |
| ९ × ४'१ | १३ | ३३ | " | " | १७४९ | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|---------------------------|---|
| १००३०४ | राजावली | | १-२४ । |
| १००३०५ | दृष्टिसारिणी | | १-५ । |
| १००३०६ | राजावली | | १-१३ । |
| १००३०७ | विंशोत्तरीदशानयनम् | | ५ गणनया । |
| १००३०८ | ग्रहवलगणना | | ३-४ । |
| १००३०९ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-१० । |
| १००३१० | केशवीयजातकपद्धति-टीका | केशवः टी०का०-विश्वनाथः | १-१११ । |
| १००३११ | केशवीयपद्धतिव्याख्या | नारायणदैवज्ञः | १-७३ । |
| १००३१२ | होरारत्नम् | बलभद्रः | १-३२०, ३२०-३६३ । |
| १००३१३ | ज्योतिषपत्री | नीलकण्ठः | १-१६ । |
| १००३१४ | सम्बत्सरज्ञानार्थसारिणी | | ४ गणनया । |
| १००३१५ | वृद्धिसम्बन्धिगणितम् | | २० गणनया । |
| १००३१६ | तत्त्वसिद्धान्तचन्द्रिका | | ३१-५२, ६३-८३, ८३-८४, ८९, ९६-९९, १०-११४; ११९, १२२-१४०, १४३ + १ । |
| १००३१७ | साधनसुबोधः | गोविन्दाचार्यः | १-५ । |
| १००३१८ | अवंकडहाचक्रम् | | ३-६ । |
| १००३१९ | महादग्धः | | १ । |
| १००३२० | प्रश्नमाणिक्यमाला | परमानन्दः | १-६७ । |
| १००३२१ | स्वप्नाध्यायः | | १ । |
| १००३२२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | २६ गणनया । |
| १००३२३ | जातकरत्नम् | | १-५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|--|
| १०'७ × ४'४ | ७ | ३२ | दे. ना. | का. | | अपू० | अधिमासपर्यन्तम् । |
| १० × ४'४ | २० | ३० | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'२ | ११ | ३४ | " | " | श० १७५८ | " | |
| १४ × ५'१ | ४५ | २४ | " | " | | अपू० | आदितः केतुमध्ये शुक्रान्तदिशामात्रम् |
| ८'६ × ४'७ | १३ | ३० | " | " | | " | स्थानादिबलविचारः । |
| ६'९ × ४'९ | ८ | २४ | " | " | १८९३ | पू० | |
| ५ × ४ | ९ | २५ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ५'१ | ११ | ५० | " | " | | पू० | |
| १३'२ × ४'८ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ५'७ × ८'७ | ४२ | १७ | शारदा | " | | " | पञ्चाङ्गसारिणी । |
| ८'३ × ६'५ | × | × | दे. ना. | " | | पू० | |
| ११'५ × ७'६ | × | × | " | " | | अपू० | तिथौ, लग्ने, इष्टकाले, मासे च अस्य प्रयोजनमुद्दिश्यगणितप्रदर्शितम् । |
| ११ × ४'७ | १२ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | ६ | ३४ | " | " | १९०७ | पू० | जन्मपत्रिकानिर्माणप्रकारः । |
| ९'७ × ४'२ | १३ | ५१ | " | " | | अपू० | |
| १२'४ × ३ | ४ | ५० | वङ्ग | " | | पू० | |
| १४ × ५ | ११ | ३७ | दे. ना. | " | | अपू० | आदितःषष्ठस्थानपृच्छांशश्च । |
| १८ × ४ | ९ | ७२ | वङ्ग | " | | " | |
| १८'८ × ६'४ | ११ | १५ | दे. ना. | " | श० १७१८ | " | मराठीभाषायां शिवस्तोत्रम्, पाण्डु- रोगादिचिकित्सा, शकुनवन्ति, औषधसङ्ग्रहः, सामुद्रिक लक्षणञ्च आदौ तुलसीकृतपदञ्च । |
| १०'१० × ४'५ | ९ | ३३ | " | " | | पू० | भावप्रकरणमात्रम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|---------------------------------------|------------------------|
| १००३२४ | स्पन्दनचरित्रम् | | १ । |
| १००३२५ | शिशुबोधः | रामसिंहः | ४५-७५ । |
| १००३२६ | ज्योतिस्सागरसारः | मथुरेशः | १-२, ४-२७ । |
| १००३२७ | वशिष्ठसंहिता | | २, ६-९, १४-१७, १९-२८ । |
| १००३२८ | जातकग्रन्थविषयानु- क्रमणिका | | १-४ । |
| १००३२९ | सत्कृत्यमुक्तावली | रघुनाथः | १-५६ + ५ । |
| १००३३० | ताजिकभूषणम् | गणेशः | १-४४ । |
| १००३३१ | ज्योतिस्सारः | धर्मध्वानः | १-३२ । |
| १००३३२ | समयप्रदीपः | हरिहराचार्यः | १-३३ । |
| १००३३३ | ज्योतिस्तत्त्वम् | | ३३-३७, ४२-४८ । |
| १००३३४ | स्पन्दनचरित्रम् | | १ । |
| १००३३५ | लग्नमानम् | | ४ गणनया । |
| १००३३६ | गृहारम्भकालादिनिर्णयः | | १ । |
| १००३३७ | जातकार्णवकौमुदी | गोविन्दानन्द- कविकङ्कणा- चार्यः | १-१६ । |
| १००३३८ | कर्मविपाकः | | १-७५ । |
| १००३३९ | विष्टिविचारः | | १ । |
| १००३४० | मन्त्रदीक्षाकालफलम् | | १ । |
| १००३४१ | गौरीजातकम् | | १२ गणनया । |
| १००३४२ | अष्टवर्गाः | | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|--------------------|-----------------------|--|
| ९'४ × ३ | ६ | २८ | वङ्ग | का. | वङ्गाक्षरः १२५२ | पू० | अङ्गस्फुरणफलं वा । |
| ८'९ × २'८ | ६ | ३८ | मै० | " | | "* | जातकसङ्ग्रहो वा सानुक्रमणिकः । |
| १६'१ × २'९ | ५ | ५७ | वङ्ग | " | श० १६६५ | अपू० | १-५ अध्यायाः वारगुणककथनात् प्रतिमासं द्रव्यमहाध्वं सौलभ्यकथन- पर्यन्ता । |
| ७'६ × ३'७ | १२ | ३६ | मै० | " | | " | १-८ अध्यायाः । |
| ९ × २'७ | ९ | १३ | " | " | | पू० | पत्रपृष्ठे सप्तशलाकादिचक्रश्च । |
| १३'१ × ३'४ | ६ | ४० | वङ्ग | " | श० १८१० | " | राशिविवेकमारभ्यरोगव्यवस्था- विवेकपर्यन्ता सूचीपत्रसाहता । |
| ९'१ × ४'७ | १० | २९ | दे. ना. | " | १८३३ | " | |
| १७'८ × ३'५ | ६ | ७० | वङ्ग | " | श० १६९७ | " | परिच्छेदः । |
| १८'३ × ३'१ | ६ | ७७ | " | " | श० १६७२ | " | |
| १७'२ × ३'२ | ६ | ८१ | " | " | | अपू० | जातभद्रतादिजन्ममरणकालयोर्मोक्ष- निर्णयान्तम् । |
| १८'६ × ३'४ | ७ | ७९ | " | " | | पू० | काकवात्ताञ्च । |
| १७'६ × ३ | × | × | " | " | | अपू० | |
| १३'२ × ३'२ | ५ | ४२ | " | " | | " | |
| १६'८ × ३'२ | ९ | ६८ | " | " | | पू० | अर्थरत्नप्रसाराख्यः । |
| १६'९ × ३'८ | ८ | ६२ | " | " | श० १७१४ | " | भरतभृगुसम्वादरूपः । |
| १७'९ × ४'३ | ११ | ४२ | " | " | | " | मृत्युयोगविचारश्च । |
| १८'२ × ३'२ | ६ | ६१ | " | " | | अपू० | पृष्ठे सामान्यनिरुक्तिगादाधरो पत्रिका च । |
| १५ × ३ | ९ | ६९ | " | " | | " | काकचरित्रश्च । |
| १२ × ३'६ | ६ | ७८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|------------------------|------------------------|
| १००३४३ | ज्योतिषसागरः | | १-५ + ४ । |
| १००३४४ | ज्योतिषसागरसारः | मथुरेशः | १-२६ । |
| १००३४५ | होडाचक्रम् | | १ । |
| १००३४६ | ज्यातिषसुबोधः | पक्षधरः | १-३६, + २, १-३ । |
| १००३४७ | शोघ्नबोधः | काशीनाथः | १-३८ । |
| १००३४८ | कृत्यसङ्ग्रहः | | १-२१ । |
| १००३४९ | शुभाशुभयोगनिर्णयः | | १-२ । |
| १००३५० | प्रश्नसङ्ग्रहः | हरिभट्टः | १-१० । |
| १००३५१ | नवग्रहराज्यफलम् | | १-११ । |
| १००३५२ | प्रश्नभैरवः | | २०-२५, ७ + १ । |
| १००३५३ | आर्द्रादिफलम् | | १४-१६, १८-२० । |
| १००३५४ | मैघमाला | | १-२३ । |
| १००३५५ | तिथ्यादिपत्रम् | मकरन्दः | १-४ । |
| १००३५६ | नरपतिजयचर्या टीका | टी०का०-आगम- नारायणः | १-१०, १-१२ + १ । |
| १००३५७ | नरपतिजयचर्या | | २९-३१, ३३-६६, ७३-७७ । |
| १००३५८ | ज्योतिःस्सारः | महेशपञ्चाननः | १-११ । |
| १००३५९ | अष्टोत्तरीदशाफलम् | | १-३ + १ । |
| १००३६० | नीलकण्ठीपद्धतिः | | २१ गणनया । |
| १००३६१ | कालज्ञानम् | | १-२ । |
| १००३६२ | जातकदीपिका | | १-९ + ३ । |
| १००३६३ | योगमानानिरूपणम् | | १-२ । |
| १००३६४ | सत्कृत्यमुक्तावली | रघुनाथः | १-१५, ५९, ६६, ६७ + २ । |
| १००३६५ | चन्द्रादिशुद्धिः | | १-२ । |

| आकारः | रङ्ग- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिनामः | पूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-----------------|------------------|---------|-------|----------|------------------|---|
| १४'२ × २'४ | ६ | ६८ | वज्र | का. | | अपू० | |
| १३'३ × २'९ | ७ | ५१ | " | " | श० १६३२ | पू० | १-५ अध्यायाः । |
| १४ × ३'१ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १०'३ × १'३ | ४ | ५१ | मै० | " | ल०सं ५२१ | " | सूचीपत्रसंहितम्, अपराधमुन्दर- स्तोत्रञ्च । |
| ८'१० × २'८ | ६ | ४६ | " | " | श० १८२६ | " | |
| ९'२ × ४'१ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | बुद्धिप्राप्तो वा । |
| ९'५ × ३'२ | ७ | ३८ | वज्र | " | | " | अशुभयोगप्रसवश्च । |
| ५ × ४'३ | ११ | १५ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ६'९ × ४'९ | ११ | ५८ | " | " | | अपू० | सम्बत्सरे । |
| ८'८ × ४ | ५ | २८ | " | " | १९१६ | " | |
| १०'५ × ५'३ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| १४ × ५'३ | ११ | ६० | मै० | " | | पू० | |
| ११'६ × ४'७ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| १२'६ × ४'५ | ९ | ५० | वज्र | " | | अपू० | |
| १० × ४'१ | ९ | ४५ | दे. ना. | " | | " | |
| १४'५ × ४'४ | १० | ५४ | वज्र | " | | पू० | |
| १६'६ × २'७ | ७ | ५६ | " | " | | " | |
| १५'७ × ३'५ | ५ | ४५ | " | " | | अपू० | संज्ञातन्त्रे १-३ अध्यायाः । |
| १४'१ × ३'१ | ८ | ५० | " | " | | " | |
| १३'१ × ३'३ | ७ | ४८ | " | " | श० १८५० | पू० | १-५ अध्यायाः सूचीपत्रसंहिता । |
| १३'७ × ३'४ | ९ | ४० | " | " | | " | द्वादशमासानाम् । |
| १३'६ × ३'५ | ६ | ५७ | " | " | | अपू० | आदिपत्रपृष्ठे अमरकोशाश्च । |
| १३'१ × ३'१ | ८ | ४८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|--------------|------------------------|
| १००३६६ | काकचरितम् | | १-२ । |
| १००३६७ | ज्योतिषसारसङ्ग्रहः | | १-१७ । |
| १००३६८ | मुहूर्तग्रन्थः | | १-६ । |
| १००३६९ | त्रिपताकीचक्रम् | | १-६ । |
| १००३७० | लोमशसंहिता | | १-२४ । |
| १००३७१ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | रामदेवज्ञः | १-१९ । |
| १००३७२ | व्यवहारसारः | गिरिधरभट्टः | ५-९ । |
| १००३७३ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ४० । |
| १००३७४ | जन्मकुण्डलीविधानम् | | ३ । |
| १००३७५ | निर्याणाध्यायः | मुखदेवः | १-१० । |
| १००३७६ | जैमिनीसूत्रम् | | १-२८ । |
| १००३७७ | द्वादशभावफलम् | | २, ४-१० । |
| १००३७८ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | १-६ । |
| १००३७९ | कुण्डलीग्रहफलम् | | २-३ । |
| १००३८० | अन्तर्दशानिरूपणम् | | २ गणनया । |
| १००३८१ | टोडरानन्दः | | १-१३८ । |
| १००३८२ | भावफलम् | | २ गणनया । |
| १००३८३ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ३ + १-२९, १७-१८ + ३९ । |
| १००३८४ | " | " | ६-२६, २८-३२ । |
| १००३८५ | सुदर्शनचक्रादिविवरणम् | | १-५ । |
| १००३८६ | योगिनीदशा | | २-९ । |
| १००३८७ | वास्तुचक्रम् | | १-६ । |
| १००३८८ | बुद्धवासिष्ठसंहिता | | १-२५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | निधिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|---|
| १४ × ३६ | ७ | ५८ | वज्र | का. | | पू० | |
| ९८ × ४१ | ८ | २९ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ९१ × ४५ | १० | २६ | मै० | " | | पू० | गृहप्रकरणम्, दिग्भेदेन गृहवासफलञ्च । |
| १० × ४३ | ८ | ४० | " | " | | " | पताकीविधर्निर्णयश्च । |
| १०९ × ४५ | ९ | ३८ | दे. ना. | " | | अपू० | १-९ अध्यायाः । |
| ९८ × ४३ | ९ | ३४ | " | " | श० १७११ | पू० | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| ९४ × ४१ | ९ | ३६ | वज्र | " | १६९८ | अपू० | |
| ९२ × ३५ | ८ | २६ | दे. ना. | " | | " | |
| ९६ × ४२ | ११ | ४० | " | " | | " | निषेकदिवसाज्जन्मलग्नज्ञानम् । |
| ९३ × ४१ | १४ | ४४ | " | " | १८९१ | पू० | |
| १०५ × ४६ | १२ | ४९ | मै० | " | श० १८२८ | " | |
| ११३ × ४८ | ९ | २७ | " | " | | अपू० | दशाक्रमश्च । |
| १० × ४३ | १३ | ३६ | " | " | श० १७१० | " | |
| ६८ × ३९ | ७ | २५ | दे. ना. | " | १९३९ | " | |
| १२२ × ४५ | २४ | ११ | " | " | | " | |
| ९८ × ४५ | १० | ३३ | " | " | | पू० | ज्योतिषसौरव्यमिति नामान्तरम् । |
| ११५ × ५ | १३ | ४० | मै० | " | | अपू० | |
| ७३ × ४६ | ८ | १९ | दे. ना. | " | | " | षट्पञ्चाशिका, सुभाषितञ्च । |
| ९५ × ५ | १२ | ३७ | " | " | १८६६ | " | |
| १०५ × ५३ | १२ | ३८ | " | " | १८९९ | पू० | |
| १०१ × ४४ | ९ | २८ | " | " | १८९१ | अपू० | |
| ९७ × ४६ | १० | ३६ | " | " | | पू० | |
| १५ × ४५ | १० | ४६ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|-------------------------------------|
| १००३८९ | बृहज्जातकम् | | २-४१ । |
| १००३९० | मुहूर्तमार्तण्डटीका | | १-१०, १२-५७, ९७-१०३ । |
| १००३९१ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | २-४२ । |
| १००३९२ | शिशुबोधः | | १-१० । |
| १००३९३ | जातकालङ्कारः | | १-८ । |
| १००३९४ | जन्मपत्रलेखनक्रमः | | १-३१ । |
| १००३९५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | ८-५७ । |
| १००३९६ | शीघ्रबोधः | | १-१६ । |
| १००३९७ | जन्मपत्रीलेखनक्रमः | विश्वनाथः | १-३१ । |
| १००३९८ | तिथिनक्षत्रफलम् | | ४ गणनया । |
| १००३९९ | गृहनिर्माणचक्रम् | | १ । |
| १००४०० | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | | १-१ (= २)-१०१, ९२-११६, ११९-१८८ । |
| १००४०१ | द्वादशभावफलम् | | १-८ । |
| १००४०२ | शिवोक्तमुहूर्तविचारः | | २-१२ । |
| १००४०३ | केन्द्रीफलम् | | १-१४ । |
| १००४०४ | नाक्षत्रपचीसी | | १-३ । |
| १००४०५ | शीघ्रबोधः | | १-३ । |
| १००४०६ | ग्रहगोचरफलम् | | १-२ । |
| १००४०७ | पञ्चाङ्गफलम् | | २-१९ । |
| १००४०८ | नाक्षत्रदत्तपञ्चाशिका | | १-६ । |
| १००४०९ | ज्योतिषरत्नमाला | | २-४१ । |
| १००४१० | मुहूर्तसर्वस्वम् | | १-१५ । |

| आकारः | तङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | क्रमांकः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|----------|----------|------------------------|----------------------------------|
| ११'७ × ५'७ | ७ | ३१ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ९'५ × ४'२ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| १०'७ × ३'८ | ८ | ४३ | " | " | | " | १-६ अ० । |
| ११'५ × ४'२ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| ९ × ३'९ | १० | २७ | " | " | १७०६ | पू० | |
| ९'५ × ५ | १० | २७ | " | " | १८५४ | अपू० | |
| ९ × ४ | ७ | २७ | " | " | | " | विवाहप्रकरणम् । |
| ९'८ × ४'१ | १० | ३३ | " | " | १८५२ | पू० | |
| ४'४ × ३'४ | ५ | ११ | " | " | | अपू० | |
| २४'३ × १८'६ | × | × | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ८'५ | १५ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| १४'३ × ३ | ७ | ५५ | वज्र | " | | पू० | |
| ९'१ × ४ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १५ × ३'८ | ६ | ४२ | वज्र | " | | पू० | ज्यौतिःप्रदीपमूलत्रिकोणादिफलम् । |
| ११'१ × ३'९ | ९ | ४६ | मै० | " | | " | |
| ६'५ × ४'२ | ८ | २४ | दे. ना. | " | | अपू० | योगफलपर्यन्तो भागः । |
| १३'३ × २'८ | ५ | ५६ | वज्र | " | | पू० | |
| ९'३ × ४'२ | ९ | ३२ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १२ × ४'७ | ९ | ४६ | मै० | " | | पू० | |
| ९'६ × ४'९ | १० | ३१ | दे. ना. | " | १८६९ | अपू० | |
| ९'७ × ४'४ | १० | ३४ | " | " | | " | यात्राप्रकरणपर्यन्तम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---|--------------------|---------------------|
| १००४११ | युद्धद्योत्सवः | | २-१६ । |
| १००४१२ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-४५, ४८-५१ । |
| १००४१३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-२, ७-१५, १८-६२ । |
| १००४१४ | अर्घ्यामेशादिचक्रम् | | १ । |
| १००४१५ | ज्योतिःसूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-१९ । |
| १००४१६ | प्रश्नकौमुदी | | २-७, ९-१७ । |
| १००४१७ | वृद्धवासिष्ठसंहिता | | १०-४५, ४७-८० + ८० । |
| १००४१८ | सङ्ग्रहरत्नम् | रामवल्लभः | १-२५ । |
| १००४१९ | पवनविजयस्वरोदयं सटीकम् | | १-४७ । |
| १००४२० | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | ५-९ । |
| १००४२१ | प्रश्नराजसङ्ग्रहः | गणनायकः | १-२ । |
| १००४२२ | सूर्यादिग्रहाणामन्तर्दशा- प्रत्यन्तर्दशाबोधकचक्रम् | | १-१२ । |
| १००४२३ | इष्टशोधनविधिः सव्याख्योदाहृतिः | | १-९ । |
| १००४२४ | विवाहे दशदोषज्ञानसारणी | | १-६ । |
| १००४२५ | बुद्धिविलासः | रङ्गनाथः | १-३७ । |
| १००४२६ | ग्रहफलम् | | १ । |
| १००४२७ | कल्पवल्ली पद्धतिः | श्रीविठ्ठलः | १-२१ । |
| १००४२८ | योगिनीदशानयनम् | | १ । |
| १००४२९ | शुभाशुभफलम् | | २ गणनया । |
| १००४३० | लाभप्रश्ने प्रस्तारचक्रम् | | १-२ । |
| १००४३१ | दर्पणदीपकः | | २-६ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|---|
| १० × ४'५ | ९ | ३७ | दे. ना. | का. | १८९० | अपू० | राशिप्रभेदाध्यायादुपसङ्ग्रहाध्याया- न्तं यावत् । |
| ९'९ × ४'४ | ७ | २९ | " | " | १८९० | " | |
| १५'२ × ४'४ | ७ | ३७ | " | " | | " | |
| ११ × ९'८ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'८ × ३'२ | ५ | ४१ | वङ्ग | " | | " | विषयानुक्रमणिकासहितः । |
| १७ × ३'२ | ५ | ८३ | " | " | | अपू० | नवग्रहमन्त्राश्च । |
| १०'५ × ४'५ | १० | ४६ | दे. ना. | " | | " | षष्ठाध्यायान्तम् । |
| १०'६ × ३'४ | १० | ५५ | वङ्ग | " | | पू० | |
| १३'३ × ४'१ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'८ | ११ | ३१ | दे. ना. | " | १८५९ | " | |
| १०'७ × ४'८ | १२ | ४५ | " | " | | अपू० | यवनोक्ता । |
| १०'६ × ४'५ | × | × | " | " | | पू० | |
| ६'२ × ४'९ | १३ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ७ × ५ | × | × | " | " | १८०७ | पू० | |
| ७'९ × ३'८ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | स्वरशास्त्रानुसारम् । |
| ९'८ × ४ | ७ | × | " | " | | पू० | |
| ९' × ४'३ | ५ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ९१'६ × ५'४ | १२ | ४४ | " | " | | " | |
| १०'२ × ५ | १३ | ३८ | " | " | | " | |
| ९'४ × ४'८ | १२ | ३० | " | " | | पू० | |
| ९ × ४'८ | १४ | २८ | " | " | १८०३ | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------------|---------------------|---------------------------------------|
| १००४३२ | ताजिकनीलकण्ठ्यु दाहतिः सव्याख्या | | ११-१२, १५, २२-२४ । |
| १००४३३ | कालज्ञानम् | | २-७ । |
| १००४३४ | दशमसारणी | | १ । |
| १००४३५ | कालज्ञानम् | महादेवः | १-३ । |
| १००४३६ | कोटनिर्णयः | | १ । |
| १००४३७ | मिश्रप्रकरणम् | | १-११ । |
| १००४३८ | भुवनदीपकः | पद्मप्रभः | १-१६ । |
| १००४३९ | ज्योतिर्निबन्धः | शिवदासः | १-८, १-४५५ । |
| १००४४० | ग्रहगोचरफलम् | | १-४, । |
| १००४४१ | गद्यपञ्चाशिका | | १-५ । |
| १००४४२ | गणिततत्त्वचिन्तामणिः | दिवाकरः | २-४, २५, ३२-३३ । |
| १००४४३ | " | " | १७, ३४-३५ । |
| १००४४४ | गणकमण्डनम् | नन्दिकेश्वरः | १-२, ४-४९ । |
| १००४४५ | वर्षफलगणितपद्धति- भूषणम् | दिवाकरः | १-५ । |
| १००४४६ | ग्रहगोचरः | | १-२ । |
| १००४४७ | गणितनाममाला | हरिदत्तः | १-१५ । |
| १००४४८ | गद्यपञ्चाशिका | | १-८ । |
| १००४४९ | ज्योतिः सूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-२९ । |
| १००४५० | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | गोविन्दज्योतिर्विद् | १-१७, १९-४३, ३३ गणनया । १-१४, १-३६ |
| १००४५१ | ग्रहनक्षत्रगतिक्रमः | | १ । |
| १००४५२ | गणिततत्त्वचिन्तामणिः | दिवाकरः | १-२४ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|--------|-----------------|---------------------|---------------------|
| १'९ × ४'५ | १३ | ४३ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| २'३ × ३'३ | ७ | १९ | " | " | | " | छायापुरुषलक्षणञ्च । |
| १'७ × ४'२ | × | × | " | " | | पू० | हृदासारणी च । |
| १'४ × ४'९ | १२ | २७ | " | " | १८५९ | अपू० | |
| ८'९ × ३'५ | ११ | ४२ | " | " | १७९५ श० १६६० | " | |
| ६'१ × ३'९ | ९ | २४ | " | " | | " | जातकीयम् । |
| ११ × ४'५ | ८ | ३० | " | " | | पू० | |
| ९'४ × ५'५ | १२ | २७ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'६ | ८ | ३५ | " | " | १९२२ श० १७८७ | " | |
| १०'५ × ४'६ | ११ | ३१ | " | " | | अपू० | सिद्धान्तसारो वा । |
| ९'३ × ४'३ | ९ | ४५ | " | " | | " | वर्षपद्धतिटीका । |
| ९'३ × ४'३ | १० | ३९ | " | " | | " | वर्षपद्धतिटीका । |
| ९ × ४ | ७ | २३ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'५ | ९ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ८'८ × ४'५ | ११ | ३४ | " | " | १८१३ | " | |
| ९'५ × ४'४ | ७ | २५ | " | " | १८७१ | " | जातकीया । |
| ७ × ६'२ | १८ | २० | " | " | | " | सिद्धान्तसारो वा । |
| १७ × ३'८ | ४ | ४४ | वङ्ग | " | | " | |
| १४'४ × ५'४ | १२ | ५५ | दे. ना. | " | १६०३ १५४४ | अपू० | टीकानाम रसाला । |
| १८ × ३'३ | २ | ६४ | वङ्ग | " | | " | |
| ११ × ४'५ | १० | ३७ | दे. ना. | " | | " | वर्षपद्धतिटीका । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|-------------------|
| १००४५३ | योगिनीदशा | | १-८ । |
| १००४५४ | नक्षत्रचक्रम् | | १ । |
| १००४५५ | रत्नद्योतः | गङ्गारामद्विवेदः | १-१२ । |
| १००४५६ | कालचक्रजातकम् | | १-३ । |
| १००४५७ | प्रश्नमनोरमा | | १-४ । |
| १००४५८ | प्रश्नमनोरमा सटीका | | १-५ । |
| १००४५९ | भुवनदीपकम् | पद्मप्रभसूरिः | १-५, ८-१३ । |
| १००४६० | होडाचक्रम् | | १-१० । |
| १००४६१ | ज्यौतिषसारसङ्ग्रहः | | १-१९ । |
| १००४६२ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-५ । |
| १००४६३ | शीघ्रबोधः | | १४-१८ । |
| १००४६४ | प्रश्नावली | | १ । |
| १००४६५ | ग्रहगोचरविचारः | | १-७ । |
| १००४६६ | अहिबलचक्रम् | | १-३ । |
| १००४६७ | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | ६-१४८ । |
| १००४६८ | प्रश्नप्रदीपः | | १-३ । |
| १००४६९ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-९, २१-३७ । |
| १००४७० | यात्राविचारः | वराहमिहिरः | १-४ । |
| १००४७१ | अहिबलचक्रम् | | १-६ । |
| १००४७२ | लघुसङ्ग्रहः | | १-५ । |
| १००४७३ | शीघ्रबोधः | | ११ गणनया । |
| १००४७४ | | काशीनाथः | १२-३० । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|--|
| ११ × ४'५ | ८ | ४० | मै० | का. | | अपू० | |
| ११ × ४'५ | ८ | १८ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १२'३ × ४'८ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| ९'३ × ४ | १० | ५२ | " | " | | अपू० | दशाक्रमपर्यन्तम् । |
| १०'७ × ४'७ | ६ | ४० | " | " | | " | नष्टवस्तुप्रश्नपर्यन्तं गर्गमनोरमा वा । |
| १०'५ × ४'५ | ६ | ४७ | " | " | | " | गर्गमनोरमा वा |
| १०'५ × ४'२ | ९ | २७ | " | " | १८७६ | " | |
| ९'५ × ४'५ | ७ | २७ | " | " | | पू० | |
| ८'५ × ३'९ | ७ | ३४ | " | " | १८९८ | " | |
| ९'५ × ४'४ | ९ | ३२ | " | " | | " | |
| १० × ४'४ | ७ | २६ | " | " | | अपू० | द्विरागमनमुहूर्तपर्यन्तो भागः । |
| १० × ४'२ | १२ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ९'६ × ४'४ | ७ | २३ | " | " | १९१८ | " | |
| ९'८ × ५'३ | ९ | ३३ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ९ | ३२ | " | " | १८७४ श० १७३९ | अपू० | |
| ९'५ × ३'३ | ८ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ३'३ | ७ | ३५ | " | " | | अपू० | भावविचारपर्यन्ता । |
| ९'६ × ३'३ | ७ | ३७ | " | " | | पू० | |
| ६ × ३'६ | ५ | २३ | " | " | | " | लाङ्गूलचक्रं, बीजोक्तिचक्रं चन्द्रसम- शृङ्गोन्नतविचारचक्रम् । |
| ९'७ × ७ | ७ | १९ | " | " | | अपू० | भद्राविचारपर्यन्तः । |
| ७'१ × ४'२ | १३ | २९ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'३ | १२ | ३५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|--------------------|--------------------------------------|
| १००४७५ | शिशुबोधः | पद्मनारायणः | १-५६। |
| १००४७६ | जातकचन्द्रिका | प्राणधरमिश्रः | १-८, १०। |
| १००४७७ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | | १-२, ४-६। |
| १००४७८ | नष्टपत्रिकाज्ञानम् | | १। |
| १००४७९ | बृहज्जातकम् | | १-७। |
| १००४८० | सङ्केतकौमुदी | हरिनाथाचार्यः | १-१२। |
| १००४८१ | भृगुसंहिता | | १-४, ७, १२, १४-१५, १७-१८, २५-२७, ३१। |
| १००४८२ | रत्नद्योतः | गङ्गारामद्विवेदः | १-२२। |
| १००४८३ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीका | | १-२। |
| १००४८४ | विवाहवृन्दावनं सटीकम् | टी०का०-गणेशः | १-८५, ८८-९१, ९४-१०२। |
| १००४८५ | जातकालङ्कारः | " | २-१२। |
| १००४८६ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | ५-१३। |
| १००४८७ | ज्योतिषसूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-१२, १-२। |
| १००४८८ | प्रश्नमनोरमा | | १-४। |
| १००४८९ | नष्टजन्माङ्गनिर्माणप्रकारः | | १-२। |
| १००४९० | मुहूर्तसङ्ग्रहः | नाह्निदत्तः | १-७। |
| १००४९१ | दशानयनप्रकारः | | १। |
| १००४९२ | लग्नचन्द्रिका | | १-२। |
| १००४९३ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-४। |
| १००४९४ | बालबोधः | मुञ्जदित्यः | १-२६। |
| १००४९५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-५, ३-६। |
| १००४९६ | द्वादशराशिचिन्तामणिः | | १-६। |
| १००४९७ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-१३। |

| आकारः | इत्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---------------------------|
| १३'४ × २'१ | ५ | ७१ | मै० | ता० | | पू०० | |
| १०'९ × ४'५ | ११ | ४० | " | का. | श० १८०० | अपू० | |
| १०'५ × ४'३ | १४ | २५ | दे. ना. | " | | " | |
| १०'५ × ४'८ | ११ | ४८ | " | " | | " | |
| १० × ३'७ | ६ | ३२ | " | " | | " | द्वितीयाध्यायपर्यन्तम् । |
| ८'३ × ६'७ | १४ | ३१ | " | " | १८८८ | पू० | |
| ११'८ × ४'८ | ९ | ४३ | " | " | | अपू० | |
| ९'८ × ४'२ | ८ | २५ | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'५ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ७ × ३'४ | ८ | २९ | " | " | | " | विवाहदीपिका वा । |
| ९'८ × ३'७ | ११ | ४९ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'१ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| १७'५ × ४ | ४ | ४२ | वज्र | " | | पू० | स्पन्दविचारः जातिमाला च । |
| ९'६ × ४'३ | १२ | ३७ | दे. ना. | " | | " | प्रश्नविद्या वा । |
| ९'२ × ४'३ | ९ | २६ | " | " | १८६२ | " | |
| ९ × ५'६ | ९ | २० | " | " | | " | नाह्निकञ्चर्विशतिका वा । |
| ९'४ × ४'२ | ३१ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ८ × ४'५ | १२ | २७ | " | " | | पू० | |
| ११'५ × ४'६ | ११ | ४० | " | " | | अपू० | |
| १०'७ × ४'५ | ८ | ३३ | " | " | १९२० | पू० | |
| ९'७ × ४'१ | ९ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ४'४ | ८ | ३० | " | " | १८९३ | पू० | |
| ९'६ × ४ | ७ | २७ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|----------------------|---|
| १००४९८ | बालविवेकिनी | नाल्लिदत्तः | १-६ । |
| १००४९९ | मुहूर्तभूषणम् | त्रिवेदी रामसेवकः | १-२५ । |
| १००५०० | शीघ्रबोधः | | ११-१४ । |
| १००५०१ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | २-६ । |
| १००५०२ | " | रामः | १-९, १-४ १-३, १-८, १-१७, १-९, ९-१२ । |
| १००५०३ | ग्रहगोचरः | | १-४ । |
| १००५०४ | षष्टिसम्बत्सरफलम् | | १, ३, ५-१५ । |
| १००५०५ | समरसारः | | १, ३, ५ + १ । |
| १००५०६ | मुहूर्तसंख्यः | | २-३२ । |
| १००५०७ | बालबोधः | मुक्तादित्यः | १-१५ । |
| १००५०८ | जातकाभरणम् | हुण्ढिराजः | २-१०० । |
| १००५०९ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | प्रजापतिदासः | १-९ । |
| १००५१० | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-१० । |
| १००५११ | ज्योतिषचक्रम् | | १-१८ । |
| १००५१२ | ग्रहकौमुदी | रामकृष्णः | ३-९, २ । |
| १००५१३ | होरादिबिभूषणम् | | १ । |
| १००५१४ | मण्डलनिर्णयः | | १ । |
| १००५१५ | षट्पञ्चाशदङ्कयन्त्रम् | | १ । |
| १००५१६ | षडवर्गनिरूपणम् | | १ + १ । |
| १००५१७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | ४२ । |
| १००५१८ | " | रामदेवज्ञः | ६३ । |
| १००५१९ | नक्षत्रचक्रम् | | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषावबरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|-----------------|
| १०'३ × ४'५ | ८ | २८ | दे. ना | का. | १८९२ | पू० | |
| १० × ४'३ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| ७'२ × ४'२ | ११ | २६ | " | " | | अपू० | |
| १०'५ × ४'५ | ८ | २९ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | ७ | ३९ | " | " | १८६५ | " | |
| ९'६ × ४'१ | १० | ३६ | " | " | १८४४ | पू० | |
| ८'२ × ३ | ७ | ३१ | " | " | १७९७ | अपू० | |
| १० × ३'४ | ७ | ३६ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'४ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'१ | ८ | २९ | " | " | १८९५ | पू० | |
| १०'७ × ४'४ | ९ | ३९ | " | " | १८३९ | अपू० | |
| १३'१ × ४'४ | ६ | ३८ | वज्र | " | | " | |
| १०'९ × ४'६ | ९ | २५ | दे. ना. | " | | " | |
| ६'३ × ६'१ | १४ | २६ | " | " | | पू० | |
| १३'५ × ३'५ | ७ | ५६ | वज्र | " | | अपू० | |
| १२'९ × ३'५ | ७ | ५६ | " | " | | " | |
| १५ × ३'५ | ७ | ७९ | " | " | | " | |
| २१'३ × ८'६ | २९ | २२ | " | " | | पू० | |
| ११ × ५ | ९ | ४४ | " | " | | " | |
| १'०२ × ४'३ | ९ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'३ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| ९'१ × ५ | १४ | ४५ | " | " | | पू० | कुलाकुलचक्रम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|---------------|------------------------------|
| १००५२० | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ११ गणनया । |
| १००५२१ | द्वादशभावफलम् | | १-१० । |
| १००५२२ | स्पन्दनचरित्रम् | | १ । |
| १००५२३ | व्यूहचक्रं नरचक्रश्च | | ४ गणनया । |
| १००५२४ | सम्बित्प्रकाशः | कान्हकविः | १-९, ११, ११-२९ । |
| १००५२५ | " | | १-३० । |
| १००५२६ | व्यवहारकौमुदी | | १-४, ६-१८, २३-१२३, १२५-१६८ । |
| १००५२७ | चन्द्रोन्मीलनम् | | ४-४४, ४६-५९ । |
| १००५२८ | सामुद्रिकशास्त्रम् | | १-२४ । |
| १००५२९ | रत्नहारः | | २३ गणनया । |
| १००५३० | सामुद्रिकशास्त्रम् | | १-१९ । |
| १००५३१ | " | | १-९ । |
| १००५३२ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १०३ गणनया । |
| १००५३३ | ज्योतिषसंक्षेपः | कृष्णरामशर्मा | ११३ गणनया । |
| १००५३४ | नरपतिजयचर्या | | १-१९ । |
| १००५३५ | रत्नकलापः | विष्णुदेवः | १-६४ । |
| १००५३६ | शीघ्रबोधः | | १-६ + १ । |
| १००५३७ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-३ । |
| १००५३८ | ज्योतिस्सारसङ्ग्रहः | | १-३४ + १ । |
| १००५३९ | गौतमप्रश्नः | | १-४ । |
| १००५४० | चन्द्रोन्मीलनम् | | १-२१, २१-२७ । |
| १००५४१ | पूर्वजन्मनिरूपणम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | लिंग- विवेकः | लिपिकालः | पूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-----------------|--------------------|------------------|---------------------------------|
| ९'८ × ४'४ | ७ | ३० | मै० | का. | | अपू० | शिवपुराणोक्तम् । |
| १०'२ × ३'९ | ११ | ६० | " | " | | पू० | |
| १३'७ × २'४ | ६ | ६० | वज्र | " | | " | |
| ८'५ × ३'२ | १० | ४३ | दे. ना | " | | " | |
| १२'१ × ४'६ | १० | ३९ | " | " | १८५३ श० १७१८ | अपू० | |
| ११'५ × ४'५ | ९ | ४७ | " | " | | " | शान्तिशतकप्रथमपरिच्छेदमात्रम् । |
| १०'३ × ७ | ७ | २७ | " | " | १७१४ र.का. १६८३ | " | |
| ९'३ × ४'२ | ९ | ३० | " | " | १८६१ | " | |
| ६ × ४ | ८ | २५ | " | " | १९०९ | पू० | |
| ९'५ × ३ | ६ | ४७ | " | " | १८५८ | " | |
| ८'२ × ४'१ | ९ | २७ | " | " | | " | स्त्रीयोगादिकथनञ्च । |
| ११'२ × ४ | १२ | ४४ | " | " | श० १७३६ | " | |
| १५'८ × १'२ | ४ | ५५ | वज्र | ता. | | अपू० | |
| १३'२ × १'२ | ३ | ७० | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'१ | ९ | ३४ | दे. ना. | " | | " | |
| १२ × ४'१ | १६ | ५२ | " | " | | पू० | स्त्रीयोगादिकथनञ्च । |
| १२'६ × ५'८ | ६ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ४'३ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १३'८ × ३'५ | ६ | ५३ | वज्र | " | | " | |
| ९ × ४ | ९ | २९ | दे. ना | " | १८९८ | पू० | |
| १०'२ × ३'३ | ८ | ४३ | वज्र | " | श० १७५० | " | स्त्रीयोगादिकथनञ्च । |
| १६ × ३'५ | ११ | ७३ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------------|----------------------|
| १००५४२ | देवज्ञवल्लभा | रामः | १-२० । |
| १००५४३ | नष्टकोष्ठयुद्धारः | | १ । |
| १००५४४ | स्वरोदयः | | १-७ । |
| १००५४५ | मुहूर्तगोरक्षः | | १ । |
| १००५४६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-२०, २२-५६, ५८-७७ । |
| १००५४७ | अष्टकवर्गविचारः | | २-४७ । |
| १००५४८ | स्वरोदयः | | १-१३ । |
| १००५४९ | स्पन्दनचरितम् | | १ । |
| १००५५० | रत्नसारः | | १-६, ९-१० । |
| १००५५१ | देवज्ञबन्धवः | हरदत्तः | १-३१ । |
| १००५५२ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-४७ । |
| १००५५३ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-३२, ३७-४८ । |
| १००५५४ | शीघ्रबोधः | | १-४० । |
| १००५५५ | व्यवहारप्रदीपः | | १-१९ । |
| १००५५६ | छायापुरुषलक्षणविचारः | | १-४ । |
| १००५५७ | विवाहविचारः | | २५३-२६० । |
| १००५५८ | होरारत्नम् | | १-४, ६-११ । |
| १००५५९ | वाराहीसंहिता | वराहमिहिरः | १-२४ । |
| १००५६० | षट्पञ्चाशिका सविवृत्तिः | वि० का० भट्टोत्पलः | १-१५ । |
| १००५६१ | देवज्ञचिन्तामणिः | यशोधरः | १-२३, २३-१६१ । |
| १००५६२ | ज्योतिस्सागरः | भोजः | १-१३ । |
| १००५६३ | पञ्चपक्षी | | २-६ । |
| १००५६४ | कालज्ञानम् | | १-३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|--------------------|
| १३'६ × ३'६ | ६ | ५९ | वङ्ग | का. | | पू० | |
| १३'४ × २'६ | ७ | ६६ | " | " | | " | |
| ७'८ × ६ | १२ | २४ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ९ × ४'१ | १३ | ३९ | " | " | १८६१ | " | |
| ९'९ × ४'३ | ७ | २९ | " | " | १८९५ श० १७६० | " | |
| ११ × ४'७ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| १४ × ३'६ | ७ | ३७ | वङ्ग | " | | " | |
| १२'५ × ४'९ | १० | ४५ | " | " | | पू० | स्वप्नाध्यायश्च । |
| १०'३ × ४ | १० | ४८ | मै० | " | श० १७'५ | अपू० | |
| १०'३ × ४ | ८ | ४५ | " | " | श० १७'४ | पू० | |
| १०'२ × ४ | ७ | २७ | " | " | | " | |
| १०'३ × ४ | ८ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × ४ | ८ | २५ | दे. ना. | " | श० १६३० | " | |
| ९ × ४'५ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| १०'८ × ३'२ | ९ | २७ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ४'३ | १० | ३८ | " | " | | अपू० | |
| १०'५ × ४'५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १३ × ३'८ | ११ | ६७ | मै० | " | | पू० | |
| १३ × ३'६ | १० | ७४ | वङ्ग | " | | " | |
| १०'५ × ४'६ | ९ | २७ | दे. ना. | " | | अपू० | वीरचिन्तामणिर्वा । |
| १३'६ × ३'४ | ५ | ४२ | वङ्ग | " | | " | |
| १२ × ३'१ | ५ | ५० | " | " | | " | |
| १४ × ३'१ | ९ | ६५ | " | " | | पू० | शाकुनश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|--------------------------------|
| १००५६५ | उडुदायप्रदीपः सटीकः | | १-१६ । |
| १००५६६ | लोमशसंहिता | लोमशऋषिः | १-१८ । |
| १००५६७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | २-७२ । |
| १००५६८ | कालजातकलक्षणम् | | १-४ । |
| १००५६९ | कर्मविपाकः | भृगुः | १-१४४ । |
| १००५७० | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-३९, ३९-५५, ६१-६३ । |
| १००५७१ | लघुपाराशरी सटीका | | १-८ । |
| १००५७२ | पञ्चपक्षी | | १-३, १+२ । |
| १००५७३ | जन्मपत्रविचारः | | १८-२१, २४-४३, ५९-६८ । |
| १००५७४ | शीघ्रबोधः | | १७-१९, २२+१, २७+१ । |
| १००५७५ | रुद्रप्रदीपः | | १-४७ । |
| १००५७६ | ज्योतिषसागरः | भोजराजः | १-२५ । |
| १००५७७ | अक्षयचिन्तामणिः | | १-१४ । |
| १००५७८ | पञ्चस्वरा सटीका | गङ्गाप्रसादः | १-१५ । |
| १००५७९ | ज्योतिस्सङ्ग्रहः | प्रजापतिदासः | १-१२ । |
| १००५८० | भावचिन्तामणिः | | १-८ । |
| १००५८१ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १६४, १-१७, १-१० । |
| १००५८२ | मुहूर्तचिन्तामणिः | " | १-३२, ४६-४८५०-५१, ६१-८१ । |
| १००५८३ | ज्योतिस्सागरसारः | मथुरेशः | १-३१ । |
| १००५८४ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-६, १०-१९, १५, २७-३३, ३५-३७ । |
| १००५८५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-५६, ५८-७३, ७५-७९, ८१-८३ । |
| १००५८६ | मेघमाला | | १-१२, १६-४२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्व- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|-----------------|------------------------|--|
| ८×४'२ | ७ | ३१ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'२×६'३ | ३४ | २३ | " | " | | " | |
| ८'८×४'१ | ६ | २८ | " | " | १८३८ श० १७०३ | अपू० | |
| १०'५×४'५ | १४ | ५१ | " | " | | पू० | |
| १२'२×३'८ | ६ | ३१ | वज्र | " | | " | |
| १०'५×४'३ | ८ | ३३ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १०'२×४'४ | ९ | ५२ | " | " | | पू० | |
| १६×३'५ | ६ | ७२ | वज्र | " | | " | पञ्चमक्षी व्याख्या चापूर्णा । |
| ६'५×३'७ | ७ | १९ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ८'५×५ | ११ | २९ | " | " | | " | |
| १०'८×४'५ | ९ | ३४ | " | " | १९४५ | " | ग्रहचारफलाध्याय मात्रम् १-१० अध्यायाः । |
| १७×३ | ७ | ६५ | वज्र | " | | पू० | |
| ११×४'५ | ७ | ३२ | दे. ना. | " | १९३० | " | |
| १२'५×४'९ | १३ | ४३ | " | " | | " | टी०-सुबोधिनी । |
| १३'८×३ | ६ | ४४ | वज्र | " | | अपू० | |
| १३'७×५'३ | १० | ४० | दे. ना. | " | | पू० | |
| १३×४'९ | १५ | ६२ | " | " | श० १५२२ | " | |
| ९×४'६ | ९ | २४ | " | " | १८६० | अपू० | |
| १२×३'७ | ६ | ४६ | वज्र | " | श० १७०३ | पू० | |
| ९'५×४'३ | ९ | ३२ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ९'६×४'१ | ८ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'७×४ | १० | २९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|---------------------------|--------------------------------|
| १००५८७ | लघुजातकं सटीकम् | टी० का०- भट्टोत्पलः | ८-४१ । |
| १००५८८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | २-५०, ५३, ५५, ५७, ५९, ६१-११५ । |
| १००५८९ | मुहूर्तदीपकः | रामसेवकः | १-९, ११-१५ । |
| १००५९० | टोडरानन्दः | टोडरमल्लः | ३-१२, १२-१३ । |
| १००५९१ | बृहज्जातकम् | | १-४१ । |
| १००५९२ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | ५-१९ । |
| १००५९३ | दशाफलम् | | १-१८ । |
| १००५९४ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-१६, १८-४५ । |
| १००५९५ | हज्जातकम् | | १-९ । |
| १००५९६ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | ५-४१ । |
| १००५९७ | सङ्क्रान्तिनिर्णयः सटीकः | | १ । |
| १००५९८ | बालबोधः सटीकः | | २-८ । |
| १००५९९ | योगसागरः | | १-६ । |
| १००६०० | स्वरोदयः | | १-५, ७-१९ । |
| १००६०१ | गृहपिण्डसारिणी | | १-४ । |
| १००६०२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-३० । |
| १००६०३ | जातकालङ्कारः | गणेशदेवज्ञः | १-२५ । |
| १००६०४ | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-७ । |
| १००६०५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | १-६६, ६७ (= ६७, ६८), ६९-८१ । |
| १००६०६ | शम्भुहोराप्रकाशः सव्याख्यः | | १-४९ । |
| १००६०७ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-११, २३-४४ । |
| १००६०८ | समरसारसटीकः | रामचन्द्रः टी०का०-भरतः | १-४३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|--------|-------|-----------------|------------------------|---------------------------|
| ८'२ × ३'७ | १४ | ३३ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| ८'५ × ३'६ | ७ | २५ | " | " | श० १७६१ | " | |
| ९'४ × ४'१ | ८ | ३४ | " | " | १८६७ | " | |
| ९'५ × ४'२ | ११ | ४२ | " | " | १८६७ | " | |
| १०'२ × ४'७ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'४ | १३ | ३९ | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'३ | ८ | ३२ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'५ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'९ × ४'५ | १३ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'४ | १० | ४८ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | टी०-नेपालीभाषावाम् । |
| ९'४ × ४'३ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ४'६ | २० | ४१ | " | " | | " | कर्मविपाकरूपः । |
| १०'३ × ४'४ | ९ | ३६ | " | " | १८९७ | " | पवनविजयो वा । |
| ८'५ × ७ | १३ | ३८ | " | " | | पू० | |
| ८ × ४'४ | १३ | २७ | " | " | २८७६ श० १७४१ | " | |
| ८'६ × ४'६ | ८ | २७ | " | " | १८७३ | " | |
| ९'६ × ४' | १० | ३५ | " | " | १७८५ | " | अचलासप्तमी स्नानविधिरुच । |
| ८'७ × ४'५ | ९ | २८ | " | " | १८५७ | " | |
| १०'३ × ३'९ | ७ | ३९ | " | " | श० १७९१ | " | होरासारे । |
| ८'६ × ३'६ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| १०'३ × ४'५ | ९ | ३५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|------------------|----------------------|
| १००६०९ | लग्नचन्द्रिका | | १-६१ । |
| १००६१० | ज्योतिस्सङ्क्षेपः | | १-३, १-५९, १-३ + २ । |
| १००६११ | दिनसङ्ग्रहः | रघुदेवः | १-४७ । |
| १००६१२ | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-११ । |
| १००६१३ | वंशावली | | १-११ । |
| १००६१४ | रत्नोद्योतः | गङ्गारामः | १-२० । |
| १००६१५ | शिवालिखितम् | | १४ गणनया । |
| १००६१६ | राजमार्तण्डः | | १-२८ । |
| १००६१७ | सारसङ्ग्रहः | हृदयानन्दशर्मा | १-१९ । |
| १००६१८ | जातककीमुदी | अच्युतानन्दशर्मा | १-४१ । |
| १००६१९ | प्रश्नाक्षरः | रुद्रः | १-२, ४-८ । |
| १००६२० | शिवालिखितम् | | १-२ । |
| १००६२१ | वास्तुशास्त्रम् | | १-५६ । |
| १००६२२ | जातकपद्धतिः | | १-७ । |
| १००६२३ | लग्नचन्द्रिका | | १-६२ । |
| १००६२४ | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | १-१७० । |
| १००६२५ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणभट्टः | १-४ । |
| १००६२६ | सङ्ग्रहवचनानि | | १-३३ । |
| १००६२७ | विजयोत्सवः | | १-६४, ६४-९३, १ । |
| १००६२८ | ज्योतिस्सागरसारः | भोजः | १-३, ५-४१ । |
| १००६२९ | होराषट्पञ्चाशिका | | १-७ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधा- रः | लिपिकालः | पूर्ण/पूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|------------|-----------------|------------------------|--|
| ९'९×४'४ | ९ | ३३ | दे. ना. | का. | १८९१ | पू० | |
| १३×३'३ | ५ | ४५ | वज्र | " | | " | मानुक्रमणिकः, अन्ते पत्रत्रयेषु अष्ट- वर्गविचारः । पत्रद्वये च उत्कादान- विधिः सुभाषितं ग्रहाधिपादि- कथनञ्च । |
| १३'१×३ | ६ | ६० | " | " | श० १७३८ | " | सर्वकर्मसूपादेयानां चन्द्रतारासह- नक्षत्रगोचरादिशुद्धिनां अनावश्य- कत्वेन विस्तृतविचारः । |
| ८'७×४'३ | ८ | २६ | दे. ना. | " | १९३८ श० १८०३ | " | |
| १०×४'३ | ७ | २३ | " | " | १९५० | " | |
| ९'४×४'२ | ९ | २७ | " | " | १८५० | " | |
| ७'९×४'२ | ९ | ३२ | " | " | | " | दिनसारणी च । |
| १७'४×३ | ८ | ७२ | वज्र | " | श० १७३३ | " | |
| १३×४'३ | ५ | ४८ | " | " | | " | यात्राप्रकरणमात्रम् । |
| १४'८×३'८ | ६ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ७'६×४'५ | ७ | १६ | दे. ना. | " | १९२४ | " | पञ्चाशतवर्णप्रश्नं वा । |
| १०'६×४'६ | १२ | ४२ | " | " | | पू० | |
| १२'६×४'८ | ९ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ९'९×४'२ | १२ | ३९ | " | " | १७६१ | पू० | |
| ९'७×४'८ | ९ | २६ | " | " | | " | |
| ९'३×४'८ | ९ | २२ | " | " | १७५२ | " | |
| ९'५×४'९ | ९ | २१ | " | " | १९४४ | " | |
| ९'४×४'९ | ११ | ३० | " | " | | " | |
| ९×४'३ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| १५×३'१ | ८ | ४८ | वज्र | " | | अपू० | |
| १२×३'८ | ५ | ४० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------------|----------------------------------|--|
| १००६३० | ज्योतिस्सारः | | १-६ । |
| १००६३१ | चमत्कारचिन्तामणिः | नारायणः टी०का०- धर्मेश्वरः | १-२, २-१३, १५-२४, २०-५० । |
| १००६३२ | अरिष्टाध्यायः | | १ । |
| १००६३३ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-४ । |
| १००६३४ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-४ । |
| १००६३५ | बृहदवकहडाचक्रम् | | ५ गणनया । |
| १००६३६ | पञ्चपक्षिशकुनम् | महादेवः | १-५ । |
| १००६३७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-२ । |
| १००६३८ | मुहूर्तमुक्तावली | | १-६ । |
| १००६३९ | लघुजातकम् | | १-७ । |
| १००६४० | ज्योतिषरत्नमाला | | १-१७, १९-२४, १-११, ३०-३४, १-६ = ७, ८-९, १-६, १-४, ४-१५, १-३ + १७ । |
| १००६४१ | वर्षपद्धतिः | दिवाकरः | १-१० । |
| १००६४२ | केशवीयजातकपद्धतिः सोदाहरणा | केशवः उ० का० विश्वनाथः | १-१८ । |
| १००६४३ | हिल्लाजदीपिका | नृसिंहः | १-२१ । |
| १००६४४ | नारचन्द्रः | नरचन्द्रः | १-२२ । |
| १००६४५ | सङ्क्रान्तिफलादेशः | नागदेवज्ञः | १-२१ । |
| १००६४६ | ताजिकसारः | हरिभट्टः | १-३५ । |
| १००६४७ | विवाहवृन्दावनं सटीकम् | केशवार्कः टी०का०- गणेशदेवज्ञः | १-६५ । |
| १००६४८ | फलितसङ्ग्रहः | | १-३ + १० । |
| १००६४९ | ग्रहभावप्रकाशः | | १-१३ । |
| १००६५० | विशोत्तरीदशाक्रमः | | १-८ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---|
| १.४×२९ | ७ | ४८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०.९×३.९ | ७ | ४० | " | " | | " | अन्वयार्थदीपिका । |
| ६.५×४.२ | २४ | ४३ | " | " | | पू० | |
| ६.८×४.३ | ११ | २५ | " | " | | " | |
| १०×४.५ | १० | ३९ | " | " | १८५७ | अपू० | प्रथमप्रकरणमात्रम् । |
| ७.९×५.५ | १३ | ३० | " | " | | " | षट्पञ्चाशिका च । |
| १३.१×१३.३ | ४ | ५३ | वज्र | " | | पू० | |
| १२.२×५.५ | १२ | ५२ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १२×५.९ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| ९.७×४.३ | १२ | ३४ | " | " | १७५८ | पू० | |
| १२.५×२.१ | ५ | ४६ | मै० | ता. | ल० सं०५७ | अपू० | लघुजातकं, भास्वती, मसनाङ्गिका, व्यवहारप्रदीपाश्च । |
| ९.८×४.६ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | १८३८ | पू० | |
| १०.४×४.३ | १२ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| १०.१×४.८ | ८ | २३ | " | " | १८६५ | पू० | |
| ९.९×४.५ | ७ | २४ | " | " | १८७० | " | |
| ९.९×५ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| ९.३×४.५ | ९ | ३७ | " | " | १८२९ | " | |
| १२.५×५.६ | १३ | ३३ | " | " | १८६५ | " | ९-१६ अध्यायाः टी०-दीपिका । |
| ८×४.५ | १७ | ४१ | " | " | | अपू० | स्तोत्रसङ्ग्रहश्च । |
| १०.८×४.१ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ९.४×४.३ | ९ | २७ | " | " | १८६५ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--|----------------------|
| १००६५१ | षट्प्रदीपिका | भवानीनाथः | १-३ । |
| १००६५२ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२३ । |
| १००६५३ | जातककर्मपद्धतिः सटीका | श्रीपतिः टी०का०-कृष्णदैवज्ञः | १-४८ । |
| १००६५४ | ताजिकनीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठी | १-२५ । |
| १००६५५ | अरिष्टाध्यायः | | १-९, १-१५ । |
| १००६५६ | मूहूर्तचिन्तामणिः | रामदैवज्ञः | १-१० । |
| १००६५७ | वर्षपद्धतिः | दिवाकरः | १-७ । |
| १००६५८ | गर्गमनोरमा सटीका | | १-११ । |
| १००६५९ | वृहज्जातकं सविवरणम् | वराहमिहिरः वि०का०-महीधरः | १-९० । |
| १००६६० | ज्योतिषरत्नमाला सटीका | श्रीपतिः | ७० गणनया । |
| १००६६१ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-१९ । |
| १००६६२ | सम्बित्प्रकाशः | गोविन्दः | १-३३ । |
| १००६६३ | नीलकण्ठी सटीका | नीलकण्ठः टी० का०- विश्वनाथः | १-४५ । |
| १००६६४ | मूहूर्तचिन्तामणिः सटीका | रामः टी०का०-गोविन्दः | १-२१ । |
| १००६६५ | वसन्तराजः सटीकः | वसन्तराजः टी०का०- भानुचन्द्रगणिः | १-१७३ । |
| १००६६६ | गणकदर्पणम् | | १-९५ । |
| १००६६७ | शीघ्रबोधः | | ३-१९, २१-२७, २९-४१ । |
| १००६६८ | तत्त्वप्रदीपिका | श्रीपतिः | १-१६ । |
| १००६६९ | मूहूर्तमुक्तावली | | १-१० । |
| १००६७० | कामधेनुः | | १-१५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | का.सं. | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|-----------------|-------------------------|---|
| १३×५'३ | १२ | ४३ | दे. ना. | का. | १८०८ | पू० | नरपतिजयचर्यायाम् । |
| ९×४'३ | ६ | २० | " | " | १९९६ | " | |
| ११'७×४'४ | १४ | ५२ | " | " | १७८९ | " | श्रीपद्मनिर्वा । |
| ११'८×५'४ | १० | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ८'४×६'५ | १४ | १९ | " | " | १८६३ | पू० | मासादिकलक्ष । |
| १०'८×३'९ | ८ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| १०'१×४'८ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ८×३'७ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| १२'५×६'५ | १२ | ५१ | " | " | १९१० | " | |
| ८'६×६ | १६ | ३३ | " | " | | अपू० | टी०-राजस्थानीभाषायाम् । |
| १०'६×४ | ७ | २६ | " | " | | पू० | |
| ११'२×४'६ | १० | ४० | " | " | | " | |
| १३'२×६'६ | १५ | ४८ | " | " | श० १५५१ | " | संज्ञातन्त्रे सहमाध्यायपर्यन्ताः । |
| ११'५×५'५ | १३ | ४३ | " | " | | " | वास्तुगृहारम्भप्रकरणमात्रम् टी०-वीथुधारा । |
| ११'७×४'५ | १० | ४५ | " | " | | अपू० | |
| १०'५×४'४ | ८ | ४० | " | " | | पू० | |
| १०'२×४'४ | ९ | २५ | " | " | | अपू० | |
| ८'५×४'२ | ७ | २० | " | " | १८८८ श० १७५२ | पू० | तत्त्वपञ्चाशिका वा । |
| ६'४×४'८ | १४ | १७ | " | " | १९२८ | अपू० | |
| ८'९×४'२ | ९ | २५ | " | " | १८९१ | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|---------------------------------|--|
| १००६७१ | गोचरयन्त्रं सफलम् | | १ । |
| १००६७२ | जातकाभरणम् | | १-८ । |
| १००६७३ | सन्नानदीपिका | | १-१८ । |
| १००६७४ | कोष्ठोप्रदीपः | | १-७२ । |
| १००६७५ | वसन्तराजः सटीकः | वसन्तराजः टी०का०-भानुचन्द्रः | १-१३३, १३३-१७४ (= १७५-२५३), २५५-३२१ । |
| १००६७६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२१ । |
| १००६७७ | आषाढीवातचक्रम् | | १ । |
| १००६७८ | लघुजातकम् | | १-१२ । |
| १००६७९ | मुद्गादशाफलम् | | २-३ । |
| १००६८० | प्रश्नकेलिका | भट्टोत्पलः | १-७ । |
| १००६८१ | रत्नद्योतः | गङ्गारामः | १-१८ । |
| १००६८२ | जैमिनीयसूत्रं सटीकम् | कृष्णानन्दसरस्वती | १-६६ । |
| १००६८३ | मेघमाला | | १-२३ । |
| १००६८४ | कालजातकलक्षणम् | | २-७ । |
| १००६८५ | ज्योतिषसारसङ्ग्रहः | | १-३१ । |
| १००६८६ | जातकाभरणम् | दुष्टिराजः | १-६६ । |
| १००६८७ | भृगुसंहिता | | १-२३ । |
| १००६८८ | यन्त्रराजः सटीकः | | २१ गणनया । |
| १००६८९ | युद्धजयोत्सवः | | १-५ । |
| १००६९० | चन्द्राध्यायः | | १-९ । |
| १००६९१ | वाराहीसंहिताविवृतिः | भट्टोत्पलः | ११-२६१, ३६३-३७९, ४२८-४४३, ४४४-४७४, ४७४-४९८ (= ५१९) (= ७२७) (= ७२८) (= ७२९-७६३) । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|-----------------------|
| ८'२ × ६'२ | ९ | १३ | दे. ना. | का. | | पू० | निर्णयाध्यायमात्रम् । |
| ८'५ × ४'१ | ८ | २४ | " | " | १८५२ | " | |
| १२'१ × ५'७ | ९ | ४४ | " | " | | " | |
| १५'५ × ३'७ | ८ | ५७ | वज्र | " | | " | |
| ९'३ × ४'३ | १० | २९ | दे. ना. | " | १७८५ | "* | |
| १०'३ × ४'३ | ७ | २७ | " | " | १८९९ | "* | वाराहं संहितायाम् । |
| ११'६ × ५'२ | ७ | ४५ | " | " | | पू० | |
| ७'५ × ४'३ | १४ | ३० | " | " | १८७३ श० १७३८ | " | |
| ८ × ३'५ | १३ | ४० | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'३ | ९ | २९ | " | " | १८८४ श० १७४९ | पू० | |
| ८'५ × ३'६ | ८ | ३१ | " | " | १८३१ | " | इन्द्रजालविषयकम् । |
| ९'८ × ४'३ | ७ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ९'१ × ४'२ | ७ | २३ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ४'५ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ५'१ | १८ | ३५ | " | " | | पू० | |
| १२'६ × ५'८ | ८ | ३७ | " | " | | अपू० | ५ स्तवकमिता । |
| ८'८ × ६'१ | १२ | २७ | " | " | १९०७ | पू० | |
| ९'२ × ६'२ | १२ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ८'२ × ४'२ | ८ | २० | " | " | | पू० | |
| ८'१ × ४'५ | ६ | २३ | " | " | १९२९ | " | |
| १०'७ × ५'१ | १० | ४५ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------------|------------------------------|-------------------|
| १००६९२ | द्विपञ्चाशदक्षरप्रश्नः | | १-६ । |
| १००६९३ | प्रश्नसारः | | २ गणनया । |
| १००६९४ | नवरोजप्रकाशः | शिवलालः | १-२ । |
| १००६९५ | पञ्चाशदक्षरशास्त्रम् | शङ्कराचार्यः | १-८ । |
| १००६९६ | द्वादशभावप्रश्ननिरूपणम् | | १-२० । |
| १००६९७ | प्रश्नसङ्ग्रहः | हरिभट्टः | १-१५ । |
| १००६९८ | लघुजातकम् | | १-१० । |
| १००६९९ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | १-८ । |
| १००७०० | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१२, १२-२७ । |
| १००७०१ | सप्तनाडीचक्रम् | | १-३ । |
| १००७०२ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १४, ४, ६-१९ । |
| १००७०३ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशः टी०का०-उत्पलः | १-५, ५-९ । |
| १००७०४ | चन्द्रादग्रहाणां फलम् | | १-८ । |
| १००७०५ | वाराहीसंहिताविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-३४ । |
| १००७०६ | फलसङ्ग्रहः | | १ । |
| १००७०७ | चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः | नारायणः टी०का०-धर्मेश्वरः | १-२२ । |
| १००७०८ | सिंहस्यगुरुनिर्णयः | | १ । |
| १००७०९ | नारचन्द्रः | नरचन्द्रः | १-४४ । |
| १००७१० | लघुपाराशरी | | ८ गणनया । |
| १००७११ | भूषणपद्धतिः | सोमदेवः | १-१५ । |
| १००७१२ | मुहूर्त्तदीपकम् | | १-१२ । |
| १००७१३ | मुहूर्त्तमुक्तावली | | १-६ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधार | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|------|-----------------|------------------------|------------------------|
| ९×४'१ | ९ | २५ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ७'६×४'२ | १३ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ९'४×४'३ | १० | ३९ | " | " | | पू० | |
| ६'७×४ | ६ | १९ | " | " | | " | |
| ११'६×५'५ | ८ | ३२ | " | " | | अपू० | प्रश्नकरणं वा । |
| ६'३×४'७ | ७ | २० | " | " | | पू० | |
| ९'३×४'३ | १२ | ३९ | " | " | १८५७ | " | निर्याणाध्यायमात्रम् । |
| ८'२×३'९ | ८ | २७ | " | " | १८९७ श० १७६२ | " | संज्ञातन्त्रमात्रम् । |
| ८'६×४'४ | ८ | २७ | " | " | १८८८ श० १७५३ | " | |
| १२'८×५'५ | ९ | ३४ | " | " | १९३५ | " | |
| १०'८×४'१ | ९ | ४० | " | " | | "* | |
| १०'६×४'४ | ८ | २९ | " | " | | अपू० | |
| १०'२×४'४ | ५ | २७ | " | " | | " | |
| ११'२×५'१ | ९ | ४५ | " | " | १८८८ | " | |
| ८'७×५'७ | १६ | ४० | " | " | | " | |
| ११'५×५'५ | ९ | ४२ | " | " | | " | टी०-भावार्थदीपिका । |
| १२'२×५'७ | १४ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'१×४ | ९ | ३१ | " | " | श० १७३८ | " | |
| १२'३×४'२ | ११ | ४० | " | " | | " | जातकचन्द्रिका च । |
| ७'५×४'८ | १३ | २६ | " | " | | " | |
| ८'५×४'३ | ८ | २६ | " | " | १८९१ | पू० | |
| १०'८×४'७ | १० | ३७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------------------------|--|
| १००७१४ | विवाहपटलम् | | १-२, ३-१० । |
| १००७१५ | सहमसारिणी | | ५ गणनया । |
| १००७१६ | जैमिनीसूत्रं सव्याख्यम् | जैमिनिः व्या० का०- नीलकण्ठः | १-३३ । |
| १००७१७ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | टी०का०-गोविन्दः | १-२७५, २७८-२९६, २९८३११-२१३, ३१३-३२२, ३२४-५२२, ५६२-५८४, ३९७ । |
| १००७१८ | वृद्धगार्ग्यसंहिता | | १-१६ । |
| १००७१९ | स्वरपञ्चाशिका | नन्दराममिश्रः | १-६ । |
| १००७२० | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-५, ७-१० । |
| १००७२१ | कृष्णजातकभूषणम् | कृष्णलालः | १-४० । |
| १००७२२ | नरपतिजयचर्या | | २-२२ । |
| १००७२३ | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | | १८ गणनया । |
| १००७२४ | बृहज्जातकटीका | टी०का०-महीधरः | १-२२ । |
| १००७२५ | शल्यनिधिविचारः | चण्डेश्वरः | १-५ । |
| १००७२६ | वास्तुप्रकरणम् | | १-२० । |
| १००७२७ | पद्धतिप्रकाशः | दिवाकरः | १-२२ । |
| १००७२८ | प्रश्नज्ञानविधिः | | १ । |
| १००७२९ | ज्ञानभास्करः | | १-१६ । |
| १००७३० | ज्योतिषसारमङ्ग्रहः | | १-१० । |
| १००७३१ | लग्नशुभाशुभफलम् | | १-४ । |
| १००७३२ | स्वप्नाध्यायः | वृहस्पतिः | १-४ । |
| १००७३३ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-४ । |
| १००७३४ | हिल्लाजः सटीकम् | खिन्दः टी०का०-रामः | १-१९ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपि | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|----------|--------------------|--|
| ११'८ × ६'१ | १० | ३८ | दे. ना | का. | १९०१ | अपू० |
| ११'५ × ५'३ | १० | ३२ | " | " | " | " |
| १२'६ × ५'८ | १४ | ४८ | " | " | " | व्या०-सुबोधिताः ; |
| ११'५ × ५'५ | १३ | ३७ | " | " | १८६४ | " |
| ९'६ × ४'१ | ९ | ३४ | " | " | " | " |
| ८ × ३'९ | ९ | ३२ | " | " | १८५४ | पू० |
| ९'४ × ४'३ | १३ | ३१ | " | " | १८३४ | अपू० |
| १०'५ × ५'५ | ११ | ३४ | " | " | " | पू० |
| ८'९ × ५'५ | २१ | १६ | " | " | " | अपू० |
| १०'३ × ४'२ | १२ | ३८ | " | " | " | स्वरादिचक्रनिरूपणात्मकम् । |
| ११ × ५'४ | १२ | ३७ | " | " | " | कामधेनुः । |
| १०'२ × ४'४ | ७ | २५ | " | " | " | " |
| ११ × ३'८ | ७ | २९ | मै० | " | " | पू० |
| ८'३ × ३'९ | ६ | २३ | दे. ना. | " | " | दैवज्ञमनोहरे । |
| १०'४ × ३'६ | ९ | ४४ | मै० | " | " | " |
| १२'६ × ५'७ | १३ | ४० | दे. ना. | " | " | " |
| १० × ४'२ | १७ | ५७ | " | " | " | सूर्यरुणसम्वादे, सूर्यविधि इति ग्रन्थनामान्तरम् । |
| १०'४ × ४'३ | ७ | २७ | " | " | " | विवाहपट्टरत्नमात्रम् । |
| ९'४ × ४ | ९ | २५ | " | " | १९९७ | " |
| १० × ४'९ | १४ | ४० | " | " | " | अपू० |
| १०'५ × ५'१ | १५ | ५१ | " | " | " | आदिमोभागभावस्वरूपपर्यन्तम् । आयुर्दायिभागे प्रश्नायुर्दायिपर्यन्तम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|-------------------------------------|-------------------|
| १००७३५ | शिवालितम् | | १-५ । |
| १००७३६ | भुवनदीपकम् | | १-४, ६-८ । |
| १००७३७ | मुहूर्तदीपकः | रामसेवकत्रिवेदी | १-१४ । |
| १००७३८ | शिवालितम् | | १-४ । |
| १००७३९ | बृहज्जातकं सटीकम् | वराहमिहिरः टी०का०- भट्टोत्पलः | १-२४ । |
| १००७४० | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | रामदैवज्ञः | ८-१३, १३-२४ । |
| १००७४१ | पञ्चपक्षीटिप्पणम् | कल्पाकरशुक्लः | १-८ । |
| १००७४२ | जातककर्मपद्धतिः | श्रीपतिः | १-१७ । |
| १००७४३ | सामुद्रिकशास्त्रम् | समुद्रः | १-५७ । |
| १००७४४ | समयप्रदीपः | | १४-२९ । |
| १००७४५ | ज्ञानप्रदीकम् | | १-२४ । |
| १००७४६ | शुभाशुभप्रश्नज्ञानम् | | १४ गणनया । |
| १००७४७ | दैवज्ञवान्धवः | रुद्रः | १-१९ । |
| १००७४८ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-७ । |
| १००७४९ | मनुष्यजातकम् | अमरसिंहः | १-४१ । |
| १००७५० | कर्मविपाकः | | १-१८ । |
| १००७५१ | पञ्चस्वरा | पूजापतिदासः | १-२, ४-२७ । |
| १००७५२ | मुहूर्तदर्पणम् | | १-५३ । |
| १००७५३ | सप्तनाडीचक्रम् | | १-४ । |
| १००७५४ | लम्पाकशास्त्रं सटीकम् | पद्मनाथः टी०का०— सदाशिवः | १-२६ । |
| १००७५५ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२९ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | माघाः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---|
| १०'१×४'३ | ३५ | १४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०×४'४ | ११ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १०'३×४'१ | ९ | ३५ | " | " | १९२४ | पू० | |
| १२×५ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ९'५×५'९ | १८ | ३८ | " | " | | अपू० | आदितः दृष्टिबलाध्याये । |
| १०'३×४'२ | १० | ३७ | " | " | | " | प्रमिताक्षराख्या । |
| १३'१×५'५ | १५ | ५१ | " | " | | पू० | |
| ७'६×४'४ | १२ | २२ | " | " | | " | |
| ९'४×४ | ८ | ३२ | " | " | | " | |
| १७'२×२'७ | ८ | ६१ | वज्र | " | | अपू० | |
| ८'९×३'८ | ११ | ३७ | दे. ना. | " | १७२६ | पू० | |
| ६'८×२'८ | ८ | ३० | मै० | " | | " | |
| ११'४×३'५ | ८ | ५३ | " | " | | " | |
| ८'७×६'४ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | " | रमलसारः श्रीपतिकृतश्च. २२३ पत्रपर्यन्तम् । |
| १०'३×५'३ | ८ | २८ | " | " | | अपू० | |
| १२'४×५ | ९ | ३३ | " | " | १९०१ | " | |
| ८×३'९ | ८ | २९ | " | " | १३९४ | " | |
| ९'६×४'५ | ८ | ३१ | " | " | १८२९ | पू० | |
| ९'३×४ | ९ | ३१ | " | " | | " | वृषभचक्रश्च । |
| ७'८×४'१ | १० | ४० | " | " | | " | |
| १२'६×४'५ | ७ | ४१ | " | " | १४८७ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---|-------------------------------------|---|
| १००७५६ | पञ्चपक्षी | | १-२ । |
| १००७५७ | शुद्धिदीपिका | म०म०गोविन्दानन्द कविकङ्कणाचार्यः | १-९१ । |
| १००७५८ | जन्मपत्रपद्धतिः | | १-६, ८-१५० । |
| १००७५९ | ना वाय चान्तिरं उरे- युडम् (रशनामुखशास्त्रं सव्याख्यम्) | | १-१०७ । |
| १००७६० | भृगुसंहिता | | १-२२ । |
| १००७६१ | आयुर्दायविचारः | | १ । |
| १००७६२ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-५ । |
| १००७६३ | केशवीजातकपद्धत्युदाहरणम् | विश्वनाथः | १-४८ । |
| १००७६४ | दशाचिन्तामणिः | | १-५ । |
| १००७६५ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-२३, १-३८, १-८, १-१०, १-२४, १-४०, १-३६, १-७, १-१४ । |
| १००७६६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथ- भट्टाचार्यः | १-३७ । |
| १००७६७ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | नारायणः | १-५७, ५९-८४ । |
| १००७६८ | मुहूर्ततत्त्वं सटीकम् | गणेशः | १-१०७ । |
| १००७६९ | जैमिनीसूत्रं सोदाहरणम् | | १-२, १, १-११, १-२ । |
| १००७७० | वर्षाविचारः | | १ । |
| १००७७१ | वैधव्ययोगविवादः | | ४ गणनया । |
| १००७७२ | प्रश्नप्रदीपकम् | काशीनाथः | १-१३ । |
| १००७७३ | राजमार्तण्डः | | २ गणनया । |
| १००७७४ | शुकजातकम् | शुकः | १-४ । |
| १००७७५ | स्वप्नाध्यायः | | १-६ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|---------|--------|-----------------|------------------------|---|
| ८'५ × ३'२ | ८ | ३६ | वङ्ग | का | | अपू० | |
| १३ × ४'७ | ११ | ६० | " | " | श० १७७६ | पू० | अर्थकौमुद्यां १-८ अध्यायाः । |
| १०'८ × ५'३ | १० | २४ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३'३ × ८'५ | २२ | १७ | तामिल | " | | पू० | |
| १०'४ × ४'५ | ९ | ४० | दे. ना. | " | | " | |
| १३'५ × ४'५ | ११ | ३१ | मै० | " | | " | |
| १०'१ × ४'३ | ८ | ४० | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३ × ४'२ | ९ | ४२ | " | " | | " | |
| १३ × ४'२ | ९२ | ५८ | " | " | १९३२ | " | |
| १'४ × ५'३ | १२ | ४६ | " | " | | " | टी०-प्रमिताक्षराख्या । |
| १०'५ × ४'४ | ८ | २८ | " | " | | " | द्विरागमनप्रकरणात् चतुर्थ प्रकणान्तः । |
| १२'५ × ५'३ | १५ | ४६ | " | " | १८९४ श० १७५९ | " | |
| १२'३ × ५'२ | १३ | ४५ | " | " | १९४९ श० १८१४ | पू० | |
| १३ × ४ | ८ | ५१ | " | " | १९३० | " | |
| १६'४ × ६'७ | ४२ | २५ | " | " | | " | अष्टोत्तरीदशाक्रमश्च । |
| ९'६ × ५ | १२ | ४४ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'५ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ७'२ × ६ | ९ | १६ | " | " | | " | |
| १०'५ × ५'१ | १३ | ३४ | " | " | | " | शुकसूत्रं वा । |
| ८'८ × ४'२ | १० | २२ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|-------------------|-------------------|
| १००७७६ | पल्लीपतनम् | | १-२ । |
| १००७७७ | उडुदायप्रदीपटोका | | १ + १-३ । |
| १००७७८ | लघुजातकं सटीकम् | भट्टोत्पलः | १-३३ (= ३४-४५) । |
| १००७७९ | वर्णमातृकाफलम् | | १-४ । |
| १००७८० | वीरचिन्तामणिः | | १-९ + २ । |
| १००७८१ | दशापञ्चकफलम् | | १-१३ । |
| १००७८२ | रत्नप्रदीपिका | | १-८ । |
| १००७८३ | अहिबलचक्रम् | | १-४ । |
| १००७८४ | योगिनीजातकम् | | १-८ । |
| १००७८५ | समरसारः | रामचन्द्रसोमायाजी | १-१ । |
| १००७८६ | भावेशफलम् | | १-१५ । |
| १००७८७ | स्त्रीलक्षणम् | | १ । |
| १००७८८ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-१५४ + १ । |
| १००७८९ | समरसारः | रामचन्द्रसोमयाजी | १-१२ । |
| १००७९० | मनुष्यजातकं सविवृत्तिकम् | समरसिंहः | १-४६ । |
| १००७९१ | समरसारः | रामः | १-१० । |
| १००७९२ | नवमांशचक्रम् | | १ । |
| १००७९३ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १६ गणनया । |
| १००७९४ | प्रश्नविचारः | | १-५ । |
| १००७९५ | कालज्ञानम् | | १-२ । |
| १००७९६ | योगिनीदशाफलम् | | २ गणनया । |
| १००७९७ | ग्रहभावफलम् | | १-३ । |
| १००७९८ | नष्टजातकम् | वराहमिहिरः | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|----------------------------|
| ७'३×४'३ | २४ | १२ | दे. ना. | का. | | पू० | स्वांशे । |
| १३×४'२ | १२ | ६८ | " | " | | अपू० | मुदर्शनचक्रञ्च । |
| १०'२×४'३ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १२×५ | ८ | ४३ | " | " | | " | |
| १३×४ | १० | ५३ | " | " | १९३१ | पू० | शिवलिखितम् । |
| १३×४ | ९ | ६५ | " | " | १९३८ | " | स्त्रीजातकञ्च । |
| ९×४ | ११ | ३९ | " | " | श० १६५१ | " | |
| १३×४ | १० | ८९ | " | " | १९७१ | " | |
| ६'८×४'३ | १२ | १८ | " | " | | " | |
| १०'२×४'६ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'५×४'२ | ९ | ४० | " | " | | " | पङ्चवर्गफलानि च । |
| ९'६×४'४ | १४ | ४९ | " | " | | " | पुरुषलक्षणञ्च । |
| ८'७×५'२ | १२ | ३१ | " | " | १८६० श० १७२५ | " | सूचीपत्रञ्च पुटवद्धम् । |
| ९'९×४'२ | ८ | ३५ | " | " | १८३९ | " | |
| १३'३×५'३ | ११ | ५५ | " | " | | अपू० | वृत्ति नाम-कर्मप्रकाशिका । |
| १३×४ | ७ | ५६ | " | " | | पू० | |
| १०'१×४'४ | १० | १२ | " | " | | " | |
| ६×४'२ | ७ | १० | " | " | | " | |
| १०×४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ६'२×४ | १४ | १२ | " | " | | " | |
| ६'२×४'४ | १० | १६ | " | " | | " | |
| १०'८×४'६ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| ९×४ | १० | ४० | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रगण्यविवरणम् |
|------------|----------------------|-------------------------|-----------------|
| १००७९९ | वर्षफलम् | भट्टमहीदासः | १-५ । |
| १००८०० | पल्लीपतनसरटारोहणफलम् | | १-२ । |
| १००८०१ | भौमफलम् | | १-३ । |
| १००८०२ | मुद्दादशा | यवनाचार्यः | ३ गणनया । |
| १००८०३ | मुहूर्तविचारः | | १-३ । |
| १००८०४ | वास्तुसारः | | १-३ । |
| १००८०५ | विंशोत्तरीदशा | | ३-६ । |
| १००८०६ | प्रसूतिकाप्रश्नः | | १-३ । |
| १००८०७ | मुहूर्तसङ्ग्रहः | | २६ गणनया । |
| १००८०८ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-२१ । |
| १००८०९ | " | " | १-३० । |
| १००८१० | दिनचर्याफलम् | | १-४ । |
| १००८११ | कुवदकौमुदी | | १-४ |
| १००८१२ | केशवीजातकपद्धतिः | केशवभट्टः | १-६ । |
| १००८१३ | स्वप्नचिन्तामणिः | जगदेवः | १-१२ । |
| १००८१४ | नष्टजातकं सटीकम् | | १ । |
| १००८१५ | प्रश्नमनोरमा | | १-२ । |
| १००८१६ | जातकर्मपद्धतिः सटीका | केशवः टी०का०-दिवाकरः | १-११८ । |
| १००८१७ | स्वप्नाध्यायः | | १-२ । |
| १००८१८ | सामुद्रिकलक्षणम् | | १-१९ । |
| १००८१९ | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | १२, ५-६, ८-२२ । |
| १००८२० | होराप्रश्नः | | १ । |
| १००८२१ | प्रश्नमनोरमा | गर्गः | १-३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | सं- का | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-----------|----------|-----------------------|--------------------------------|
| ९'७ × ४'५ | १० | २९ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'७ × ५'२ | ६ | ३१ | " | " | १९५२ | " | |
| ६-६ × ५'३ | २२ | २० | " | " | | " | सङ्क्रान्तिकौस्तुभे । |
| ९'३ × ४'४ | १० | २६ | " | " | | " | |
| ८'७ × ४'४ | १३ | ४२ | " | " | १९२५ | " | |
| ९'५ × ४'९ | १० | २३ | " | " | | " | |
| १३ × ४'२ | ८ | ५१ | " | " | १९३२ | अपू० | |
| १० × ४'२ | ८ | ३३ | " | " | १९४० | " | |
| ६'५ × ४'५ | १६ | २६ | " | " | | " | वैश्वदेवविधिसन्ध्याप्रयोगश्च । |
| ९'५ × ४'२ | ९ | ३६ | " | " | १८६१ | " | मासफलाध्यायान्ता । |
| ९'६ × ४'३ | ९ | ४५ | " | " | श० १६६३ | पू० | वर्षतन्त्रपर्यन्ता । |
| ७'८ × ४'७ | १४ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'१ | ७ | ३५ | " | " | | " | |
| १३ × ४'२ | ८ | ४६ | " | " | १९३१ | पू० | |
| १२ × ४ | ११ | ५२ | मै० | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | १० | ४२ | दे. ना. | " | | " | |
| १० × ४'५ | १० | ३४ | " | " | १९१८ | " | |
| ११'५ × ५ | ९ | ३८ | " | " | श० १५४८ | " | टी०-प्रौढमनोरमा । |
| १३'६ × ५'६ | १२ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'३ × ४'४ | ७ | ३२ | " | " | | " | |
| १०'१ × ४'२ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ८'६ × ३'९ | १२ | ४१ | " | " | १८२० | पू० | लग्नप्रदीपे । |
| १० × ४'३ | ८ | ३४ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|--------------|---|
| १००८२ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-८ । |
| १००८२३ | जातकालङ्कारः | गणेशः | २ गणनया । |
| १००८२४ | नीलकण्ठी टीका | गोविन्दः | १-२७ + १, २८-३८ + २ । |
| १००८२५ | ताजिकालङ्कारः | सूर्यकविः | १-१४ । |
| १००८२६ | भुवनदीपकटीका | | १-२४ । |
| १००८२७ | द्वादशभावविचारः | | २४ गणनया । |
| १००८२८ | नरपतिजयचर्या | नरपतिः | १-१६, १-४८, १-१०, १-५, १-४, १-५, १-१४ । |
| १००८२९ | बार्हस्पत्यसंहिता | | १-३२४ । |
| १००८३० | बार्हस्पत्यनिमित्तकाण्डम् | बृहस्पतिः | १-२० । |
| १००८३१ | सारावली | कल्याणवर्म | १-६८ । |
| १००८३२ | फलितसङ्ग्रहः | | १ । |
| १००८३३ | षट्पञ्चाशिका सटीका | पृथुयशः | १-२८ । |
| १००८३४ | योगार्णवः | वःङ्कटेशः | १-१४ । |
| १००८३५ | वर्षपद्धतिटीका | विश्वनाथः | १-३, ५, ८-२५ । |
| १००८३६ | कुण्डलीकल्पतरुः | | १-११, १३-२० । |
| १००८३७ | व्यवहारनिर्णयः | रघुनाथः | १-२७७, २८४-२९१ । |
| १००८३८ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | ९८ गणनया । |
| १००८३९ | सङ्क्रान्तिचक्रम् | | १ । |
| १००८४० | संस्कारकोस्तुभः | | १-४ । |
| १००८४१ | केरलशास्त्रोक्तं सूत्रम् | | १-३ । |
| १००८४२ | प्रश्नशिरोमणिः | | १-५० । |
| १००८४३ | समरसारः | समवाजपेयी | ७-६ । |
| १००८४४ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-१२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रसर- संख्या | लिपिः | आचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|----------------------------|
| ९८×४३ | ११ | ३८ | दे. ना. | का. | १८५१ | पू० | टी०-रसाला । |
| १३×४३ | ९ | ५१ | " | " | | अपू० | |
| १२×५ | ८ | ६२ | " | " | | पू० | |
| ११'२×४'४ | ९ | ४४ | " | " | | " | |
| १२'२×३'५ | ९ | ५७ | " | " | १९३१ | " | |
| १३×४ | ८ | ४७ | " | " | | अपू० | |
| १३×४'२ | ७ | ४४ | " | " | | " | |
| १३'२×७'५ | १९ | १६ | " | " | १९६९ | पू० | |
| १३'२×८ | २१ | १६ | " | " | १९६९ | " | |
| १२'७×६'८ | १६ | ४१ | " | " | १८८५ श० १७५० | " | |
| २'३×८ | ८७ | ३७ | " | " | | " | आदितः शक्तिप्रकरणं यावत् । |
| ९'९×४'४ | ९ | २७ | " | " | १९०३ | " | |
| १०×४'३ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| ९'७×४'३ | १० | ४० | " | " | श० १६४० | अपू० | |
| १४'७×६ | १२ | ५६ | " | " | | " | |
| १२×४'६ | ८ | ४५ | " | " | | " | |
| ९'१×६'१ | २३ | १५ | " | " | | " | |
| ११'८×८'१० | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'५×४'३ | ८ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ९'३×४'३ | १० | ३३ | " | " | १८४१ | पू० | लघुपाराशरी वा । |
| ८'९×४'५ | ११ | ३३ | " | " | १८४५ | " | |
| ६'३×४ | ९ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| १०'३×४'५ | ९ | ४९ | " | " | १९०७ | पू० | |

| | क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|--|------------|------------------------------------|------------------------------|---|
| | १००८४५ | अद्भुतदर्पणः | माधवभट्टः | १-५, ७-३७, ४४-१२७, १२९-१३८, १४०-१४१ + १ । |
| | १००८४६ | मात्रामर्कटी | | १ । |
| | १००८४७ | हंसचक्रम् | | १-२ । |
| | १००८४८ | योगिनीदशाचिन्तामणिः | रुद्रमणिः | १-१६ । |
| | १००८४९ | ताजिकनीलकण्ठी | | १-८ । |
| | १००८५० | वर्षफलतन्त्रम् | | १-१६ । |
| | १००८५१ | चमत्कारचिन्तामणिः | नारायणः | १-३ + १, ४ । |
| | १००८५२ | गृहसिद्धमन्तसिद्धिमन्दिर- गृहम् | व्यासः | १८-४४ । |
| | १००८५३ | जातककल्लोलः | रघुनाथः | ५४-८६ । |
| | १००८५४ | वर्षफलविचारः | | १-१३ । |
| | १००८५५ | बालबोधः सटीकः | | २-३५ । |
| | १००८५६ | दशाफलम् | | १-७ । |
| | १००८५७ | हायनरत्नम् | बलभद्रः | १-२००, २०२-२०८ । |
| | १००८५८ | कौतुकचिन्तामणिः | गणेशात्मजः श्रीरामदेवज्ञः | १-२४४ । |
| | १००८५९ | वाराहीसंहिताविवरणम् | | १-६३४ । |
| | १००८६० | वाराहीसंहिता | | १-४७१ । |
| | १००८६१ | वाराहीसंहिता टीका | परशुरामः | १-१६८ । |
| | १००८६२ | कश्यपसंहिता | कश्यपः | १-६९ । |
| | १००८६३ | वृद्धवशिष्ठसंहिता | वशिष्ठः | १-१० । |
| | १००८६४ | सामुद्रिकम् | | १-१३ । |
| | १००८६५ | ज्योतिः प्रक्रिया | जयकृष्णः | १-२३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|-----------------------------|
| ११'५ × ४'३ | १० | ४१ | दे. ना. | का. | १६९१ | अपू० | |
| ६'३ × २ | × | × | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ५'३ | १० | ४१ | " | " | | " | प्रश्नफलात्मकम् । |
| ७'८ × ४'१ | १२ | २८ | " | " | १८२७ | " | गौरीजातके । |
| १३'४ × ४'२ | ९ | ४७ | " | " | १९५६ | अपू० | |
| ९'९ × ५'४ | ११ | ३१ | " | " | १८४१ | पू० | |
| ९'४ × ४'२ | ९ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'९ × ४'३ | ८ | २७ | " | " | | " | गृहनिर्माणप्रवेशादिविचारः । |
| १०'८ × ४'३ | ७ | ३५ | " | " | १८३३ | " | रघुनन्दन इति नामान्तरम् । |
| ९'९ × ३'५ | ६ | ३० | " | " | १८५५ | " | |
| १० × ४'५ | ११ | ३६ | " | " | १८२१ | " | |
| १४ × ३'३ | ६ | ४६ | वज्र | " | | पू० | |
| १० × ४'४ | १० | ३० | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३'७ × ५'५ | १३ | ४४ | " | " | १६९९ | " | |
| १२'६ × ७'४ | १३ | ३८ | " | " | | पू० | अनुक्रमणीसहितम् । |
| १०'५ × ५'५ | १२ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ११'२ × ५'६ | १२ | ३८ | " | " | | पू० | टी०-दीपाख्या । |
| ७'२ × ३'८ | १० | ३२ | " | " | श० १७३० | " | |
| १०'५ × ४'५ | १० | ४५ | " | " | | अपू० | |
| १२ × ४९ | १० | ५५ | " | " | | पू० | |
| १२'५ × ४'१ | १० | ५५ | वज्र | " | १६८८ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|-------------------------|----------------------|
| १००८६६ | बृहस्पतिकाण्डम् | | १-७ । |
| १००८६७ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | २-१६ । |
| १००८६८ | वपगेणितपद्धतिभूषणम् | | १-६ । |
| १००८६९ | जन्मचन्द्रिका | गोविन्दन्याय- वागीशः | १-२५ + १ । |
| १००८७० | कृषिकाण्डम् | पाराशरः | १-८ । |
| १००८७१ | शुद्धिदीपिका | श्रीनिवासः | १-३२ । |
| १००८७२ | ज्योतिषग्रन्थविशेषः | | १-२ । |
| १००८७३ | सामुद्रिकम् | | १-८ । |
| १००८७४ | होडाचक्रम् | | १ । |
| १००८७५ | यात्राविचारः | | २३ गणनया । |
| १००८७६ | इष्टशोधनम् | यवनाचार्यः | १-४ । |
| १००८७७ | खेटपञ्चाङ्गम् | | १-१० । |
| १००८७८ | ज्योतिषसागरसारः | मथुरेशः | १-५१ । |
| १००८७९ | ज्योतिषसूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-१७ । |
| १००८८० | दशान्तर्दशाफलम् | | १-४ । |
| १००८८१ | व्यवहारप्रदीपः | मिश्रपद्मनाथः | १-२१७ । |
| १००८८२ | भृगुसंहिता | | १-१६, १८-२५, २७-३३ । |
| १००८८३ | मुहूर्तसञ्चयः | | १-४५ । |
| १००८८४ | बृहज्जातकटीका | भट्टोत्पलः | १-४ । |
| १००८८५ | त्रश्नविद्या | | १-२ । |
| १००८८६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-२, १ । |
| १००८८७ | जातकालङ्कारव्याख्या | टी० का०- जीवारामः | १-१५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | सं- ख्या | लिपिकारः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------------|-----------------|-----------------------|------------------------------|
| ९'९ × ४'७ | १० | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १३'४ × ३ | ६ | ४२ | वज्र | " | | अपू० | |
| ९'१ × ३'७ | ११ | २९ | दे. ना. | " | १७६८ | पू० | |
| १८ × ३ | ७ | ७५ | वज्र | " | | अपू० | ज्योतिषमारो वा । |
| १०'५ × ४'१ | ७ | ४५ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १५'५ × ३ | ७ | ६० | वज्र | " | | " | अष्टमाध्यायान्ता । |
| ८'२ × ४'४ | १० | २५ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३'८ × ३'८ | ८ | ४७ | वज्र | " | | पू० | |
| १४'४ × ४'४ | ६ | १८ | दे. ना. | " | | " | |
| १६ × ६'१ | १३ | ६३ | मै० | " | | " | योगफललग्नसारणो ग्रहसारणो च । |
| १०'५ × ४'७ | ८ | २७ | दे. ना. | " | १९२४ श० १७८२ | " | |
| ८ × ३'६ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १५ × २'९ | ४ | ५८ | वज्र | " | | अपू० | |
| १४'६ × २'८ | ४ | ४१ | " | " | | पू० | |
| १८ × ३'१ | ७ | ७६ | " | " | | अपू० | |
| १४ × ६'५ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | पू० | अनुक्रमणां प्रकरणं यावत् । |
| १२'२ × ५'१ | १४ | ६१ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'४ | ८ | ३० | " | " | | पू० | |
| ८'४ × ५'३ | १४ | २९ | " | " | | " | नष्टजातकाव्यायमात्रम् । |
| १५ × ३'१ | ८ | ७० | वज्र | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | १० | ४३ | दे. ना. | " | श० १७२२ | " | पिण्डानयनोत्पत्तिमाह । |
| १०'५ × ५ | १० | ३५ | " | " | १८९५ | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|-----------------------|-------------------|
| १००८८८ | शम्भुहोराप्रकाशः | पुञ्जराजः | १-४० । |
| १००८८९ | चमत्कारचिन्तामणिः | | १-१७ । |
| १००८९० | इष्टशोधनम् | | १-५ । |
| १००८९१ | शम्भुहोरा | पुञ्जराजः | १-७५ । |
| १००८९२ | पञ्चस्वराचक्रम् | | १-५ । |
| १००८९३ | यज्ञेश्वमेधीययात्रा | वराहमिहिरः | १-५७ । |
| १००८९४ | स्वप्नाध्यायः | | १ । |
| १००८९५ | बृहत्संहिता | वराहमिहिरा- चार्यः | १-१६१ । |
| १००८९६ | ज्योतिषग्रन्थविशेषः | | १-५, ३१-३६ । |
| १००८९७ | महर्घतादिविचारः | | १ । |
| १००८९८ | समयप्रदीपः | हरिहराचार्यः | १-८ । |
| १००८९९ | ऋतुकथनम् | | १-४ । |
| १००९०० | वास्तुप्रदीपः | | १-२, ९-१७ । |
| १००९०१ | वर्षफलपद्धतिः | केशवः | १-३ । |
| १००९०२ | दीपिकोद्योतः | राघवः | १-२४ । |
| १००९०३ | ताजिकालङ्कारः | सूर्यकविः | १-१८ । |
| १००९०४ | ज्ञानप्रकाशदीपार्णवः | | १-४ । |
| १००९०५ | बालबोधः | | १-३ । |
| १००९०६ | गद्यपद्यरत्नावली | देवकीनन्दनः | १-२४ । |
| १००९०७ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-३३ । |
| १००९०८ | प्रश्नवैष्णवम् | नारायणः | १७-४३ । |
| १००९०९ | सङ्घट्टचक्रम् | | १-२ । |
| १००९१० | होडाचक्रम् | | २ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|---|
| ९'५ × ५ | १३ | ४६ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ७'१ × ३'८ | ९ | २१ | " | " | | " | |
| १० × ४'६ | ९ | ३७ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'२ | ८ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'३ | ८ | २९ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'३ | ७ | ३१ | " | " | १८९७ | " | |
| ९'५ × ४ | १७ | ४८ | " | " | | " | |
| ११'२ × ४'७ | १३ | ४१ | " | " | १८२७ | " | |
| १८'७ × ४'५ | ८ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'३ | ११ | ४० | " | " | | पू० | |
| १ × ३'१ | ५ | ८ | वज्र | " | | अपू० | |
| १५ × ३'३ | ८ | ७१ | " | " | | पू० | |
| ९ × ४'५ | ९ | २९ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १०'७ × ४ | ११ | | " | " | | पू० | |
| १७ × २'८ | ६ | ७६ | वज्र | " | | अपू० | |
| ८'२ × ३'८ | ९ | ३३ | दे. ना. | " | श० १५९८ | पू० | |
| ९'६ × ६'२ | ११ | ४१ | " | " | | " | विश्वकर्मवितारे आयतत्त्वाधिकार- नाम प्रथमाध्यायमात्रम् । |
| १०'१ × ४'४ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'८ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'५ | १२ | ४४ | " | " | १७५० | " | |
| १०'४ × ४'४ | ९ | ४१ | " | " | | " | वैष्णवशास्त्र वा । |
| १० × ४ | १३ | ४५ | मै० | " | | " | |
| १०'१ × ४'४ | ५ | २२ | दे. ना. | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|---------------------------|------------------------|
| १००९११ | वास्तुप्रदीपः | वासुदेवः | १-२० । |
| १००९१२ | कुलिकविचारः | | ४ गणनया । |
| १००९१३ | प्रश्नविचारः | | १-४ । |
| १००९१४ | जातकसङ्ग्रहः | | २-१७ । |
| १००९१५ | योगिनीदशाफलम् | | १-९ । |
| १००९१६ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-४९ । |
| १००९१७ | लघुपाराशरी | पराशरः | १-३ । |
| १००९१८ | जैमिनीयसूत्रविवृतिः | | १-१५ । |
| १००९१९ | भुवनदीपकः | | १-५ । |
| १००९२० | वृद्धयावनम् | | १-२० । |
| १००९२१ | केशवीयजातकपद्धतिः | | १-६ । |
| १००९२२ | वेलामण्डलनिर्णयः | | १ । |
| १००९२३ | जातकचन्द्रिका | रामशङ्कर- विद्यावागीशः | १-१०३, १-८, (= ९-१९) । |
| १००९२४ | वेदाङ्गज्योतिषम् | लगधः | १-३ । |
| १००९२५ | लघुजातकम् | वराहमिहिरः | १-१० । |
| १००९२६ | बालविवेकिनी | | १-६ । |
| १००९२७ | ज्योतिषमोदकम् | बलदेवः | १-१५ + ८ । |
| १००९२८ | षट्पञ्चाशिका | | १-८ । |
| १००९२९ | सूक्तिकाध्यायः | | १-२ + १ । |
| १००९३० | भद्राशान्तिः | | १-११ । |
| १००९३१ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | १-४ । |
| १००९३२ | वास्तुविचारः | | २-५ । |
| १००९३३ | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-१० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------------|-----------------------|-------------------------------|
| ९'५ × ४'५ | ९ | २८ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९ × ४'५ | ६ | २२ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'४ × ४'२ | ९ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १० × ४'५ | ८ | २९ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ४'२ | ९ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'६ × ४'३ | १० | ४१ | " | " | | " | केरलसूत्रं वा । |
| १०'२ × ४'१ | १० | ४१ | " | " | | " | तृतीयपादमात्रम् । |
| ९'४ × ४'६ | १७ | ४७ | " | " | | " | भावफलसहितश्च । |
| ९'२ × ४'८ | ११ | २८ | " | " | १७७४ | " | |
| ९ × ४ | १३ | २५ | " | " | | " | |
| १३'२ × २'८ | ५ | ६२ | वज्र | " | | " | नक्षत्रमण्डलनिर्णयशान्तिश्च । |
| १५'५ × ३'३ | ७ | ६१ | " | " | श० १७५९ वज्र० १२६४ | " | दशाविचारश्च । |
| ९'५ × ३'९ | १० | ३७ | दे. ना. | " | १६८२ | " | |
| ९'८ × ४'५ | ११ | ४१ | " | " | १८५० | " | |
| ६ × २'९ | ७ | २७ | " | " | १८४२ | " | |
| १०'७ × ४'२ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| ९'६ × ३'७ | ६ | २८ | " | " | १८०९ | अपू० | |
| ६'६ × ४ | १० | २४ | " | " | | पू० | प्रसूतिविचारश्च । |
| ७'६ × ३'६ | ५ | २३ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | १२ | ३६ | " | " | | " | |
| १२'८ × ५'१ | ११ | ४५ | " | " | | अपू० | |
| ८'४ × ३'८ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-----------------|---------------------------------|
| १००९३४ | मुहूर्तभूषणम् | रामसेवकत्रिपाठी | १-२८ । |
| १००९३५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-८७ । |
| १००९३६ | नक्षत्रजातकम् | | १-१२ । |
| १००९३७ | ज्योतिषफलितसङ्ग्रहः | | १-५३ । |
| १००९३८ | दशाचिन्तामणिः | | १-९ । |
| १००९३९ | प्रश्नकौमुदी | | १-८६ । |
| १००९४० | भृगुसंहिता | | १२-१२१ । |
| १००९४१ | ज्ञानप्रदीपः | नरहरिः | १-४५ । |
| १००९४२ | वर्षप्रवेशवेलानयनम् | | १-१० । |
| १००९४३ | पद्यपञ्चाशिका | | १-४ । |
| १००९४४ | योगिनीदशाफलम् | | १-१४ । |
| १००९४५ | नीलकण्ठी | नीलकण्ठः | ६-१६, १८-३५ । |
| १००९४६ | गर्गयात्रा | | १-५ । |
| १००९४७ | केशवीयजातकपद्धतिः | | १-६ । |
| १००९४८ | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-१९ । |
| १००९४९ | नीलकण्ठीसोदाहरणा | नीलकण्ठः | १-१३, १५-७७ । |
| १००९५० | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-७ । |
| १००९५१ | मुहूर्तदर्पणम् | लालमणिः | १-२८, ३०-३६ । |
| १००९५२ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदेवज्ञः | १-२००, २०५-२२४ । |
| १००९५३ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-३०, ३३-३९ । |
| १००९५४ | " | " | २-१७ । |
| १००९५५ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामदेवज्ञः | १-३३१ । |
| १००९५६ | समरसारव्याख्या | | १-४, ३-६, ९+८, १-२, १-२, ११+१ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणः |
|----------|----------------|--------------|---------|-------|----------|-------------------|-------------------------|
| १'४×४'५ | ७ | २३ | दे. ना. | का. | १९२२ | पू० | |
| ८'५×३'५ | ९ | ३७ | " | " | | अपू० | |
| १०×४'२ | १० | ३४ | " | " | | " | |
| ९'४×५ | १५ | ३१ | " | " | | " | |
| १३×४'६ | ९ | ४२ | " | " | | पू० | |
| ५×४'२ | १२ | १५ | " | " | | " | |
| १३'६×७ | १६ | ५७ | " | " | | अपू० | |
| १४'१×५'४ | ११ | ४४ | " | " | १९०७ | पू० | |
| ७×४'५ | ८ | २२ | " | " | | " | |
| १०×४'२ | ११ | ४५ | " | " | | " | |
| ६'५×५ | ११ | १९ | " | " | | " | |
| ११'५×५'७ | १० | ३० | " | " | | अपू० | |
| ५'५×३'५ | ११ | १६ | " | " | | पू० | |
| ११'७×५ | ८ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'२×३'८ | ६ | ३० | " | " | | " | |
| १०'२×४'९ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | उदाहरणानि-विश्वनाथस्य । |
| ६'३×४'३ | ९ | १९ | " | " | | " | |
| ८'३×२'५ | ८ | ३७ | " | " | १७४९ | " | |
| ६'२×४'९ | ११ | १९ | " | " | | " | |
| ८'५×४'६ | ९ | २६ | " | " | | " | विवाहप्रकरणान्तः । |
| १०×४'३ | १० | ३४ | " | " | | " | |
| ९'४×५ | ९ | २९ | " | " | | पू० | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| १३×४ | १० | ४७ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--------------|------------------------------|
| १००९५७ | अक्षरचिन्तामणिः | | १-१२ । |
| १००९५८ | स्वप्नाष्टाश्रयः | बृहस्पतिः | १-५ । |
| १००९५९ | पारसीकप्रकाशः | वेदाङ्गरामः | ५-१२ । |
| १००९६० | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १, ३-१९, २१-२२ । |
| १००९६१ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-५८, ६०-६३, ६७-८६, ८८-१०२ । |
| १००९६२ | तिथिविचारः | | १ । |
| १००९६३ | दशाचिन्तामणिः | | ३-१२ । |
| १००९६४ | शीघ्रबोधः | | १-२१ । |
| १००९६५ | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशः | २२ गणनया । |
| १००९६६ | राहुघातविचारः | | १-२ । |
| १००९६७ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | २-९ । |
| १००९६८ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | नारायणः | १-९४ । |
| १००९६९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामाचार्यः | १-१५, १७-४१, ४५-५२ । |
| १००९७० | गणकमण्डनम् | | १, १-४, ४-५ । |
| १००९७१ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १, ४४-५२, ५४ । |
| १००९७२ | मुहूर्तमार्तण्डः | | १-१६ । |
| १००९७३ | मयूरचित्रकम् | नारदः | २-१५ । |
| १००९७४ | दिनसङ्ग्रहः | रघुदेवः | १-४५ । |
| १००९७५ | जातकफलम् | | १-१५ । |
| १००९७६ | भावस्थग्रहफलम् | | १-६, ६-११ । |
| १००९७७ | नारदीयप्रश्नः | | १-२ । |
| १००९७८ | जातकालङ्कारः | | २२-२८ । |
| १००९७९ | होराफलम् | | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर संख्या | लिपि. | आधारः | लिपिकालः | गुणपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|-----------------|---------|-------|----------|---------------------|---|
| १'२×४'१ | ९ | ३० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ८×४ | ७ | २१ | " | " | १९४१ | " | |
| १'४×६ | १५ | २९ | " | " | १८६१ | अपू० | |
| १०'४×४'३ | ८ | ३९ | " | " | | " | गृहारम्भप्रवेशसं-बन्धिज्योतिष- वचनसङ्ग्रहः । |
| ८'९×४ | ५ | २४ | " | " | | " | |
| ६'५×३'५ | ७ | २६ | " | " | | " | यात्रायाम् । |
| १'४×४'१ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| ८८×४ | ६ | २२ | " | " | | " | |
| ६×५'२ | १० | १७ | " | " | १००२ | पू० | चन्द्रार्कश्च । |
| १'५×४'३ | १३ | ४८ | " | " | | अपू० | |
| १'६×४'१ | १० | ३४ | " | " | | " | |
| १०×४'४ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| १'४×४'१ | ७ | ३० | " | " | १८७१ | " | |
| १'६×४'२ | १० | २५ | " | " | | " | |
| १०'९×४'६ | ८ | ३५ | " | " | | " | |
| १०×४'३ | १३ | ३७ | " | " | १८१७ | पू० | |
| १०×४'२ | १० | ३६ | " | " | १८०९ | अपू० | |
| १३'८×३'६ | ६ | ४४ | वज्र | " | श० १७६३ | पू० | |
| १'६×४'४ | ८ | ३४ | दे. ना. | " | | " | |
| १०'९×४'६ | ६ | २६ | " | " | | " | |
| १०'५×४'५ | १२ | ४९ | " | " | | " | |
| १'१×४'३ | ७ | २६ | " | " | १९१८ | " | |
| १'६×४'४ | ११ | ३५ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|------------------------|-------------------|
| १००९८० | निध्यादिज्ञानप्रकारः | | १-३ । |
| १००९८१ | जातकपद्धतिः | केशवः | १-६ । |
| १००९८२ | जातकाङ्कुरः सटीकः | | ७-१२ । |
| १००९८३ | प्रश्नविद्या सटीका | गर्गः | १-७ । |
| १००९८४ | मूर्हर्त्तमाला | रघुनाथः | १-२५ । |
| १००९८५ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | ३-५४ । |
| १००९८६ | होराज्ञानम् | | १-३ । |
| १००९८७ | षट्पञ्चाशिका सटीका | टी० का०- भट्टोत्पलः | १-१७ । |
| १००९८८ | शीघ्रबोधः | | ३-२२ । |
| १००९८९ | यन्त्रचिन्तामणिटीका | रामदेवज्ञः | १-१८ । |
| १००९९० | सामुद्रिकम् | | १-७ । |
| १००९९१ | यन्त्रचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-२३, २५-३० । |
| १००९९२ | शिका कारिकाः | | १ । |
| १००९९३ | पद्मकोशः | गोवर्द्धनः | १-४ । |
| १००९९४ | सामुद्रिकम् | | १-३ । |
| १००९९५ | लम्पाकशास्त्रम् | | १-४, १-७, १-५ । |
| १००९९६ | अक्षरप्रश्नः | | १-२, २-१२ ४-१२ । |
| १००९९७ | लघुजातकं सटीकम् | | १-२६ । |
| १००९९८ | यवनजातकम् | | ३, ७-२७ । |
| १००९९९ | मूर्हर्त्तचिन्तामणिः | | १-७९ । |
| १०१००० | स्वरोदयः सटीकः | | १-११, १४-२०, २४ । |
| १०१००१ | ज्योतिष्प्रदीपः | | १-६ । |

| आकारः | उक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषाववरणम् |
|------------|------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|---|
| १०'६ × ४'६ | १२ | ३९ | दे. ना. | का. | | पू० | वसुनिर्णयो वा, लोभशसंहितायाम् । |
| १०'६ × ४'३ | १० | ३५ | " | " | | अपू० | |
| ११'२ × ४'६ | १२ | ५० | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'५ | ८ | ३७ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ९'४ × ४ | ८ | २८ | " | " | १८६० श० १७२५ | " | |
| १२'३ × ३'१ | ५ | ४८ | वज्र | " | | पू० | |
| १३'७ × ३ | १० | ७५ | " | " | | " | १—७ अध्यायाः । |
| ८'८ × ६ | १६ | ३२ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३'१ × ६'६ | १३ | ३८ | " | " | १९२५ | पू० | टी०-यन्त्रदीपिका । |
| ९'८ × ३'७ | ७ | २९ | वज्र | " | | " | |
| ९ × ४'४ | ९ | २८ | " | " | १७१२ | अपू० | टी०-यन्त्रदीपिका । |
| ९'७ × ४'४ | १२ | ४१ | दे. ना. | " | | पू० | पल्लीसरटपतनारोहणफलम् । |
| १० × ४'३ | १७ | ४४ | " | " | | " | भावचक्रे ग्रहफलमात्रम् । |
| १७'५ × ३'३ | ८ | ७८ | वज्र | " | | " | अश्वस्थविलोकिनी च । |
| ९'३ × ४'४ | ११ | २५ | " | " | | " | |
| ६'६ × ४'८ | १९ | १९ | दे. ना. | " | | अपू० | केरलोयः । |
| १२'३ × ४'८ | १२ | ५३ | " | " | | पू० | टी०-संक्षिप्तवृत्तिः तात्पर्यटीका वा । |
| ९'७ × ३'७ | ९ | ४१ | " | " | १८०७ | अपू० | |
| ९'६ × ४'१ | ७ | ३० | " | " | १८५७ | पू० | यत्र-तत्र टिप्पणम् । |
| १०'९ × ४'६ | १२ | ४२ | " | " | | अपू० | टी०-वज्रभाषायाम् । |
| १४ × ३ | ९ | ५८ | वज्र | " | | पू० | नवांशद्वादशांशफलम् । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|---------------------------------------|---------------------------|
| १०१००२ | रमलनवरत्नम् | | १-६ । |
| १०१००३ | ज्योतिषसागरः | | १-१७, १९, १९-५१, ६१-११२ । |
| १०१००४ | लघुसङ्ग्रहः | लक्ष्मीनारायणः | ७-२३, २५-२९, ३३-३५ । |
| १०१००५ | सङ्केतकौमुदा | हरिनाथः | १-७, १०-२२ । |
| १०१००६ | स्वरोदयः | | १, ३-५, ७, ९ । |
| १०१००७ | मुहूर्तमुक्तावली | | १-९ । |
| १०१००८ | मुहूर्तचिन्तामणिः | | १-६३ । |
| १०१००९ | नवांशकचूणार्थः | | १-१० । |
| १०१०१० | सामुद्रिकशास्त्रम् | | १-४६ । |
| १०१०११ | त्रैलोक्यप्रकाशः | हेमप्रभसूरिः | २-३६, ३८-६४ । |
| १०१०१२ | दशमभावसारणी | | १-६ । |
| १०१०१३ | पद्मकोशः | | १-१३ । |
| १०१०१४ | समरसारटीका | काशीवासि- दीक्षित- साम्बत्सरिकः | १-४५ । |
| १०१०१५ | केशवीयजातकपद्धतिः | | १-७ । |
| १०१०१६ | जघुजातकम् | वराहमिहिरः | २-८ । |
| १०१०१७ | ताजिककौस्तुभः | बालकृष्णः | १-२७ । |
| १०१०१८ | यात्राविचारः | | १ । |
| १०१०१९ | गणितनाममाला | श्रीपतिसूनुः | १-६ । |
| १०१०२० | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-९ । |
| १०१०२१ | नरपतिजयचर्या | | १-९ । |
| १०१०२२ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १, ३, ५-७, १७-३४ । |
| १०१०२३ | सर्वार्थचिन्तामणिः | | २-८६, ९५-९७, १०८ । |

| आकारः | तद्धृत्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------------|------------------|---------|--------|----------|-----------------------|---|
| १२'४×५ | १७ | ७७ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८'५×३'५ | ७ | १५ | " | " | | " | |
| ९'८×४'४ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| ७'३×६'२ | १० | १९ | " | " | | " | |
| ९'२×५'२ | १२ | ३५ | " | " | १८५१ | " | पवनविजयग्रन्थे शिवागमे ईश्वर- पार्वतीसम्वादे । |
| ९'९×४'२ | ७ | २७ | " | " | १९१७ | पू० | |
| ९×४'५ | ८ | ३१ | " | " | | " | |
| १४×३'३ | ७ | ६४ | वज्र | " | | अपू० | षष्ठीतिग्रन्थस्य नामान्तरम् । |
| ८'५×४ | ६ | २५ | दे. ना. | " | १८३७ | पू० | |
| ९×४ | ११ | ३० | " | " | १५७७ | अपू० | |
| ९'५×५'२ | ९ | ४९ | " | " | | पू० | |
| ९'४×४'६ | ७ | २० | " | " | | " | |
| ९×३'८ | ९ | ३६ | " | " | १८७२ | " | |
| ९'८×४'१ | ९ | ३५ | " | " | १८७३ | " | |
| ८'७×४'८ | ९ | २६ | " | " | | अपू० | राशिप्रभेदे १२ श्लोकतः दशान्त- र्दशाध्यायपर्यन्तं प्रथमाध्याये । |
| ७'९×३'६ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| ५'३×४ | १४ | २० | " | " | | पू० | शुभशकुनश्च । |
| ८'२×५'२ | १६ | २७ | " | " | | " | |
| ९'८×४'२ | ९ | ४७ | " | " | १८६० | " | |
| ९'६×६'१ | १५ | ४१ | " | " | | " | पुरचक्रादारभ्यस्थानंबलचक्रं यावत् । |
| ९'८×४'२ | ९ | ३५ | " | " | | अपू० | वास्तुप्रकरणान्तः । |
| १०'६×४'६ | ८ | ३९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|----------------------|----------------|--------------------------|
| १०१०२४ | वैष्णवशास्त्रम् | नारायणदासः | २-२३, २३-४८ । |
| १०१०२५ | दशान्तर्दशाफलम् | | १-५ । |
| १०१०२६ | भावचिन्तामणिः | | १-७ । |
| १०१०२७ | समयप्रदीपः | हरिहराचार्यः | १-२० । |
| १०१०२८ | ग्रहणांशयनादिभावफलम् | | १-४ १-१६ । |
| १०१०२९ | वास्तुचित्रम् | | १ । |
| १०१०३० | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | २-३२ । |
| १०१०३१ | मुहूर्तसर्वस्वम् | रघुवीरः | १-२४ । |
| १०१०३२ | लघुबालबोधः | | १०० गणनया । |
| १०१०३३ | पुरचक्रम् | | १-२ । |
| १०१०३४ | जातकालङ्कारः | गणेशः | १-८ । |
| १०१०३५ | " | " | १ । |
| १०१०३६ | मृगयामुहूर्तप्रकाशः | मनसारामदैवज्ञः | १-७ । |
| १०१०३७ | वास्तुशास्त्रम् | | १-३ । |
| १०१०३८ | मनुष्यजातकं सटीकम् | | २-७ । |
| १०१०३९ | द्वादशभावफलम् | | ३-३५, ३८-३९, ४१-४३, ४७ । |
| १०१०४० | ग्रहपीठमालाटिप्पणी | आपादेवः | १-१६ । |
| १०१०४१ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१९ । |
| १०१०४२ | ज्योतिर्निबन्धः | | १-३ । |
| १०१०४३ | समयप्रदीपः | हरिहराचार्यः | १-२५ । |
| १०१०४४ | बृहज्जातकम् | | १-१७ । |
| १०१०४५ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | १-६२ । |
| १०१०४६ | सामुद्रिकम् | | ६-३८ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|---------|--------|----------|--------------------|--|
| १०'१×४ | ३ | ३३ | दे. ना. | का. | | अपू० | सूतिकाषष्ठीपूजाप्रयोगश्च । दशान्तर्दशाफलश्च । |
| १३×३'३ | ८ | ५६ | वज्र | " | | पू० | |
| १०'६×४'६ | ९ | ३५ | दे. ना. | " | | " | |
| १७'१×२'८ | ५ | ७० | वज्र | " | | अपू० | |
| १६'४×३'८ | ८ | ८४ | " | " | | पू० | |
| २७×२१'१ | ४ | १८ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'८×४'१ | ११ | ४१ | " | " | | अपू० | |
| ९'८×३'८ | ८ | २७ | " | " | १७८१ | पू० | |
| ८'२×६'१ | १५ | १८ | " | " | १७६७ | अपू० | |
| ८'५×३'९ | ९ | २८ | " | " | | पू० | काशीनाथकृतशोघ्नबोधः महेश्वर- कृतवृत्तशतं षाष्टिसम्बत्सरफलश्च । गोचरप्रकरणं ध्यावत् । |
| १३'५×५'२ | १२ | ५९ | " | " | | " | |
| १०'२×४'५ | १२ | ४८ | " | " | श० १७७२ | " | |
| ११'५×४'५ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| ८'२×६'७ | १९ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ९'६×५'९ | ६ | २९ | " | " | | " | |
| ८'२×३'७ | ६ | २५ | " | " | | " | |
| ८'५×३'३ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ७'६×४'२ | १२ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ८'७×४'१० | ७ | २४ | " | " | | पू० | |
| १२'२×३'५ | ९ | ४५ | वज्र | " | श० १७४८ | " | |
| १०'२×४'५ | ७ | ३५ | दे. ना. | " | १९०८ | अपू० | |
| १०'२×४'४ | ७ | ४० | " | " | १८९० | पू० | |
| १०'८×४'७ | १० | ३८ | " | " | १६८२ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--------------|-------------------|
| १०१०४७ | नीलकण्ठी सटीका | | ५-९७ । |
| १०१०४८ | योगशतकम् | | १-१५, १७ + १ । |
| १०१०४९ | बद्धमोक्षचक्रम् | | १ । |
| १०१०५० | विवाहसौख्यम् | टोडरभूपतिः | १-४९, ५१-५७ । |
| १०१०५१ | जातकालङ्कारटीका | हरिभानुः | १३-३१ । |
| १०१०५२ | योगिनीदशाफलम् | | १-७ । |
| १०१०५३ | मुद्गमहादशाफलम् | | १-२ । |
| १०१०५४ | यात्राप्रकरणम् | | १-३ । |
| १०१०५५ | नीलकण्ठी सटीका | | १०-२९ । |
| १०१०५६ | गणकभूषणम् | समरसिंहः | १-२८ । |
| १०१०५७ | बालबोधः | | ३-१४ । |
| १०१०५८ | द्वादशभावफलम् | | १-५ । |
| १०१०५९ | लघुपाराशरीटीका | | १-१० । |
| १०१०६० | भृगुसंहिता | | २० गणनया । |
| १०१०६१ | बृहज्जातकं सटीकम् | | १-४ । |
| १०१०६२ | सङ्क्रान्तिफलम् | | १-१२ । |
| १०१०६३ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-११, १३-२५ । |
| १०१०६४ | जगन्मोहनः | | १-५१ । |
| १०१०६५ | सुहर्तुमार्तण्डः सटीकः | नारायणः | १-१९८ । |
| १०१०६६ | मेघमाला | | १-३७ । |
| १०१०६७ | शिवाल्लिखितम् | शिवः | २-४७ । |
| १०१०६८ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-६, १-९ । |
| १०१०६९ | शिवाल्लिखितम् | | ३-११, १४ । |

| आकारः | इति- संख्या | सदर- संख्या | तिथिः | आचारः | तिथिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|----------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ७'६'४'१ | १४ | ३० | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १०'३'४'१ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| ८'४'३'९ | १४ | १५ | " | " | | पू० | |
| ११'९'४'५ | १० | ४९ | " | " | १७०० | " | |
| १०'५'४'५ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | |
| ६'८'४'३'७ | ११ | २७ | " | " | | पू० | |
| ८'४'४'३'८ | १२ | ४५ | " | " | | " | |
| ४'९'४'३'६ | ११ | २१ | " | " | | " | |
| ७'६'४'३'८ | १४ | ३७ | " | " | १७११ | अपू० | |
| ९'६'४'४'१ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ९'५'४'५ | ११ | २५ | " | " | | " | |
| ९'८'४'४'२ | ९ | ३७ | " | " | | " | |
| ९'३'४'४'२ | ८ | २८ | " | " | १८६४ श० १७२९ | " | |
| ९'४'५'५ | १४ | १४ | " | " | | अपू० | |
| १०'१'४'४'२ | ९ | २९ | " | " | | पू० | |
| ९'१'४'४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | |
| ९'८'४'४'५ | ९ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ९'७'४'४'२ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| १०'५'४'४'६ | ७ | ३४ | " | " | | पू० | टी०-मार्तण्डवल्लभाख्या, नारायण- कृतेति । |
| ९'५'४'४'४ | १३ | ४० | " | " | १८६ | " | |
| ९'५'४'४'३ | १७ | ४६ | " | " | | अपू० | |
| ८'६'४'३'७ | १६ | ४५ | " | " | | पू० | संज्ञातन्त्रं वर्षतन्त्रश्च । |
| ९'८'४'४'१ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|----------------------|--|
| १०१०७० | ज्योतिषसङ्ग्रहः | | १-१०, १२; १३ । |
| १०१०७१ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-१२ । |
| १०१०७२ | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | १-१५, १-२४ । |
| १०१०७३ | नाडीभेदेनग्रहफलम् | | ३-१८ । |
| १०१०७४ | बालबोधः सटीकः | | १-९ । |
| १०१०७५ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-११ । |
| १०१०७६ | उडुदायप्रदीपः | | १-३ । |
| १०१०७७ | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | १-२५ । |
| १०१०७८ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | १-३० । |
| १०१०७९ | ज्योतिर्लक्ष्मीः | दामोदरः | १-३४ । |
| १०१०८० | प्रश्नसारः | जीवः, नर- हरिसुतः | १-२ । |
| १०१०८१ | सूक्ष्मजातकवृत्तिः | भट्टोत्पलः | ३-७ । |
| १०१०८२ | ज्योतिषार्णवः | | ३-५, ॥ ८-१६, १९-३२, ३५, ३९, (३९ = ४०) ४२, ४८-५३, ६६-६८ । |
| १०१०८३ | चन्द्रराशिफलम् | | १-७ । |
| १०१०८४ | पञ्चपक्षीचक्रम् | | १-६ । |
| १०१०८५ | प्रश्नचक्रम् | | ८ । |
| १०१०८६ | पञ्चपक्षिकाप्रश्नम् | | ४-५ + १ । |
| १०१०८७ | स्वरोदयः | | १, ४-२० । |
| १०१०८८ | सामुद्रिकम् | | २-२३ । |
| १०१०८९ | व्याधिशुभाशुभनक्षत्र- कथनम् | | १ । |
| १०१०९० | स्वरोदयचक्रम् | | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|--|
| ७'८ × ३'८ | ९ | २८ | दे. ना. | का. | | अ०० | होराविषयमधिकृत्यात्रविचारः । |
| ९'३ × ३'८ | १२ | ४३ | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ४'५ | ९ | ४१ | " | " | | " | संज्ञातन्त्रं वर्णतन्त्रञ्च । |
| ६'४ × ३ | ६ | २० | " | " | | अपू० | |
| १०'२ × ४'५ | १६ | ४६ | " | " | | पू० | सामुद्रिकशास्त्रम् । |
| १०'३ × ४'५ | १० | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ४'३ | १० | ३६ | " | " | | पू० | पाराशरहोरामनुसृत्यलिखितोऽयं ग्रन्थः । |
| १०'३ × ४'५ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| १४ × ५'३ | ९ | ४३ | " | " | १८९८ | " | संज्ञाध्यायः । |
| १२'८ × ५ | १५ | ४६ | " | " | | " | कटाक्षद्वयात्मकः । |
| ९'८ × ४'२ | १६ | ५१ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'३ | १० | ३६ | " | " | | अपू० | |
| १०'१ × ४'६ | १२ | २७ | " | " | | " | |
| ९'९ × ५'१ | १३ | ४० | " | " | | पू० | पञ्चमहापुरुषलक्षणाध्यायश्च । |
| ७'८ × ६'४ | १० | ३० | " | " | | " | |
| १० × ६'६ | ९ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १७'१ × ३'९ | ६ | ६२ | वज्र | " | | " | |
| ८'६ × ३'९ | १० | ३३ | दे. ना. | " | | " | |
| ६'७ × ३'९ | ८ | २९ | " | " | | " | |
| १४'४ × ३'२ | ८ | ६१ | वज्र | " | | पू० | स्पन्दनचरित्रञ्च । |
| १२'५ × ८'१ | × | × | दे. ना. | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|-----------------------|--------------------------|
| १०१०९१ | पञ्चशरासङ्गतिः | परमसुखो- पाध्यायः | १-४ । |
| १०१०९२ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिः | ६-४७ । |
| १०१०९३ | पाराशरीहोरा | पाराशरः | १-९ । |
| १०१०९४ | षट्पञ्चाशिका सटीका | भट्टोत्पलः | १-१९, २३-८५ । |
| १०१०९५ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामः | १-६४ । |
| १०१०९६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-३, १९-४५ । |
| १०१०९७ | लघुदीपकम् | | १-३ + १ । |
| १०१०९८ | समरसारः | रामचन्द्रः | १-१४ । |
| १०१०९९ | लग्नचन्द्रिका | | १-३७, ३९-४६ । |
| १०११०० | श्वचरस्वरूपविवृतिः | गोविन्दः | १-२, ७-१४, १७-२१, ३३-६४, |
| १०११०१ | पञ्चपक्षी | | १-४ । |
| १०११०२ | जैमिनीयसूत्रं सटीकम् | टी० का०- नीलकण्ठः | १-१७, १९-२२, २४-२६ । |
| १०११०३ | चतुःषष्टिचक्राणि | | १-८ । |
| १०११०४ | षट्पञ्चाशिकाविवृतिः | भट्टोत्पलः | १-३ । |
| १०११०५ | मुहूर्तचिन्तामणिसटीकः | रामः | १-११६ । |
| १०११०६ | निषेकाध्यायविवृतिः | | १-१० । |
| १०११०७ | प्रश्नतत्त्वं सटीकम् | टी० का०- चक्रपाणिः | १-१६ । |
| १०११०८ | उडुदायप्रदीपः | | २३ गणनया । |
| १०११०९ | जातकफललग्नकुण्डलिका | बादरायणः | १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | सं- ख्या | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------------|-----------------|------------------------|--|
| ९'५ × ४'२ | १८ | ५४ | दे. ना. | का. | | पू० | आयुर्दीयद्वितीयोऽध्यायः । |
| १०'९ × ४'५ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'४ | १२ | ३५ | " | " | | पू० | उदुदायप्रदीपश्च । |
| ७'५ × ४'४ | ८ | २९ | " | " | १८४४ | अपू० | सूर्यार्णवे-नारदाम्बरीयसम्बादे राशिद्वादशमाहात्म्यं, जातका- भरणञ्च । |
| ९'१ × ४'३ | ८ | २९ | " | " | | पू० | |
| ७'५ × ४'४ | ९ | २३ | " | " | १८५७ | अपू० | |
| ९'८ × ४'४ | ९ | ४० | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'३ | १० | ३५ | " | " | १८४८ | अपू० | |
| ९'६ × ४'३ | ६ | २३ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'५ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| ९'१ × ३'९ | १० | ३२ | " | " | | पू० | |
| १३ × ६'७ | १४ | ४३ | " | " | | " | टी०-सुबोधिनी । |
| १६ × ४'४ | × | × | वङ्ग | " | | " | ग्रह, नक्षत्र-राशि, तिथ्यात्मकानि, प्रश्नफलसहितानि । |
| ८'५ × ४ | ९ | ४५ | दे. ना. | " | १८३० श० १६९५ | " | |
| ८'९ × ४ | ८ | ४५ | " | " | | " | टी०-प्रमिताक्षराः संस्कार- प्रकरणान्तः । |
| १२'५ × ६'५ | ११ | ३५ | " | " | | " | इष्टशोधनं वा । |
| १०'५ × ४'५ | ११ | ४८ | " | " | | " | प्रश्नरत्नं वा । |
| ८ × ६'६ | १८ | २६ | " | " | | " | जातकालङ्कारटी०- दशानयन- विचारः प्रश्नसङ्ग्रहादयश्च । |
| ९'२ × ४ | १० | ६२ | " | " | | " | सङ्क्रान्तिनिर्णयश्च । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|-----------------------------|------------------------------|
| १०१११० | मुष्टिचिन्तामणिः | | १ । |
| १०११११ | बालबोधः | मुञ्जादित्यः | १ । |
| १०१११२ | जन्मपत्रानुक्रमः | | १-१० । |
| १०१११३ | बालबोधः | | २-२६ । |
| १०१११४ | मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः | | १२-२६ । |
| १०१११५ | संज्ञाविवेकटीका | टी० का०- गोविन्दः | १-१०, १२, १३, १५-४१, ४४-५३ । |
| १०१११६ | प्रतिमालक्षणम् | | १-३ । |
| १०१११७ | आयप्रश्नविचारः | विघ्नराजः | १-५ । |
| १०१११८ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-२४ । |
| १०१११९ | रत्नहारः | जगन्नाथः | १-२२ । |
| १०११२० | योगिनीदशा | | १-८ + १ । |
| १०११२१ | शिवस्वरोदयः | | १-१४ । |
| १०११२२ | ज्योतिषरत्नमाला | | १-३६ । |
| १०११२३ | पञ्चपक्षी | | १-९ । |
| १०११२४ | विवाहपटलः | | २-१, १०-२१ । |
| १०११२५ | रमलशास्त्रम् | | २-३३ । |
| १०११२६ | ज्योतिषरत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | १-४ । |
| १०११२७ | जातकसारः | | १-५ । |
| १०११२८ | बालबोधः | मुञ्जादित्य- भट्टाचार्यः | १-३, ५-२२, २२-२५, २७-३३ । |
| १०११२९ | ग्रहगोचरफलम् | | १-३ । |
| १०११३० | हिल्लाजजातकम् | | १-६ । |
| १०११३१ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | ३६ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|--------------------------|
| ९'८'×४'२ | ९ | २६ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'८'×४'२ | ८ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ९'३'×४ | ७ | २५ | " | " | १७९० श० १६५५ | पू० | |
| १०'×४'२ | ७ | ३२ | " | " | १८३५ | " | |
| ९'७'×४'२ | ११ | ३४ | " | " | | अपू० | टी०-मार्कण्डवल्लभाख्या । |
| ९'८'×४'३ | ९ | ४२ | " | " | १८५९ श० १७२४ | " | |
| १०'७'×४'५ | १७ | ५३ | " | " | १८१५ | पू० | |
| ८'८'×४'३ | ७ | २० | " | " | | " | |
| १०'५'×४'८ | ११ | ४१ | " | " | १८५२ | " | |
| ९'८'×४'२ | ८ | ३३ | " | " | | अपू० | आदितः यात्राविचारान्तः । |
| ८'९'×४'५ | ९ | ३० | " | " | १८६८ | पू० | |
| २'×४'४ | १२ | ३५ | " | " | श० १८११ | " | |
| ८'३'×४ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| ८'३'×४'१ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'×४ | १० | २६ | " | " | श० १४७० | अपू० | |
| १०'२'×६'५ | १६ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'६'×४'२ | ९ | ३७ | " | " | | " | |
| ९'९'×४'३ | ९ | ३८ | " | " | | पू० | |
| १०'२'×४'३ | ८ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ९'४'×४'३ | ८ | २९ | " | " | | पू० | |
| ९'६'×४'२ | ७ | ३३ | " | " | | " | |
| ११'२'×५'७ | १० | ३७ | " | " | १८७६ | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------------|-------------------------------|-----------------------|
| १०११३२ | सामुद्रिकलक्षणविचारः | | १ । |
| १०११३३ | जातकालङ्कारः | | १-५ । |
| १०११३४ | नीलकण्ठी | नीलकण्ठः | ३-५५ । |
| १०११३५ | पाशावलिः | लान मस्करा | १-४ । |
| १०११३६ | मुहूर्त्तचिन्तामणिः | रामः | २-३७ । |
| १०११३७ | हस्तसञ्जीवनम् | | ३-२२ । |
| १०११३८ | प्रबोधचन्द्रिका | | २७-२८, ३०, ३२-८२ । |
| १०११३९ | शीघ्रबोधः सटीकः | | १-१३, १५-२३, ४०-४१ । |
| १०११४० | मयूरचित्रकम् | | १-२, ६-३६ । |
| १०११४१ | शकुनफलम् | | २ गणनया । |
| १०११४२ | व्यवहारप्रदीपः | पद्मनाभः मिश्र कृष्णात्मजः | १-५५ १००-२४१ । |
| १०११४३ | जातकाभरणम् | दुष्टिराजः | ८-१०० । |
| १०११४४ | मुहूर्त्तचिन्तामणिः | | ५-९, १३-४८ । |
| १०११४५ | इष्टघटीसाधनविधिः | | १-२ । |
| १०११४६ | ज्योतिर्विदाभरणटीका | भावरत्नः | १-३ । |
| १०११४७ | ज्योतिषसङ्ग्रहः | गोविन्दः | ८-५६, ५८-६१, ६५-६७ । |
| १०११४८ | ज्योतिर्विदाभरणम् सटीकम् | कालिदासः टी०का०-भावरत्नः | १-११८, १२०, १२२-१३० । |
| १०११४९ | मुहूर्त्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः | १-१३ । |
| १०११५० | ज्योतिष्कणिका | | १-१७, २२, ४३-४६, ४६ । |
| १०११५१ | क्षेत्रादिफलम् | | १-१२ । |
| १०११५२ | जैमिनिसूत्रव्याख्या | | २ गणनया । |

| आकारः | गङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|-------------------------|-------------------------------|
| ११'२×५'७ | २१ | ५० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९'१×४'६ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'७×५ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| ९×४'५ | ११ | ३४ | " | " | १८४४ श० १७०९ | पू० | |
| १०'५×६ | १२ | ३३ | " | " | १८६१ | अपू० | |
| ७'९×५'९ | १७ | १८ | " | " | | " | |
| ९×३'९ | ७ | २९ | " | " | | " | |
| ११×४'८ | ११ | ५८ | " | " | | " | |
| ९'३×४'४ | ८ | २६ | " | " | १९२६ | " | नारदोक्तम् । |
| ५'६×४'३ | १४ | २५ | " | " | | पू० | चतुष्पदादीनाम् सूर्यगमनफलम् । |
| ११'२×४'७ | १० | ४८ | " | " | १६८४ | अपू० | |
| ९'५×३'८ | १० | ३८ | " | " | १८१७ श० १६८२ | " | |
| ९'५×४'२ | १० | २९ | " | " | १८४३ | " | |
| ९'१×४'१ | ९ | ३० | " | " | श० १७३२ | पू० | |
| १२'७×४'७ | १७ | ७० | " | " | | अपू० | टी०-सुखबोधिका । |
| १२'५×४ | ८ | ४८ | " | " | | " | |
| १३'१×५ | ९ | ४९ | " | " | | " | |
| ९'८×४'२ | ९ | ३१ | " | " | | " | टी०-प्रमिताक्षरा । |
| १३×२'६ | ६ | ७० | वज्र | " | | " | १-२ परिच्छेदी । |
| १४×३'३ | ८ | ५५ | " | " | | " | |
| ९×४'३ | ११ | ३६ | दे. ना. | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------------|---|---|
| १०११५३ | ज्योतिषरत्नमालावृत्तिः | | २३ गणनया । |
| १०११५४ | महासंहिता | वृद्धवशिष्ठः | १-२ । |
| १०११५५ | भृगुसंहिता | | १-८ । |
| १०११५६ | नीलकण्ठधुदाहरणम् | | १-६ । |
| १०११५७ | ज्योतिषस्फुटम् | | २-१५ । |
| १०११५८ | दैवज्ञसञ्जीवनी | | १-३, २-३ । |
| १०११५९ | नीलकण्ठी टीका | विश्वनाथः | १५ गणनया । |
| १०११६० | पञ्चपक्षी | वाराहमिहिरः | १-६ । |
| १०११६१ | प्रश्नशकुनावली | ज्ञानदेवः | १-४ । |
| १०११६२ | भृगुसंहिता | | १-१९ । |
| १०११६३ | केशवीयजातकपद्धत्युदा- हरणम् | विश्वनाथः | १९-३१ । |
| १०११६४ | केशवपद्धतिवासना- भाष्यम् | केशवः भा०का०-धर्मेश्वरः रामचन्द्रात्मजः | १-१०८, १०८-१३४, १३४-१४३, १४३-१५२ + १७८ । |
| १०११६५ | वृद्धगर्गसंहिता | | १-४१, ५४-१४५ । |
| १०११६६ | ज्योतिषकल्पतरुः | | ३०-८०, ८२-११९ । |
| १०११६७ | चन्द्रविचारः | | १ । |
| १०११६८ | केशवीयजातकपद्धतिः | केशवः उ०का०-विश्वनाथः | १-३५ । |
| १०११६९ | ज्योतिस्सागरसारः | भोजः | १-८ । |
| १०११७० | जैमिनीसूत्रविवृतिः | | १-२७ + १-५ । |
| १०११७१ | प्रश्नकौमुदी | विभाकराचार्यः | १-४ । |
| १०११७२ | ज्योतिस्सूत्रम् | कृष्णानन्दः | ९ गणनया । |
| १०११७३ | कर्मविपाकः | | २-२९, २९-३८ । |

| अंकाः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | सं- घारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- त्रिवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------------|----------|--------------------------|---|
| १०'६ × ४'५ | १२ | ४२ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १२'९ × ४'७ | १३ | ४७ | " | " | | " | १-२ अध्यायी । |
| १२'४ × ४'६ | १७ | ३८ | " | " | | " | |
| १२'६ × ४'७ | ११ | ३५ | " | " | | " | टी०-संज्ञाध्यायस्य । |
| ८'१ × ४'२ | ८ | २४ | " | " | १९२४ | " | |
| ६'५ × ३'१ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| ९ × ४ | ११ | ४० | " | " | | " | वषतन्त्रप्रकरणमात्रम् । |
| १०'२ × ४'५ | १४ | ३४ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १४'२ × ५'८ | ९ | ४६ | " | " | | " | इष्टवशाद्भावखण्डमात्रा । |
| १०'३ × ४'३ | १५ | २२ | " | " | १७५५ | अपू० | अन्तर्दशाध्यायोदाहरणमात्रम् । क्वचिन्मूलोऽपि । |
| ८'२ × ३'४ | ७ | ३१ | " | " | | पू० | सोदाहरणं सारिणीसहितम्, दशा- विचाराध्यायमात्रम् । |
| १०'५ × ४'७ | १० | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ११'३ × ५'६ | १३ | ४४ | " | " | १७९७ | " | मिश्रस्कन्धे १७ अ० २५ अध्याय- यावत् । |
| १३'७ × ४'२ | ९ | ३७ | वज्र | " | | " | |
| ११'९ × ६'६ | १६ | ४० | दे. ना. | " | | पू० | |
| १२ × ३'३ | ६ | ६२ | वज्र | " | | अपू० | |
| १०'२ × ९'४ | ११ | ४१ | दे. ना. | " | | " | |
| १५'९ × ३'४ | ९ | ६३ | वज्र | " | | " | |
| १८'७ × ३'२ | ९ | ७२ | " | " | | पू० | |
| १२'४ × ६'४ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--------------|---|
| १०११७४ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-२४ । |
| १०११७५ | दिवाकरपद्धत्युदाहरणम् | दिवाकरः | ६-२१, २३-२४, २६, २९, ३१ । |
| १०११७६ | चन्द्रोन्मीलनम् | | १-२ । |
| १०११७७ | सारावली | | १-२३, २३-२४ । |
| १०११७८ | लग्नप्रयसाधनम् | | १-२ । |
| १०११७९ | बृहज्जातक टीका | भट्टोत्पलः | ५३ गणनया । |
| १०११८० | प्रश्नबोधः | | १-२७ । |
| १०११८१ | वर्षफलगणितपद्धतिभूषणम् | दिवाकरः | १, ४-६ । |
| १०११८२ | कूर्मचक्रम् | | १-३ |
| १०११८३ | प्रश्नफलम् | | १-३ । |
| १०११८४ | स्वरशास्त्रं सटीकम् | | १३-४७ । |
| १०११८५ | विवाहतन्त्रम् | पोतनारायणः | १-३ । |
| १०११८६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | २, ३, ५, ९-१२ । |
| १०११८७ | देवज्ञचिन्तामणिः | यशोधरः | ३-२० । |
| १०११८८ | स्वरोदयटीका | नरहरिमिश्रः | १-१२५ । |
| १०११८९ | भागंवीयदशाफलम् | | १-२७ । |
| १०११९० | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-१८ । |
| १०११९१ | मुहूर्तदिशः | दामोदरः | १-५४ । |
| १०११९२ | ज्योतिर्विदाभरणम् | कालिदासः | १-२, ४-४६, ४८-५९ । |
| १०११९३ | ज्योतिषसारः सटीकः | | २०-२५, ३०, ३४-५७, ५९-६४, ८३-९३, १०१-११२, ११५-११७, ११९-१२१, १४०-१४१, १५२-१५९ । |
| १०११९४ | दशापञ्चकम् | | ४-२९ । |
| १०११९५ | रत्नोद्योतः | गङ्गारामः | १-४६ । |
| १०११९६ | अद्भुतदर्शनम् | | १-४ । |

| आकारः | संख्या | संख्या | लिपिः | आकारः | लिपिकालः | पर्याप्त- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------|--------|---------|-------|----------|---------------------|--------------------|
| १४'२ × ७ | १३ | ३५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १३'३ × ४'३ | १० | ५० | " | " | | " | |
| १८'४ × ४'३ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| ८'९ × ४'२ | ९ | २३ | " | " | | " | |
| १०'५ × ४'६ | ७ | ३१ | " | " | | पू० | |
| १३'३ × ४ | ९ | ३८ | मै० | " | | अपू० | |
| १०'५ × ४'५ | १० | ३२ | दे. ना. | " | | " | |
| १० × ४'३ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| ६ × ४'६ | १५ | १६ | " | " | | पू० | |
| १२'१ × ४'९ | ९ | २६ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ४'५ | ७ | २१ | " | " | १८३१ | " | |
| ११'६ × ४'८ | ९ | ३६ | " | " | १९३४ | पू० | |
| १०'३ × ४'२ | १० | ४३ | " | " | | अपू० | |
| १०'१ × ४'७ | १७ | ३४ | " | " | | " | निबन्धचूडामणिर्वा। |
| १०'४ × ४'४ | ८ | ४० | " | " | १८७२ | पू० | |
| ८ × ४'८ | १२ | १८ | वज्र | " | | अपू० | |
| ८'८ × ४'६ | ८ | ३० | दे. ना. | " | १८६७ | पू० | |
| ११ × ५ | १६ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'२ | ९ | ४४ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'४ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'१ | ९ | ३७ | " | " | १८८० | " | |
| ९'६ × ४'१ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| ११ × ३'७ | १० | ५६ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|-------------------------|------------------------------|
| १०११९७ | रत्नजातकम् | | १-२९ । |
| १०११९८ | चन्द्रोन्मोलनम् | | १-५४ । |
| १०११९९ | अस्थिपटलम् | | ३-४ । |
| १०१२०० | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-५ । |
| १०१२०१ | सामुद्रिकम् | | १-१० । |
| १०१२०२ | विद्वज्जनवल्लभः | भोजराजदैवज्ञः | १२ गणनया । |
| १०१२०३ | योगिनीजातकम् | | १-२८, २८-३०, ३२-३३ । |
| १०१२०४ | मुहूर्तमार्तण्डः | | ३, ४, ७-२६, २८-३१ । |
| १०१२०५ | नक्षत्रमाला टीका | | १-१५ । |
| १०१२०६ | लग्नचन्द्रिका | काशीनाथः | ७-६३ । |
| १०१२०७ | शीघ्रबोधः | " | १-३४ । |
| १०१२०८ | मुहूर्तमार्तण्डटीका | | ४९-७९ । |
| १०१२०९ | सूक्ष्मजातकटीका | भट्टोत्पलः | १०-३० । |
| १०१२१० | रुद्रविशतिका टीका | | ३-२७ । |
| १०१२११ | रजोदर्शनफलम् | | १-३ । |
| १०१२१२ | चितासिद्धिकालविचारः | | १ । |
| १०१२१३ | ज्योतिषवचनसङ्ग्रहः | | १४ गणनया । |
| १०१२१४ | ज्योतिः सारसङ्ग्रहः | हृदयानन्दः | १-२५ । |
| १०१२१५ | जातकर्मकपद्धतिः | श्रीपतिः | १-२६ । |
| १०१२१६ | पृच्छकविधानम् | | १-२ । |
| १०१२१७ | पञ्चपक्षी | | १-३ । |
| १०१२१८ | कालज्ञानोपायः | | १ । |
| १०१२१९ | मुहूर्तचिन्तामणिः सटीकः | रामः टी०का०-गोविन्दः | १-१५, १७-४८, १-६५, १, ५-५४ । |

| श्री नमः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | भाषाः | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|--------------|-------------------------|--------------------------|
| ९×४'१ | ८ | २७ | दे. ना. | का. | | पू० | नाजिकपदनिश्चयश्च । |
| ९'५×४'२ | १० | २९ | " | " | | " | |
| ७×४'५ | ९ | २३ | " | " | | अपू० | अत्र शल्पविचारो वर्तते । |
| १०'७×४'४ | ९ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'९×४'५ | ९ | ४८ | " | " | १९३९ | पू० | |
| ९×४'३ | १३ | ४२ | " | " | १७१९ | अपू० | |
| १०×५'३ | १३ | ४९ | " | " | १८९९ | " | रुद्रयामले । |
| ८'८×३'६ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| १३'५×७ | १७ | ५६ | " | " | १८९९ | पू० | वाल्मीकियोक्ता । |
| ९×३'८ | ९ | ३१ | " | " | १७९८ | " | |
| ११'८×४'४ | ६ | ४८ | " | " | | " | |
| ९'७×४'५ | १४ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'३×४'१ | १० | ३७ | " | " | | " | |
| ८'७×४'५ | ९ | ३६ | " | " | १८७५ | अपू० | |
| ८'७×३'४ | ७ | ३६ | " | " | | " | ऋतुफलं वा । |
| ४×८ | १९ | १८ | " | " | | पू० | |
| ८×५'५ | १२ | २० | वज्र | " | | " | |
| १४×२'८ | ५ | ५४ | " | " | | " | |
| ८'६×४'३ | ९ | २७ | दे. ना. | " | १८३१ १६९६ | " | |
| ९'४×४'२ | १४ | ३१ | " | " | | " | ज्ञानभास्करोक्तम् । |
| १७×१'९ | ६ | ६४ | वज्र | " | | अपू० | प्रश्नविद्या वा । |
| ९'१×३'८ | १२ | ३६ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १३'४×६'३ | १० | ४६ | " | " | १८४५ | अपू० | टो०-पीयूषधारा । |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|-----------------------|-------------------|
| १०१२२० | प्रश्नतत्त्वम् | चक्रपाणिः | १-३ । |
| १०१२२१ | यन्त्रचिन्तामणिः | रामदैवज्ञः | १-१८ । |
| १०१२२२ | शुद्धिदीपिका | श्रीनिवासः | १-५१ । |
| १०१२२३ | होराषट्पञ्चाशिका | | १-५ । |
| १०१२२४ | जातदीपकः | लोहित्यवरसेनः | १-१७, १९-६५ । |
| १०१२२५ | जातकामोदचन्द्रिका | श्रीकृष्णशर्मा | १-५४ । |
| १०१२२६ | ग्रहभावफलम् | | १-३ । |
| १०१२२७ | ज्योतिराकरम् | रामगोविन्दः | १-१३ । |
| १०१२२८ | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरा- चार्यः | १-३ ५-६२ । |
| १०१२२९ | ज्योतिषसूत्रम् | श्रीकृष्णः | १-६ + ३-३ । |
| १०१२३० | प्रश्नावली | शङ्कराचार्यः | १-३ । |
| १०१२३१ | लग्नचन्द्रिका | | १-२ + १ । |
| १०१२३२ | पञ्चविंशतिका | श्रीधरः | १-७ । |
| १०१२३३ | शुकजातकम् | | १-३ । |
| १०१२३४ | मुहूर्तचिन्तामणिः | देवज्ञरामः | १-९ । |
| १०१२३५ | योगसारः | | १-३८ । |
| १०१२३६ | भृगुसंहिता | | १४-३० । |
| १०१२३७ | आयव्ययचक्रम् | | १ । |
| १०१२३८ | इष्टकालज्ञानोपायः | पाठकदेवः | १-२ । |
| १०१२३९ | प्रश्नकीमुदी | | १-१३ । |
| १०१२४० | सामुद्रिकलक्षणम् | | १-६ । |
| १०१२४१ | ज्ञानभास्करः | | १-६ । |
| १०१२४२ | देवज्ञचिन्तामणिः | यशोधरमिश्रः | १-२५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|---------------------------|
| १०'२ × ४'५ | ९ | ५० | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ७'३ × ५'५ | २६ | २७ | " | " | १८०९ श० १६७४ | पू० | प्रकीर्णध्यायान्ता । |
| १६ × ३'८ | ५ | ६१ | वज्र | " | | " | १-८ अध्यायाः । |
| १४ × ३'६ | ९ | ६४ | " | " | | " | |
| १५ × ३'४ | ७ | ५८ | " | " | | अपू० | १-२४ अध्यायाः । |
| १६'६ × ३'८ | ८ | ९८ | " | " | | पू० | १-१५ अध्यायाः ताजकमतश्च । |
| ९'५ × ४'३ | ९ | ४० | दे. ना. | " | | " | |
| १६ × ३'५ | ९ | ८९ | वज्र | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'२ | ५ | ३७ | दे. ना. | " | १९०५ | " | होरामहोदधौ । |
| १६ × ३'३ | ४ | ३३ | वज्र | " | | " | |
| ९'५ × ४'३ | ९ | ४० | दे. ना. | " | | पू० | |
| ९'४ × ४'२ | ९ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ९'२ × ४'२ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |
| ११ × ४'६ | १० | ४१ | " | " | | " | |
| ९'५ × ५'१ | ८ | ३२ | " | " | | " | शुभाशुभप्रकरणमात्रम् । |
| १०'१ × ४'९ | ११ | ३५ | " | " | | अपू० | |
| १४ × ५ | ११ | ४८ | " | " | | " | |
| ९'५ × ६ | १४ | ३० | वज्र | " | | पू० | |
| १० × ४'३ | ९ | ३५ | दे. ना. | " | १८१७ | " | |
| १४ × ३ | ४ | ६२ | वज्र | " | | " | |
| ९'३ × ५'४ | १५ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'३ | ११ | ३४ | " | " | १८५२ | " | षड्वर्गफलमात्रम् । |
| १० × ४'५ | १९ | ४९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|-----------------|-------------------|
| १०१२४३ | केशवीजानकपद्धतिः | केशवः | १-८ । |
| १०१२४४ | जातकदीक्षा | | १-४९ । |
| १०१२४५ | जातकाभरणम् | दुण्डिराजः | १-१५५ । |
| १०१२४६ | शीघ्रबोधः | काशीनाथः | १-११३ । |
| १०१२४७ | " | " | १-३५ । |
| १०१२४८ | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | १-१४ । |
| १०१२४९ | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | १-५४ । |
| १०१२५० | पवनविजयस्वरोदयः | | १-१२ । |
| १०१२५१ | होडाचक्रम् | | १-१२ । |
| १०१२५२ | सत्कृत्यमुक्तावली | रघुनाथसार्वभौमः | १-६० + १ । |
| १०१२५३ | ज्योतीरत्नम् | वराहशर्मा | १-२० । |
| १०१२५४ | दिनसङ्ग्रहः | | १-१५ । |
| १०१२५५ | स्पन्दनचरित्रम् | | १ । |
| १०१२५६ | द्वादशस्थानविचारः | | १-६ । |
| १०१२५७ | ज्योतिषनाममाला | हरिदत्तः | १-१४ । |
| १०१२५८ | योगिनीदशाफलम् | | १-२८ । |
| १०१२५९ | प्रश्नचण्डेश्वरः | | १-६ । |
| १०१२६० | स्वप्नाध्यायः | | १-४ । |
| १०१२६१ | जातकाभरणम् | | ५ गणनया । |
| १०१२६२ | द्विग्रहादियोगफलम् | | १-९ । |
| १०१२६३ | मेघमाला | | १-३ । |
| १०१२६४ | पुत्राध्यायः | | २ गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि | माघारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषाविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|-----------------|-----------------------|---|
| ८'४'४'५ | १० | २४ | दे. ना. | का. | श० १७४८ | पू० | पञ्चस्वरा वा । |
| ९'७'४'२ | ८ | ४२ | " | " | १८५६ | " | |
| ६'३'४'२ | ११ | २२ | " | " | श० १७०० | " | |
| १०'६'४'६ | ५ | २३ | " | " | १८६२ श० १७२६ | " | |
| ९'६'४'५ | ९ | २९ | " | " | | " | |
| ६'५'४'१ | १० | २४ | " | " | | " | |
| १०'५'४'५ | ९ | ४९ | " | " | श० १५२२ | " | |
| ८'३'४'३ | ९ | ७ | " | " | १९३९ | " | |
| ७'६'४'१ | १० | १७ | " | " | | " | |
| १३'१'४'२ | ५ | ५२ | वज्र | " | | " | |
| १४'७'४'८ | ६ | ५० | " | " | | अपू० | अन्ते पत्रमेकं सावरमन्त्रस्य । |
| १३'१'४'३ | ७ | ५८ | " | " | | " | |
| १३'७'४'२ | ७ | ४५ | " | " | | पू० | |
| १०'४'४'२ | ११ | २६ | दे. ना. | " | | " | |
| ८'४'४'४ | ७ | १९ | " | " | | " | |
| ७'१'४'८ | १० | २२ | " | " | | " | |
| ६'२'४'७ | १२ | २० | " | " | | " | |
| ४'८'४'४ | १० | १६ | " | " | | " | |
| १२'५'४'५ | ९ | ४० | " | " | | अपू० | |
| १०'५'४'४ | १० | २४ | " | " | | पू० | |
| १०'२'४'२ | १६ | ६७ | " | " | | " | पुत्रभावमादाय पुत्रोत्पत्तिप्रसङ्गे- सङ्ग्रहग्रन्थोज्यम् । |
| १०'९'४'२ | १० | ४० | मै० | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|--------------------|-------------------|
| १०१२६५ | कर्मविपाकसहिता | | १-३ । |
| १०१२६६ | कर्मविपाकः | | १-२० । |
| १०१२६७ | " | | १-१५ । |
| १०१२६८ | रजश्चक्रम् | | १ । |
| १०१२६९ | पवनविजयः | | १-२८ । |
| १०१२७० | स्वरोदयः | | १-११ । |
| १०१२७१ | " | | १-१४ । |
| १०१२७२ | लघुचिन्तामणिः सटीकः | | १-५ । |
| १०१२७३ | स्वरशास्त्रम् | | १-२१ । |
| १०१२७४ | स्वरोदयः | | १-५ । |
| १०१२७५ | विंशोत्तरीदशाफलम् | | १, १, १-४, १-६ । |
| १०१२७६ | मुहूर्तविचारः | | ११ गणनया । |
| १०१२७७ | वारसंस्कारः | देवभद्रः | १-६ । |
| १०१२७८ | नारचन्द्रज्योतिषम् | | १-१३ । |
| १०१२७९ | रोगादिज्ञानम् | | १-५ । |
| १०१२८० | मुहूर्तगणपतिः | गणपतिः | १-१३१ । |
| १०१२८१ | प्रियमञ्जरीवास्तु | | १-३५ । |
| १०१२८२ | ज्योतिषसूत्रम् | श्रीकृष्णचक्रवर्ती | १-१७ । |
| १०१२८३ | जातकालङ्कारः सटीकः | | १-२२ । |
| १०१२८४ | श्रीप्रश्नावलिः | | १-१३ । |
| १०१२८५ | अक्षरप्रश्नावलिः | | १ । |
| १०१२८६ | शकुनवाचनिः | | १-५ । |
| १०१२८७ | मातृका प्रश्नावलिः | वशिष्ठः | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लोपः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|----------------|--------------|---------|-------|----------|-------------------|---|
| ११'५ × ४'७ | ११ | ४० | दे. ना. | का. | | अपू० | अश्विनीनक्षत्रसामान्यफलकयनं नाम प्रथमोध्यायः । |
| ९ × ४ | ८ | ३३ | " | " | | पू० | राशिफलकयनम् । |
| ९'५ × ४'३ | ११ | ४९ | " | " | १९५६ | " | |
| १४'१ × ४'७ | १२ | ४२ | वज्र | " | | अपू० | |
| ६'९ × ४'२ | १० | २७ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ९'९ × ४'३ | ९ | ३२ | " | " | | " | पवनविजय इति नामान्तरम् । |
| ९'१ × ४'१ | ११ | ३३ | " | " | १९१८ | " | पवनविजयान्तर्गतः । |
| ८'४ × ४'१ | १६ | ४४ | " | " | | " | |
| ५'५ × ३'७ | ९ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ५'७ | १४ | ३३ | " | " | | पू० | |
| १२'३ × ५'६ | ९ | २७ | " | " | | " | विंशोत्तरोदशाचक्रम् । |
| ६'१ × ३'५ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४ | ८ | २८ | " | " | | पू० | वारसंख्यासंस्कारविधिरहर्गणः । |
| ९'७ × ४'२ | ५ | २९ | " | " | | " | यन्त्रकोषटिप्पणान्तम् । |
| ६'५ × ४'४ | ९ | २२ | " | " | १८८८ | " | |
| ९'५ × ४'२ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| ८'६ × ४'७ | ९ | २९ | " | " | | अपू० | |
| १३ × ४'६ | १० | ३५ | वज्र | " | | पू० | |
| १२ × ५ | १० | ४८ | दे. ना. | " | १०९६ | " | |
| १०'२ × ४'३ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| १९'२ × १३'२ | ४८ | ५४ | " | " | | " | |
| ८'६ × ३'८ | ८ | ३० | " | " | | " | प्रश्नवाचिनः वा । शलाका सहिता । अकारादिक्षान्तवर्णानां फलानि । |
| १० × ४'२ | १२ | ३९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|------------------------------|--|
| १०१२८८ | रमलः | गर्गः | १-२४ । |
| १०१२८९ | शकुनवती | व्यासः | १-७ । |
| १०१२९० | पवनविजयः | | १-७ । |
| १०१२९१ | स्वरोदयः | | २-१०, १२-३४ । |
| १०१२९२ | स्वप्नचिन्तामणिः | जयदेवः | १-१० । |
| १०१२९३ | स्वप्नविचारः | | १-५ । |
| १०१२९४ | पाशाकेरली | गर्गः | १-१२ । |
| १०१२९५ | रमलसिन्धुः | | १-२१, १-१०० । |
| १०१२९६ | रमलामृतम् | परमसुखोपाध्यायः | १, ३-३८ । |
| १०१२९७ | रमलचिन्तामणिः सटीकः | टी० का०-परम- सुखोपाध्यायः | १-१० । |
| १०१२९८ | रमलनवरत्नम् | " | ७-६० । |
| १०१२९९ | रमलआतशसङ्ग्रहः | | २-८, १२-३३, ४३-४४, ४६-५२, ५४-६६, १४८-१६७, १८०-१८७ + १ । |
| १०१३०० | अक्षशास्त्रम् | सदाशिवमिश्रः | १-३२ । |
| १०१३०१ | बुद्धिप्रदीपः | धीरेश्वरः | १-९ । |
| १०१३०२ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-११ । |
| १०१३०३ | मातृकशकुनावली | दयाशङ्कर- ओदीच्यः | १-४ । |
| १०१३०४ | प्रश्नसारः | | १-८ । |
| १०१३०५ | राजमुष्टिप्रेक्षा | ईश्वराचार्यः | १-१५ । |
| १०१३०६ | प्रश्नमनोरमा सटीका | | ३-५, ९-१० । |
| १०१३०७ | पवनविजयः | | १-१४ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि. | आकारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|------------------------|-----------------------|---|
| ९×४३ | ५ | १९ | दे. ना. | का. | १८२१ | पू० | |
| ६'७×३'५ | ६ | १४ | " | " | | " | |
| ९'८×४ | ११ | ५० | " | " | | " | |
| ६'२×४'३ | ९ | २० | " | " | | अपू० | |
| ८×५'५ | १२ | २३ | " | " | १९०७ | पू० | |
| ९'९×४'९ | १० | ३४ | " | " | | " | ब्रह्मवैवर्तपुराणान्तर्गतः । |
| ११'५×४'६ | ९ | २३ | " | " | १९२७ | " | |
| ११'५×४'६ | १० | ४० | " | " | १९२६ | " | |
| १३'९×७ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १३'५×७ | १२ | ४१ | " | " | २० का० १८६७ १९१३ | पू० | टी०-मरीच्याख्या । वर्षप्रवेशाध्याय- मात्रम् । |
| १३'९×७ | ९ | ३८ | " | " | २० का० १८६७ | अपू० | |
| १३'९×७ | ९ | २५ | " | " | | " | |
| १३'५×७ | १३ | ४२ | " | " | | " | पञ्चमाध्यायांशमारभ्यान्तिमांशं यावत् । |
| १०'३×३'९ | ९ | ३८ | मै० | " | | " | प्रारम्भतः यात्राकालशकुन- विचारांशः । |
| ९'३×४'३ | ८ | २२ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'७×४'२ | १० | ३२ | " | " | | पू० | |
| ४'१×२'७ | ७ | १९ | " | " | | " | |
| ४'२×२'६ | ७ | २० | " | " | | " | अत्र पिण्डान्युनादिविचारश्चन्द्रादि- साधनश्चापूर्णम् |
| ९'६×४'२ | १२ | ४६ | " | " | | अपू० | लोकमनोरमेति नामान्तरम् । |
| ८×३'९ | १० | ३७ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|----------------------|----------------------------|
| १०१३०८ | अङ्गस्फुरणविचारः | | १ । |
| १०१३०९ | शिवपत्रिका | | १-६, १-७, १-७, १-७, १, १ । |
| १०१३१० | परीक्षाचक्राणि | | १, ४-११ । |
| १०१३११ | नरपतिजयचर्या | | ३१-४१, ४४, ४६-४८ । |
| १०१३१२ | वसन्तराजशाकुनम् | भट्टवसन्तराजः | १-१२४ । |
| १०१३१३ | " | " | १-८, ११-३६ । |
| १०१३१४ | पृच्छातन्त्रम् | | १-९ । |
| १०१३१५ | प्रश्नरत्नं सटीकम् | | १-३९ । |
| १०१३१६ | शकुनावली | समरसिंहः | १-८१, १-२१ । |
| १०१३१७ | प्रश्नविनोदः | | १-११ । |
| १०१३१८ | शिवालिखितम् | | १-१० । |
| १०१३१९ | पञ्चस्वराः | प्रजापतिदासः | १-११ । |
| १०१३२० | प्रश्नावलिः | कृपाशङ्करः | १-५ । |
| १०१३२१ | मूकप्रश्नोत्तरावलिः | | १-१० । |
| १०१३२२ | चण्डेश्वरप्रश्नविद्या | चण्डेश्वराचार्यः | १-१०० । |
| १०१३२३ | वसन्तराजशाकुनम् | | १-९१ । |
| १०१३२४ | प्रश्नप्रदीपिका | काशीनाथः | १-२३ । |
| १०१३२५ | प्रश्नरत्नं सटीकम् | | १-६१ । |
| १०१३२६ | रमलनवरत्नम् | परममुखो- पाध्यायः | १-६६ । |
| १०१३२७ | पाशाकेवली | | १-६ । |
| १०१३२८ | हस्तसामुद्रिकम् | | १-२० । |
| १०१३२९ | प्रश्नमाणिक्यमाला | परमानन्दः | १-२७५ । |

| आकारः | रङ्ग- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्णा- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-----------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---|
| ८'७ × ३'६ | ८ | ३४ | दे. ना. | का. | | पू० | वराहपुराणान्तर्गतः जीवायुर्दाय- विचारश्च । |
| ८'७ × ४'३ | ८ | १९ | " | " | १८८१ | अपू० | शिवालित्खितम् इति वा नाम । |
| ९ × ४'६ | × | × | " | " | | " | |
| १३ × ५'५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| १०५' × ४'५ | ९ | ३५ | " | " | | पू० | |
| ९'१ × ३'८ | १० | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ८'१ × ४'४ | १० | २९ | " | " | १८५७ | पू० | |
| १२'३ × ५'३ | १२ | ५० | " | " | | " | |
| ८ × ५ | ११ | २२ | " | " | १९२७ | " | मङ्गलकृतं देशीभाषायां ग्रहदशा फलश्च । ताजिकनीलकण्ठी चादौ । |
| ७ × ५ | १० | २५ | " | " | | " | |
| ५'९ × ४'६ | १० | १६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ८ | ४७ | " | " | | अपू० | |
| १० × ६ | १३ | ३५ | " | " | | पू० | |
| ६'२ × ४'८ | १० | १५ | " | " | | " | |
| १० × ४'५ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| १०'२ × ६'४ | १५ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'३ | ७ | २० | " | " | | " | |
| ८'३ × ४'१ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| १४ × ५'१ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ९'४ × ५'३ | १२ | २४ | " | " | १८०० | " | |
| ९'४ × ४'६ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०'५ × ४ | ६ | ५० | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|--------------|-------------------|
| १०१३३० | स्वरोदयं सविवरणम् | | १-८ । |
| १०१३३१ | सामुद्रिकशास्त्रं सटीकम् | | २-२० । |
| १०१३३२ | शकुनावलिः | | १-१७ । |
| १०१३३३ | रमलचिन्तामणिः | | १-६० । |
| १०१३३४ | प्रश्नसारः | | १ । |
| १०१३३५ | शिवस्वरोदयम् | | ४-१७ । |
| १०१३३६ | स्वप्नदर्शनफलम् | | २-४, ८-११ + १४ । |
| १०१३३७ | प्रश्नविद्या सटीका | गर्गाचार्यः | १-९ । |
| १०१३३८ | बादरायणप्रश्नः सटीकः | बादरायणः | १-१४ । |
| १०१३३९ | जयलक्ष्मीस्वरोदयटीका | हरिवंशपाठकः | १-२२५ । |
| १०१३४० | प्रश्नसारः | नृसिंहः | १-२ । |
| १०१३४१ | मातृकाशकुनम् | | १-३ + १ । |
| १०१३४२ | काकशकुन विचारः | | १ । |
| १०१३४३ | ग्रहशकुनकारिका | | २ गणनया । |
| १०१३४४ | इन्द्रजितकेरली | | ५ गणनया । |
| १०१३४५ | प्रश्नचिन्तामणिः | | १-१० । |
| १०१३४६ | शकुनदर्शनविचारः | | ८५ गणनया । |
| १०१३४७ | प्रश्नविचारचक्रम् | | १-७ । |
| १०१३४८ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-१४ । |
| १०१३४९ | " | " | १-८ । |
| १०१३५० | गमनागमनप्रश्नविचारः | | १-६ । |
| १०१३५१ | प्रश्नविचारः | | १-४ । |
| १०१३५२ | प्रश्नचूडामणिः | | १-१२ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आकारः | लिपि-मालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|-------|-----------------|-----------------------|---|
| ८'८'४'५ | १३ | ३४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'२'४'४ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |
| ८'७'४'३'९ | ८ | ३३ | " | " | | पू० | |
| ५'४'४ | ७ | २४ | " | " | | " | |
| ८'४'३'९ | १० | ३७ | " | " | | अपू० | |
| ८'३'३'३'५ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ९'७'४'६'४ | २० | २२ | " | " | | " | |
| ८'८'४'४'८ | १२ | ३० | " | " | | पू० | प्रश्नकाण्डात् मूलकाण्डं यावत् टी०-लोकमनोरमाख्या । |
| १२'४'५ | १४ | ४० | " | " | | " | |
| ९'५'४'५ | १० | ३४ | " | " | १८४९ | " | |
| ८'१'४'४ | १० | २६ | " | " | | " | |
| ६'९'४'४'२ | १३ | २४ | " | " | | " | |
| ९'४'४ | २४ | १२ | " | " | | " | छिक्काफलम् । |
| ५'८'४'४ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ६'८'४'३'९ | १६ | ४० | " | " | | " | लोकमनोरमा, प्रश्नविद्या च । |
| ८'३'४'४ | १३ | २८ | " | " | | " | |
| ३'५'४'४'९ | ३ | १२ | " | " | | अपू० | |
| ९'३'४'४'३ | × | × | " | " | | " | |
| ९'४'३'४ | ८ | ३८ | " | " | | पू० | |
| १०'४'४'५ | १३ | ५५ | " | " | १७५१ श० १६१५ | " | |
| १०'१'४'४'४ | ११ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'५'४'३'९ | १६ | ४६ | " | " | | अपू० | |
| १०'७'४'६'४ | १० | २६ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------------|---------------|-------------------|
| १०१३५३ | पञ्चस्वराः | | १-५ । |
| १०१३५४ | पञ्चस्वरटिप्पणम् | | १-७ । |
| १०१३५५ | प्रश्नशास्त्रमहोदधिः] | व्यासः | १-२४ । |
| १०१३५६ | प्रश्नविचारः | | १-५ । |
| १०१३५७ | प्रश्नमनोरमा सटीका | गर्गाचार्यः | १-४ । |
| १०१३५८ | स्वरोदयः सटीकः | | १-१९० । |
| १०१३५९ | अक्षरप्रश्नविचारः | | १ । |
| १०१३६० | शकुनावली | | ३ गणनया । |
| १०१३६१ | ज्ञानप्रदीपः | | १-१३ । |
| १०१३६२ | प्रश्नमनोरमा | | १-४ । |
| १०१३६३ | पाशावली | | १-१० । |
| १०१३६४ | प्रश्नचण्डेश्वरः | चण्डेश्वरः | १-१२, १२-६५ । |
| १०१३६५ | स्वरोदयविचारः | | १-५ । |
| १०१३६६ | वसन्तराजः | भट्टवसन्तराजः | १-१२८ । |
| १०१३६७ | प्रश्नविचारः | | १-५२ । |
| १०१३६८ | अङ्गस्फुरणकारिका | | १ । |
| १०१३६९ | वसन्तराजशाकुनम् सटीकम् | | १-३२५ । |
| १०१३७० | शकुनावली | | १-११, १-४ + १ । |
| १०१३७१ | भार्गवनाडीप्रश्नः | वररुचिः | १-१३ । |
| १०१३७२ | हस्तलक्षणम् | | १-६ । |
| १०१३७३ | पाशविधिः | गर्गः | १-१० । |
| १०१३७४ | प्रश्नरत्नं सटीकम् | | १-४६ । |
| १०१३७५ | स्वरग्रन्थः | | १-५ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | प्रक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------------|---------|-------|----------|------------------------|-----------------------------|
| १० × ६'४ | १४ | २६ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १० × ६'४ | १४ | २६ | " | " | | " | |
| १० × ६'४ | १३ | २३ | " | " | | " | |
| १०'१ × ६'६ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| १०'३ × ६'३ | १५ | ४२ | " | " | | " | |
| ११ × ५'५ | ७ | २९ | " | " | | " | टी०-जयलक्ष्मीः । |
| ६'६ × ५'१ | २४ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ७'१ × ४ | १२ | १६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'४ | १३ | ५० | " | " | | पू० | |
| १०'३ × ४'४ | ११ | ४० | " | " | | " | |
| ९ × ५ | ९ | २० | " | " | | " | |
| १०'३ × ५'४ | १० | ३८ | " | " | | " | |
| १३'५ × ६'४ | ११ | ५४ | " | " | | अपू० | |
| ९'६ × ५'४ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ६ × ४ | १० | २१ | " | " | | " | |
| ८'६ × ३'२ | १० | ४२ | " | " | | " | |
| १०'५ × ५'४ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| ७'२ × ४'३ | १३ | २७ | " | " | श० १६९६ | अपू० | |
| ९ × ५'८ | ९ | २२ | " | " | १८९५ | पू० | |
| १० × ४'५ | १७ | ३७ | " | " | | अपू० | सामुद्रिकम् । |
| १०'३ × ४'५ | ११ | ३५ | " | " | १९०५ | पू० | |
| १०'४ × ४'२ | ९ | ३८ | " | " | १८८६ | " | टी०-सङ्क्षिसार्थप्रकाशिनो । |
| १०'५ × ४'२ | ९ | ३६ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|----------------------|-------------------|
| १०१३७६ | रमलनवरत्नम् | परमसुखो- पाध्यायः | १-३५ । |
| १०१३७७ | पाशककेवली | गगंमुनिः | १-१५ । |
| १०१३७८ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-१७ । |
| १०१३७९ | हस्तसञ्जीवनम् | मेघविजयगणिः | १-४६ । |
| १०१३८० | वसन्तराजशाकुनम् | | १-१३१, १३१-१४६ । |
| १०१३८१ | स्वरशास्त्रम् | | १-६ । |
| १०१३८२ | प्रश्नार्यासप्ततिः | भट्टोत्पलः | १-४ । |
| १०१३८३ | प्रश्नरत्नम् | | १-२६ । |
| १०१३८४ | रमलसारः | श्रीपतिः | १-१७ । |
| १०१३८५ | पञ्चपक्षी | | १-२ । |
| १०१३८६ | वसन्तराजः | श्रीभानुचन्द्रः | २-९४ । |
| १०१३८७ | शिवालिलितम् | | १-१२ । |
| १०१३८८ | समरसारः | रामः | १-२० । |
| १०१३८९ | स्वरोदयः | जीवनाथः | १-५ । |
| १०१३९० | प्रश्नभैरवः | गङ्गाधरः | १-७१ । |
| १०१३९१ | आयप्रश्नः | विप्रराजः | १-६ । |
| १०१३९२ | आर्यासप्तशती सटीका | भट्टोत्पलः | १-१७ । |
| १०१३९३ | स्वरोदयः | | १-७१ । |
| १०१३९४ | मुष्टिचिन्तामणिः | | १-३ । |
| १०१३९५ | प्रश्नविमर्शः | | १-२ । |
| १०१३९६ | सामुद्रिकम् | | १-११ । |
| १०१३९७ | रमलशास्त्रम् | चिन्तामणिः | १-९ । |
| १०१३९८ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-११ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | विचारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|------------------------|------------------------|
| १२×५३ | १० | ५३ | दे. ना. | का. | १८६८ | पू० | |
| १२'५×४'८ | ७ | ३५ | " | " | | " | |
| १२'७×४'९ | ५ | ३१ | " | " | १८६९ | " | |
| १२'८×४'७ | ८ | ३२ | " | " | १८९४ | " | |
| १०'५×५ | १० | २८ | " | " | १८८४ | " | |
| ११'२×५ | १३ | ३७ | " | " | १८२७ | " | |
| ७'७×४'२ | १३ | ४५ | " | " | श० १५२७ | " | |
| ७'७×४'५ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| ७×३'९ | ११ | २९ | " | " | | " | |
| १०'५×४'७ | ११ | ३९ | " | " | | " | शकुनविचारः । |
| १३'६×५'२ | १० | ४० | " | " | १९३० | अपू० | |
| ११'२×४'६ | ६ | ३१ | " | " | | पू० १ | शिवामुहूर्तं वा । |
| ७'५×४'५ | १ | २६ | " | " | १६५९ | " | स्वरशास्त्रम् । |
| १०'२×४'४ | ११ | ४८ | " | " | श० १७४० | " | |
| ९'९×४'२ | ८ | ४४ | " | " | १८७८ | " | |
| १०'४×४'५ | ७ | २९ | " | " | १९१४ | " | |
| १०'१×४'५ | ८ | ३९ | " | " | १८८१ | " | प्रश्नज्ञानप्रकरणम् । |
| ९×४ | ९ | २८ | " | " | १८३० | " | नरपतिजयचर्यान्तर्गतः । |
| ९'७×४'३ | १० | २९ | " | " | | " | |
| ६'३×३'२ | ७ | २३ | " | " | | " | |
| ९'९×४'२ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०'५×४'५ | ११ | ४८ | " | " | | पू० | |
| १०'७×४'६ | ११ | ३६ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------|--------------|-------------------|
| १०१३९९ | वर्णप्रश्नविधिः | | १-३१ । |
| १०१४०० | मुष्टिचिन्तामणिः | | १-२ । |
| १०१४०१ | रमलचिन्तामणिः | | १-१२ । |
| १०१४०२ | सामुद्रिकम् | | १ । |
| १०१४०३ | रमलनवरत्नम् | | १-३ । |
| १०१४०४ | स्वरोदयः | | १-२६ । |
| १०१४०५ | सामुद्रिकम् | | १-१२ । |
| १०१४०६ | नारदोक्तप्रश्नः | | १-३ । |
| १०१४०७ | प्रश्नमनोरमा | | १-४ । |
| १०१४०८ | शकुनविचारः | | १-२ । |
| १०१४०९ | प्रश्नावली | | १-१५ । |
| १०१४१० | प्रश्नचिन्तामणिः | | १-५६ । |
| १०१४११ | सामुद्रिकम् | उदधिमुनिः | १-८ । |
| १०१४१२ | प्रश्नार्णवः | नारायणदत्तः | १-४१ । |
| १०१४१३ | शकुनज्ञानम् | | १-२४ । |
| १०१४१४ | स्वरोदयः | | १७-३९ । |
| १०१४१५ | " | सीतारामः | १-२४ । |
| १०१४१६ | सामुद्रिकम् | | १-९ । |
| १०१४१७ | पवनविजयः | | १-९ । |
| १०१४१८ | प्रश्नाध्यायः | | २६-३६ । |
| १०१४१९ | प्रश्नविद्या सटीका | | १-४ । |
| १०१४२० | स्वरोदयः | | १-३८ । |
| १०१४२१ | रमलचिन्तामणिः | | १-१३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|--------|-------|-----------------|-----------------------|-----------------------------|
| ११×३२ | ९ | ३० | दे.ना. | का. | | पू० | |
| ९×४ | १० | २४ | " | " | १७३९ श० १६०४ | " | |
| ८'४×४ | ११ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ६'४×५ | १३ | २१ | " | " | | पू० | स्त्रीलक्षणानि । |
| ११'५×३'९ | १२ | ५८ | " | " | | अपू० | |
| १३'४×६'२ | १२ | ७२ | " | " | | पू० | |
| ८'४×४'६ | ११ | १४ | " | " | १८८२ | " | |
| ९'६×६'३ | ८ | ३७ | " | " | | " | |
| १३'५×४'४ | ९ | ४३ | " | " | | अपू० | |
| ८'४×४ | १५ | ३५ | " | " | | पू० | क्षुद्धिचारकाकशब्दपरीक्षे । |
| १०'५×४'५ | ९ | २७ | " | " | १९४४ | " | |
| ४'५×३'१ | १३ | २४ | " | " | १८८५ | " | |
| ८'८×४'७ | ८ | ४० | " | " | | " | |
| १२'८×६ | १२ | ३९ | " | " | | " | |
| ९'६×६'७ | १५ | ३० | " | " | | " | |
| ८'१×४'३ | ८ | २२ | " | " | | अपू० | |
| १०'३×४'६ | ९ | ३९ | " | " | | पू० | |
| ९'४×४'६ | ११ | ३२ | " | " | | " | |
| ९'५×४'२ | ९ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ९'४×३'६ | ८ | २८ | " | " | | " | |
| १०'६×४'४ | ९ | ५२ | " | " | | " | |
| ८'२×६'४ | १३ | २० | " | " | | पू० | |
| ८×४'१ | ९ | २८ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|------------------------|--------------|-------------------|
| १०१४२२ | गोरक्षमुहूर्तम् | | १ । |
| १०१४२३ | दसन्तराजशाकुनम् | | १-११ । |
| १०१४२४ | स्वरोदयः | | १-४ । |
| १०१४२५ | प्रश्नविचारः | | १ । |
| १०१४२६ | प्रश्नराजसारः | | १-२ । |
| १०१४२७ | देवकृतप्रश्नः | | १-८ । |
| १०१४२८ | मयूरचित्रग्रन्थप्रश्नः | | १-१२ । |
| १०१४२९ | ग्रहलाघवं सटीकम् | | १-३, १०-७२ । |
| १०१४३० | प्रश्नसारः | | १-४ । |
| १०१४३१ | प्रश्नज्ञानम् | | १-४ । |
| १०१४३२ | एकाक्षरप्रश्नविचारः | | १-९ । |
| १०१४३३ | स्वरनाडिकालक्षणम् | | १-४ । |
| १०१४३४ | स्वप्नविचारः | | १-१० । |
| १०१४३५ | रमलज्योतिषम् | चिन्तामणिः | १-४, १-४१ । |
| १०१४३६ | लघुप्रश्नलक्षणम् | नारदः | १-३ । |
| १०१४३७ | सामुद्रिकलक्षणम् | | १-६ । |
| १०१४३८ | हस्तरेखाविचारः | | १ । |
| १०१४३९ | प्रश्नविचारः | | १ । |
| १०१४४० | प्रश्नमुखलक्षणम् | | १-४ । |
| १०१४४१ | ग्रहभेदशंसी | | १ । |
| १०१४४२ | नानाविधप्रश्नाः | | १-३ । |
| १०१४४३ | मातृकाशकुनम् | | १-३ । |
| १०१४४४ | प्रश्नविचारः | | १-४ । |
| १०१४४५ | नानाविधप्रश्नावलिः | | १-१४ + १ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|------------------------------|
| १३×८ | × | × | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १०'७×४'३ | ११ | ४३ | " | " | | " | |
| ९×३'९ | १२ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ८'६×४'४ | २५ | ३१ | " | " | | पू० | |
| ७'८×४'२ | ११ | ३३ | " | " | | " | |
| ७'१×३'४ | ६ | २३ | " | " | | " | |
| ८'५×४'२ | १० | ३२ | " | " | | " | |
| ८'२×४'४ | १२ | २८ | " | " | | अपू० | टी०-मराठीभाषायाम् । |
| १२'४×४'८ | १० | ४८ | " | " | | पू० | |
| १२×४'६ | १२ | ४८ | " | " | १७४२ | " | |
| ८'४×३'४ | ७ | १६ | " | " | श० १७६१ | " | |
| ५'९×३'२ | ८ | १९ | " | " | | " | |
| ६'२×३'१ | ७ | २५ | " | " | | " | शौनकीये दुःस्वप्नशान्तिश्च । |
| ९'६×४ | ८ | ३४ | " | " | | " | |
| ९'५×४ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| १०'८×५'४ | ९ | ३० | " | " | १९०९ | " | |
| १३×८'४ | × | × | " | " | | " | |
| ८'८×६ | १५ | १८ | " | " | | " | |
| ८'३×४'२ | ९ | ६३ | " | " | | अपू० | |
| १२×६ | ४० | ४० | " | " | | पू० | गर्गचार्योक्तगमनसूहृत्तश्च । |
| ९'४×४'२ | ११ | ४९ | " | " | | " | |
| ७'९×३'७ | १४ | ३४ | " | " | १७५८ | " | |
| ८'२×४ | ९ | २९ | " | " | | " | नारदीयसंहितायाम् । |
| ७'२×३'९ | ११ | ३२ | " | " | श० १७५३ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|--------------|-------------------|
| १०१४४० | प्रश्नरत्नम् | नन्दरामः | १-१२ । |
| १०१४४७ | अक्षरचिन्तामणिः | | १-८, १०, १२-१३ । |
| १०१४४८ | आयप्रश्नज्ञानम् | | १-३ । |
| १०१४४९ | अक्षरचिन्तामणिः | शिवः | १-१० । |
| १०१४५० | अक्षरशकुनम् | | १, ७-८ । |
| १०१४५१ | रमलसारः | | १-५ । |
| १०१४५२ | प्रश्नार्णवः | | १-४४ । |
| १०१४५३ | हस्तसञ्जीवनम् | मेघविजयगणः | १-१२ । |
| १०१४५४ | कैवल्यशकुनशास्त्रम् | | १-१२ । |
| १०१४५५ | प्रश्नज्ञानम् | | १-५ । |
| १०१४५६ | प्रश्नफलम् | | १ । |
| १०१४५७ | रमलचिन्तामणिः | चिन्तामणिः | १-७२ । |
| १०१४५८ | स्वप्नविचारः | बृहस्पतिः | १-४ । |
| १०१४५९ | केरलप्रश्नः | | १-१० । |
| १०१४६० | " | | १-९ । |
| १०१४६१ | चण्डेश्वरप्रश्नविद्या | | १-६ । |
| १०१४६२ | रमलप्रश्नचिन्तामणिः | | १-६ । |
| १०१४६३ | पवनविजयस्वरोदयः | | १-३ । |
| १०१४६४ | अङ्गविद्या | | १ । |
| १०१४६५ | रमलग्रन्थः | | ४९-५३ । |
| १०१४६६ | प्रश्नप्रदीपः | | १-६ । |
| १०१४६७ | प्रश्नरत्नम् | | १-१९ । |
| १०१४६८ | सामुद्रिकलक्षणम् | | ७-२४ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपि. | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण विवेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|----------------------|--------------|
| १२'७×५'४ | ११ | ४९ | दे. ना. | का. | १८०१ | पू० | |
| ११×४'६ | ९ | ४२ | " | " | | अपू० | |
| १०'८×४'६ | १० | ४२ | " | " | | पू० | |
| १०'२×४'२ | ११ | ३२ | " | " | | अपू० | |
| ५'५×३'६ | ७ | १३ | " | " | | " | |
| १०'२×३'१ | ११ | ५१ | " | " | | " | |
| १०×४'५ | १० | ३५ | " | " | १८२१ | पू० | |
| १२'२×४'८ | ९ | ४८ | " | " | | " | |
| ९'९×४'३ | ८ | ३० | " | " | | " | केरलीयम् । |
| ९'६×४'६ | ९ | ३२ | " | " | १५४७ | " | |
| ७'६×३'३ | ७ | १६ | " | " | | " | |
| १०'७×४'६ | ६ | २९ | " | " | | " | |
| १०'८×४'६ | ११ | ३३ | " | " | १९४३ | " | |
| १०×४'४ | ९ | ३३ | " | " | १८२४ श० १६८९ | " | |
| ९'४×३'५ | ९ | ५० | " | " | १८८७ | " | |
| ६'८×४'३ | ९ | ५० | " | " | | " | |
| ८×३'६ | १२ | ४५ | " | " | श० १७३७ | " | |
| १०'२×४'३ | १० | ४५ | " | " | १९४६ | " | |
| ६'७×३'२ | १० | २८ | " | " | | " | |
| ९'८×४'३ | ९ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'९×४'८ | ८ | २७ | " | " | | अपू० | |
| ११'३×५ | ८ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ८'५×४'२ | १० | १८ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|---------------------|-------------------|
| १०१४६९ | केरलीप्रश्नज्ञाननिरूपणम् | | १-५ । |
| १०१४७० | हस्तसङ्गीवनम् | | ३-२९ । |
| १०१४७१ | स्वप्नाध्यायः | | १-७ । |
| १०१४७२ | प्रश्नविद्या | गर्गः | १-७ । |
| १०१४७३ | वसन्तराजशाकुनम् | | १-३०, ३१-९० । |
| १०१४७४ | ज्ञानस्वरोदयः | | १-१४ । |
| १०१४७५ | प्रश्नभैरवः | | १-१४ । |
| १०१४७६ | रमलप्रश्नसङ्ग्रहः | | १-४६ । |
| १०१४७७ | सामुद्रिकशास्त्रम् | | ५-१३ । |
| १०१४७८ | शलाकाप्रश्नोत्तरम् | | १ । |
| १०१४७९ | केरलप्रश्नः | | १ । |
| १०१४८० | सामुद्रिकम् | | १८ गणनया । |
| १०१४८१ | लम्पाकशास्त्रम् | पद्मनाभः | ३-४० । |
| १०१४८२ | शकुनदीपकम् | गणेशभट्टः | १-२१ । |
| १०१४८३ | सम्बित्प्रकाशः | कवोश्वर गोविन्दः | १-२८ । |
| १०१४८४ | प्रश्नकोमुदी | विभाकराचार्यः | १-१२ । |
| १०१४८५ | शिवावलिः | | १, ४-५, ७ । |
| १०१४८६ | हस्तसङ्गीवनम् | | १-१८ । |
| १०१४८७ | कादिप्रश्नज्ञानम् | | १-२ । |
| १०१४८८ | प्रश्नपत्राणि | | १-५ । |
| १०१४८९ | कपर्दिकाप्रश्नः | | १-४ । |
| १०१४९० | " | | ६ गणनया । |
| १०१४९१ | " | | १० गणनया । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषाववरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|----------|-----------------------|--|
| १६'१ × ३'७ | ७ | ४६ | वज्र | का. | | पू० | लोकमनोरमा । |
| १२'९ × ६'८ | १० | ३३ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १०'६ × ४'७ | ९ | ३५ | " | " | | पू० | |
| ९'८ × ४'२ | ८ | ३१ | " | " | १८४५ | " | |
| १०'८ × ४'६ | ११ | ३२ | " | " | १९१६ | पू० | |
| १२'५ × ५'३ | ९ | ३५ | " | " | | " | |
| १२'५ × ५'५ | ८ | ३३ | " | " | १९३० | " | |
| ८'३ × ३'५ | ७ | ३१ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'५ | १० | ३९ | " | " | | अपू० | |
| १०'३ × ४'३ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| २१ × ८ | ६२ | ३५ | " | " | १९२४ | पू० | |
| ८ × ६ | १० | १५ | " | " | | " | |
| ७'१ × ३'८ | ७ | २७ | " | " | | अपू० | |
| १७'४ × ३'८ | १२ | ८६ | वज्र | " | | पू० | |
| १०'९ × ४'९ | १२ | ३६ | दे. ना. | " | १८४३ | " | |
| ९'६ × ३'६ | ७ | ३१ | वज्र | " | | " | जातकफलमपि । १-८ अध्यायाः । विषयानुक्रमणिका च । |
| ६'९ × ३'२ | ६ | २० | दे. ना. | " | १८८० | अपू० | |
| ८'९ × ४'१ | १० | ३९ | " | " | १८७० | पू० | |
| ९'३ × ४ | १२ | ४७ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'८ | १० | १७ | " | " | | अपू० | |
| ८'५ × ४'५ | १२ | २९ | " | " | | पू० | |
| ८'७ × ५'३ | १६ | ४३ | " | " | | " | |
| ८ × ५'२ | १४ | ३४ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------|--------------|-------------------|
| १०१४९२ | प्रश्नविद्या | गर्गः | १-३ । |
| १०१४९३ | प्रश्नमनोरमा | " | १-२ । |
| १०१४९४ | प्रश्नकेरली | निकषाराक्षसी | १-९ । |
| १०१४९५ | नारायणशकुनावली | | १-६ । |
| १०१४९६ | पञ्चशतशकुनविचारः | नारदः | १-३ । |
| १०१४९७ | प्रश्नज्ञानम् | भट्टोत्पलः | १-५ । |
| १०१४९८ | स्वप्नाध्यायः | | १-२ । |
| १०१४९९ | आयप्रश्नः | | १-१० । |
| १०१५०० | " | | २-७ । |
| १०१५०१ | प्रश्नविचारः | | १-५ । |
| १०१५०२ | प्रश्नप्रदीपः | | १-२९ । |
| १०१५०३ | पञ्चपक्षी | | १-१० । |
| १०१५०४ | प्रश्नतिलकम् | | १-११ । |
| १०१५०५ | स्वरोदयः | | १-५ । |
| १०१५०६ | प्रश्नफलम् | | १-४ । |
| १०१५०७ | प्रश्नमाणिक्यमाला | परमानन्दः | ३८ गणनया । |
| १०१५०८ | पाशाकेवली | | १-१६ । |
| १०१५०९ | रमलेन्दुप्रकाशः | रुद्रमणिः | १-२३, २३-३३ । |
| १०१५१० | शकुनविचारः | रामद्विवेदः | २ गणनया । |
| १०१५११ | प्रश्नविद्या | | २ गणनया । |
| १०१५१२ | प्रश्ननिरूपणम् | | १-४ । |
| १०१५१३ | स्वरोदयः | | १-४०, ४२-४४ । |
| १०१५१४ | पञ्चपक्षी | महादेवः | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | लघु- वाचः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------------|-----------------|------------------------|---|
| १०'६ × ५ | ७ | २५ | दे. ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणोक्ता । |
| १३'२ × २'९ | ५ | ५६ | वज्र | " | | " | |
| १३'४ × २'५ | ४ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४ | ९ | २८ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'८ × ४'३ | ७ | २६ | " | " | १८७६ श० १७४१ | " | |
| ६'६ × ४ | ११ | ३५ | " | " | | " | |
| ६'९ × ४'२ | १० | २० | " | " | | अपू० | |
| ६'४ × ३'१ | ६ | १८ | " | " | | पू० | |
| ६'९ × ३'६ | ७ | २२ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'५ | १० | २७ | " | " | | पू० | |
| ७'७ × ६'२ | १३ | २७ | " | " | | अपू० | मूहूर्तदिविचारः, रामपडक्षर- मन्त्राः, विवाहपद्धतिश्च । |
| ९'४ × ४'२ | ७ | ३२ | " | " | १७५० | पू० | |
| ७'८ × ३'५ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| ६ × ३'५ | १३ | २९ | " | " | | " | |
| ८'६ × ६'२ | ९ | ४१ | " | " | | " | |
| ९'३ × ६'३ | १५ | ३६ | शारदा | " | | अपू० | |
| १०'१ × ५ | ९ | २४ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १०'५ × ४ | १० | ३५ | " | " | | " | |
| ९'८ × ४'२ | ११ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'३ | १९ | ५८ | " | " | | " | |
| ८ × ४'५ | १० | २५ | " | " | | " | प्रथमोज्ज्यायः । |
| ५'९ × ३'५ | ७ | १० | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | १७ | ५४ | " | " | १८९० | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|--------------------------|--------------|-------------------|
| १०१५१५ | पञ्चपक्षीटिप्पणम् | कल्याणकरः | १-३ । |
| १०१५१६ | पञ्चपक्षी | | १-८ । |
| १०१५१७ | प्रश्नावली | | १-६ । |
| १०१५१८ | पञ्चपक्षी | | ७ गणनया । |
| १०१५१९ | मातृकानामकेवली | | १-३ । |
| १०१५२० | स्वप्नाध्यायः | | १-५ । |
| १०१५२१ | प्रश्नपद्धतिः | | १-१० । |
| १०१५२२ | स्वप्नाध्यायः | | २-४ । |
| १०१५२३ | प्रश्नमनोरमा | | १-६ । |
| १०१५२४ | पञ्चशरानिर्णयः | प्रजापतिदासः | १-१५ । |
| १०१५२५ | पञ्चपक्षिनिर्णयः | नन्दरामः | १-४ । |
| १०१५२६ | प्रश्नसङ्ग्रहः | चिन्तामणिः | १-२० । |
| १०१५२७ | सामुद्रिकगणनाविचारः | | १-६ । |
| १०१५२८ | अकाराद्यक्षरप्रश्नविचारः | शङ्कराचार्यः | १-२ । |
| १०१५२९ | श्वानशकुनविचारः | | १-३ । |
| १०१५३० | प्रश्नचिन्तामणिः | | १-१३ । |
| १०१५३१ | पवनविजयः | | १-३० । |
| १०१५३२ | पञ्चपक्षी | | १-१४ । |
| १०१५३३ | काकचरितम् | वसन्तराजः | १-९ । |
| १०१५३४ | पञ्चपक्षी | | १-१० । |
| १०१५३५ | सामुद्रिकम् | | १-१२ । |
| १०१५३६ | हस्तसङ्ज्ञावनं सटीकम् | मेघविजयमणिः | १-२० । |
| १०१५३७ | रमलप्रश्नसङ्ग्रहः | चिन्तामणिः | १-३५ । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | अक्षर- संख्या | लिपिकान्तः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|------------------|-----------------|-----------------------|------------------|
| १२'४ × ७'८ | १३ | ३४ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १३ × ८'२ | १९ | ४२ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × ३'९ | ७ | ३० | " | " | | " | |
| ११'५ × ६'३ | २० | १७ | " | " | | अपू० | |
| ८'१ × ३'५ | ११ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ४'५ × ३'४ | ९ | १८ | " | " | | " | |
| ५'१ × ४'२ | ९ | १५ | " | " | | " | |
| ७'४ × ४ | १० | २९ | " | " | | अपू० | |
| १०'९ × ४'५ | ८ | ४० | " | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'३ | १२ | ४१ | " | " | | " | |
| ९'४ × ४'४ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १० × ४'३ | १४ | ४५ | " | " | | " | |
| १२'३ × ३'१ | ७ | ३८ | वज्र | " | | " | |
| ९'७ × ३'८ | ११ | ३९ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'४ × ४'१ | १३ | ४७ | " | " | १३३९ | " | |
| १०'८ × ५'५ | ११ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'१ × ६'५ | १७ | ४५ | " | " | | पू० | |
| ६'३ × ४'८ | १२ | १८ | " | " | | " | |
| ६'१ × ४'७ | ११ | १० | " | " | | " | |
| १० × ४'६ | ९ | ४२ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'७ | १२ | ४९ | " | " | | " | स्त्रीपुरुषयोः । |
| ९'८ × ५ | १५ | ३० | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'१ | ८ | ३६ | " | " | १८६५ श० १७२० | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|---------------------------------------|---------------------------|
| १०१५३८ | पवनविजयः | | ८-९, १७-२४ । |
| १०१५३९ | प्रश्नभेरवः | गङ्गाधरः | १-२५ । |
| १०१५४० | शकुनम् | गीतमः | १-४ । |
| १०१५४१ | प्रश्नविचारः | | १-३ । |
| १०१५४२ | देववाणीचक्रम् | | १ । |
| १०१५४३ | लोकमनोरमा | गर्गः | १-२ । |
| १०१५४४ | ज्ञानप्रदीपः | | १-२२ । |
| १०१५४५ | प्रश्नरत्नाङ्कुरः | मथुरानाथः | १-२ । |
| १०१५४६ | सामुद्रिकम् | | १-३ । |
| १०१५४७ | पञ्चस्वराः | | १-२ । |
| १०१५४८ | प्रश्नविद्या | गर्गः | १ । |
| १०१५४९ | प्रश्नमनोरमा | " | १-४ । |
| १०१५५० | प्रश्नचूडामणिः | | १-५ । |
| १०१५५१ | पञ्चस्वरा सटीका | प्रजापतिः टी०का०-अप्य- दीक्षितः | १-१० । |
| १०१५५२ | स्वप्नाध्यायः | | १-१० । |
| १०१५५३ | शत्रुपराभवस्वरशास्त्रम् | कालिदासः | १-८ । |
| १०१५५४ | स्त्रीसामुद्रिकलक्षणम् | | १-५ । |
| १०१५५५ | पाशाङ्कुस्थापनविधिः | | १-३१, ३-४६, १-३ + १ + १ । |
| १०१५५६ | काकचरितम् | | १-१० । |
| १०१५५७ | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-४ । |
| १०१५५८ | प्रश्नावली | | १-७ । |
| १०१५५९ | सामुद्रिकशास्त्रम् | | १-२० । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|-------|-----------------|------------------------|-------------------|
| ८'६ × ४'२ | ९ | २७ | दे. ना. | का. | १८०६ | अपू० | |
| ९'६ × ४'२ | १२ | ४० | " | " | १८६७ | पू० | |
| १०'८ × ४'५ | ८ | ४५ | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'१ | ११ | ३१ | " | " | | " | |
| १८'३ × ११ | २६ | २९ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'१ | १४ | ३६ | " | " | | " | |
| १३ × ५ | ९ | ४० | " | " | | " | |
| १३ × ४'८ | १० | ४२ | वज्र | " | | " | |
| १२'३ × ३ | ६ | ५६ | " | " | | " | |
| ८'६ × ४'५ | ९ | ३७ | दे. ना. | " | | " | ६ अध्यायमात्रम् । |
| ८'८ × ४'५ | २८ | १८ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४ | १२ | ५१ | " | " | १८९९ | " | |
| १३ × ५'१ | १३ | ४६ | " | " | १८५७ श० १७२२ | " | |
| ९'६ × ४'३ | १५ | ४१ | " | " | १८५८ | " | |
| ८'५ × ४'६ | ९ | ३० | " | " | | " | |
| ९'७ × ३'८ | १२ | ४० | " | " | | " | |
| ९'२ × ३'७ | १५ | ४३ | " | " | श० १७६९ | " | |
| १४ × ७'१ | — | — | " | " | | " | रमलशास्त्रीयः । |
| ७'२ × ५ | ११ | १७ | " | " | | अपू० | |
| ७'६ × ४'२ | १० | २९ | " | " | | पू० | |
| ६'३ × ४'७ | ८ | १६ | " | " | | " | |
| ८'५ × ४'१ | ९ | ३० | " | " | | " | |

| क्र.संख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------------|-------------------|
| १०१५६० | प्रश्नविद्या सटीका | गर्गः | १-३ । |
| १०१५६१ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-२ । |
| १०१५६२ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-११ । |
| १०१५६३ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | १-११ । |
| १०१५६४ | प्रश्नविद्या | गर्गः | २ । |
| १०१५६५ | मुष्टिचिन्तामणिः | | १-३ । |
| १०१५६६ | नारायणशकुनावली | | १-६ । |
| १०१५६७ | रमलनवरत्नम् | परमसुखोपा- ध्यायः | १-१७ । |
| १०१५६८ | ज्ञानप्रदीपिका | | ६६ गणनया । |
| १०१५६९ | पञ्चपक्षी | | १-६ । |
| १०१५७० | प्रश्नमनोरमा | | १-११ । |
| १०१५७१ | सामुद्रिकम् | | १-१६, १८-२१ । |
| १०१५७२ | प्रश्नमार्गः | | २१९ गणनया । |
| १०१५७३ | वार्णिकप्रश्नचक्रम् | | १० गणनया । |
| १०१५७४ | प्रश्नशास्त्रम् | | १ । |
| १०१५७५ | ज्योतिषरत्नाकरः | | १-३ । |
| १०१५७६ | ग्रहदशासारिणी | | १-३३ । |
| १०१५७७ | प्रश्नावली | | २२ गणनया । |
| १०१५७८ | शिवाल्लिखितम् | | १-५, १-१४ । |
| १०१५७९ | अक्षरप्रश्नावली | | १-४ । |
| १०१५८० | प्रश्नविचारः | | १-१६ + १ । |
| १०१५८१ | पञ्चपक्षी सवार्तिकः | | १-२० । |
| १०१५८२ | व्यन्तगजशकुनम् | अङ्गदेवः | १-६० । |

| आकारः | इति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्व- विवेकः | विशेषावबरणम् |
|------------|----------------|------------------|---------|-------|----------|------------------------|---|
| १'६ × ४'३ | १३ | ४६ | दे. ना. | का. | | पू० | लोकमनोरमेति नामान्तरम् । |
| १०'६ × ४'६ | १३ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | १३ | ३६ | " | " | १९१० | " | |
| ९'२ × ४'२ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १०'१ × ४'४ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | पू० | |
| ९'७ × ४'४ | ११ | ३५ | " | " | १८२६ | " | |
| ५'५ × ४'२ | १२ | १९ | " | " | १८५७ | " | |
| १०'७ × ४'६ | ९ | ३७ | " | " | | " | सर्वार्थसारचिन्तामणिः दुर्गास्तोत्रम् । |
| १७'२ × १'२ | ७ | ६६ | ग्र० | ता० | | अपू० | |
| ९'७ × ४'२ | १० | ३५ | दे. ना. | का० | | पू० | |
| ७'१ × ३'६ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| ५'६ × ३'५ | ७ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ११'१ × १'८ | १२ | २६ | ग्र० | ता० | | " | |
| ६ × ४'५ | ९ | १७ | दे. ना. | का० | | पू० | |
| ८ × ६'५ | २०९ | २६ | शारदा | " | | | लोकमनोरमेति नामान्तरम् । |
| ९'५ × ६'५ | २४ | २६ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| ७'२ × ५ | ३० | १० | शारदा | " | | " | |
| ४'८ × ४'५ | ८ | १२ | दे. ना. | " | | पू० | |
| ८'४ × ४'५ | ११ | २६ | " | " | श० १७६५ | " | |
| ९'६ × ४'१ | ८ | ३४ | " | " | १८८५ | " | |
| ९'५ × ४'१ | — | — | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ५'१ | १३ | ३१ | " | " | १८८७ | पू० | नरसिंहमन्त्रः, लघुमानसम् । |
| ११'६ × ५'२ | १२ | ३९ | " | " | १७१६ | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------------|-------------------|
| १०१५८३ | अङ्कपाशावली | | १-४ । |
| १०१५८४ | शकुनविचारः | | १६ गणनया । |
| १०१५८५ | शकुनावली | | १-६ । |
| १०१५८६ | पल्लीसरटविचारः | | १-३ । |
| १०१५८७ | प्रश्नरत्नटिप्पणी | | १-३६ । |
| १०१५८८ | स्वप्नविचारः | | ८८-९३ । |
| १०१५८९ | भुवनदीपिका | पद्मप्रभसूरिः | १-३, ५-१२ । |
| १०१५९० | अकाराद्यक्षरफलम् | | १-४ । |
| १०१५९१ | पञ्चपक्षीविद्या | | १-५ । |
| १०१५९२ | ज्ञानप्रदीपः | | १-१८ । |
| १०१५९३ | दूतचन्द्रिका | | १-४ । |
| १०१५९४ | मेघमाला | | १-२५ । |
| १०१५९५ | भुवनदीपकः | पद्मप्रभसूरिः | १-५ । |
| १०१५९६ | पञ्चपक्षीशकुनविचारः | महादेवः | १-५ । |
| १०१५९७ | प्रश्नरत्नम् | नन्दराममिश्रः | १-९, ११-३० । |
| १०१५९८ | " | उत्पलभट्टः | १-३ । |
| १०१५९९ | समरसारः सटीकः | टी०का० रामवाजपेयी | १-४१ । |
| १०१६०० | चौरप्रश्नफलम् | | १-२ । |
| १०१६०१ | पाशाकेवली | गंगर्षिः | १-१२ । |
| १०१६०२ | मुष्टिप्रश्नः | | २ गणनया । |
| १०१६०३ | प्रश्नशकुनावली | | १-६ । |
| १०१६०४ | प्रश्नरत्नटिप्पणीः | | १ । |
| १०१६०५ | सप्तनाडीचक्रम् | | १-३ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आक्षरः | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|--------|----------|-----------------------|----------------------|
| ८'५ × ३'५ | ९ | ३४ | दे. ना. | का. | | पू० | हस्तरेखादिविचारश्च । |
| ५'३ × ५'१ | १० | १६ | " | " | | अपू० | |
| ६'४ × ४'३ | ९ | २० | " | " | | पू० | |
| १०'५ × ४'२ | ८ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| १३'७ × ६'१ | १३ | ४१ | " | " | १८९० | पू० | |
| ९ × ३'८ | १० | ४२ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'४ | १० | ३१ | " | " | १८२८ | " | |
| ९'३ × ४'६ | ११ | २५ | " | " | | पू० | |
| ६'९ × ४'६ | १२ | २४ | " | " | | " | |
| ८'८ × ४'१ | १२ | ४१ | " | " | १८२० | " | |
| ९'६ × ४'२ | ९ | ३२ | " | " | | " | रत्नकारखण्डे । |
| ९'९ × ४'५ | १२ | ४० | " | " | | " | |
| ९'१ × ४'४ | १८ | ३९ | " | " | १८२० | " | |
| ११'३ × ४'३ | ९ | ४३ | " | " | १९४२ | " | |
| ७'३ × ४ | ८ | ६१ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'२ | ११ | ४१ | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ३'९ | ९ | ३८ | " | " | | " | |
| ६'६ × ३'५ | ७ | ०५ | " | " | | " | |
| १०'८ × ४'६ | ११ | ३२ | " | " | १९०१ | " | |
| १० × ४'२ | ७ | २४ | " | " | | अपू० | |
| ८'२ × ३'३ | २३ | १२ | " | " | | पू० | स्वरोदये । |
| ९'६ × ४'१ | १० | २७ | " | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'३ | ९ | ३२ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|---------------|-------------------|
| १०१६०६ | कर्णमञ्जरी | श्रीकृष्णः | १ । |
| १०१६०७ | चक्रसङ्ग्रहः | | १-२५ गणनया । |
| १०१६०८ | दीपमालाविचारः | | १० । |
| १०१६०९ | स्वप्नविचारः | | १-४ । |
| १०१६१० | रमलसारः | श्रीपतिः | १-१५ । |
| १०१६११ | भुवनदीपकः | पद्मप्रभसूरिः | १-११ । |
| १०१६१२ | प्रश्नज्ञानम् | भट्टोत्पलः | १-४ । |
| १०१६१३ | पञ्चस्वराः | | १-६ । |
| १०१६१४ | स्वप्नाध्यायः | | १-४ । |
| १०१६१५ | स्वरोदयः | | १-१२ । |
| १०१६१६ | रमलशास्त्रम् | | १-५ । |
| १०१६१७ | प्रश्नध्यायः | | १-६ । |
| १०१६१८ | स्वरविज्ञानम् | | १-२ । |
| १०१६१९ | प्रश्नविद्या | | १ । |
| १०१६२० | स्वप्नविचारः | | १, ५-७ । |
| १०१६२१ | प्रश्नकोकिलः | | १-४ । |
| १०१६२२ | पञ्चपक्षीशकुनविचारः | | १-३ । |
| १०१६२३ | सामुद्रिकम् | | १, ३-६ । |
| १०१६२४ | पल्लीपतनविचारः | | १-२ । |
| १०१६२५ | गर्गमनोरमाटीका | | १ । |
| १०१६२६ | शकुनवलिः | | १ । |
| १०१६२७ | पल्लीसरटविधानम् | | १-४ । |
| १०१६२८ | शकुनावली | | १-६ । |

| आकार. | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लि. प. | संख्याः | लिपिकालः | पणपिण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|-------------|--------------------|------------------|---------|---------|----------|------------------|--------------------|
| १०'२ × ४'४ | १५ | ४० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ११'२ × ५'५ | × | × | " | " | | " | |
| ६'३ × ३'२ | ९ | २६ | " | " | | " | प्रश्नविचारश्च : |
| १० × ४'४ | ८ | ३० | " | " | | " | |
| ९'७ × ४'१ | १० | ३५ | " | " | १८५२ | " | |
| ९'४ × ३'८ | १० | ३३ | " | " | | " | |
| १० × ५'५ | ९ | ३६ | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | १३ | ४२ | " | " | | " | |
| ९'३ × ४'४ | १४ | ३८ | " | " | | " | |
| ११'१ × ५'४ | १३ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| ७'८ × ४'३ | २४ | २० | " | " | १७६८ | पू०* | |
| ९'८ × ४'३ | ८ | २४ | " | " | १६०४ | पू० | |
| ११ × ४'२ | ७ | २९ | वङ्ग | " | | अपू० | |
| ९'५ × ४'४ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | पू० | |
| ६'६ × ४'२ | ९ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ३'६ | १२ | ५० | " | " | | पू० | |
| ९'६ × ४'५ | ११ | ३८ | " | " | | " | |
| ८'९ × ३'५ | ७ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ९'३ × ४'१ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |
| ६'१ × २'४'५ | ९२ | २४ | " | " | | अपू० | |
| १३'७ × ६'७ | १७ | ४३ | " | " | | पू० | |
| ८'८ × ४'४ | ११ | ३६ | " | " | | " | गार्ग्यप्रोक्तम् । |
| ८ × ४ | ९ | ३६ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|--------------|-------------------|
| १०१६२९ | स्वरोदयः | | ३+८-१२ । |
| १०१६३० | शकुनविचारः | | १-५ । |
| १०१६३१ | अष्टाङ्गनिर्णयोपायः | | १ । |
| १०१६३२ | प्रश्नलग्नफलम् | | २ गणनया । |
| १०१६३३ | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १ । |
| १०१६३४ | शिवालिखितमुहूर्तम् | | १-१४ । |
| १०१६३५ | स्वप्नाध्यायः | बृहस्पतिः | १-३ । |
| १०१६३६ | केरलीचक्रम् | | १-६ । |
| १०१६३७ | शकुनावली | | १ । |
| १०१६३८ | " | योगेश्वरः | १-४ । |
| १०१६३९ | केरलसारः | पाराशरः | १-८ । |
| १०१६४० | होराशकुनविचारः | | १ । |
| १०१६४१ | रमलचक्रम् | | १ । |
| १०१६४२ | प्रश्नमाला | | १ । |
| १०१६४३ | स्वप्नचरित्रम् | | १-३ । |
| १०१६४४ | प्रश्नविद्यासटीका | | २-२९ । |
| १०१६४५ | प्रश्नसारः | | १-४ । |
| १०१६४६ | पक्षपक्षी | | २+१ । |
| १०१६४७ | पञ्चस्वरा | प्रजापतिदासः | १-१६+१ । |
| १०१६४८ | शिवाज्ञानम् | | १ । |
| १०१६४९ | पाशकविधिः | | १-३+१ । |
| १०१६५० | पवनविजयः | | १-७ । |
| १०१६५१ | शिवाज्ञानम् | | १-२ । |

| आकारः | पङ्क्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | संख्याः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|--------------------|------------------|---------|---------|----------|------------------------|---|
| ७'३ × ४'३ | १९ | २६ | दे. ना. | का. | | अपू० | नरपतिजयचर्यायाः सर्वतोभद्र- चक्रम् । |
| १० × ४'२ | १३ | ३७ | " | " | श० १७१४ | पू० | |
| १२ × ४ | १० | ४४ | " | " | | " | |
| ११'६ × ४'६ | २० | १६ | " | " | | " | नारदीक्तम् । |
| १७'१ × ६'५ | ३६ | २४ | " | " | | " | |
| ६'९ × ३'५ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ७'१ × ३'३ | १२ | २२ | " | " | | " | |
| ६'२ × ३'८ | ७ | १७ | " | " | १८५७ | " | |
| २९'६ × ३ | ५७ | १७ | " | " | | अपू० | वर्षकुण्डली च । |
| १०'२ × ४'४ | ९ | ३९ | " | " | १८२८ | पू० | |
| ९'६ × ४'५ | १० | ४० | " | " | | " | |
| ९'२ × ४'२ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| १२'२ × ८'१ | २२ | ३९ | " | " | | अपू० | |
| १२'३ × ६'३ | ३५ | २९ | दे. ना. | " | | " | |
| १५'३ × ५ | ९ | ४४ | वङ्ग | " | | पू० | |
| ८'३ × ४'५ | ९ | २४ | दे. ना. | " | | अपू० | टी०-चिन्तामणिः । |
| १३'६ × ४'७ | ८ | ५० | वङ्ग | " | | पू० | |
| ११'५ × ४'७ | ९ | ३८ | दे. ना. | " | | अपू० | समरविजयावहम् । |
| १०'५ × ३'८ | ६ | ३९ | वङ्ग | " | | पू० | |
| १३'७ × ३'४ | ६ | ४६ | " | " | | अपू० | |
| १०'९ × ४'१ | १० | ४५ | मै० | " | | " | |
| ११'९ × ४'६ | १३ | ३७ | " | " | | " | |
| १२'८ × २'३ | ६ | ४९ | वङ्ग | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------|--------------|---|
| १०१६५२ | वसन्तराजशकुनम् | वसन्तराजः | १-६ । |
| १०१६५३ | पञ्चपक्षी | | १-५ । |
| १०१६५४ | शिवाज्ञानम् | | १ । |
| १०१६५५ | छिक्काविचारः | | १-२ । |
| १०१६५६ | सामुद्रिकम् | | २-१५ । |
| १०१६५७ | स्वप्नाध्यायः | | १-४ । |
| १०१६५८ | रमलसङ्ग्रहः | | १-३९, ४२-७३ । |
| १०१६५९ | पञ्चपक्षी | | १-३ । |
| १०१६६० | पञ्चपक्षिशकुनम् | | २-३ । |
| १०१६६१ | स्वरोदयार्णवः | | १-९ । |
| १०१६६२ | रमलशास्त्रम् | शिवः | १-११ । |
| १०१६६३ | पञ्चपक्षी | | १-५ । |
| १०१६६४ | पवनविजयस्वरोदयः | | १-१९, १-३, १-१६, १-५, १-१६, १-१४, १-४, १-५ । |
| १०१६६५ | पञ्चस्वराटीका | | १-५ । |
| १०१६६६ | रामचक्रम् | | १ । |
| १०१६६७ | कालज्ञानम् | | १-४ । |
| १०१६६८ | पञ्चपक्षी | | १-२३ । |
| १०१६६९ | कालज्ञानम् | | २-११ । |
| १०१६७० | रमलरहस्यम् | | १८ गणनया । |
| १०१६७१ | सामुद्रिकम् | | १-६ । |
| १०१६७२ | स्वरज्ञानफलम् | | १-९ । |
| १०१६७३ | शकुनावलिः | | १-५ । |

| आकारः | संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | का | लिपिकालः | पूर्णपूर्ण-विवेकः | विशेषदिवरणम् |
|------------|--------|--------------|---------|-----|----------|-------------------|---|
| १६'५ × ३'३ | ८ | ७७ | वज्र | का. | | पू० | प्रश्नाख्यपद्याध्यायमात्रम् । |
| १५'५ × ३'४ | ७ | २९ | " | " | श० १८१० | " | पञ्चपक्षीमन्त्रश्च । |
| १७ × ३'५ | ६ | ४२ | " | " | | " | |
| १०'८ × ६'६ | ३० | १२ | दे. ना. | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | ९ | २८ | " | " | | अपू० | |
| ९'४ × ४ | ८ | ३१ | " | " | | पू० | छायापुरुषलक्षणम्, भगवतीगीता, गीतासारः, अस्थिर गार्हपत्ययोगः अमरकोशः अतीषधिवर्गः, शृङ्गार-तिलकं, विदग्धमुखमण्डनश्च । |
| १३'३ × ५'२ | ९ | ४८ | " | " | १८९७ | अपू० | |
| १६ × ३'३ | ७ | ५५ | वज्र | " | श० १६८९ | पू० | |
| १२ × ३ | ७ | ६६ | " | " | | अपू० | |
| ९'७ × ४'२ | ८ | ३० | दे. ना. | " | | " | ब्रह्मपुराणीयम् । |
| १० × ४'४ | १६ | ४६ | " | " | | पू० | |
| १०'२ × ४'४ | १० | ४० | " | " | | अपू० | |
| १३ × ३'५ | ७ | ४९ | वज्र | " | | पू० | |
| १६ × ३'६ | ८ | ७५ | " | " | | " | |
| १४'६ × २'७ | ६ | ३४ | " | " | | " | |
| १०'६ × ४'६ | १५ | ५३ | दे. ना. | " | | " | |
| १०'५ × ४'८ | ८ | २८ | " | " | १९०५ | " | |
| ८'७ × ४'५ | १० | २३ | " | " | १९०८ | अपू० | |
| १० × ४'९ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ५'७ × ३'५ | ५ | ४५ | वज्र | " | | पू० | |
| १०'६ × ४'६ | ९ | ४९ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १०'१ × ४'४ | ८ | २६ | " | " | | पू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|---------------|--------------------|
| १०१६७४ | स्वरोदयः | | ४४-४६, ५७-६६, ६८ । |
| १०१६७५ | अङ्गस्फुरणफलम् | | १-३ । |
| १०१६७६ | सामुद्रिकम् | | १-१७ । |
| १०१६७७ | स्वरोदयः | | १-१९ । |
| १०१६७८ | " | | १-७ । |
| १०१६७९ | प्रश्नकेरली | | ४ गणनया । |
| १०१६८० | शिवालिखितम् | | १-१० । |
| १०१६८१ | प्रश्नसङ्ग्रहः | | ६ गणनया । |
| १०१६८२ | स्वरोदयः | | १-३७ । |
| १०१६८३ | होराशकुनम् | | १-२ । |
| १०१६८४ | पवनविजयस्वरोदयः | | १-४ । |
| १०१६८५ | स्वरोदयतत्वम् | | २ । |
| १०१६८६ | प्रश्नदीपप्रकाशिनी | लीहित्यवरसेनः | १-१९ । |
| १०१६८७ | प्रश्नकौमुदी | विभाकराचार्यः | १-८ । |
| १०१६८८ | " | " | १-८, ११-२० । |
| १०१६८९ | प्रश्नकेरली | | ४१-४४ । |
| १०१६९० | प्रश्नायत्तवस्तुज्ञानम् | | १-४ । |
| १०१६९१ | प्रश्नदीपटीका | लीहित्यवरसेनः | १-२१ । |
| १०१६९२ | पञ्चपक्षिस्वराः | | १ । |
| १०१६९३ | भास्करज्ञानम् | | १-१० । |
| १०१६९४ | प्रश्नगणना | | १-२, १-२ । |
| १०१६९५ | मुष्टिचिन्तामणिः | | १-३, ३-५ । |
| १०१६९६ | प्रश्नसारकेरली | निकषाराक्षसी | १-४ । |

| आकारः | संज्ञिका- स्थितिः | अक्षर- संख्या | लिपिः | अक्षरः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|----------------------|------------------|---------|--------|----------|------------------------|-------------------------------------|
| ८'६ × ५'१ | १२ | ४५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ६ × ४'१ | ७ | २८ | " | " | | " | |
| ६'१ × ५'३ | १४ | १० | " | " | | पू० | |
| १०'५ × ४'६ | ११ | ३३ | वज्र | " | | " | |
| ९'८ × ३'६ | ७ | २३ | दे. ना. | " | १८३४ | " | |
| ९'५ × ३'२ | ७ | ३८ | " | " | | अपू० | |
| ९ × ३'६ | ६ | ३३ | " | " | १८६४ | पू० | |
| ९'४ × ६ | ११ | २७ | " | " | | " | |
| ८'१ × ३'९ | ७ | २३ | " | " | | अपू० | |
| ८'९ × ४'२ | ८ | २९ | " | " | | पू० | |
| ११ × ३'९ | १० | ४० | वज्र | " | | " | |
| ११'१ × ३'५ | १३ | ५८ | " | " | | अपू० | |
| १४ × २'७ | ७ | ६७ | " | " | | पू० | |
| ९'५ × २'८ | ८ | ३६ | " | " | | " | |
| १४ × ३'३ | ५ | ४४ | " | " | | अपू० | |
| १६'५ × ३'५ | ७ | ५६ | " | " | | " | |
| १६'२ × ३'५ | १२ | ९७ | " | " | | पू० | चौरज्ञानादिकम् । |
| १६'२ × २'८ | ८ | ८२ | " | " | | " | टी०-दीपप्रकाशिनी १-११ अध्यायाः । |
| २५ × २ | ३५ | × | दे. ना. | " | | " | |
| ९ × ३'५ | १० | २६ | " | " | | अपू० | स्वप्नादिविचारः । |
| १४ × २'७ | ७ | ६१ | वज्र | " | | " | स्त्रीयोगादयश्च । |
| ९'१ × ४ | ९ | ३४ | दे. ना. | " | | पू० | |
| १३'७ × ३'१ | ८ | ६० | वज्र | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|---------------------|----------------------|---------------------|
| १०१६९७ | प्रश्नसारकेरली | निकषाराक्षसी | १-४ । |
| १०१६९८ | प्रश्नकौमुदी | विभाकराचार्यः | १-१३ + १ । |
| १०१६९९ | स्वप्नाध्यायः | | १-३ । |
| १०१७०० | सिद्धवल्ली | | १ । |
| १०१७०१ | प्रश्नपञ्चाशिका | बृहस्पतिः | १-४ । |
| १०१७०२ | प्रश्नचिन्तामणिः | | १-५६ + १ । |
| १०१७०३ | प्रश्नवैष्णवः | नारायणदास- सिद्धः | १७-५२ । |
| १०१७०४ | स्वरोदयः | | २-३० । |
| १०१७०५ | प्रश्नभैरवः | | १-१२ । |
| १०१७०६ | लग्नप्रश्नलक्षणम् | | १-५ । |
| १०१७०७ | पञ्चपक्षी | | १-७ । |
| १०१७०८ | स्वरोदयः | | १-४७ । |
| १०१७०९ | स्वप्नचरितम् | | १-४ । |
| १०१७१० | पञ्चस्वराविधानम् | प्रजापतिदासः | १-८ । |
| १०१७११ | प्रश्नलक्षणम् | | १-४, १-५, १-३ + २ । |
| १०१७१२ | नष्टकोष्ठीविचारः | | १-९ + १ । |
| १०१७१३ | स्वप्नाध्यायः सटीकः | | १-७ । |
| १०१७१४ | स्वरोदयः | | १-७ । |
| १०१७१५ | शिवाल्लितम् | | १-४ । |
| १०१७१६ | स्वरज्ञानम् | | १-११ । |
| १०१७१७ | मातृकाशकुनम् | | १-४ । |
| १०१७१८ | " | | १-५ + १ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | अक्षर-संख्या | लिपिकालः | पूर्णापूर्णा-विवेकः | वशेषविवरणम् |
|------------|----------------|--------------|---------|--------------|----------|---------------------|---|
| १३'३ × २'९ | ६ | ६४ | दे. ना. | का. | | पू० | १-१२ अध्यायाः । सुभाषित-शनेश्च-रस्तोत्रश्च । |
| ४ × २'७ | ६ | ५६ | " | " | | " | |
| १३'३ × ३'३ | ९ | ६६ | वज्र | " | | पू० | |
| ८'७ × ३'९ | ११ | ४० | दे. ना. | " | | " | |
| १०'४ × ३ | ५ | २९ | वज्र | " | | " | नारदोक्तम् । |
| ६'३ × ३'३ | १० | २४ | दे. ना. | " | १८४४ | " | |
| ९'५ × ४ | ९ | ३९ | " | " | १७८५ | अपू० | |
| ९'९ × ४'४ | ८ | २५ | " | " | | " | |
| ९'५ × ४'२ | १२ | ३७ | " | " | १८६४ | पू० | प्रश्नसारकेरली, ज्ञानमञ्जरी, प्रश्नचूडामणिश्च । |
| ११'६ × ४'३ | ७ | २७ | " | " | १९३९ | " | |
| १६'१ × ३'५ | ५ | ५६ | वज्र | " | | " | |
| ८ × ४'४ | ७ | २० | दे. ना. | " | १८७४ | " | |
| ७'६ × ३'२ | ७ | ३२ | " | " | | " | षोडशचक्रश्च । |
| १४'५ × ४ | १० | ५७ | वज्र | " | | " | |
| १२ × ३'९ | ५ | ४३ | " | " | | " | |
| १२ × ४ | ६ | ३१ | " | " | | अपू० | |
| ७'८ × ४'७ | ११ | ३० | " | " | | पू० | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ११'४ × ५'३ | ११ | २७ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १०'८ × ४'९ | ८ | ४१ | " | " | | पू० | |
| ९'२ × ४'२ | ९ | २७ | " | " | | " | |
| १०'२ × ४'३ | १० | २९ | " | " | | " | रुद्रयामलोक्तम् । |
| ९'६ × ३'५ | ७ | २९ | " | " | | " | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-----------------------|---------------------------|----------------------|
| १०१७१९ | शकुनावली | चिन्तामणिः लौहित्यवर्म | १-२ । |
| १०१७२० | पञ्चपक्षी | | १-५ । |
| १०१७२१ | रमलशास्त्रम् | | १-१३ । |
| १०१७२२ | प्रश्नदीपटीका | | १-४ । |
| १०१७२३ | प्रश्नविचारचक्रम् | | ५ गणनया । |
| १०१७२४ | सामुद्रिकम् | | १-५ । |
| १०१७२५ | पञ्चपक्षीविचारः | | १ । |
| १०१७२६ | प्रश्नविचारः | | १-८ । |
| १०१७२७ | स्वरोदयव्याख्या | | १-२७ २९-४५, ८२-८६ । |
| १०१७२८ | काकचरित्रम् | | १ । |
| १०१७२९ | मातृकाशकुनावली | नरहरिः | १-४ । |
| १०१७३० | अवजदी | | १-५ + ३ । |
| १०१७३१ | शकुनशास्त्रम् | | १-४ । |
| १०१७३२ | कालज्ञानचक्रम् | | १-३ । |
| १०१७३३ | रमलप्रश्नविचारः | | १-७ । |
| १०१७३४ | पाशकेवली | | १-१४ । |
| १०१७३५ | पञ्चपक्षीसटीका | | १-२२ । |
| १०१७३६ | पवनविजयस्वरोदयस्सटीका | | २-१३, १७-२३, २५-२० । |
| १०१७३७ | प्रश्नरत्नटिप्पणी | | १-२१ । |
| १०१७३८ | पवनविजयस्वरोदयः | | ३-४, ६-८ । |
| १०१७३९ | स्वरविचारः | गर्गाचार्यः | १-२ । |
| १०१७४० | कालज्ञानचक्रम् | | १-२ । |
| १०१७४१ | रमलप्रश्नङ्ग्रहः | | १-२ । |

| आकारः | लुक्ति- संख्या | अक्षर- संख्या | लिपिः | आधार | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण- विवेकः | विशेषविवरणम् |
|------------|-------------------|------------------|---------|------|----------|------------------------|---|
| ९'२ × ४'२ | ११ | ३५ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १३ × ४ | १ | ४५ | " | " | १९३० | " | |
| १०'८ × ४'७ | १३ | ३२ | " | " | | " | |
| १६'२ × २'८ | ७ | ९० | वज्र | " | | " | प्रश्नप्रकाशिकारव्याटीका । १ अध्यायमात्रम् । |
| ९'५ × ४'५ | १० | २८ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १२ × ५ | १० | ४३ | मै० | " | | " | |
| १०'८ × ४'६ | २४ | ६६ | दे. ना. | " | १९२८ | पू० | |
| १०'४ × ४'६ | ९ | ३७ | " | " | | अपू० | पाशाकेवली वा । |
| १०'२ × ४'२ | ८ | ४८ | " | " | | " | |
| १०'५ × १'४ | ३२ | ३९ | वज्र | " | | पू० | |
| ९'५ × ३'५ | ९ | ३२ | दे. ना. | " | | " | |
| ९ × ६'२ | २५ | २८ | " | " | १७८० | " | रागमाला च । |
| ६'८ × ४ | ११ | २४ | " | " | | " | |
| ६'२ × ३'७ | ८ | २१ | " | " | | " | |
| ९'१ × ४ | ११ | ३९ | " | " | | " | |
| ८'५ × ४'१ | ८ | २४ | " | " | | अपू० | |
| १०'४ × ४'४ | १० | ४९ | " | " | | पू० | |
| १०'१ × ४'४ | ८ | २८ | " | " | १८९० | अपू० | टी०-हिन्दी |
| १०'७ × ४'४ | १० | ५३ | " | " | १८७३ | " | |
| ६'२ × ४'३ | ९ | २२ | " | " | | " | |
| १०'७ × ४'६ | ६ | ३६ | " | " | | पू० | |
| ६'९ × ३'५ | ८ | २४ | " | " | | " | ईश्वरनारदसम्वादे । |
| ९'९ × ४'४ | ६ | २८ | " | " | | अपू० | |

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|------------|-------------------------|--------------|-------------------|
| १०१७४२ | मात्रिकशकुनम् | | १-७ । |
| १०१७४३ | कालज्ञानचक्रम् | | १ । |
| १०१७४४ | पञ्चशराः | प्रजापतिदासः | १-३ । |
| १०१७४५ | सामुद्रिकशास्त्रम् | | ३-१२ । |
| १०१७४६ | प्रश्नविद्या | गर्गः | १-५ । |
| १०१७४७ | जीवनमरणप्रश्नविचारः | | १ । |
| १०१७४८ | पञ्चस्वराः | प्रजापतिदासः | १-१२ । |
| १०१७४९ | शिवाल्लिखितम् | | १-५ |
| १०१७५० | स्वरोदयः | | १-१६ । |
| १०१७५१ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-३ । |
| १०१७५२ | सामुद्रिकम् | | १-८, ११ । |
| १०१७५३ | शिवलिखितोद्धारः | | १-२ । |
| १०१७५४ | स्वप्नाध्यायः | | १-५ । |
| १०१७५५ | प्रश्नप्रदीपः | काशीनाथः | १-१७ । |
| १०१७५६ | शकुनावलिः | | १-२ । |
| १०१७५७ | स्वप्नविचारः | | १-२ । |
| १०१७५८ | पाशकावलिः | | १-६ । |
| १०१७५९ | शाकुनशास्त्रम् | वसन्तराजः | १-८३ । |
| १०१७६० | वसन्तराजशकुनशास्त्रटोका | " | १-७७ । |
| १०१७६१ | स्वप्नविचारः | | १-५६ । |
| १०१७६२ | शिवाज्ञा | मिहिरः | १-२ । |
| १०१७६३ | सामुद्रिकम् | | १-४ । |

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आक्षर-संख्या | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विदेकः | विशेषविवरणम् |
|----------|----------------|--------------|--------|--------------|-----------------|--------------------|--|
| १०×४'३ | ७ | २२ | दे. ना | का. | १९५० | पू० | मृत्युविचारोऽत्र प्रदर्शितः । |
| ६'८×३'५ | १२ | २३ | " | " | | " | |
| ९'६×४'७ | ८ | ३३ | " | " | | अपू० | |
| ९'५×४'३ | ९ | ३२ | " | " | १७९२ | " | |
| १०'४×४'६ | ६ | ३० | " | " | | " | |
| १०×४'२ | १० | ३३ | " | " | | पू० | |
| ८'५×३'२ | ८ | २७ | " | " | १८१२ श० १६७७ | " | |
| ९'५×४'३ | ८ | ३० | " | " | | अपू० | |
| ८'८×३'४ | ६ | ३० | " | " | १७६२ | पू० | |
| ८'४×३'५ | १२ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| ७'२×३'५ | ९ | २४ | " | " | | " | स्त्रीपुरुषलक्षणम् । |
| ९×३'७ | १२ | ५० | " | " | १७६७ | पू० | |
| १०'९×४'६ | ९ | २८ | " | " | | " | |
| ९'८×४'१ | ८ | ३८ | " | " | १८५८ | अपू० | |
| ७'२×४'२ | ७ | २३ | " | " | | " | |
| ६'८×४'२ | ७ | १५ | " | " | | पू० | |
| ८'८×४'१ | १० | ३१ | " | " | | " | |
| १०'१×४'३ | १० | ३५ | " | " | १८६० | " | |
| १०'१×४'२ | ९ | २३ | " | " | १८८२ | " | |
| ४×३ | ६ | ६ | " | " | | अपू० | |
| १३'५×२'६ | ७ | ५८ | वङ्ग | " | | पू० | १-४ पादाः, अन्ते गगनगीतपद्या- वलिम् । |
| १६'६×३'५ | ७ | ५३ | " | " | | " | |

नवमभागद्वितीयखण्डोल्लिखितग्रन्थानामक्षरानुक्रमणिका

अकाराद्यक्षरप्रश्नविचारः १०१५२८ ।

अकाराद्यक्षरफलम् १०१५९० ।

अक्षभासारिणी ९८३१७ ।

अक्षयचिन्तामणिः १००५७७ ।

अक्षरचिन्तामणिः १००९५७, १०१४४७, १०१४४९ ।

अक्षरप्रश्नः १००९९६ ।

अक्षरप्रश्नविचारः १०१३५९ ।

अक्षरप्रश्नावली १०१२८५, १०१५७९ ।

अक्षरशकुनम् १०१४५० ।

अक्षराङ्कसंज्ञा ९९७३८ ।

अक्षशास्त्रम् १०१३०० ।

अङ्कचक्रम् ९९०३४ ।

अङ्कचालनम् ९८२९७ ।

अङ्कपाशावली १०१५८३ ।

अङ्कयन्त्रम् ९८०२३ ।

अङ्कसंज्ञाश्लोकाः ९८३३५ ।

अङ्गविद्या १०१४६४ ।

अङ्गस्फुरणकारिका १०१३६८ ।

अङ्गस्फुरणफलम् ९९५२७, १००३२४, १०१६७५ ।

अङ्गस्फुरणविचारः १०१३०८ ।

अङ्गस्फुरणादिकलम् ९८१०९ ।

अचलासप्तमोस्तानविधिः १००६०४ ।

अद्भुततरङ्गिणी ९९२९५ ।

अद्भुतदर्पणः १००८४५ ।

अद्भुतदर्शनम् १०११९६ ।

अद्भुतसागरः ९९२६५, ९९७५७, ९९९१६, ९९९२५ ।

अधिमासपत्रम् ९९४१९ ।

अनन्तमुधारससारिणी ९८००९ ।

अनन्तमुधारसोदाहरणम् ९८३३६ ।

अन्तर्दशानिरूपणम् १००३८० ।

अन्तर्दशाफलविचारः ९९७५१ ।

अन्तर्दशाविदिशाफलम् ९९४१६ ।

अब्दप्रवेशसारिणी ९८१३० ।

अब्दानयनम् ९८०२९ ।

अभिनर्वाणताम्ररसः ९८२२० ।

अभ्रच्छायाविचारः ९८९०६ ।

अमृतज्योतिःसारः ९८५३९ ।

अयनशूलादिसङ्ग्रहः ९९२९४ ।

अरबीज्योतिषस्य प्रकीर्णपत्राणि ९८४४६ ।

अरबीज्योत्पत्त्यादिकम् ९८३६९ ।

अरिष्टनवनीतम् ९९७४५, ९९७४६ ।

अरिष्टभङ्गाध्यायः ९९१८० ।

अरिष्टविचारः ९९७४७, ९९७४८, ९९७४९,
१००२९३ ।

अरिष्टाध्यायः १००६३२, १००६५५ ।

अकंसङ्क्रान्तिफलम् ९९१४१ ।

अर्कसङ्क्रान्त्यादिफलादेशः ९९५१५ ।

अर्घकाण्डम् ९९२६७, ९९३६३, ९९५४२ ।

अर्घचक्रम् ९८९५० ।

अर्घदीपकम् ९९११९ ।

अर्घयामेशादिचक्रम् १००४१४ ।

अवकहडाचक्रम् ९८८३४, ९९१२७, ९९५८१,
९९६१६, १००३१८ ।

अवजदी १०१७३० ।

अवस्थाफलम् ९९५२१ ।

अशुभयोगप्रसवः १००३४९ ।

अश्वचक्रम् ९९०७६, १००२८३ ।

अश्वारूढी ९८६१३ ।

अश्विन्यादिनक्षत्रपादनामानि ९९०९० ।

अष्टकवर्गः १००२८६ ।

अष्टकवर्गफलम् ९९९१२ ।

अष्टकवर्गविचारः ९९३०६, ९९६६२, ९९९१०,
१००५४७ ।

अष्टकवर्गसूत्रम् ९९९११ ।

अष्टकूटविचारः ९९५६६ ।

अष्टवर्गविचारः ९९२५५ ।

अष्टवर्गः १००३४२ ।

अष्टाङ्गनिर्णयोपायः १०१६३१ ।

अष्टादशभागज्योपपत्तिः ९८३२२ ।

अष्टाविंशतिनक्षत्राणि १००१७४ ।

अष्टैश्वर्यफलम् ९९५९८, ९९९१३, ९९९१४ ।

अष्टोत्तरीदशा १००२६५ ।

अष्टोत्तरीदशाऽन्तर्दशाफलम् ९९६८८ ।

अष्टोत्तरीदशाक्रमः ९९२०१, ९९४९१, ९९७४२,
१००७७० ।

अष्टोत्तरीदशाचक्रम् ९९६८७, १००२११ ।

अष्टोत्तरीदशाफलम् ९९१९०, ९९७४३, ९९९१५,
९९९१७, १००३५९ ।

अष्टोत्तरीदशाबोधः ९९३८८ ।

अस्थिपटलम् १०११९९ ।

अहर्गणप्रकारः ९८३१४ ।

अहिचक्रम् ९९६०० ।

अहिबलचक्रम् ९९०७७, १००४६६, १००४७१,
१००७८३ ।

अहिबलशत्योद्धारचक्रम् ९९२८० ।

आदिशर्मपद्धतिः ९९५१४ ।

आनन्दलहरी १०००८४ ।

आनन्दादियोगचक्रम् ९९१३८ ।

आनन्दादियोगफलम् ९९५१९ ।

आयप्रश्नः १०१३९१, १०१४९९, १०१५०० ।

आयप्रश्नज्ञानम् १०१४४८ ।

आयप्रश्नविचारः १०१११७ ।

आयव्ययचक्रम् १०१२३७ ।

आयुर्दायविचारः ९९४२६, ९९४८५, १००७६१ ।

आयुर्दायदशाचक्रोद्धारः ९९५१४ ।

आयुर्दायाध्यायः सटीकः ९९०४१ ।

आयुष्यमर्यादा ९९०३७ ।

आर्द्रादिफलम् १००३५३ ।

आर्यभट्टीयम् ९८२९६, ९८३४६, ९८३४७ ।

आर्यभट्टीयसिद्धान्तः सटीकः ९८०५१ ।

आर्या ९९७६६ ।

आर्यासप्तशती सटीका १०१३९२ ।

आश्लेषादिफलविचारः ९९५२८ ।

आषाढीवातचक्रम् १००६७७ ।

आषाढीयवायुधारणनिर्णयः ९९१९५ ।

आत्तिकपद्धतिः १०००७७ ।

इत्थशालयोगफलम् ९९३९७ ।

इन्द्रजित्केरली १०१३४४ ।

इष्टकालज्ञानोपायः १०१२३८ ।

इष्टघटीसाधनविधिः १०११४५ ।

इष्टदीपिका १००२८९ ।

इष्टशोधनम् १००८७६, १००८९०, १०११०६ ।

इष्टशोधनविधिः १००२९६ ।

इष्टशोधनविधिः सव्याख्योदाहृतिः १००४२३ ।

इष्टसाधनप्रकारः १००२८० ।

उकरा ९८३२१ ।

उडुदायप्रदीपः ९८९१६, ९८९३६, ९९३६१, ९९३८०,
९९५२४, ९९५८६, १०००२५,
१०००३५, १००१७३, १००२२३,
१०१०७६, १०१०९३, १०११०८ ।

उडुदायप्रदीपः सटीकः ९८९६४, ९८९७८, ९९५२३,
१००५६५ ।

उडुदायप्रदीपटीका १००७७७ ।

उडुप्रदीपः १००२०२ ।

उत्पाताध्यायः ९९००५ ।

उदयान्तरविचारः ९८४४४ ।

उदयान्तरविप्रतिपत्तिसमुद्धरणम् ९८३२३ ।

उन्नतभागसारिणी ९८१४८ ।

उपकरणानि ९८१३१, ९८१४५, ९८१४६ ।

उपदेशसूत्रम् १००२४७ ।

उलूकवेगमतेन ग्रहानयनम् ९८२८२ ।

ऋतुकथनम् १००८९९ ।

ऋतुफलम् १०१२११ ।

एकाक्षरप्रश्नविचारः १०१४३२ ।

और्ध्वदैहिकक्रियाविधिः १०००७७ ।

कपदिकाप्रश्नः १०१४८९, १०१४९०, १०१४९१ ।

कम्पाशकल्पद्रुमः ९८३५४ ।

करणकुतूहलम् ९८१५९, ९८२०४, ९८३६७,
९८३९२, ९८४६८, ९८६५६ ।

करणकुतूहलं सोपपत्तिकम् ९८४६७ ।

करणकुतूहलटीका ९८२०७ ।

करणचक्रम् ९८१२२ ।

करणप्रकाशः ९८२२१, ९८२९१, ९८२९८, ९८३०१,
९८७५५ ।

करणप्रकाशः सटीकः ९७९८४ ।

करणवेष्णवः ९८६९४ ।

करपञ्चाङ्गम् ९९७५९ ।

कर्णमञ्जरी १०१६०६ ।

कर्मविपाकः ९९८११, १००३३८, १००५६९,
१००७५०, १०११७३, १०१२६६,
१०१२६७ ।

कर्मविपाकसंहिता १०१२६५ ।

कलामृतटीका १९७०७।

कल्पतरुः १८५१२।

कल्पलता १९१८१, १९४७७।

कल्पवल्लीपद्धतिः १००४२७।

कल्पवल्लीपद्धतिः सटीका १९७६५।

कश्यपसंहिता १००८६२।

कष्टावली १९९०२।

काकचरितम् १००३४१, १००३६६, १०१५३३,
१०१५५६।

काकचरित्रम् १००३४१, १०१७२८।

काकशकुनविचारः १०१३४२।

कादिप्रश्नज्ञानम् १०१४८७।

कामधेनुः १८०१०, १८४६१, १००६७०।

कामधेनुपद्धतिः १८५५२।

कारकादिग्रहविचारः १९१७९।

कार्तिकदंष्ट्राविचारः १९५४५।

कालचक्रम् १०००७४।

कालचक्रजातकम् १९०१०, १९०८४, १९४६४,
१९६६८, १००४५६।

कालजातकम् १९४६५।

कालजातकलक्षणम् १००५६८, १००६८४।

कालज्ञानम् १७९८६, १७९९८, १८०१७, १८०८५,
१८२६७, १८३०२, १८३०३, १८३२४,
१८४७०, १८५६६, १८५८१, १८६६७,
१००३६१, १००४३३, १००४३५,
१००५६४, १००७९५, १०१६६७,
१०१६६९।

कालज्ञानकारकचक्रम् १९५४०।

कालज्ञानचक्रम् १०१७३२, १०१७४०, १०१७४३।

कालज्ञानोपायः १०१२१८।

कालविधानपद्धतिः १०००७५।

कालामृतं सटीकम् १९६९०।

कुण्डचतुःश्लोकी १८५८३।

कुण्डनिर्माणप्रकारः १८५८७।

कुण्डप्रदीपकः १९२९३।

कुण्डलीकल्पतरुः १००८३६।

कुण्डलीग्रहफलम् १००३७९।

कुण्डलीमेलापकम् १९१४०।

कुण्डलीप्रकाशः १९२२९।

कुण्डलीफलम् १९८३९।

कुण्डलीविचारः १९०८६।

कुण्डलीसङ्ग्रहः १९८००।

कुलाकुलचक्रम् १००५१९।

कुलिकविचारः १००९१२।

कुवदकौमुदी १००८११।

कूपचक्रम् १९५९४, १००१११, १०११८२।

कूपादिमुहूर्तविचारः १९५८७।

कृत्यसङ्ग्रहः १००३४८।

कृषिकाण्डम् १००८७०।

कृष्णजातकभूषणम् १००७२१।

कृष्णीयम् १९९२६।

केन्द्रीफलम् १००४०३।

केरलजातकम् १८९६४।

केरलनिश्चयः ९९५९३ ।

केरलप्रश्नः १०१४५९, १०१४६०, १०१४७९ ।

केरलरहस्यम् ९९४७८ ।

केरलशास्त्रोक्तं सूत्रम् १००८४१ ।

केरलसारः १०१६३९ ।

केरलसूत्रम् ९९५८८, १००९१७ ।

केरलीचक्रम् १०१६३६ ।

केरलीयप्रश्नज्ञाननिरूपणम् १०१४६९ ।

केशवपद्धतिवासनाभाष्यम् १०११६४ ।

केशवीयजातकपद्धतिः ९८०४०, ९९०११, ९९०३०,
९९४६१, ९९५८९, १०००४७,
१००१२६, १००१५५, १००२०७,
१००३११, १००८१२, १००९२१,
१००९४७, १०१०१५, १०११६८,
१०१२४३ ।

केशवीयजातकपद्धतिटीका १००३१० ।

केशवीयजातकपद्धतिः सव्याख्या ९९०२४ ।

केशवीयजातकपद्धतिः सोदाहरणा ९९१८४, १००६४२ ।

केशवीयजातकपद्धत्युदाहरणम् ९९५९०, ९९५९१,
१००१७९, १००७६३,
१०११६३ ।

केशवीयपद्धतिः ९८९७६ ।

केशवीयपद्धत्युदाहरणम् ९८९७० ।

कैवल्यशकुनशास्त्रम् १०१४५४ ।

कोटचक्रम् १००२८४, १००२९५ ।

कोटनिर्णयः १००४३६ ।

कोटादिचक्रम् ९९४६६ ।

कोष्ठीकरणशास्त्रसङ्ग्रहः ९९६८६ ।

कोष्ठीप्रदीपः १०००६५, १०००६६, १००६७४ ।

कोतुकचिन्तामणिः १००८५८ ।

कोतुकलीलावती ९८५५९, ९८५६०, ९८५६९,
९८५८२, ९८७३१ ।

कल्पितचक्रम् ९९०५४ ।

क्षणिकग्रहानयनम् ९८३४२ ।

क्षयमासनिर्णयः ९८३४१ ।

क्षुद्धिचारकाकशब्दपरीक्षे १०१४०८ ।

क्षेत्रतत्त्वदीपिका ९८०५६, ९८०८७ ।

क्षेत्रमितिः ९८३२८, ९८५१९ ।

क्षेत्रव्यवहारः ९८१६३, ९८१८४, ९८३३१ ।

क्षेत्रादिफलम् १०११५१ ।

खगोलयन्त्रम् ९८६९८ ।

खचरागमः ९८४४९ ।

खज्जनदर्शनफलम् ९९५४४ ।

खण्डखाद्यकम् ९८४२८ ।

खण्डखाद्यकं सटीकम् ९७९८९ ।

खेचरचिन्तामणिः ९८४९६ ।

खेचरशीघ्रसिद्धिः ९८३९१ ।

खेटकर्म ९८४९४ ।

खेटकोतुकम् ९८९१६, १००२९१ ।

खेटपञ्चाङ्गम् १००८७७ ।

खेटपञ्चाङ्गयुक्तिः ९८०२७ ।

खेटसिद्धिः ९८०४१ ।

गजचक्रम् १००२८३ ।

गणकदर्पणम् १००६६६ ।

गणकभूषणम् ९८७७८, १०१०५६।

गणकमण्डनम् १००४४४, १००९७०।

गणनागुणैक्यचक्रम् ९९९४५।

गणितकोमुदी ९८२४७, ९८२५८, ९८३५३, ९८६९६,
९८७०३।

गणिततत्त्वचिन्तामणिः १००४४२, १००४४३,
१००४५२।

गणितदण्डः ९८७४६।

गणितनाममाला १००४४७, १०१०१९।

गणितसारः ९८७०६।

गणितसारः सटीकः ९८७००।

गणिताङ्कुरः ९८३६८।

गणितामृतं सटीकम् ९८६९२।

गणेशस्तोत्रम् ९९५४३।

गण्डान्तनिर्णयः ९९८९०।

गण्डारम्भशान्तिः १०००६१।

गद्यपञ्चाशिका १००४४१, १००४४८।

गद्यपद्यरत्नावली १००९०६।

गमनागमनप्रश्नविचारः १०१३५०।

गर्गमनोरमा १००४५७, १००४५८।

गर्गमनोरमाटीका १०१६२५।

गर्गमनोरमाव्याख्या ९९५८२।

गर्गमनोरमा सटीका ९९२९८, १००६५८।

गर्गयात्रा १००९४६।

गर्गसंहिता ९९०७२।

गर्गान्वयभूषणम् ९९३४२।

गुणगणनैक्यविचारः ९९१४३।

गुरुराशिर्विचारः ९९६६२।

गुरुवत्सरानयनम् ९८२१३।

गुरुविचारः ९९४१३।

गुरुसारिणी ९८०७७।

गुरोः संवत्सरफलम् ९८९८४।

गूढकालानलचक्रम् ९९६०१।

गूहनिर्माणचक्रम् १००३९९।

गूहनिर्माणप्रवेशादिविचारः १००८५२।

गूहपिण्डानयनम् ९९५६३।

गूहपिण्डसारिणी १००६०१।

गूहसिद्धिमन्तसिद्धिमन्दिरगृहम् १००८५२।

गूहस्थानिकतक्षुभाशुभफलम् १०००९०।

गूहागमः ९९१०३।

गूहारम्भकालादिनिर्णयः १००३३६।

गोचरदर्पणम् ९८१०१, ९८९२७।

गोचरप्रकरणम् ९९३११, ९९५८०।

गोचरयन्त्रं सफलम् १००६७१।

गोरक्षमुहूर्तम् १०१४२२।

गोलदर्पणम् ९८१५२।

गोलोपपत्तिगणितम् ९८७६३।

गोतमप्रश्नः १००५३९।

गोरीजातकम् ९९०९१, ९९१०५, ९९२६१, ९९६३६,
१००१०९, १००३४१।

ग्रहकल्पवल्ली ९८०११।

ग्रहकोतुकम् ९८७३९।

ग्रहकौतुकोदाहरणम् ९८०४७।

ग्रहकौमुदी १००५१२।

ग्रहगतिसाधनसारिणी ९८२४३।

ग्रहगतिसारिणी ९८४३८।

ग्रहगोचरः १००४४६, १००५०३।

ग्रहगोचरफलम् ९८९६५, १००१७०, १००४०६,
१००४४०, १०११२९।

ग्रहगोचरविचारः १००४६५।

ग्रहगोचरादिविचारः १००१०१।

ग्रहचक्रम् ९३४११।

ग्रहणकर्तव्यतानिर्णयः ९८३७०।

ग्रहणगणितम् ९८६१०।

ग्रहणदर्पणम् ९७९९०।

ग्रहणद्वयसाधनम् ९७९९९।

ग्रहणपरिलेखः ९८१५५।

ग्रहणफलम् ९९४९२, ९९५७७, ९९९९५, १०००१८।

ग्रहणमाला ९८०००, ९८५९१, ९८६०९, ९८६२६,
९८६२९, ९८७०७।

ग्रहणविचारः ९८४०४, ९८६७३, ९८६९५।

ग्रहणसारिणी ९८०७८।

ग्रहणादर्शटीका ९८६१८।

ग्रहणादर्शः सटीकः ९८१२०, ९८४३५।

ग्रहणादर्शोदाहरणम् ९८३३३।

ग्रहणावलिः ९८६५०।

ग्रहवृत्तफलम् ९९८५३।

ग्रहदशाफलम् ९८८६७, ९९४००।

ग्रहदशासारिणी १०१५७६।

ग्रहदानम् ९९०९४।

ग्रहनक्षत्रगतिक्रमः १००४५१।

ग्रहनक्षत्रसारिणी ९८०५४।

ग्रहपीठमालाटिप्पणी १०१०४०।

ग्रहपीठमाला सटीका ९९७१०।

ग्रहफलम् ९९१४५, १००४२६।

ग्रहफलवर्णनम् १००१७६।

ग्रहफलसारिणी ९८५४१।

ग्रहवलगणना १००३०८।

ग्रहबोधः ९८६१२।

ग्रहभावप्रकाशः ९९४०६, ९९२३४, ९९२४३,
१००६४९।

ग्रहभावफलम् ९९११८, ९९६५१, १००१०८,
१००७९७, १०१२२६।

ग्रहभेदशंसी १०१४४१।

ग्रहमान्दकलसारिणी ९८१४२।

ग्रहयोगफलम् ९९१५२।

ग्रहरत्नम् ९९६१८।

ग्रहराशिफलम् १००१५३।

ग्रहराशिफलविचारः १०००४९।

ग्रहलग्नसारिणी ९८१८२।

ग्रहलाघवम् ९८०९४, ९८१२५, ९८१३२, ९८१३४,
९८१५०, ९८१६२, ९८२०१, ९८२११,
९८२६०, ९८३१०, ९८३८९, ९८४०५,
९८४२०, ९८४२९, ९८४३६, ९८४५६,
९८४६३, ९८४७३, ९८४८२, ९८४८९,
९८४९९, ९८५०५, ९८५२९, ९८६२१,
९८६३८, ९८६६५, ९८६७६, ९८८०३।

ग्रहलाघवं सटीकम् ९८२०८, ९८६७५, १०१४२९।
 ग्रहलाघवं सविवरणम् ९८०९६, ९८१३६, ९८१६०।
 ग्रहलाघवटीका ९८१८०, ९८७२३।
 ग्रहलाघवविवरणम् ९८१४९, ९८२८५, ९८६२४।
 ग्रहलाघवसारिणी ९८०१९, ९८०४०, ९८०४२।
 ग्रहलाघवसारिणीनिर्माणप्रकारः ९८३१२।
 ग्रहलाघवस्थूलतत्त्वम् ९८४२७।
 ग्रहलाघवोदाहरणम् ९८०८६, ९८१९३, ९८२७५,
 ९८५३७, ९८६२५।
 ग्रहलाघवोदाहरणं सटीकम् ९८४७४।
 ग्रहलाघवोदाहृतिः ९८०३२।
 ग्रहविचारः १०००७७।
 ग्रहशकुनकारिका १०१३४३।
 ग्रहशीघ्रसिद्धिः ९८७६२।
 ग्रहशुद्धाशुद्धिकथनम् ९८८२३।
 ग्रहसञ्चारफलम् ९९१०२।
 ग्रहसाधनसारिणी ९८४३७।
 ग्रहसारिणी ९८०३३, ९८०३६, ९८०९८, ९८१२६,
 ९८१२७, ९८२१७, ९८२१८, ९८४०८,
 ९८६२३, ९८६८४, ९८७२६।
 ग्रहस्पष्टसारिणी ९८३९३।
 ग्रहस्वभावादिविचारः ९८८६५।
 ग्रहस्वरूपादिविचारः षड्वर्गादिविचारश्च ९९६३९।
 ग्रहाणां राशिजातिवर्णादिव्यवस्था ९९५३८।
 ग्रहाणां शयनादिभावफलम् १०१०२८।
 ग्रहाणां शीघ्रमन्दफलसारिणी ९८५४२।

ग्रहानयनसारिणी ९८३३०।
 ग्रहानयनोपपत्तिः ९८३८२।
 ग्रहोदयास्तवक्रमार्गविचारः ९८२३९।
 ग्रहोद्भवस्थानानि ९८९०७।
 ग्रहाष्टकवर्गः ९८९९१।
 घटिकायन्त्रम् ९८६९७।
 चक्ररत्नावली ९९०१५।
 चक्रसङ्ग्रहः १०१६०७।
 चण्डेश्वरप्रश्नविद्या १०१३२२, १०१४६१।
 चतुर्युगी ९८८००।
 चतुश्श्लोकी ९८१६१।
 चतुःषष्टिचक्रम् ९८९८३।
 चतुःषष्टिचक्राणि १०११०३।
 चन्द्र-अवस्थाफलम् ९९१५१।
 चन्द्रकालानलम् १००२८५।
 चन्द्रकुण्डलीविचारः १००२११।
 चन्द्रग्रहणपरिलेखः ९८४४०।
 चन्द्रताराफलम् ९८९८२।
 चन्द्रभावाध्यायः ९९१८३।
 चन्द्रराशिफलम् १००००५, १०१०८३।
 चन्द्रविचारः १०११६७।
 चन्द्रसमशृङ्गोन्नतविचारचक्रम् १००४७१।
 चन्द्रसारिणी ९८२३६।
 चन्द्रादिशुद्धिः १००३६५।
 चन्द्राद्ग्रहाणां फलम् १००७०४।

चन्द्राध्यायः १००६९० ।

चन्द्राभरणहोरा १००२०९ ।

चन्द्रार्कगतिसारिणी ९८५०४ ।

चन्द्रार्कगणितम् ९८१९५ ।

चन्द्रार्कपञ्चाङ्गकरणम् ९८१६७ ।

चन्द्रार्कसारिणी ९८१९५ ।

चन्द्रार्की ९८५४७ ।

चन्द्रेश्वरजातकम् १०००९२ ।

चन्द्रोदयानयनम् ९८७९४ ।

चन्द्रोन्मीलनदीपिका ९८६७९, ९८७२२ ।

चन्द्रोन्मीलनम् ९८६६८, ९८७८४, ९८८०८,
१००५२७, १००५४०, १०५१७६,
१०११९८ ।

चमत्कारचिन्तामणिः ९८८६८, ९९५६८, ९९९४८,
१००१४३, १००१५९, १००२५५,
१००२५६, १००२६६, १००६३१,
१००६६१, १००८२२, १००८५१,
१००८८९ ।

चमत्कारचिन्तामणिः सटीकः ९९२०६, ९९२१४,
९९९०३, १०००४५,
१००७०७ ।

चमत्कारचूडामणिः ९९१२२ ।

चरप्रकारः ९८१०९ ।

चारुग्रन्थः ९९९२१ ।

चावुक-(प्रतोद)यन्त्रं सटीकम् ९८७४९ ।

चितासिद्धिकालविचारः १०१२१२ ।

चित्सभेशोत्सवसूत्रम् १०००७५ ।

चिन्तनप्रश्नः ९९७१४ ।

चूडामणिसारः १००१६९ ।

चौघडियामुहूर्तचक्रम् १००१९४ ।

चौरज्ञानादिकम् १०१६९० ।

चौरप्रदत्तफलम् १०१६०० ।

छादकनिर्णयः ९८४१६ ।

छायापुरुषलक्षणम् ९९१७३, ९९९१९, १००४३३ ।

छायापुरुषलक्षणविचारः १००५५६ ।

छायासारिणी ९८४२६ ।

छिवकाफलम् १०१३४२ ।

छिवकाविचारः १०१६५५ ।

जगदुत्पत्तिवर्णनम् ९८३०७ ।

जगद्भूषणम् ९८७५७ ।

जगन्मोहकम् १०००३४ ।

जगन्मोहनम् ९९३७५, ९९६२८ ।

जगन्मोहनः १०१०६४ ।

जन्मकुण्डलीविधानम् १००३७४ ।

जन्मचन्द्रिका १००८६९ ।

जन्मदीपकम् ९९४८० ।

जन्मपत्रनिर्माणपद्धतिः ९९६३९, ९९६४० ।

जन्मपत्रपद्धतिः १००७५८ ।

जन्मपत्रफलसङ्ग्रहः ९९८४० ।

जन्मपत्रलिखनप्रकारः ९९४६९ ।

जन्मपत्रलेखनक्रमः १००३९४, १००३९७ ।

जन्मपत्रविचारः १००५७३ ।

जन्मपत्रानुक्रमः १०१११२ ।

जन्मपत्रिका कारिकात्मिका १००१०७।

जन्मपत्रिकानिर्माणप्रकारः १००३१७।

जन्मप्रदीपः ९९८९४।

जन्ममरणविचारः ९९७३५।

जन्मलग्ननिषेकाङ्कशुद्धिः ९८८७४।

जन्मलग्नफलानि १०००६१।

जन्मलग्ननाध्यायः १०००६१।

जन्माङ्गचक्रसङ्ग्रहः ९९०६०।

जयपराजयज्ञानम् ९९५५१।

जयलक्ष्मीस्वरोदयटीका १०१३३९।

जहाँगीररत्नाकरः ९८७०९।

जहाँगीरविनोदरत्नाकरः ९८७०९।

जातककर्मपद्धतिः ९८९१९, ९९०१७, ९९८७३,
१००७४२, १०१२१५।

जातककर्मपद्धतिः सटीका १००६५३, १००८१६।

जातककर्मपद्धतिः सव्याख्या ९९०२५।

जातककल्लोलम् ९९२७४।

जातककल्लोलः १००८५३।

जातककीमुदी १००६१८।

जातकग्रन्थविषयानुक्रमणिका १००३२८।

जातकचन्द्रिका १००२२३, १००४७६, १००७१०,
१००९२३।

जातकदीपकः १०१२२४।

जातकदीपिका ९९८६५, १००३६२, १०१२४४।

जातकपद्धतिः ९८८३९, ९८९१७, ९८९२०, ९९१३१,
९९६४४, १००१८२, १००६२२,
१००९८१।

जातकपद्धतिः सटीका ९८८६३।

जातकपारिजातः १०००७८, १००१६२, १००१७७।

जातकफलम् १००९७५।

जातकफललग्नकुण्डलिका १०११०९।

जातकफलादिविचारः १०००८३।

जातकमुक्तामाला ९८९३७।

जातकरत्नम् १००३२३।

जातकशिरोमणिः ९९०१९।

जातकशेखरः ९९९६२।

जातकसङ्ग्रहः ९८८१५, १००३२५, १००९१४।

जातकसारः ९९०७०, ९९१५६, १००१७३,
१०११२७।

जातकसारदीपम् १००१७८।

जातकसारोद्धारः ९९११२।

जातकाभरणम् ९८८३३, ९८८५४, ९८९००, ९८९०२,
९९१०१, ९९१२५, ९९१९६, ९९२०८,
९९३२१, ९९३३८, ९९३६४, ९९३६९,
९९३७७, ९९६१०, ९९७०१, ९९८७७,
९९९२७, ९९९६९, १००१९७,
१००२४४, १००५०८, १००६७२,
१००६८६, १०१०९४, १०११४३,
१०१२४५, १०१२६१।

जातकामोदचन्द्रिका १०१२२५।

जातकार्णवः १००१६७।

जातकार्णवकीमुदी १००३३७।

जातकालङ्कारः ९८८३८, ९८९११, ९८९६६,
९९०६८, ९९०६९, ९९१५५,
९९२०३, ९९३०५, ९९४४२,
९९६०२, ९९९३१, ९९९९७,
९९९९८, १००१०४, १००१८१।

| | |
|--|---|
| १००२३८, १००२६४, १००३९३, १००४८५, १००६०३, १००७०२, १००८२३, १००८४४, १००९७८, १०१०३४, १०१०३५, १०११३३। | ज्योतिःसारामृतम् ९९७३७। |
| जातकालङ्कारः सटीकः १०००६७, १००९८२, १०१२८३। | ज्योतिःसूत्रम् १००४१५, १००४४९। |
| जातकालङ्कारटीका ९९५७४, १०००२०, १००१३६, १०१०५१। | ज्योतिराकरम् १०१२२७। |
| जातकालङ्कारव्याख्या १००८८७। | ज्योतिर्निबन्धः ९८८२७, ९९२२०, १००१८०, १००४३९, १०१०४२। |
| जीजप्रकाशः ९८७०५। | ज्योतिर्निबन्धानुक्रमणिका ९९८५६। |
| जीवनमरणप्रश्नविचारः १०१७४७। | ज्योतिर्भूषणम् ९९२७५। |
| जीवायुर्दयिविचारः १०१३०८। | ज्योतिर्मुक्तावली १००१६४। |
| जीवायुर्विचारप्रकरणम् ९८९३९। | ज्योतिर्लक्ष्मीः १०१०७९। |
| जैमिनिसूत्रम् ९८९९०, १००३७६। | ज्योतिर्विद्वंशावली ९९६२९। |
| जैमिनिसूत्रं सव्याख्यम् ९९६४५, १००२३४, १००७१६। | ज्योतिर्विदाभरणम् ९८८९१, ९९०१२, ९९०७८, ९९०७९, ९९०८३, १०११९२। |
| जैमिनिसूत्रं सव्याख्यानम् ९९५७५। | ज्योतिषकेदारः ९८९५५, ९९५९२। |
| जैमिनिसूत्रं सोदाहारणम् १००७६९। | ज्योतिषनाममाला १०१२५७। |
| जैमिनिसूत्रव्याख्या १०११५२। | ज्योतिषनिघण्टुः ९९४५५। |
| जैमिनीयसूत्रं सटीकम् ९८८४६, ९८९२९, ९९१७८, ९९१८९, ९९५२२, १००२४७, १००६८२, १०११०२। | ज्योतिषपत्री १००३१३। |
| जैमिनीयसूत्रकारिका ९८८८२, ९८८८३। | ज्योतिषरत्नाकरः १०१५७५। |
| जैमिनीयसूत्रविवृतिः १००९१८, १०११७०। | ज्योतिषवचनसङ्ग्रहः १०१२१३। |
| ज्यासारिणी ९८६६४। | ज्योतिषशास्त्रसङ्ग्रहः १०००७०। |
| ज्योतिःप्रक्रिया १००८६५। | ज्योतिषसागरः १०१००३। |
| ज्योतिःसारः १०००७१। | ज्योतिषसारः सटीकः १०११९३। |
| ज्योतिःसारसङ्ग्रहः ९९६५०, १०००७१, १०००८४, १०१२१४। | ज्योतिषसिद्धान्तसारः ९८३९४, ९८७३०। |
| | ज्योतिषसुबोधः १००३४६। |
| | ज्योतिषसूत्रम् ९९६८१। |
| | ज्योतिषप्रदीपः १०१००१। |
| | ज्योतिस्तत्त्वम् १००३३३। |

ज्योतिस्सङ्क्षेपः १००६१० ।

ज्योतिस्सागरः १००५६२ ।

ज्योतिस्सागरसारः १००२०५, १००३२६, १००३४४,
१००५८३, १०११६९ ।

ज्योतिस्सारः १००३३१ ।

ज्योतिस्सारसङ्ग्रहः १००५३८ ।

ज्योतिस्सूत्रम् १०११७२ ।

ज्योतीरत्नम् १०१२५३ ।

ज्योत्यप्तिः ९८३३२, ९८३७१ ।

ज्योतिर्विदाभरणटीका १०११४६ ।

ज्योतिर्विदाभरणं सटीकम् १०११४८ ।

ज्योतिषकल्पतरुः ९९११६, १००२२२, १०११६६ ।

ज्योतिषगणकम् ९८७४३ ।

ज्योतिषग्रन्थविशेषः ९८७५४, १००८७२, १००८९६ ।

ज्योतिषचक्रम् ९९०३२, १००५११ ।

ज्योतिषचन्द्रिका ९८८९४, ९८८९५, ९९२६२,
९९९७०, १०००३९ ।

ज्योतिषकलितसङ्ग्रहः १००९३७ ।

ज्योतिषमञ्जरी ९९२८७ ।

ज्योतिषमोदकम् १००९२७ ।

ज्योतिषरत्नम् ९९६६६ ।

ज्योतिषरत्नमाला ९८८२२, ९८८७९, ९९००२,
९९०२२, ९९०५७, ९९२१३,
९९३५८, ९९६१२, ९९६३८,
९९६४८, ९९७११, ९९८७९,
९९९१८, १०००४२, १०००५३,
१००११६, १००१८३, १००४०९,
१००६४०, १०१०९२, १०११२२,
१०११२६ ।

ज्योतिषरत्नमालावृत्तिः १०११५३ ।

ज्योतिषरत्नमाला सटीका ९९७०२, १००६६० ।

ज्योतिषरत्नसारः ९८९७१ ।

ज्योतिषवचनसङ्ग्रहः ९८८८६ ।

ज्योतिषवाक्यसङ्ग्रहः ९९९०८ ।

ज्योतिषविषयानुक्रमणिका ९९९०९ ।

ज्योतिषवृत्तशतम् ९८८१७ ।

ज्योतिषशास्त्रम् १००१४५ ।

ज्योतिषसङ्ग्रहः ९८८६१, ९८९१०, ९८९१८,
९९२२३, ९९२३०, ९९२५७,
९९२५८, ९९२९२, ९९४०३,
९९४९०, ९९५२५, ९९६३३,
९९७०३, ९९७०६, ९९९०७,
९९९५६, १०००७२, १००५०९,
१००५३२, १००५७९, १००७९३,
१००८६७, १००९६०, १०१०२०,
१०१०४१, १०१०७०, १०११४७ ।

ज्योतिषसङ्ग्रहः सटीकः १००००८ ।

ज्योतिषसागरः १००३४३, १००५७६ ।

ज्योतिषसागरसारः १००६२८, १००८७८ ।

ज्योतिषसारसङ्ग्रहः ९९९५५, १०००८२, १००३६७,
१००४६१, १००६८५, १००७३०,
१००७६२ ।

ज्योतिषसूत्रम् १००४८७, १००८७९, १०१२२९,
१०१२८२ ।

ज्योतिषसौख्यम् १००३८१ ।

ज्योतिषसंक्षेपः १००५३३ ।

ज्योतिषस्फुटम् १०११५७ ।

ज्योतिषाणवः १०१०८२ ।

ज्योतिषार्णवपीयूषः ९९१२१।

ज्योतिष्कणिका १०११५०।

ज्योतिष्केदारटीका ९९४७९।

ज्योतिस्सारः १००३५८, १००६३०।

ज्ञानचिन्तामणिः ९८७७३।

ज्ञानप्रकाशदीपाणवः १००९०४।

ज्ञानप्रदीपम् १००७४५।

ज्ञानप्रदीपः १००९४१, १०१३६१, १०१५४४,
१०१५९२।

ज्ञानप्रदीपिका १०१५६८।

ज्ञानभास्करः १००७२९, १०१२४१।

ज्ञानमञ्जरी ९९०९६, ९९२४७, १०१७११।

ज्ञानस्वरोदयः १०१४७४।

टोडरानन्दः १००५९०, १००३८१।

डकिनीकल्पः १०००५८।

तत्त्वचन्द्रिका ९९६६१।

तत्त्वपञ्चाशिका १००६६८।

तत्त्वप्रदीपः ९९७१९, १००१८५।

तत्त्वप्रदीपाख्यजातकम् ९९३२५।

तत्त्वप्रदीपिका १००६६८।

तत्त्वसिद्धान्तचन्द्रिका १००३१६।

तन्वादिद्वादशभावफलानि ९९५६५।

ताजिकभूषणम् ९९१०४।

ताजिकरत्नाकरः १००३०२।

ताजिकसारः ९८९५८।

ताजिकोक्तफलम् ९८८५८।

ताजिककेशवी ९९०४५।

ताजिककोस्तुभः ९९०२०, ९९७३२, १००३०१,
१०१०१७।

ताजिकनीलकण्ठी ९८८७६, ९८९२५, ९९०५२,
९९१२३, ९९१३९, ९९१९९,
९९२५९, ९९३१४, ९९३१५,
९९३२८, ९९३८४, ९९३८६,
९९४२८, ९९४३९, ९९६९३,
९९६९४, ९९७६०, ९९८८६,
९९८९३, ९९९४६, १००००२,
१०००११, १०००३७, १०००६०,
१००२०८, १००२२४, १००३०३,
१००४६९, १००५५३, १००७००,
१००७३३, १००८०८, १००८०९,
१००८४९, १०१०६८, १०१०७२।

ताजिकनीलकण्ठीटीका ९८८६६, ९८८८४, ९८९३१,
९९७०९, १००२१४, १००२१९,
१००२४८।

ताजिकनीलकण्ठी सटीका ९८८५७, ९८८८९, ९८९३४,
९९२४९, ९९५३१, ९९५३२,
९९५३३, ९९५३४, ९९६९८,
९९७५८, ९९९२०, १००४५०,
१००६५४।

ताजिकनीलकण्ठी सव्याख्योदाहृतिः ९८९८८।

ताजिकनीलकण्ठयुदाहृतिः ९९३०७।

ताजिकनीलकण्ठयुदाहृतिः सव्याख्या १००४३२।

ताजिकपद्धतिकोशः १०११९७।

ताजिकपद्मकोशः ९९४३४।

ताजिकभूषणम् ९९०५३, ९९२१२, ९९४५७,
९९६९९, ९९७६७, १००२९९,
१००३३०।

ताजिकमुक्तावली ९९४४५।

ताजिकसारः ९९३५२, ९९९६०, १००६४६।

साजिकसिद्धान्तः ९९१२४।

साजिकालङ्कारः १००८२५, १००९०३।

सारकषण्डिका ९८२५१।

साराविलासः ९८५७०।

तिथिचिन्तामणिः ९८३०५, ९८३२०, ९८४९०,
९८५०३, ९८५४३, ९८५४५,
९८५४६, ९८५५७, ९८७६०,
१०००८९।

तिथिचिन्तामणिः सोदाहरणः ९८३१८, ९८५७५।

तिथिचिन्तामणिसारिणी ९८०७४, ९८१३५, ९८५०८,
९८५४४, ९८७५९।

तिथिचिन्तामण्युदाहरणम् ९८५५५।

तिथितरङ्गिणी ९८५७३।

तिथिनक्षत्रफलम् १००३९८।

तिथिनक्षत्रयोगसारिणी ९७९८५।

तिथिनिर्णयः ९९२१९।

तिथिपत्रम् ९८६६२, ९८७७९।

तिथिपारिजातम् ९८५५३।

तिथिवारादिशुभाशुभनिर्णयः ९९०६३।

तिथिविचारः १००९६२।

तिथिसागरः ९८०५२।

तिथिसारिणी ९८४५४, ९८७१०।

तिथिसिद्धिः ९८३५५।

तिथ्यादिपत्रम् १००३५५।

तिथ्यानयनप्रकारः ९८४७८।

तिथ्युदाहरणम् ९८५५१।

तुरीययन्त्रविचारः सटीकः ९८१५१।

तुरीययन्त्रव्याख्या ९८०४९।

तुरीययन्त्रावलोकनप्रकारः ९८१५८।

तुल्ययन्त्रोपपत्तिः ९८०२२।

त्रिपताकीचक्रम् ९९०९३, ९९६६९, ९९६७१,
९९६७२, १००२८७, १००३६९।

त्रिपुरहरमुहूर्तम् ९९८७५।

त्रिविक्रमशतकम् ९९६९५।

त्रिशतिका ९८२५७।

त्रैलोक्यदीपकचक्रम् ९९५५६।

त्रैलोक्यप्रकाशः १०१०११।

दर्पणदीपकः १००४३१।

दशकुण्डगणितप्रकारः ९८२६६।

दशमभावसारिणी ९८५२५, १०१०१२।

दशमसारिणी १००४३४।

दशाक्रमः १००३७७।

दशाचिन्तामणिः ९९२५१, ९९३७६, ९९८६८,
९९९७७, १००१०२, १००११७,
१००७६४, १००९३८, १००९६३।

दशानयनप्रकारः १००४९१।

दशान्तरसारिणी ९८४८४।

दशान्तर्दशाफलम् १००८८०, १०१०२५, १०१०२८।

दशान्तर्दशाविचारः ९९५५३।

दशापञ्चकम् १०११९४।

दशापञ्चकफलम् १००७८१।

दशाफलम् ९८९४८, ९९८५७, ९९९६७, १०००५५,
१००५९३, १००८५६।

दशाफलविचारः ९९८९७।

दशाविचारः ९९३१३, ९९४००, ९९८९२, १००९२३।

दिकक्षोधनसारिणी ९८३७९।

दिकसाधनम् ९८२४१, ९८२४२।

दिग्बलादिचक्रम् ९९६५५।

दिनकौमुदी-सारिणी ९८८०९।

दिनगणवासना ९८४१७।

दिनचर्याफलम् ९९००७, १००८१०।

दिननिश्चयप्रकारः ९८६६६।

दिनसङ्ग्रहः १००२००, १००६११, १००९७४
१०१२५४।

दिनसारणी १००६१५।

दिवाकरपद्धत्युदाहरणम् १०११७५।

दीपकचक्रम् ९९६९२।

दीपचक्रम् ९९१००।

दीपमालाविचारः १०१६०८।

दीपिकोद्घोतः १००९०२।

दुर्गास्तोत्रम् १०१५६८।

दुःस्वप्नशान्तिः १०१४३४।

दूतचन्द्रिका १०१५९३।

दृष्टिसारिणी १००३०५।

देवकृतप्रश्नः १०१४२७।

देववाणीचक्रम् १०१५४२।

देशोदयचक्रम् १००२८७।

देवकलानिधिः ९९६५९।

देवज्ञचिन्तामणिः ९९४७०, ९९४७१, ९९९७२,
१००५६१, १०११८७, १०१२४२।

देवज्ञदीपकलिका ९९९००।

देवज्ञबान्धवः १००५५१, १००७४७।

देवज्ञवल्लभा १००५४२।

देवज्ञसञ्जीवनी १०११५८।

दीपकेवली ९९००३।

द्वादशचन्द्रफलविचारः ९८९५२।

द्वादशभावप्रश्ननिरूपणम् १००६९६।

द्वादशभावफलम् १०००७६, १०००७९, १००२३९,
१००३७७, १००४०१, १००५२१,
१०१०३९, १०१०५८।

द्वादशभावफलानि १००११३, १००१५१।

द्वादशभावविचारः ९९१८८, ९९६९७, १०००४३,
१००८२७।

द्वादशराशिफलम् ९९३५४।

द्वादशराशिविचारः १००४९६।

द्वादशराशिवेषविचारः १००१९३।

द्वादशलग्नफलम् ९९६४३।

द्वादशस्थानविचारः १०१२५६।

द्वारवेषविचारः ९८८७२।

द्विग्रहादियोगफलम् १०१२६२।

द्विघटिकामुहूर्तचक्रम् ९८००४।

द्विघटिकामुहूर्तविचारः ९९७२०।

द्विनिघ्नवालोज्झित्युत्पत्तिः ९८५२०।

द्विपञ्चाशदक्षरप्रश्नः १००६९२।

धनुःफलकरणसूत्रं सोदाहरणम् ९८१४०।

धीकोटिः ९८०१२, ९८३४८, ९८६६३।

धीकोटिदं करणम् ९८४२३।

धीवृद्धिदिविवरणम् ९८२५४।

ध्रुवपञ्चाङ्गसारिणी ९८०३५।

ध्रुवभ्रमणयन्त्रम् ९८२८७।

ध्रुवभ्रमणालययन्त्रम् ९८५३०।

नक्षत्रग्रहणमासादिविचारः १०००७६।

नक्षत्रचक्रम् १०००६८, १००४५४, १००५१९।

नक्षत्रचूडामणिः ९८८९९, १००२४६।

नक्षत्रचूडामणिः सटीकः ९९०९८।

नक्षत्रछायाधिकारोदाहरणम् ९८३०९।

नक्षत्रजननफलम् ९९२२७।

नष्टजन्मानयनम् ९९२२६।

नक्षत्रजातकम् १००९३६।

नक्षत्रदशाग्रहसारिणी ९९५८५।

नक्षत्रनामनिर्देशप्रकारः ९९३०८।

नक्षत्रप्रकरणम् ९९७००।

नक्षत्रमण्डलनिर्णयशान्तिः १००९२२।

नक्षत्रमाला-टीका १०१२०५।

नक्षत्रराशिनिघण्टुः ९९०८०।

नक्षत्रवेधचक्रम् ९९०९२।

नक्षत्रसाधनम् ९८१९०।

नक्षत्राभिधानम् ९९९४७।

नक्षत्रभागसारिणी ९८१४७।

नक्षत्रांशसारिणी ९८१२८।

नक्षत्रपतिजयचर्या ९८८९२, ९८९३०, ९९०२१,
९९२१८, ९९२५४, ९९३९९,

९९४२४, ९९५७३, १०००२२,
१००१८७, १००३५७, १००५३४,
१००७२२, १००८२८, १०१०२१,
१०१३११।

नक्षत्रपतिजयचर्या-टीका ९९३४९, १००३५६।

नक्षत्रसिंहमन्त्रः, लघुमानसञ्च १०१५७२।

नक्षत्रग्रहचक्रम् ९९६९६।

नक्षत्रग्रहदशाफलम् ९९१०५।

नक्षत्रग्रहदशाफलानि ९८९३३।

नक्षत्रग्रहभावफलम् ९९२८८।

नक्षत्रग्रहयन्त्रम् ९९२९१।

नक्षत्रग्रहराज्यफलम् १००३५१।

नक्षत्रग्रहवयोऽवस्थादिः १००२२१।

नक्षत्रमांशचक्रम् १००७९२।

नक्षत्ररोजप्रकाशः १००६९४।

नक्षत्ररोजविचारः १००२४१।

नक्षत्रांशचक्रार्थः १०१००९।

नक्षत्रांशद्वादशांशफलम् १०१००१।

नक्षत्रकोष्ठीविचारः १०१७१२।

नक्षत्रकोष्ठद्वारः १००५४३।

नक्षत्रजन्मपत्रनिर्माणम् १०००४०।

नक्षत्रजन्मपत्रविधिः ९९१५८।

नक्षत्रजन्माङ्गनिर्माणप्रकारः १००४८९।

नक्षत्रजन्मानयनप्रकारः १००१६५।

नक्षत्रजातकम् ९८९६०, ९९१५७, ९९२३३, १००११५,
१००२९०, १००७९८।

नक्षत्रजातकं सटीकम् १००८१४।

नष्टजातकाध्यायः ९९४०९ ।
 नष्टपत्रिकाज्ञानम् १००४७८ ।
 नष्टपत्रोदाहरणम् ९९६३० ।
 नाडीभेदेन ग्रहफलम् १०१०७३ ।
 नानाविधप्रश्नाः १०१४४२ ।
 नानाविधप्रश्नावलिः १०१४४५ ।
 नामबन्धव्याख्या ९९४५२ ।
 नामारम्भवर्णनिर्णयः ९९३८१ ।
 नारचन्द्रः १००६४४, १००७०९ ।
 नारचन्द्रः सटिप्पणः ९९६७६ ।
 नारचन्द्रज्योतिषम् ९९७०४, १०१२७८ ।
 नारदसंहिता ९९४४१ ।
 नारदीयप्रश्नः १००९१७ ।
 नारदोक्तप्रश्नः १०१४०६ ।
 नारायणशकुनावली १०१४९५, १०१५६६ ।
 नावाय चान्तिरं उरैयुडम् (रशनामुखशास्त्रं
 सव्याख्यम्) १००७५९ ।
 नाह्लिदत्तपञ्चाशिका ९९४२९, १००४०८ ।
 नाह्लिपचीसी १००४०४ ।
 नाह्लिपञ्चविंशतिका १००४९० ।
 निध्यादिज्ञानप्रकारः १००९८० ।
 निबन्धचूडामणिः १०११८७ ।
 निर्याणाध्यायः १००३७५ ।
 निषेककालनिर्णयार्थफलम् ९९५३६ ।
 निषेकमुहूर्तनिर्णयः १००१९२ ।
 निषेकाध्यायः ९९१३६ ।

निषेकाध्यायविवृतिः ९९११७, १०११०६ ।
 नीलकण्ठी ९९२०२, ९९८८०, ९९८८२, १००९४५,
 १०११३४ ।
 नीलकण्ठी-टीका ९८८७७, ९८८७८, १००८२४,
 १०११५९ ।
 नीलकण्ठीपद्धतिः १००३६० ।
 नीलकण्ठी सटीका १००६६३, १०१०४७, १०१०५५ ।
 नीलकण्ठी सोदाहरणा १००९४९ ।
 नीलकण्ठ्युदाहरणम् ९९०८८, १०११५६ ।
 नीलकण्ठ्युदाहृतिः ९९८८१ ।
 नेत्राञ्जनम् १००१०५ ।
 पक्षपक्षी १०१६४६ ।
 पञ्चधामैत्रीचक्रम् ९९१८२ ।
 पञ्चपक्षिकाप्रश्नम् १०१०८६ ।
 पञ्चपक्षिनिर्णयः १०१५२५ ।
 पञ्चपक्षिशकुनम् १००६३६, १०१६६० ।
 पञ्चपक्षिस्वराः १०१६९२ ।
 पञ्चपक्षी ९९००८, ९९०३५, ९९०७४, ९९०८५,
 १००५६३, १००५७२, १००७५६, १०११०१,
 १०११२३, १०११६०, १०१२१७, १०१३८५,
 १०१५०३, १०१५१४, १०१५१६, १०१५१८,
 १०१५३२, १०१५३४, १०१५६९, १०१६५३,
 १०१६५९, १०१६६३, १०१६६८, १०१७०७,
 १०१७२० ।
 पञ्चपक्षीचक्रम् १०१०८४ ।
 पञ्चपक्षीटिप्पणम् १००७४१, १०१५१५ ।
 पञ्चपक्षीविचारः १०१७२५ ।
 पञ्चपक्षीविद्या १०१५९१ ।

पञ्चपक्षीशकुनविचारः १०१५९६, १०१६२२ ।

पञ्चपक्षी सटीका १०१७३५ ।

पञ्चपक्षी सवार्त्तिका १०१५८१ ।

पञ्चमभावविचारः ९९६७० ।

पञ्चविंशतिका ९९४५१, १०१२३२ ।

पञ्चशतशकुनविचारः १०१४९६ ।

पञ्चशराः ९९२४८, ९९७५०, ९९८८३, १०१७४४ ।

पञ्चशरानिर्णयः ९९३७४, १०१५२४ ।

पञ्चशरासङ्गतिः १०१०९१ ।

पञ्चसरः ९९४५० ।

पञ्चसिद्धान्तः ९८६८३ ।

पञ्चस्वरटिप्पणम् ९९१३३, १०१३५४ ।

पञ्चस्वराः ९९४५०, १००२४९, १००७५१,
१०१२४४, १०१३१९, १०१३५३,
१०१५४७, १०१६१३, १०१६४७,
१०१७४८ ।

पञ्चस्वराचक्रम् १००८९२ ।

पञ्चस्वरा-टीका १०१६६५ ।

पञ्चस्वराविधानम् १०१७१० ।

पञ्चस्वरा सटीका १००५७८, १०१५५१ ।

पञ्चाङ्गकरणविधिः ९८११८ ।

पञ्चाङ्गफलम् ९९०८७, ९९४४९, १००४०७ ।

पञ्चाङ्गम् ९८४०७, ९८४२२, ९८४८६, ९८५०६,
९८५३५, ९८६१५, ९८६१६, ९८६१९,
९८६२०, ९८६३२, ९८६४५, ९८७३८,
९८७४७, ९८७६७, ९९२३५, ९९२३६,
९९२३७, ९९२३८, ९९२३९, ९९२४०,
९९२४१, ९९२४४, ९९२६६, ९९३२२,

९९३२४, ९९३३४, ९९३५५, ९९४९८,
९९५१२, ९९७६१ ।

पञ्चाङ्गश्रवणफलम् १००१२९ ।

पञ्चाङ्गसङ्ग्रहः ९९३९४, ९९८०१ ।

पञ्चाङ्गसम्बन्धिविश्वायनम् ९९०७१ ।

पञ्चाङ्गसाधनसारिणी ९८७९१ ।

पञ्चाङ्गसारिणी ९८५३३, १००३१३ ।

पञ्चाङ्गसिद्धिः ९८४२५ ।

पञ्चाङ्गानि ९८०९१, ९८१९१, ९८६५२, ९८७९० ।

पञ्चाङ्गोपपत्तयः ९८५३० ।

पञ्चाङ्गोपयोगिग्रहसारिणी ९८००५ ।

पञ्चाङ्गोपयोगिसारिणी ९८१३७, ९८३१९, ९८३७२,
९८३७३, ९८३८४, ९८३८५,
९८३८६ ।

पञ्चाशतवर्णप्रश्नम् १००६१९ ।

पञ्चाशदक्षरशास्त्रम् १००६९५ ।

पताकीवेधनिर्णयः १००३६९ ।

पथदीपकचक्रम् ९९६३७ ।

पथदीपकम् ९९१०० ।

पद्धतिकल्पवल्ली १००२२७ ।

पद्धतिप्रकाशः १००७२७ ।

पद्धतिभूषणम् ९९८८५, १०००५२ ।

पद्मकोशः ९८९४१, ९८९९७, ९९००९, ९९७४४,
९९९७५, १००२६०, १००९९३, १०१०१३ ।

पद्मकोशे ग्रहणावफलम् ९९१३५ ।

पद्यपद्याशिका ९८८५९, ९९३२५, १००१८५,
१००९४३ ।

परमायुचक्रम् ९९९३३।

परिकर्माष्टकम् ९८६८०, ९८६८१।

परीक्षाचक्राणि १०१३१०।

पर्वप्रकाशः ९८०२१।

पर्वप्रबोधः ९८३९५।

पल्लीपतनकारिका ९९०४८, ९९४१५, ९९४३१,
९९५०६, ९९६२०, ९९६२२।

पल्लीपतनकारिकाविचारः ९९६२१, ९९६२३,
९९६२४, ९९६२५।

पल्लीपतनफलम् ९९०४९।

पल्लीपतनम् १००७७६।

पल्लीपतनविचारः ९९४८४, १०१६२४।

पल्लीपनविचारसङ्ग्रहः ९९२९४।

पल्लीपतनशुभाशुभविचारः ९९४३०।

पल्लीपतनसरटारोहणफलम् ९९४९६, ९९६२६,
१००८००।

पल्लीसरटकारिका ९९४९९।

पल्लीसरटपतनफलम् ९९००४।

पल्लीसरटपतनारोहणफलम् १००९९२।

पल्लीसरटविचारः १०१५८६।

पल्लीसरटविधानम् १०१६२७।

पल्ल्यादिपतनविचारः ९९६२७।

पवनविजयः १००६००, १०१२६९, १०१२७०,
१०१२९०, १०१३०७, १०१४१७,
१०१५३१, १०१५३८, १०१६५०।

पवनविजयस्वरोदयः १०१२५०, १०१४६३, १०१६६४,
१०१६८४, १०१७३८।

पवनविजयस्वरोदयं सटीकम् १००४१९।

पवनविजयस्वरोदयसटीकः १०१७३६।

पाटीगणितम् ९८६०३, ९८७१७।

पाटीसारः ९८७०८।

पातसाधनम् ९८१६५।

पातसाधनविवृतिः ९८२८१, ९८४०६।

पातसारिणी ९८२८१, ९८८०२।

पातसारिणीविवरणम् ९८१११।

पातसारिणीविवृतिः ९८२९३।

पातसारिणी सटीका ९८७३७।

पारसीकप्रकाशः ९८७३३, ९९२५०, ९९४७४,
९९४७५, १००९५९।

पाराशरसूत्रम् १००२२६।

पराशरहोरा ९३७१८।

पाराशरी ९९१२१।

पाराशरीयकेरलसारः ९८९५६।

पाराशरीहोरा १०१०९३।

पाराशरीहोरा सटीका ९९४६२, १०००९८।

पारिजातरत्नाकरः १०००६२, १००१४७।

पाशककेवली ९९०५०, १०१३७७।

पाशकविधिः १०१६४९।

पाशकावलिः १०१७५८।

पाशकेवली १०१७३४।

पाशविधिः १०१३७३।

पाशाकेरली १०१२९४।

पाशाकेवली १०१३२७, १०१५०८, १०१६०१।

पाशाङ्कस्थापनविधिः १०१५५५।

पाशावली १०११३५, १०१३६३।

पिण्डोत्पत्तिः ९९५४६।

पितामहसिद्धान्तः ९८४८७।

पुत्राध्यायः १०१२६४।

पुरचक्रम् १०१०३३।

पुरुलक्षणम् १००७८७।

पुरुषसूक्तमन्त्रः १०००८३।

पुरुषस्त्रीलक्षणम् ९९३०४।

पूर्वजन्मनिरूपणम् १००५४१।

पृच्छकविधानम् १०१२१६।

पृच्छातन्त्रम् १०१३१४।

पृथुयशकरणम् ९८४९६।

प्रकीर्णपत्राणि ९९८५८।

प्रतिमालक्षणम् १०१११६।

प्रतोदयन्त्रकम् ९८०९३।

प्रतोदयन्त्रम् ९८०६९।

प्रतोदयन्त्रनिर्माणविधिः ९८५६७।

प्रतोदयन्त्रं सटीकम् ९८५७५, ९८७९९।

प्रबोधचन्द्रिका १०११३८।

प्रश्नकरणम् १००६९६।

प्रश्नकेरली १०१४९४, १०१६७९, १०१६८९।

प्रश्नकेलिका १००६८०।

प्रश्नकोकिलः १०१६२१।

प्रश्नकौमुदी १००४१६, १००९३९, १०११७१,
१०१२३९, १०१४८४, १०१६८७,
१०१६८८, १०१६९८।

प्रश्नगणना १०१६९४।

प्रश्नचक्रम् १०१०८५।

प्रश्नचण्डेश्वरः १०१२५९, १०१३६४।

प्रश्नचिन्तामणिः १०१३४५, १०१४१०, १०१५३०,
१०१७०२।

प्रश्नचूडामणिः १०१३५२, १०१५५०, १०१७११।

प्रश्नज्ञानम् १०१४३१, १०१४५५, १०१४९७,
१०१६१२।

प्रश्नज्ञानविधिः १००७२८।

प्रश्नतत्त्वम् १०१२२०।

प्रश्नतत्त्वं सटीकम् १०११०७।

प्रश्नतिलकम् १०१५०४।

प्रश्नदीपटीका १०१६९१, १०१७२२।

प्रश्नदीपप्रकाशिनी १०१६८६।

प्रश्ननिरूपणम् १०१५१२।

प्रश्नपञ्चाशिका १०१७०१।

प्रश्नपत्राणि १०१४८८।

प्रश्नपद्धतिः १०१५२१।

प्रश्नप्रदीपः १००४६८, १००४८६, १०११९०,
१०१३४८, १०१३४९, १०१३९८,
१०१४६६, १०१५०२, १०१५६२,
१०१७५१, १०१७५५।

प्रश्नप्रदीपकम् १००७७२।

प्रश्नप्रदीपिका १०१३२४।

प्रश्नफलम् ९२५०८, १०११८३, १०१४५६, १०१५०६।

प्रश्नबोधः १०११८०।

प्रश्नभैरवः १००३५२, १०१३९०, १०१४७५,
१०१५३९, १०१७०५।

प्रश्नमनोरमा १००४५७, १००४८८, १००८१५,
१००८२१, १०१३६२, १०१४०७,
१०१४९३, १०१५२३, १०१५४९,
१०१५७० ।

प्रश्नमनोरमा सटीका १००४५८, १०१३०६,
१०१३५७ ।

प्रश्नमाणिक्यमाला १००३२०, १०१३२९, १०१५०७ ।

प्रश्नमार्गः १०१५७२ ।

प्रश्नमाला १०१६४२ ।

प्रश्नमुखलक्षणम् १०१४४० ।

प्रश्नरत्नटिप्पणी १०१५८७, १०१६०४, १०१७३७ ।

प्रश्नरत्नम् १०११०७, १०१३८३, १०१४४६,
१०१४६७, १०१५९७, १०१५९८ ।

प्रश्नरत्नं सटीकम् १०१३१५, १०१३२५, १०१३७४ ।

प्रश्नरत्नाङ्कुरः १०१५४५ ।

प्रश्नराजसङ्ग्रहः १००४२१ ।

प्रश्नराजसारः १०१४२६ ।

प्रश्नलक्षणम् १०१७११ ।

प्रश्नलग्नफलम् १०१६३२ ।

प्रश्नवावनिः १०१२८६ ।

प्रश्नविचारः १००७९४, १००९१३, १०१३५१,
१०१३५६, १०१३६७, १०१४२५,
१०१४३९, १०१४४४, १०१५०१,
१०१५४१, १०१५८०, १०१६०८,
१०१७२६ ।

प्रश्नविचारचक्रम् १०१३४७, १०१७२३ ।

प्रश्नविद्या १००४८८, १००८८५, १०१२१७,
१०१३४४, १०१४७२, १०१४९२,
१०१५११, १०१५४८, १०१५६४,
१०१६१९, १०१७४६ ।

प्रश्नविद्या सटीका १००९८३, १०१३३७, १०१४१९,
१०१५६०, १०१६४४ ।

प्रश्नविनोदः १०१३१७ ।

प्रश्नविमर्शः १०१३९५ ।

प्रश्नवैष्णवः १०१७०३ ।

प्रश्नवैष्णवम् १००९०८ ।

प्रश्नशकुनावली १०११६१, १०१६०३ ।

प्रश्नशास्त्रमहोदधिः १०१३५५ ।

प्रश्नशास्त्रम् १०१५७४ ।

प्रश्नशिरोमणिः १००८४२ ।

प्रश्नसङ्ग्रहः ९८८१५, १००३५०, १००६३४,
१००६९७, १००९६७, १०१११८,
१०१३०२, १०१३७८, १०१५२६,
१०१५६१, १०१५६३, १०१६८१ ।

प्रश्नसारः १००६९३, १०१०८०, १०१३०४,
१०१३३४, १०१३४०, १०१४३०,
१०१६४५ ।

प्रश्नसारकेरली १०१६९६, १०१६९७, १०१७११ ।

प्रश्नसारप्रकाशकः १००१९८ ।

प्रश्नाक्षरः १००६१९ ।

प्रश्नाध्यायः १०१४१८, १०१६१७ ।

प्रश्नायत्तवस्तुज्ञानम् १०१६९० ।

प्रश्नाणवः १०१४१२, १०१४५२ ।

प्रश्नार्थसिद्धिः १०१३८२ ।

प्रश्नावली ९८९०१, १००४६४, १०१२३०,
१०१३२०, १०१४०९, १०१५१७,
१०१५५८, १०१५७७ ।

प्रश्नाष्टकम् १००१०६ ।

प्रसूतिकाप्रश्नः १००८०६ ।

प्रसूतिविचारः १००९२९ ।

प्रस्थानमुकुटः १००२८२ ।

प्राचीनज्योतिषाचार्याशयवर्णनम् ९८८०६ ।

प्राणपदसाधनम् १००२७९ ।

प्राणायामविधिः ९९५४५ ।

प्रियमञ्जरीवास्तुः १०१२८१ ।

फलचन्द्रिका ९९७१३ ।

फलदीपिका ९९८५९, ९९८६१, १०००८० ।

फलसङ्ग्रहः ९९७७८-९९७९९, ९९८०२, ९९८१७,
९९८४१-९९८५१, ९९९२३, १००७०६ ।

फलितज्योतिषसङ्ग्रहः ९८८२०, ९९२२८ ।

फलितसङ्ग्रहः १००८३२, १००६४८ ।

बद्धमोक्षचक्रम् १०१०४९ ।

बाणताराविचारः ९९१७७ ।

बादरायणप्रश्नः सटीकः १०१३३८ ।

बाह्रस्पत्यमुहूर्तविधानम् ९९६६७ ।

बालज्योतिष सटीकम् ९८८९८ ।

बालबुद्धिप्रकाशिका ३८५९२ ।

बालबोधकम् ९९२२२ ।

बालबोधज्योतिषम् ९८९९९ ।

बालबोधः ९८८२५, ९८८४८, ९९३३०, २९३६२,
९९६४९, १००१४९, १००१५९, १००२३०,
१००४९४, १००५०७, १००९०५, १०१०५७,
१०११११, १०१११३, १०११२८ ।

बालबोधः सटीकः १००५९८, १००८५५, १०१०७४ ।

बालबोधसारसङ्ग्रहः ९९९५९ ।

बालभूषासारः ९९२७२ ।

बालविवेकः ९९००६ ।

बालविवेकिनी ९९९४० ९९९९०, १०००५०,
१००१२५, १००१७१, १००१९५,
१००४९८, १००९२६ ।

बालविवेकिनी सटीका १०००१७ ।

बालावबोधः ९८७४० ।

बीजगणितटीका ९८०१५, ९८१९९, ९८२२९,
९८४८१, ९८६०६ ।

बीजगणितभाष्यम् २८०३४, ९८६४७, ९८६८६ ।

बीजगणितम् ९८०१४, ९८०२८, ९८१२४, ९८१५४,
९८१५६, ९८१७८, ९८१८१, ९८१९६,
९८२१४, ९८२२३, ९८२३३, ९८२५२,
९८३६५, ९८४८४, ९८५३६, ९८६५४,
९८७०४, ९८७२९, ९८७९८ ।

बीजगणितं सटीकम् ९८०५७, ९८२३०, ९८२३२,
९८२५०, ९८२६३, ९८३५७,
९८३७४, ९८३७५, ९८६६९ ।

बीजगणितविवृतिः ९८०८२ ।

बीजगणितव्याख्या ९८००७ ।

बीजगणितावतंसः ९८२६५, ९८६९९ ।

बीजगणितोदाहरणम् ९८३८३ ।

बीजवासना ९८६२८ ।

बीजव्याख्या ९८६१७ ।

बीजोक्तिचक्रम् १००४७१ ।

बुद्धिप्रकाशः १००३४८ ।

बुद्धिप्रदीपः १०१३०१ ।

बुद्धिविलासः १००४२५ ।

बृहच्चिन्तामणिसारिणी ९८३२९ ।

बृहज्जातकटीका १००७२४, १००८८४, १०११७९।

बृहज्जातकम् १८८८५, ९९०६७, ९९१४९,
९९२३१, ९९२७७, ९९३१८,
९९३५०, ९९३६५, ९९३६७,
९९५८३, ९९६३४, ९९७३६,
९९७५६, ९९८७०, ९९९०४,
९९९६५, ९९९९२, १००२२९,
१००३८९, १८०४१२, १००४७९,
१००५५२, १००५९१, १००५९५,
१०१०४४, १०१०६३, १०१०७८,
१०१२२८।

बृहज्जातकं सटीकम् १८९३५, १८९७९, १८९९४,
१९०५१, १९२०५, १९३३३,
१९४४७, १९६७३, १९९५०,
१९९५२, १०००२१, १००२१२,
१००७३९, १०१०६१।

बृहज्जातकं सविवरणम् १९१५९, १९१६०, १००६५९।

बृहज्जातकं सविवृत्तिकम् १९६६३।

बृहज्जातकविधिः १९३४४।

बृहज्जातकविवरणम् १९३४५।

बृहज्जातकविवृतिः १०००५९।

बृहत्संहिता १८९४४, १८९४६, १९२१०, १९२२५,
१९२७१, १९३५१, १९४४४, १९६६५,
१९८९६, १९९०१, १०००२६, १०००४१,
१००२७३, १००८९५।

बृहत्संहिताविवृतिः १९६४७।

बृहत्संहिता सटीका १८९१३।

बृहद्वक्त्रहृडाचक्रम् १००६३५।

बृहद्वक्त्रजातकम् १९६७४।

बृहस्पतिकाण्डम् १८९८९, १००१९९, १००८६६।

ब्रह्मतुल्यगणितोदाहृतिः १८०८९।

ब्रह्मतुल्यसिद्धान्तः १८२६४।

ब्रह्मतुल्योदाहरणम् १८१३५, १८२१९, १८२७७।

ब्रह्मसिद्धान्तः १८१०८, १८२२८, १८४८७।

ब्रह्माण्डमानम् १८४८३।

ब्राह्मणपूजाविधिः १००१५८।

ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः १८३५९।

ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः सटीकः १८२४४, १८२५६।

ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तटीका १८५१४, १८६७८।

भद्राविचारः १९६७७।

भद्राशान्तिः १००९३०।

भाग्योदयविचारः १९४७६।

भाभ्रमरेखानिरूपणम् १८८०७।

भार्गवनाडीप्रश्नः १०१३७१।

भार्गवभाषितम् १९३१०।

भार्गवमुहूर्तविचारः १९२९३।

भार्गवीयदशाफलम् १०११८९।

भावकोशः १९५३७।

भावग्रहफलम् १९४८२।

भावचिन्तामणिः १८९४२, १००५८०, १०१०२६।

भावदशाफलम् १९१७५।

भावफलम् १००३८२।

भावस्थग्रहफलम् १९१२९, १००९७६।

भावादिविचारः १९९६३।

भावशेषफलम् १००७८६।

भास्करज्ञानम् १०१६९३।

भास्वतिसारिणी १८४९८।

भास्वती ९८२०९, ९८२७२, ९८२७३, ९८२७४,
९८३९७, ९८४७५, ९८४८५, ९८६३४,
९८७२०, ९८८०५, १००६४० ।

भास्वतीकरणम् ९८०९०, ९८१९८, ९८३४३,
९८३९०, ९८४१०, ९८५९५ ।

भास्वतीकरणं सटीकम् ९८०९२ ।

भास्वतीटीका ९८२१५, ९८२२२, ९८७५२ ।

भास्वतीविवरणम् ९७९८३, ९८८९३ ।

भास्वती सटीका ९८२६१, ९८४५२ ।

भास्वती सव्याख्या ९८३५८ ।

भास्वती सव्याख्योदाहरणा ९८७९५ ।

भास्वत्युदाहरणम् ९८०७०, ९८२६९, ९८२७९,
९८३०० ।

भास्वत्युदाहृतिः ९८३९६ ।

भुवनकोशः ९८१०५ ।

भुवनकोशविरोधसमाधानम् ९७९८८, ९८१७१ ।

भुवनदीपकटीका १००८२६ ।

भुवनदीपकम् ९८९०४, १०००५८, १००४५९,
१००७३६ ।

भुवनदीपकं सटीकम् ९९९४४ ।

भुवनदीपकः ९९४२५, १०००००, १००४३८,
१००९१९, १०१५९५, १०१६११ ।

भुवनदीपकः सटीकः ९८९७५, ९९४३८ ।

भुवनदीपव्याख्या ९९६८२ ।

भुवनदीपिका ९९८७८, १०१५८९ ।

भुवनदीपिकः सटीकः ९९४०६ ।

भूकम्पफलम् ९९५०५ ।

भूकम्पलक्षणव्याख्या ९८४३९ ।

भूगोलखगोलमैत्रयम् ९८१२३ ।

भूगोलग्रहगोचरम् ९८४७६ ।

भूगोलाविरोधः सटीकः ९८२८३ ।

भूमण्डलप्रमाणम् ९८४८८ ।

भूमिपविचारः ९९५६४ ।

भूषणपद्धतिः १००७११ ।

भृगुतन्त्रम् ९९९०२ ।

भृगुसिद्धान्तः ९९४०२ ।

भृगुसूत्रम् ९९४५४ ।

भृगुसंहिता ९९०२३, ९९१११, ९९१७२, ९९६६४,
९९७२२-९९७२६, ९९७६९-९९७७६,
९९८०३-९९८१०, ९९८१२-९९८१६,
९९८१८-९९८३७, १०००८८, १००११९,
१००१२८, १००४८१, १००७६०, १००८८२,
१००९४०, १०५०६०, १०११५५, १०११६२,
१०१२३६ ।

भृगुसंहिताफलसङ्ग्रहः ९९८९८, ९९८९९ ।

भौमफलम् १००८०१ ।

मकरन्दकारिका ९८१५३, ९८३५० ।

मकरन्दकाशिका ९८७७० ।

मकरन्दटिप्पणम् ९८४०२ ।

मकरन्दटिप्पणी सव्याख्या ९८२७६ ।

मकरन्दपद्धतिमणिः ९८०४३ ।

मकरन्दप्रकाशः ९८०८८, ९८६३७ ।

मकरन्दविवरणम् ९८०९५, ९८११९, ९८३५०,
९८४०१, ९८४४३, ९८४५०,
९८५११, ९८५१८, ९८५२३,
९८५३४, ९८६१२, ९८६३०,
९८६३६, ९८६७०, ९८७१३,
९८७१९, ९८७७१ ।

मकरन्दसारिणी ९८०६१, ९८१००, ९८१८९,
९८२७१, ९८४१९, ९८४४५,
९८७६१।

मकरन्दसिद्धान्तसारिणी ९८५९७।

मकरन्दसूक्तिसरोजम् ९८१३९।

मकरन्दोदाहरणम् ९८०६०, ९८७४२, ९८७८५।

मकरन्दोदाहृतिः ९७९९४, ९८३९८, ९८४००,
९८७४२।

मणिप्रदीपः ९८१९४, ९८५८०, ९८६८५।

मणिप्रदीपकः ९८५६१।

मण्डलनिर्णयः १००५१४।

मध्यमग्रहसारिणी ९८१४३।

मनुष्यजातकटीका ९८८८०।

मनुष्यजातकम् ९९१३४, १००२१५, १००७४९।

मनुष्यजातकं सटीकम् ९९२०४, १०१०३८।

मनुष्यजातकं सविवृत्तिकम् १००७९०।

मन्त्रदीक्षाकालफलम् १००३४०।

मन्दादिग्रहफलसारिणी ९८२०६।

मयूरचित्रकम् ९८९६३, ९९०५९, १०००१५,
१०००३०, १००१६८, १००२८१,
१००९७३, १०११४०।

मयूरचित्रग्रन्थप्रश्नः १०१४२८।

मरुत्प्रश्नज्ञानम् १०००५८।

मलमासनिर्णयः ९८४४१।

महर्षतादिविचारः १००८९७।

महादग्धः १००३१९।

महादशाफलं सटीकम् ९९१३७।

महादेवीज्योतिषम् ९८३१५।

महादेवीसारिणी ९८२०५, ९८६४९।

महानक्षत्रास्सवाहनाः ९९४१८।

महापातसारिणी ९८१६६।

महासंहिता १०११५४।

मातृकानामकेवली १०१५१९।

मातृकाप्रश्नावलिः १०१२८७।

मातृकाफलविचारः ९९७१२।

मातृकाशकुनम् १०१३४१, १०१४४३, १०१७१७,
१०१७१८।

मातृकाशकुनावली १०१३०३, १०१७२९।

मात्रामर्कटी १००८४६।

मात्रिकशकुनम् १०१७४२।

मानप्रमाणपरिभाषा ९८३१३।

मारकेशविचारः ९९५६४।

मासमुन्थादिफलविचारः ९८८५८।

मासादिफलम् १००६५५।

माहेन्द्रमण्डलफलम् १००२०४।

माहेन्द्रादियोगचक्रम् ९९०५६।

माहेन्द्रादियोगफलम् ९९०६२।

मिश्रप्रकरणम् १००४३७।

मुकुन्दविजयः ९८९०३, ९९५८४।

मुद्दादशा १००८०२।

मुद्दादशाफलम् १००६७९।

मुद्दामहादशाफलम् १०१०५३।

मुन्थानिर्णयः ९८९४०।

मुन्याफलम् १८९४३।

मुष्टिचिन्तामणिः १०१११०, १०१३९४, १०१४००,
१०१५६५, १०१६१५।

मुष्टिप्रश्नः १०१६०२।

मुहूर्तकल्पद्रुमः १८९९६, १००१३५, १००२४५।

मुहूर्तगणपतिः १८९१५, १९२०९, १९४१०, १९४८८।
१९५१८, १००४६७, १००६२४,
१००८१९, १०१०३०, १०१२८०।

मुहूर्तगणपत्यनुक्रमणिः १९४२३।

मुहूर्तगणपत्यनुक्रमणिका १९४८७, १९४९४।

मुहूर्तगोरक्षः १००५४५।

मुहूर्तग्रन्थः १००३६८।

मुहूर्तचन्द्रिका, १९६८०।

मुहूर्तचिन्तामणिः १८८१९, १८८२६, १८८२८,
१८८३५, १८८५६, १८९८७,
१९०६६, १९०७३, १९१९८,
१९२४५, १९३०३, १९३१९,
१९३२०, १९३३७, १९३५७,
१९३६०, १९४३७, १९४६०,
१९५५४, १९६०३, १९६०९,
१९६५३, १९६९१, १९९०५,
१९९५३, १९९६६, १९९९४,
१०००१९, १००१०३, १००१३०,
१००१३३, १००१३७, १००१४२,
१००१९१, १००२१८, १००२२८,
१००२६७, १००२७१, १००४१३,
१००४९५, १००५०१, १००५०२,
१००५१०, १००५१७, १००५१८,
१००५४६, १००५६७, १००५७०,
१००५८२, १००५८५, १००५८८,
१००६०५, १००६३७, १००६५६,
१००८८६, १००९०७, १००९१६,
१००९३५, १००९५३, १००९५४,
१००९६९, १००९७१, १००९९९,

१०१००८, १०१०२२, १०१०९५,
१०११३१, १०११३६, १०११४४,
१०१२३४, १०१२४९।

मुहूर्तचिन्तामणिः सटिप्पणः १९३९३।

मुहूर्तचिन्तामणिः १८८७०, १८९४५, १९०८२,
सटीकः १९१६१-१९१७०, १९२०७,
१९२७९ १९३०२, १९३२७,
१९३३५, १९३४६, १९३५६,
१९३७३, १९३७८, १९४१२,
१९६३१, १९८५४, १९९८०,
१०००५७, १००१४८, १००४००,
१००४८३, १००५८१, १००५९६,
१००६६४, १००७१७, १००७६५,
१००९५२, १००९५५, १०११०५,
१०११४९, १०१२१९।

मुहूर्तचिन्तामणिकोष्ठकसङ्ग्रहः १९२९९।

मुहूर्तचिन्तामणिटीका १८८२९, १९२८२, १९८५२,
१९८५५, १००३७१, १००४७७,
१००७२३, १००७४०।

मुहूर्ततत्त्वम् १९०२६, १९२११, १९७२७।

मुहूर्ततत्त्वं सटीकम् १९०३८, १९०४६, १९०६५,
१००७६८।

मुहूर्तदपणम् १००७५२, १००९५१।

मुहूर्तदर्शनम् १९५४१।

मुहूर्तदीपकः १९२४२, १९२८१, १९५९७, १९५९९,
१००११२, १००२१३, १००५८९,
१००७१२, १००७३७।

मुहूर्तदीपिका १८८६९, १९३७२।

मुहूर्तनिचयः १९५७१।

मुहूर्तनिर्णयः १८९२६, १८९५१।

मुहूर्तभूषणम् १९२५३, १९३५९, १९६८९, १०००४६,
१००४९९, १००९३४।

मुहूर्तमञ्जरी ९९२६०, ९९९३९, ९९९८७,
१००४२०, १००६१२, १००९३३,
१००९४८, १०१२४८ ।

मुहूर्तमञ्जरी सानुक्रमणिका १००००३ ।

मुहूर्तमार्तण्डः ९८८३०, ९८८४३, ९८८४४,
९८८५०, ९८८९६, ९८९२२,
९८९७२, ९८९९२, ९९०३९,
९९०४०, ९९०४७, ९९१५०,
९९१९७, ९९२९०, ९९२९३,
९९३३६, ९९३९०, ९९५०१,
९९५०७, ९९९४१, ९९९६६,
९९९९९, १०००२४, १०००२७,
१०००५१, १०००१४०, १०००६२५,
१००७५५, १००९७२, १०१०७१,
१०१०७७, १०१२०४ ।

मुहूर्तमार्तण्डः सटिप्पणः ९९६०७ ।

मुहूर्तमार्तण्डः सटीकः ९८८१६, ९८८४२, ९९०५५,
९९०७५, ९९१९४, १००१५०,
१००२३६, १००७६७, १००९६८,
१०१०६५, १०१११४ ।

मुहूर्तमार्तण्डः सव्याख्यः ९९१५४ ।

मुहूर्तमार्तण्डटीका ९९६५२, १०००३१, १००३९०,
१०१२०८ ।

मुहूर्तमाला ९९११५, १००९८४ ।

मुहूर्तमालिका ९८९६७ ।

मुहूर्तमुकावली ९८८५३, ९८९५३, ९९०२९,
९९२७३, १००१३९, १००६३८,
१००६६९, १००७१३, १०१००७ ।

मुहूर्तविचारः ९९०३३, ९९५२९, ९९६२७, १००२३१,
१००८०३, १०१२७६ ।

मुहूर्तसङ्ग्रहः ९८९८५, ९९५४९, ९९६३२,
९९५७९, १००१८८, १००१९०,
१००२३३, १००३७८, १००४९०,
१००८०७ ।

मुहूर्तसङ्ख्यः १००५०६, १००८८३ ।

मुहूर्तसर्वस्वम् १००१९६, १००२४३, १००४१०,
१०१०३१ ।

मुहूर्तसारः १००२२५ ।

मुहूर्तादिविचारः ९९७१४ ।

मुहूर्तदिशः १०११९१ ।

मुहूर्तार्णवः ९९१२० ।

मूकप्रश्नोत्तरावलिः १०१३२१ ।

मृगयामुहूर्तप्रकाशः १०१०३६ ।

मृत्युयोगविचारः १००३३९ ।

मेघचक्रम् ९९३८९ ।

मेघताजीकम् ९८९४१ ।

मेघमाला ९९२९६, ९९३४१, १०००१४,
१०००८७, १००१२७, १००२६९,
१००३५४, १००५८६, १००६८३,
१०१०६६, १०१२६३, १०१५९४ ।

मेलापकविचारः ९९१४४ ।

यज्ञेऽऽवमेधीययात्रा १००८९३ ।

यन्त्रचिन्तामणिः १०१२२१ ।

यन्त्रचिन्तामणिटीका ९८१०४, ९८५६२, ९८५७७,
१००९८९ ।

यन्त्रचिन्तामणिविवरणम् ९८७५६ ।

यन्त्रचिन्तामणिः सटीकः ९८५५०, ९८५६८, ९८५७४,
१००९९१ ।

यन्त्रचिन्तामणिः सविवरणः ९८६६१ ।

यन्त्रचिन्तामण्युपपत्तिः ९८७१८ ।

यन्त्ररत्नावलिः सविवृतिः ९८०२४ ।

यन्त्ररत्नावली १८२८४।

यन्त्रराजः १८००१, १८०७१, १८०७३, १८०८१,
१८४६६, १८५८८, १८६२७।

यन्त्रराजकल्पः १८६५५।

यन्त्रराजटीका १८६८८।

यन्त्रराजरचनाप्रकारः १८०८४।

यन्त्रराजरचनोपपत्तिप्रक्रिया १८१०३।

यन्त्रराजविचारः १८५६५।

यन्त्रराजविवेचनम् १८७७५।

यन्त्रराजः सटीकः १००६८८।

यन्त्रविचारणावली सवृत्तिका १८२००, १८२०२,
१८२०३।

यन्त्राकरयन्त्रम् १८६९१।

यन्त्रागमव्याख्यानम् १८५७८।

यन्त्रोपपत्तिः १८७१८।

यवनजातकम् १००९९८।

यात्राप्रकरणम् १०१०५४।

यात्रावाराही १००२५३।

यात्राविचारः १९८७२, १००४७०, १००८७५,
१०१०१८।

युगकालादिनिर्णयः १८१७२।

युगधर्मः १८५४०।

युगव्यवस्था १८७४८।

युगादिप्रमाणम् १८३०६।

युद्धचिन्तामणिः १९४३५।

युद्धज्योत्सवः १८९३२, १८९९८, १००४११,
१००६८९।

योगफललग्नसारणी ग्रहसारणी च १००८७५।

योगमाननिरूपणम् १००३६३।

योगमालिका १९३८५, १९९४२, १९९७८,
१००१६३।

योगशतकम् १०१०४८।

योगसागरः १९१८५, १९८३८, १००५९९।

योगसारः १९१८६, १९९७१, १०१२३५।

योगादिनिर्णयः १९६७५।

योगाध्यायः १९११३।

योगार्णवः १९१९२, १९२४६, १९५६७, १९७१७,
१००१७२, १००८३४।

योगिनी-उपदशाफलम् १९५१७।

योगिनीजातकम् १९०९७, १००७८४, १०१२०३।

योगिनीदशा १००२५९, १००३८६, १००४५३,
१०११२०।

योगिनीदशाक्रमः १९६१३, १९९८३।

योगिनीदशाचिन्तामणिः १००८४८।

योगिनीदशानयनम् १००४२८।

योगिनीदशाप्रकरणम् १९०८१, १०००५४।

योगिनीदशाफलम् १९१४६, १९२९७, १९३८७,
१९६५६, १९७५०, १९७६४,
१९९३५, १९९८९, १०००१०,
१०००३६, १००२५७, १००७९६,
१००९१५, १००९४४, १०१०५२,
१०१२५८।

योगिनीदशाफलानि १००१०२।

योगिनीदशाविचारः १९१३५।

योगिन्यन्तर्दशाफलम् १९४८५।

रजश्चक्रम् १०१२६८।

रजोदर्शनफलम् १०१२११।

रत्नकलापः १००५३५।

रत्नजातकम् ९९९६४, १०११९७।

रत्नदीपकम् ९८२५७, १०००३८।

रत्नदीपम् ९८८४९।

रत्नदीपिका ९९४५९।

रत्नद्योतः १००४५५, १००४८२, १००६८१।

रत्नप्रदीपिका ९९२१५, १००७८२।

रत्नमाला ९८८५५।

रत्नसङ्ग्रहः ९९२६८, ९९४२७।

रत्नसारः १००५५०।

रत्नहारः ९९७६८, १०५११९।

रत्नोद्द्योतः ९९३२३, ९९३६६, ९९७५४, १००६१४,
१०११९५।

रमलः १०१२८८।

रमल-आतशसङ्ग्रहः १०१२९९।

रमलग्रन्थः १०१४६५।

रमलचक्रम् १०१६४१।

रमलचिन्तामणिः १०१३३३, १०१४०१, १०१४२१,
१०१३३३।

रमलचिन्तामणिः सटीकः १०१२९७।

रमलज्योतिषम् १०१४३५।

रमलनवरत्नम् १०१००२, १०१२९८, १०१३२६,
१०१३७६, १०१४०३, १०१५६७।

रमलप्रश्नचिन्तामणिः १०१४६२।

रमलप्रश्नविचारः १०१७३३।

रमलप्रश्नसङ्ग्रहः १०१४७६, १०१५३७, १०१७४१।

रमलरहस्यम् १०१६७०।

रमलशास्त्रम् १०११२५, १०१३९७, १०१६१६,
१०१६६२, १०१७२१।

रमलसङ्ग्रहः १०१६५८।

रमलसारः १००७४८, १०१३८४, १०१४५१,
१०१६१०।

रमलसिन्धुः १०१२९५।

रमलामृतम् १०१२९६।

रमलेन्द्रप्रकाशः १०१५०९।

रवनावचनम् (?) ९९७४०।

रागमाला १०१७३०।

राजमार्तण्डः १००६१६, १००७७३।

राजमुष्टिप्रेक्षा १०१३०५।

राजमृगाङ्कसारिणी ९८०५५।

राजावली १००२९७, १००३०४, १००३०६।

रामचक्रम् १०१६६६।

रामप्रकाशः ९८७५८।

रामप्रकाशोदाहृतिः ९८३८१।

रामविनोदः ९८१३८, ९८१६९, ९८३११, ९८५१३,
९८८५१।

रामविनोदसारिणी ९८००४, ९८०६३-९८०६८,
९८०७९, ९८०८०, ९८१८८,
९८२८८, ९८४११-९८४१४,
९८५६४, ९८५८९, ९८७३२।

रामविनोदोदाहरणम् ९८११८, ९८३३४।

रामविनोदोदाहृतिः ९८६४१।

राशिगुणकालज्ञानम् ९९३१२।

राशिचक्रादिकम् ९९०१४।

राशिचन्द्रविचारः ९९३००।

राशिज्ञानम् ९८९८२।

राशिफलम् १००२५८, १००२६१।

राशिव्यवस्था ९९८६६।

राशीशचक्रम् ९९५६०।

राश्यभिधानम् ९९९२४।

राश्यानयनम् ९९५६९।

राश्युदयवासना ९८४२४।

राहुघातविचारः १००९६६।

राहुद्वादशभावफलम् १००१३८।

राहुसारिणी ९८०५३।

रुद्रप्रदीपः १००५७५।

रुद्रविंशतिका टीका १०१२१०।

रेखागणितम् ९८००६, ९८१७३, ९८२३४, ९८२४०,
९८२८२, ९८६१४, ९८७०१।

रेखागणितभाषा ९८८०४।

रेखागणितसारः ९८००८।

रोगादिज्ञानम् १०१२७९।

रोगावली १००२१६।

रोगावलीचक्रम् ९९४४८।

रोमशसिद्धान्तः ९८४५७, ९८५१०, ९८६५८।

रुद्रमणपुरलग्नसारिणी ९८०९७।

लग्नकुण्डलीविचारः १००२५३।

लग्नचन्द्रिका ९८९२८, ९८९९५, ९९१०६,
९९२५२, ९९२५६, ९९३२६,
९९३४०, ९९३६८, ९९३८३,
९९४८६, ९९५१३, ९९८९५,
९९९८८, १०००६१, १००१३४,
१००८८९, १००२३५, १००२७२,
१००४९२, १००५९४, १००६०९,
१००६२३, १०१०४५, १०१०९९,
१०१२०६, १०१२३१।

लग्नजातकम् ९९२३२, ९९५९५, ९९७५५,
१००१५७, १००२५४।

लग्नत्रयसाधनम् १०११७८।

लग्नपत्रम् ९८०७६।

लग्नप्रश्नलक्षणम् १०१७०६।

लग्नभङ्गविचारः ९९४२०।

लग्नमानम् १००३३५।

लग्नवाराही ९९१८७, १००११४।

लग्नविचारः १००१५४, १००२९६।

लग्नशुभाशुभफलम् १००७३१।

लग्नसारिणी ९७९९२, ९७९९३, ९७९९५, ९८१२९,
९८१४३, ९८२०६, ९८२३७, ९८२३८,
९८५४८, ९८५८५, ९८५८६, ९८६३१,
९९०९२।

लग्नादिकथनम् ९९४२२।

लघुचिन्तामणिः ९९८७४।

लघुचिन्तामणिः सटीकः १०१२७२।

लघुचिन्तामणिटीका ९८९२३।

लघुजातकम् ९९२६३, ९९३४७, ९९५५२,
९९५५९, ९९८६४, ९९९३२,
१००१४४, १००२०१, १००२५०,
१००६३९, १००६४०, १००६७८,
१००६९८, १००९२५, १०१०१६।

लघुजातकं सटीकम् ९८८४०, ९८९८१, ९९३९६,
९९५१०, ९९९२८, १००१३२,
१००१५२, १००५८७, १००७७८,
१००९९७।

लघुजातकवृत्तिः १००१६६।

लघुतिथिचिन्तामणिः ९८५५६, ९८५५८, ९८५७२।

लघुतिथिचिन्तामण्युदाहरणम् ९८५४९, ९८५७६।

लघुदीपकम् १०१०९७।

लघुपाराशरी ९९४०१, ९९७३४, १०००२५,
१०००३५, १००२७७, १००७१०,
१००८४१, १००९१७।

लघुपाराशरीटीका १०१०५९।

लघुपाराशरी सटीका ९९३६१, ९९५३५, ९९६०६,
९९६४५, ९९८८४, ९९९३४,
९९९३६, ९९९५४, ९९९७३,
९९९८२, १००२९८, १००५७१।

लघुप्रश्नलक्षणम् १०१४३६।

लघुबालबोधः १०१०३२।

लघुसङ्ग्रहः ९८९६८, ९९३४८, ९९५५७,
९९५५८, ९९५६१, ९९६१९,
९९६३५, १००२५२, १००४७२,
१००५९२, १०१००४।

लघ्वहर्गणोपपत्तिः ९८६८९।

लम्पाकः सटीकः ९९४०७।

लम्पाकशास्त्रम् १००९९५, १०१४८१।

लम्पाकशास्त्रं सटीकम् १००७५४।

लाङ्गूलचक्रम् १००४७१।

लाभप्रश्ने प्रस्तारचक्रम् १००४३०।

लीलावती ९७९९६, ९८०२६, ९८१५७, ९८१६८,
९८१७७, ९८१७९, ९८१८३, ९८२२४,

९८२२५, ९८२३१, ९८२४९, ९८२६८,
९८२७०, ९८२८९, ९८२९५, ९८३३९,
९८३४०, ९८३४९, ९८३५१, ९८३५२,
९८३६१, ९८३८०, ९८३९३, ९८४२१,
९८४६०, ९८५००, ९८५०१, ९८५०९,
९८५२२, ९८५३२, ९८५९९, ९८६००,
९८६०२, ९८६०८, ९८६०५, ९८७१७,
९८७३६, ९८७७२, ९८७८२।

लीलावतीटीका ९८०२५, ९८०५८, ९८१०६,
९८३३७, ९८३६४, ९८४४८,
९८४५५, ९८४८१, ९८६४२,
९८६५९, ९८६७७, ९८७०२,
९७७६९।

लीलावतीविवरणम् ९८१८७, ९८६७१, ९८७४५,
९८७८१।

लीलावतीविवृतिः ९८४५३, ९८४७१।

लीलावतीव्याख्या ९८३२६।

लीलावतीव्याख्यानम् ९८२५३।

लीलावती सटीका ९७९९७, ९८०९९, ९८१७६,
९८१८६, ९८२४६, ९८२६२,
९८२९०, ९८२९२, ९८३६३,
९८३८८, ९८४७२, ९८७४४।

लीलावती सविवरणा ९८७२७।

लीलावत्युदाहरणम् ९८२४८, ९८७२८, ९८७३५।

लीलावत्युपपत्तिः ९८५२८।

लोकमनोरमा १०१३०६, १०१३४४, १०१४७२,
१०१५४३, १०१५७०।

लोकमनोरमा प्रश्नमनोरमा खेटचक्रम् ९९५४६।

लोमशसंहिता ९८९१२, ९९६१४, १००३७०,
१००५६६।

वर्गवर्णविचारः ९९४५३।

वर्णप्रश्नविधिः १०१३९९।

वर्णमातृकाफलम् १००७७९।

वर्षकुण्डली ९९५३९।

वर्षकुण्डलीनिर्माणविधिः ९९३४३।

वर्षगणितम् १००२८८।

वर्षगणितपद्धतिभूषणम् १००४४५, १००८६८,
१०११८१।

वर्षग्रहयोगफलम् १००१७५।

वर्षजन्मपत्रनिर्माणपद्धतिः ९९६४२।

वर्षतन्त्रम् ९८८१४, ९९०००, ९९४१४।

वर्षपत्रनिर्माणविधिः ९९६४१।

वर्षपत्रोदाहरणम् १००२१७।

वर्षपद्धतिः ९९१५३, ९९४९७, १००६४१, १००६५७।

वर्षपद्धतिटीका १००८३५।

वर्षप्रवेशः ९९८८८।

वर्षप्रवेशध्रुवाङ्कसारणी ९९६५४।

वर्षप्रवेशवेलानयनम् १००९४२।

वर्षप्रवेशसारिणी १००२७६, १००२७८।

वर्षफलतन्त्रम् १००८५०।

वर्षफलपद्धतिः ९९९३८, १००९०१।

वर्षफलपद्धतिः सटीका ९९०४५।

वर्षफलपद्धतिटीका ९९५५०।

वर्षफलम् ९९८७१, १००७९९।

वर्षफलविचारः ९९०३१, १००८५४।

वर्षयोगावली ९९४६८।

वर्षसारणी ९८७११, ९८७१६।

वर्षात्रिनाडीचक्रम् ९९७४१।

वर्षादिदशाफलम् ९९३५३।

वर्षार्धफलम् ९९१०९।

वर्षाविचारः १००१८६, १००७७०।

वर्षेशफलम् ९८९४०।

वर्षेशादिफलम् १००२२२।

वशिष्टसंहिता ९९०१८, १००३२७।

वशिष्टसिद्धान्तः ९८४४२, ९८७८३।

वशीकरणादिशावरमन्त्राः १०००७२।

वसन्तराजः १०१३६६, १०१३८६।

वसन्तराजः सटीकः १००६६५, १००६७५।

वसन्तराजशाकुनम् १०१३१२, १०१३१३, १०१३२३,
१०१३८०, १०१४२३, १०१४७३,
१०१५८२, १०१६५२।

वसन्तराजशाकुनं सटीकम् १०१३६९।

वसन्तराजशाकुनशास्त्रटीका १०१७६०।

वसुनिर्णयः १०००८६, १००९८०।

वंशावली १००६१३।

वाणिज्यसिद्धियोगः ९८९०९।

वारनक्षत्रविषयटीनिर्णयः ९९०६१।

वारसंस्कारः १०१२७७।

वाराहीसंहिता ९९८९१, १००५५९, १००८६०।

वाराहीसंहिता-टीका १००८६१।

वाराहीसंहिताविवरणम् १००८५९।

वाराहीसंहिताविवृतिः १००६९१, १००७०५।

वार्षिकप्रश्नचक्रम् १०१५७३।

वार्षिकतन्त्रोदाहरणम् ९८५७९।

वाहस्पत्यनिमित्तकाण्डम् १००८३०।

वाहस्पत्यसंहिता १००८२९।

वासनाभाष्यम् ९८०३८।

वासनावार्तिकम् ९८७२१।

वास्तुचित्रम् १०१०२९, १००३८७।

वास्तुज्ञानम् १००११०।

वास्तुपुरुषचित्रम् ९९४७३।

वास्तुप्रकरणम् १००७२६।

वास्तुप्रकाशः १०००३९।

वास्तुप्रदीपः १००९००, १००९११।

वास्तुराजवल्लभः ९८९१४।

वास्तुराजवल्लभमण्डनम् १००२९२।

वास्तुविचारः ९९१७४, १००९३२।

वास्तुशास्त्रम् १००६२१, १०१०३७।

वास्तुसाधनम् ९८८८६।

वास्तुसारः १००८०४।

वास्तुसौख्यम् ९९६०८।

विजयोत्सवः १००६२७।

विद्वज्जनवल्लभः १०१२०२।

विवाहतन्त्रम् १०११८५।

विवाहदीपिका १००४८४।

विवाहपटलः १००७१४, १०११२४।

विवाहविचारः १००५५७।

विवाहवृन्दावनम् ९९४५८।

विवाहवृन्दावनं सटीकम् ९८८९०, ९९४४६,
१००४८४, १००६४७।

विवाहसौख्यम् १०१०५०।

विवाहादिमुहूर्तविचारः ९९६८४।

विवाहे दशदोषज्ञानसारिणी १००४२४।

विविधजन्माङ्गफलम् ९९७७७।

विशेषभावफलम् ९९२८९।

विश्वप्रकाशः ९८४६२।

विश्वप्रकाशचिन्तामणिः ९८९०५।

विश्वामित्रसंहिता ९९५७१।

विष्टविचारः १००३३९।

विष्णुकरणम् ९८४४९, ९८७८०।

विष्णुकरणोदाहृतिः ९८६४३।

विशोत्तरीदशा १००८०५।

विशोत्तरीदशाक्रमः ९९५३०, १००६५०।

विशोत्तरीदशाचक्रम् ९९०४४।

विशोत्तरीदशानयनम् १००३०७।

विशोत्तरीदशाफलम् ९८९९१, १०१२७५।

विशोत्तरीमहादशाफलम् १०००६९।

वीरचिन्तामणिः १००५६१, १००७८०।

वृत्तव्यासपरिधिज्ञानैः धनुः प्रमाणानयनम् ९८१७४।

वृत्तशतकम् ९८७१२।

वृत्तशतम् ९९०२८।

वृत्तशतं सटीकम् ९९२९३।

वृद्धगर्गसंहिता १०११६५।

वृद्धगार्ग्यसंहिता १००७१८।

बृहद्यवनजातकम् ९८९३४, ९९७२१।

बृहद्यावनम् १००९२०।

बृहद्वासिष्ठसंहिता १००३८८, १००४१७, १००८६३।

बृहद्विस्मन्निधगणितम् १००३१५।

बृषभचक्रम् १००७५३।

बृषयागविधिः १०००७५।

वेदाङ्गज्योतिषम् ९७९८६, ९७९९८, ९८००३,
९८०१७, ९८०३१, ९८२६७,
९८३०८, १००९२४।

वेदाङ्गज्योतिषं सभाष्यम् ९८१४१।

वेदाङ्गज्योतिषभाष्यम् ९८२८६।

वेलामण्डलनिर्णयः १००९२२।

वेलविचारः १००१०५।

वेधव्ययोगविवादः १००७७१।

वेष्णवशास्त्रम् १००९०८, १०१०२४।

व्यञ्जदः टीका ? ९९९२२।

व्यवहारकौमुदी १००५२६।

व्यवहारनिर्णयः १००८३७।

व्यवहारप्रदीपः १००११८, १००१२३, १००५५५,
१००६४०, १००८८१, १०११४२।

व्यवहारसारः १००१२४, १००३७२।

व्याधिशुभाशुभनक्षत्रकथनम् १०१०८९।

व्यूहचक्रं नरचक्रम् १००५२३।

शकुनज्ञानम् १०१४१३।

शकुनदर्शनविचारः १०१३४६।

शकुनदीपकम् १०१४८२।

शकुनफलम् १०११४१।

शकुनम् १०१५४०।

शकुनवती १०१२८९।

शकुनवावनिः १०१२८६।

शकुनविचारः १०१३८५, १०१४०८, १०१५१०,
१०१५८४, १०१६३०।

शकुनशास्त्रम् १०१७३१।

शकुनावलिः १०१३३२, १०१६२६, १०१६७३,
१०१७५६।

शकुनावली १०१३१६, १०१३६०, १०१३७०,
१०१५८५, १०१६२८, १०१६३७,
१०१६३८, १०१७१९।

शङ्कराचार्यस्य महादेवावतारत्ववर्णनम् ९८४४०।

शङ्कुच्छायातः कालज्ञानसारिणी ९८०७५।

शङ्कुसारिणी ९८६२२।

शतचण्डीपाठविधिः ९९२९३।

शतश्लोकव्यवहारग्रन्थः ९९४७२।

शत्रुपराभवस्वरशास्त्रम् १०१५५३।

शनिभावफलम् ९९५४७।

शनिविचारः १००२०६।

शनिसारिणी ९८०६२।

शम्भुहोरा १००८९१।

शम्भुहोराप्रकाशः ९८८८१, १००२७५, १००८८८।

शम्भुहोराप्रकाशः सव्याख्यः १००६०६।

शलाकाप्रश्नोत्तरम् १०१४७८।

शल्यनिधिविचारः १००७२५।

शल्योद्धारविधिः ९९९२९, ९९९८६।

शाकुनशास्त्रम् १०१७५९।

शिका कारिका १००९९२।

शिङ्गिकारिका ९९३७०।

शिवपत्रिका १०१३०९।

शिवलिखितोद्धारः १०१७५३।

शिवस्वरोदयः १०११२१, १०१३३५।

शिवाज्ञा ९९५००, १०१७६२।

शिवाज्ञानम् १०१६४८, १०१६५१, १०१६५४।

शिवामुहूर्त्तम् ९९१७१, १०१३८७।

शिवालिखितमुहूर्त्तम् १०१६३४।

शिवालिखितम् ९९०९५, ९९३७९, ९९४४३,
९९४८१, ९९६१५, ९९९६१,
१००२६३, १००६१५, १००६२०,
१००७३५, १००७३८, १०१०६७,
१०१०६९, १०१३०९, १०१३१८,
१०१३८७, १०१५७८, १०१६८०,
१०१७१५, १०१७४९।

शिवावलिः १०१४८५।

शिवोक्तमुहूर्त्तविचारः १००४०२।

शिशुबोधः १००३२५, १००३९२, १००४७५।

शिष्यधीवृद्धिदत्तम् ९८११०, ९८४९६।

शिष्यधीवृद्धिदम् ९८४५९।

श्रीघ्नकर्णसारणी ९८५८४।

श्रीघ्नबोधः ९८६८५, ९८८२४, ९८८३२,
९८८४१, ९८८५२, ९८८६०,
९८८९७, ९८९५४, ९८९६९,
९८९७४, ९८९८६, ९९००१,
९९२७८, ९९३२९, ९९३३२,
९९३८२, ९९४०४, ९९४०५,
९९४४८, ९९६५८, ९९७२८,

९९७६३, ९९८६२, ९९८८७,
१०००२९, १०००३२, १०००९१,
१०००९९, १००२४२, १००३२२,
१००३४७, १००३७३, १००३८३,
१००३८४, १००३९६, १००४०५,
१००४६३, १००४७३, १००४७४,
१००४९७, १००५००, १००५२०,
१००५३६, १००५५४, १००५७४,
१००५८४, १००६०२, १००६०७,
१००६५२, १००६६७, १००६७६,
१००७६६, १००९६१, १००९६४,
१००९८५, १००९८८, १०१०७५,
१०१०२६, १०११७४, १०११८६,
१०१२००, १०१२०७, १०१२४६,
१०१२४७।

श्रीघ्नबोधः सटीकः १०११३९।

श्रीघ्नसिद्धिसारिणी ९८०८३।

शुकचन्द्रिका ९९११४।

शुकजातकम् ९९५१६, ९९७१६, १००७७४,
१०१२३३।

शुकजातकव्याख्या ९९७५३।

शुकसूत्रम् १००७७४।

शुद्धिदीपिका ९८८३६, १०००७३, १०००८५,
१००७५७, १००८७१, १०१२२२।

शुभसङ्ग्रहः ९९२६९।

शुभाशुभप्रश्नज्ञानम् १००७४६।

शुभाशुभफलम् ९९६७८, १००४२९।

शुभाशुभयोगनिर्णयः १००३४९।

शेषजात्युदाहरणम् ९८६०७।

शेषवासना ९८११७।

श्रीपतिपद्धतिः ९८९१९।

श्रीपत्युदाहरणम् ९८७८९।

श्रीपद्धतिः १००६५३।

श्रीप्रश्नावलिः १०१२८४।

श्वचरस्वरूपविवृतिः १०११००।

श्वानशकुनविचारः १०१५२९।

षट्पञ्चाशदङ्कयन्त्रम् १००५१५।

षट्पञ्चाशिका ९९१३०, ९९१३२, ९९१४२,
९९१४८, ९९२८६, ९९३०९,
९९३७१, ९९४३६, ९९४८९,
९९४९५, ९९५९६, ९९५५७,
१००००४, १०००९४, १००३०९,
१००३८३, १००४६२, १००४९३,
१००५३७, १००६३३, १००६३५,
१००६९९, १००७४८, १००९२८,
१००९३१, १००९६५।

षट्पञ्चाशिका-टीका ९९४०८, १००००१, १००१६१।

षट्पञ्चाशिका सटीका ९८९७७, ९९१४७, ९९१९३,
९९२८५, ९९३३१, ९९३९२,
९९४६३, ९९५०४, ९९५०९,
९९९९३, १००००६, १००००७,
१०००१२, १०००२३, १०००४४,
१०००५८, १०००६३, १००८३३,
१००९८७, १०१०९४।

षट्पञ्चाशिका सविवृतिः १००५६०।

षट्पञ्चाशिका सव्याख्या १०००७९।

षट्पञ्चाशिकाविवृतिः १००२४०, १०११०४।

षट्प्रदीपिका १००६५१।

षड्वर्गनिरूपणम् १००५१६।

षड्वर्गफलम् ९८९३८।

षड्वर्गफलानि १००७८६।

षड्वर्गविचारः ९९१९१।

षष्टिसंवत्सरफलम् ९९९८१, १००५०४।

षोडशचक्रम् १०१७१४।

षोडशमुहूर्तविचारः ९९०३६।

षोडशयोगरत्नटीका ९८९५९।

षोडशयोगाध्यायः ९९९६८।

सङ्केतकौमुदी ९८९४९, ९८९६१, ९९०५८,
९९२२१, ९९२२४, ९९३९१,
९९७५७, ९९७६२, ९९९७६,
१००००९, १०००४८, १००४८०,
१०१००५।

सङ्क्रान्तयनम् ९८७२४।

सङ्क्रान्तिचक्रम् १००८३९।

सङ्क्रान्तिनिर्णयः १०११०९।

सङ्क्रान्तिनिर्णयः सटीकः १००५९७।

सङ्क्रान्तिप्रकरणम् ९९५११।

सङ्क्रान्तिफलक्रमः ९९४५६।

सङ्क्रान्तिफलम् ९९९५८, १०००५६, १०१०६२।

सङ्क्रान्तिफलादेशः १००६४५।

सङ्क्रान्तिविचारः ९९४८३, ९९९५८।

सङ्क्षिप्तकोष्ठीफलम् १०००९५।

सङ्ख्याभिधानं ग्रहाभिधानञ्च ९९९४७।

सङ्ग्रहमञ्जरी १००२३२।

सङ्ग्रहरत्नम् १००४१८।

सङ्ग्रहवचनानि १००६२६।

सङ्घट्टचक्रम् १००९०९।

सगतिकग्रहस्पष्टीकरणम् ९८६८२।

सज्जनवल्लभः ९९०२७।

सत्कृत्यमुक्तावली ९८८८८, १००३२९, १००३६४,
१०१२५२।

सन्तानगोपालमन्त्रः १०००८३।

सन्तानदीपिका ९९२१७, ९९५७८, ९९६७९,
१००६७३।

सप्तनाडिका १००६४०।

सप्तनाडीचक्रम् ९९४१७, ९९९३७, १००७०१,
१००७५३, १०१६०५।

सप्तवर्गसारणी ९८९०८।

समयप्रदीपः ९८८३७, १००३३२, १००७४४,
१००८९८, १०१०२७, १०१०४३।

समरसारः ९९०८९, ९९३०१, ९९३३९, ९९४३२,
९९६०४, ९९६०५, ९९६५७, ९९८६३,
९९९७४, १००५०५, १००७८५, १००७८९,
१००७९१, १००८४३, १०१०९८, १०१३८८।

समरसारः सटीकः ९८८१३, ९८८६४, ९८९७३,
९९२१६, ९९४९३, ९९९०६,
१०००६४, १००६०८, १०१५९९।

समरसारटीका ९९९५१, १०१०१४।

समरसारव्याख्या १००९५६।

समाविवेकटीका १००२१०।

समुद्रचक्रम् ९९६७२, ९९९८५।

सर्वतोभद्रचक्रम् ९९०२१।

सर्वदेशीयजरकालीयन्त्रम् ९८७५०।

सर्वदेशीयशरक्रान्तिसाधनविधिः ९८६९०।

सर्वसङ्ग्रहः ९९२६४।

सर्वार्थचिन्तामणिः ९८८४७, ९८९६२, ९९०१६,
९९१०८, ९९१२६, ९९६८५,

९९७०५, ९९९४९, १०००३३,
१००१८४, १००३८१, १००८३८,
१०१०२३।

सर्वार्थसारचिन्तामणिः १०१५६८।

सहस्रसारिणी १००७१५।

साधनसुबोधः १००३१७।

साधनाधिकारप्रकरणम् ९८१९५।

सामुद्रिकम् १००१००, १००८६४, १००८७३,
१००९९०, १००९९४, १०१०४६,
१०१०८८, १०१२०१, १०१३७२,
१०१३९६, १०१४०२, १०१४०५,
१०१४११, १०१४१६, १०१४८०,
१०१५३५, १०१५४६, १०१५७१,
१०१६२३, १०१६५६, १०१६७१,
१०१६७६, १०१७२४, १०१७५२,
१०१७६३।

सामुद्रिकगणनाविचारः १०१५२७।

सामुद्रिकलक्षणम् १००८१८, १०१२४०, १०१४३७,
१०१४६८।

सामुद्रिकलक्षणविचारः १०११३२।

सामुद्रिकशास्त्रम् १००५३०, १००५३१, १००७४३,
१०१०१०, १०१४७७, १०१५५९,
१०१७४५।

सामुद्रिकशास्त्रं सटीकम् १०१३३१।

सारचन्द्रिका ९९६६०।

सारणी ९८४९५, ९८६४०, ९८७९७, ९८८१०।

सारसङ्ग्रहः ९९५२६, ९९५५५, ९९९३०, ९९९५९,
१००६१७।

सारावली ९८८८७, ९९११०, ९९३१६, ९९३१७,
९९५०२, ९९६४६, ९९७०८, ९९७३९,
१००८३१, १०११७७।

सारोद्धारः ५००२६२ ।

सावनाहर्गणानयनम् ९८७१५ ।

सांवत्सारिका सटीका ९९९४३ ।

सिद्धखेटिः ९८६७२ ।

सिद्धवल्ली १०१७०० ।

सिद्धान्तकौस्तुभः ९८७८८ ।

सिद्धान्तगणितम् ९८७९२ ।

सिद्धान्तचूडामणिः ९८२४५, ९८३३८, ९८३६०,
९८३६२, ९८४९६ ।

सिद्धान्तज्योतिषविषयकग्रहचारक्षेत्राणि ९८७६४ ।

सिद्धान्ततत्त्वकरणवैष्णवः ९८६४६ ।

सिद्धान्ततत्त्वविवेकः ९८१९२, ९८२१०, ९८२५५,
९८५५४, ९८६५७, ९८६०८ ।

सिद्धान्तरहस्यम् ९८५०४ ।

सिद्धान्तरहस्योदाहरणम् ९८८०१ ।

सिद्धान्तशिरोमणिः ९८०१६, ९८०१८, ९८०३०,
९८१६४, ९८१७५, ९८१९७,
९८२८०, ९८३१६, ९८३२५,
९८३६६, ९८३७६, ९८३७७,
९८३७८, ९८४५१, ९८४६५,
९८४६९, ९८४७७, ९८५०२,
९८५०७, ९८५९६, ९८६३३,
९८७७६, ९८७७७, ९८७८६,
९८८११, ९८८१२ ।

सिद्धान्तशिरोमणिः मरीचिः ९८७९६ ।

सिद्धान्तशिरोमणिः सटीकः ९८१०२, ९८११२, ९८११४,
९८११६, ९८२५९, ९८४५८,
९८५९३, ९८५९४, ९८६४४,
९८७३४, ९८७४१, ९८७६६ ।

सिद्धान्तशिरोमणिः सवासनाभाष्यः ९८५३८, ९८७१४ ।

सिद्धान्तशिरोमणिटीका ९८११३, ९८११५, ९८७२५ ।

सिद्धान्तशिरोमणिव्याख्या ९८५१७ ।

सिद्धान्तसङ्ग्रहः ९८५२४ ।

सिद्धान्तसम्प्राद् ९८४३३, ९८४९१, ९८५१५ ।

सिद्धान्तसारः ९८४३४, १००४४१, १००४४८ ।

सिद्धान्तसारकौस्तुभः ९८४३१, ९८४३२, ९८४९१,
९८४९२, ९८५१६ ।

सिद्धान्तसार्वभौमः ९८३४४, ९८३४५, ९८५३१ ।

सिद्धान्तसुन्दरम् ९८६७४ ।

सिंहस्थगुरुनिर्णयः १००७०८ ।

सिंहस्थगुरुविमर्शः १००२०३ ।

सुखबोधः ९९०६४ ।

सुदर्शनचक्रम् ९९१०७, १००७७७ ।

सुदर्शनचक्रादिविवरणम् १००३८५ ।

सुधीरञ्जनी ९७९८७, ९८४०९, ९८७५३,
९८८७३ ।

सुबोधा-सारणी ९८६६० ।

सुल्तानसप्ताङ्गम् ९९४६७ ।

सूक्ष्मजातकम् ९९८६९ ।

सूक्ष्मजातकं सटीकम् १००२२० ।

सूक्ष्मजातकटीका १०१२०९ ।

सूक्ष्मजातकवृत्तिः १०१०८१ ।

सूक्ष्मनक्षत्रसाधनम् ९८४३० ।

सूचीपत्रम् १००१६० ।

सूतिकाषष्ठीपूजाप्रयोगः १०१०२७ ।

सूतिकाध्यायः १००९२९ ।

सूत्रव्याख्या ९९८६० ।

सूर्यकालानलम् १००२८५ ।

सूर्यकोष्ठम् ९८०५० ।

सूर्यग्रहणपरिलेखः ९८०२० ।

सूर्यग्रहणोदाहरणम् ९८०५९ ।

सूर्यपक्षधारणकरणम् ९८६५१ ।

सूर्यविधिः १००७२९ ।

सूर्यसारिणी ९८२३५ ।

सूर्यसिद्धान्तः ९७९९१, ९८०३७, ९८०४८,
९८१२१, ९८१७०, ९८२१२,
९८३८७, ९८४१८, ९८४९७,
९८५२६, ९८६०१, ९८६९३ ।

सूर्यसिद्धान्तः सटीकः ९८०३९, ९८०४४, ९८०४६,
९८२१६, ९८३५६, ९८६५३ ।

सूर्यसिद्धान्तः सविवरणः ९८१०७ ।

सूर्यसिद्धान्तटीका ९८४१५, ९८५२७, ९८६८७,
९८७९३ ।

सूर्यसिद्धान्तभाष्यम् ९८०३८ ।

सूर्यसिद्धान्तरहस्यम् ९८५२१ ।

सूर्यसिद्धान्तरहस्यं सव्याख्यम् ९८४६४ ।

सूर्यसिद्धान्तसारिणी ९८०१३, ९८०४५ ।

सूर्यसिद्धान्तोदाहरणम् ९८४४७ ।

सूर्यसिद्धान्तोदाहरणव्याख्या ९८६३५ ।

सूर्यस्पष्टसारिणी ९८२९३ ।

सूर्यादिग्रहाणां शुभाशुभज्ञानम् ९९५७६ ।

सूर्यादिग्रहाणामन्तर्दशाप्रत्यन्तर्दशाबोधकचक्रम्
१००४२२ ।

सूर्यादिनवग्रहाणां द्वादशस्थानफलानि ९९५७० ।

सृष्टिकरणम् ९८४७९ ।

सोमसिद्धान्तः ९८६४८ ।

सीरपोराणमतेक्यम् ९८३०४ ।

सीरपोराणिकमतसमर्थनम् ९८७७४ ।

संख्यासंज्ञा ९८१३३ ।

संज्ञाविवेकटीका १०१११५ ।

संवत्सरज्ञानार्थसारिणी १००३१४ ।

संवत्सरनाम ९९५४३ ।

संवत्सरनामानि ९९७५२ ।

संवत्सरफलम् ९८८४५, ९८९८९, ९९०९९,
९९२८४ ।

संवत्सरमासतिथ्यादिपरिगणनम् ९९१२८ ।

संवत्सरविधिः १००२५१ ।

संवत्सरसमुच्चयः ९९३९८ ।

संवत्सरादिकलम् ९९२८३ ।

संवत्सरादिसङ्ग्रहः १०००८१ ।

संवत्सरानयनम् ९९५७२ ।

संवत्सरी ९९६८३ ।

संवित्प्रकाशः १००५२४, १००५२५, १००६६२,
१०१४८३ ।

संस्कारकोस्तुभः १००८४० ।

संस्कारमुहूर्त्तविचारः ९९०१३, ९९४२१ ।

स्तोत्रसङ्ग्रहः १००६४८ ।

स्त्रीजातकम् ९९२७६, ९९९८४, १०००१३,
१००७८१ ।

स्त्रीपुरुषलक्षणम् १०१७५२ ।

स्त्रीयोगादयः १०१६९४।

स्त्रीयोगादिकथनम् १००५४१।

स्त्रीलक्षणम् १००२६८, १००७८७।

स्त्रीसामुद्रिकलक्षणम् १०१५५४।

स्थानादिवलविचारः १००३०८।

स्पन्दनचरित्रम् १००३२४, १००३३४, १००५२२,
१००५४९, १०१०८९, १०१२५५।

स्पन्दविचारः जातिमाला च १००४८७।

स्मृतिसङ्ग्रहः ९९२७०।

स्वप्नचरित्रम् १०१६४३, १०१७०९।

स्वप्नचिन्तामणिः १००८१३, १०१२९२।

स्वप्नदर्शनम् १००२७०।

स्वप्नदर्शनफलम् १०१३३६।

स्वप्नविचारः १०१२९३, १०१४३४, १०१४५८,
१०१५८८, १०१६०९, १०१६२०,
१०१७५७, १०१७६१।

स्वप्नादिविचारः १०१६९३।

स्वप्नाध्यायः ९८८१८, ९९४३३, ९९४४०,
१००३२१, १००६०४, १००७३२,
१००७७५, १००८१७, १००८९४,
१००९५०, १००९५८, १०१२६०,
१०१४७१, १०१४९८, १०१५२०,
१०१५२२, १०१५५२, १०१५५७,
१०१६१४, १०१६३३, १०१६३५,
१०१६५७, १०१६९९, १०१७५४।

स्वप्नाध्यायः सटीकः १०१७१३।

स्वरग्रन्थः १०१३७५।

स्वरज्ञानम् १०१७१६।

स्वरज्ञानफलम् १०१६७२।

स्वरनाडिकालक्षणम् १०१४३३।

स्वरपञ्चाशिका १००७१९।

स्वरविचारः १०१७३९।

स्वरवज्ञानम् १०१६१८।

स्वरशास्त्रम् १०१२७३, १०१३८१, १०१३८८।

स्वरशास्त्रं सटीकम् १०११८४।

स्वरोदयः १००५४४, १००५४८, १००६००,
१०१००६, १०१०८७, १०१२७०,
१०१२७१, १०१२७४, १०१२९१,
१०१३८९, १०१३९३, १०१४०४,
१०१४१४, १०१४१५, १०१४२०,
१०१४२४, १०१५०५, १०१५१३,
१०१६१५, १०१६२९, १०१६७४,
१०१६७७, १०१६७८, १०१६८२,
१०१७०४, १०१७०८, १०१७१४,
१०१७५०।

स्वरोदयः सटीकः १००२३७, १०१०००, १०१३५८।

स्वरोदयं सविवरणम् १०१३३०।

स्वरोदयचक्रम् १०१०९०।

स्वरोदयटीका १०११८८।

स्वरोदयतत्त्वम् १०१६८५।

स्वरोदयविचारः १०१३६५।

स्वरोदयव्याख्या १०१७२७।

स्वरोदयार्णवः १०१६६१।

स्वाङ्गभ्रमपदार्थः ९८००२।

स्वाङ्गभ्रमी ९८२७८।

हृदासारणी १००४३४।

हयतम् ९८७६५, ९८७८७।

हस्तरेखादिविचारः १०१५८८।

हस्तरेखाविचारः १०१४३८।

हस्तरेखाविवरणम् ९८९९३।

हस्तलक्षणम् १०१३७२।

हस्तसंजीवनम् १०११३७, १०१३७९, १०१४५३,
१०१४७०, १०१४८६।

हस्तसंजीव सटीकम् १०१५३६।

हस्तसामुद्रिकम् १०१३२८।

हायनरत्नम् ९८८३१, ९८८६२, ९८८७५,
९८९८०, ९९१७६, ९९३९५,
९९७२९, ९९७३०, ९९७३१,
९९७३३, १०००१६, १००७२०,
१००७८८, १००८५७।

हायनसुन्दरः ९९८६७।

हिल्लाजः सटीकः १०००९३, १००७३४।

हिल्लाजजातकम् ९९४५४, १०११३०।

हिल्लाजताजिकम् ९९०४३, १००३००।

हिल्लाजदीपिका ९९०४२, १०००९६, १०००२७,
१००६४३।

हिल्लाजरत्नम् १००२९४।

हिल्लाजोक्तभावफलम् १००१४१।

हुङ्कृतिः ९८२९४, ९८४०३।

होडाचक्रम् ९८८२१, ९९५०३, ९९५२०,
९९५६२, ९९६११, १००१५८,
१००३४५, १००४६०, १००८७४,
१००९१०, १०१२५१।

होमार्थसफलवृत्त्यादिवासः ९९४७३।

होराज्ञानम् १००९८६।

होरादिविभूषणम् १००५१३।

होराप्रदीपः १००२७४।

होराप्रश्नः १००८२०।

होराफलम् १००९७९।

होरामकरन्दः ९८८७१, ९९९७९।

होरामकरन्दजातकम् ९९२००।

होरास्तम् ९८८९३, ९८९४७, ९९७१५,
१००१३१, १००३१२, १००५५८।

होराशकुनम् १०१६८३।

होराशकुनविचारः १०१६४०।

होराषट्पञ्चाशिका १००६२९, १०१२२३।

होरास्कन्धः १००१४६।

हंसचक्रम् १००८४७।

